# डिंगल - कोष

[डिंगल भाषा के ६ पर्यायवाची, १ अनेकार्थी व २ एकाक्षरी छन्दोबद्ध प्राचीन कोषों का संकलन]

सम्पादक :
डा. नारायणसिंह भाटी,
निदेशक
राजस्थानी शोध-संस्थान, चौपासनी,
जोधपुर



प्रकाशक
जोधपुर विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त शोध केन्द्र
राजस्थानी शोध-संस्थान, चौपासनी,
जो ध पु र
१९७८

प्रकाशक
चौपासनी शिक्षा समिति द्वारा सस्थापित
राजस्थानी शोध-सस्थान, चौपासनी
जोधपुर

प्रथम सस्करण १६५७
द्वितीय सस्करण (परिमार्जित) १६७८
मूल्य पचहत्तर रुपये

मुद्रक :
अनन्त प्रिण्टर्स,
जोधपुर

# विषय - सूची

# द्वितीय संस्करण का
# निदेशकीय वक्तव्य

इस ग्रथ के प्रथम मस्करण की सीमित प्रतिया ही प्रकाशित की गई थी। राजस्थानी भाषा के ग्रध्यय-ग्रध्यापन मे पिछले वर्पो मे द्रुतगति से विकास हुग्रा जिसके फलस्वरूप इसकी माग देश विदेशो मे बहुत बढी। सस्था की ग्रार्थिक कठिनाइयो के कारण इसका पुनर्मुद्रण कार्य हाथ मे नही लिया जा सका पर इस ग्रथ के महत्व को देखते हुए चौपासनी शिक्षा समिति ने इसके प्रकाशनार्थ विशेष रूप से स्वीकृति प्रदान की ग्रौर इस कार्य मे समिति के सचिव डा० गोविन्दसिंह जी ने विशेप रुचि ली जिसके लिये मैं उनको धन्यवाद देता हू। प्रथम सस्करण मे जो त्रुटियाँ रह गई थी वे इसमे दूर करदी गई है।

ग्राशा है यह ग्रथ भारतीय भापाग्रो के वैज्ञानिक ग्रध्ययन ग्रौर राजस्थानी साहित्य के उन्नयन मे उपयोगी सिद्ध होगा।

—नारायणसिंह भाटी<br>निदेशक

दिनाक 18 अपेल' 78

# भूमिका

भाषा समाज की पहली आवश्यकता है और मानव के विकास का सबसे महत्वपूर्ण साधन भी। मानव के भौतिक एव सास्कृतिक विकास के साथ-साथ भाषा का भी विकास होता है। समाज की उन्नति और उसकी नानारूपेण प्रवृत्तियो में सतत प्रयत्नशील मानव-समूह अपनी आवश्यकताओ के अनुसार जाने-अजाने ही भाषा को नये-नये रूप प्रदान करता है। इसी से भाषा के कई रूप बनते और बिगडते रहते हैं। पर मिटने वाली भाषाओं का प्रभाव नवोदित भाषाओ पर किसी न किसी रूप में अवश्य विद्यमान रहता है, क्योकि नवीन भाषाएँ प्राचीन भाषाओ की कोख से ही उत्पन्न होती हैं, यद्यपि अन्य भाषाओ के प्रभाव से भी वे पूर्णतया अछूती नही रह पाती। भाषाओ का यह विकास-क्रम स्वय मानव जाति के सामाजिक इतिहास से अविच्छिन्न जुडा हुआ सतत प्रवहमान होता रहता है। कौनसी भाषा कितनी समृद्ध और महान है, यह उस भाषा का साहित्य ही प्रमाणित कर सकता है। साहित्य की रचना शब्दो के माध्यम से सम्पन्न होती है। अत किसी भाषा का शब्द-भडार ही उसकी अभिव्यक्ति की क्षमता का द्योतक है।

राजस्थानी भाषा और साहित्य की समृद्धि पर विभिन्न दृष्टियों से विचार करते समय उसके शब्द-भडार की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है। शब्द-भडार पर शब्द-कोषो के माध्यम से विचार करने मे सुविधा होती है, और उसमे हर प्रकार के कोषो का अपना महत्व होता है। आधुनिक प्रामाणिक कोषो के उपलब्ध होते हुए भी सस्कृत भाषा का कोई विद्यार्थी 'अमर-कोष' की उपेक्षा नही कर सकता। इसीलिए इन प्राचीन डिंगल कोषो का भी अपना महत्व है।

विभिन्न भाषाओ के प्राचीन कोषों की तरह ये कोष भी छन्दोबद्ध हैं। प्राचीन काल में जब छापाखाने की सुविधा उपलब्ध नही थी—ज्ञान अर्जित करना, उसे समय पर प्रयोग मे लाना और आने वाली पीढी को उससे लाभान्वित करना एक बहुत बडी समस्या थी। हस्तलिखित पोथियों का प्रयोग अवश्य होता था पर व्यवहार मे स्मरण-शक्ति का भी बहुत सहारा लेना पडता था। लयात्मक और तुकान्त भाषा मे कही गई बात स्मृति मे सहज ही अपना स्थान बना लेती है, इसीलिए अति प्राचीन काल मे समाज की धार्मिक, राजनैतिक और सास्कृतिक मान्यताएँ तक छन्दो का सहारा ढूँढती प्रतीत होती हैं। साहित्याचार्यों ने भी अपने मतो का प्रतिपादन छन्दो के सहारे ही करना उचित समझा, जिसके फलस्वरूप

छन्दोबद्ध रूप में कई लक्षण-ग्रन्थों तथा कोषों का निर्माण हुआ। ये कोष तत्कालीन समाज और साहित्य में जिस रूप में महत्वपूर्ण थे ठीक उसी रूप में आज नहीं हैं। पर आधुनिक ढग के कोषों से जहाँ केवल शब्दों का अर्थ स्पष्ट होता है, ये कोष अन्य कोई महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी भी देते हैं। इन कोषों में तत्कालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक और साहित्यिक प्रवृत्तियों सम्बन्धी कई महत्वपूर्ण सकेत सुरक्षित हैं, जिनके माध्यम से कई महत्वपूर्ण निर्णयों तक पहुँचने में सहायता मिलती है। इनके अतिरिक्त सब में महत्वपूर्ण बात यह है कि आधुनिक कोषों में जहाँ लेखक या सम्पादक का व्यक्तित्व निहित नहीं रहता वहाँ इन प्राचीन कोषों में उनके रचयिताओं का व्यक्तित्व काफी मात्रा में सुरक्षित है।

इस प्रकार के कोषों के निर्माण की प्रवृत्ति उस समय की विशेष आवश्यकताओं की ओर भी सकेत करती है। तत्कालीन सामन्ती व्यवस्था में इन कोषों का महत्व पाठक के बनिस्पत कवि के लिए अधिक था। राजस्थान में जहाँ कई मौलिक सूझ-बूझ वाले और प्रतिभा-सम्पन्न कवि हुए वहाँ कविता के साथ व्यावसायिक लगाव रखने वालों की जमात भी काफी बडी थी। उनके लिए कविता इतनी स्वत स्फूर्त न होकर अभ्यास की चीज थी। कविता को अत्यधिक प्रयत्न-साध्य और अभ्यास की चीज बनाने के लिए काव्य-रचना सम्बन्धी आवश्यक उपकरणों को स्मरण-शक्ति में हर समय बनाए रखना और उन पर अधिकार करना आवश्यक होता है। यह उद्देश्य बहुत कुछ इन कोषों के माध्यम से भी पूरा होता था, क्योंकि शब्दों के साथ-साथ छन्द-रचना सम्बन्धी नियम और उदाहरणों की व्यवस्था तक कई कोषों के साथ की गई है। रीतिकालीन हिन्दी साहित्य में तो इस प्रकार के ग्रन्थों की भी रचना हुई जो विभिन्न प्रकार के वर्णनों के लिए फार्मूले मात्र प्रेषित करते थे। वर्षा, वाटिका, तडाग जलक्रीडा आदि वर्णनों के लिए वे निश्चित शब्दों की सूची तक बना कर इस प्रकार के कवियों की कवि-कर्म के निर्वाह में पूरी सहायता करते थे। सामाजिक परिवर्तनों के साथ जब कवि का दृष्टिकोण और उसकी साहित्यिक मान्यताएँ बदली तो साहित्य के विभिन्न अगों के साथ-साथ इन कोषों की उपयोगिता के प्रकार में भी अतर आया। आज वे जितने कवि के लिए उपादेय नहीं उतने विद्यार्थी के लिए सुविधाजनक हैं।

किसी भी भाषा का कोष उस भाषा की साहित्य-रचना के पश्चात निर्मित होता है। जब किसी भाषा का साहित्य काफी उन्नत और समृद्ध हो जाता है तभी कोष तथा लक्षण-ग्रन्थों के निर्माण की ओर आचार्यों का ध्यान आकर्षित होता है। अत. अच्छी सख्या में डिंगल के इतने समृद्ध कोषों की उपलब्धि इस भाषा की समृद्धि की भी परिचायक है। इतना ही नहीं इन कोषों में तत्कालीन डिंगल साहित्य की विभिन्न प्रवृत्तियों के सकेत भी मिलते हैं। प्राचीन डिंगल साहित्य में अपनी सामाजिक पृष्ठ-भूमि के अनुरूप वीर, शृंगार तथा शातरस की धाराओं का प्राधान्य रहा है और इन्हीं रसों को व्यजित करने वाली सशक्त शब्दावली को प्राय इन सभी कोषों में विशेष स्थान मिला है। कविराज मुरारिदानजी के डिंगल-कोष का विस्तार कुछ अधिक है पर उसमें भी ऐसे ही शब्दों की प्रधानता है।

भाषा-विज्ञान की दृष्टि से इन कोषों का महत्व असाधारण है। किसी भी भाषा के विकास-क्रम को समझने के लिए उस भाषा के बहुत बडे शब्द-समूह पर कई दृष्टियों से विचार करना आवश्यक हो जाता है। कई बातों की जानकारी तो भाषा का व्याकरण ही दे देता है पर

शब्दों के रूप में कब और कैसे परिवर्तन हुए, इसका अध्ययन करने के लिए समय-समय पर होने वाले शब्दों के रूप-भेद की पूरी जाँच करनी होती है तभी शब्दो के रूप-परिवर्तन में बरते जाने वाले नियमो का भी स्पष्टीकरण होता है। अतः वैज्ञानिक ढंग से राजस्थानी भाषा के विकास को समझने में ये कोष एक प्रामाणिक सामग्री का काम दे सकते हैं। इसके अतिरिक्त राजस्थानी में प्रयुक्त अन्य भाषाओं के शब्दों की स्थिति भी इनसे सहज ही स्पष्ट हो जाती है।

वर्णिक-क्रम के हिसाब से राजस्थानी का आधुनिक शब्द-कोष तैयार करने में इन कोषो से मिलने वाली सहायता का महत्व असंदिग्ध है। डिंगल-भाषा के मुख्य-मुख्य शब्द अपने मौलिक तथा परिवर्तित रूप मे एक ही स्थान पर उपलब्ध हो जाते हैं। कई शब्दो के समय-समय पर होने वाले अर्थ-भेद तक का अनुमान इनके माध्यम से मिल जाता है। इतना ही नहीं, सूक्ष्म अर्थ-भेद को इंगित करने वाले समान शब्दो पर भी इन कोषो के आधार पर विचार किया जा सकता है। संग्रहीत डिंगल-कोषों के सभी रचयिता अपने समय के माने हुए विद्वान और कवि थे। ऐसी स्थिति मे उनके शब्द-ज्ञान मे भी संदेह की विशेष गुंजाइश नहीं बनती। प्राचीन पोथियों की प्रामाणिकता को कायम रखने मे लिपिकारो की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। अत कई स्थलों पर उनकी असावधानी के कारण अस्पष्टता तथा त्रुटियो की सम्भावना अवश्य बनी हुई है। इनके अतिरिक्त मौखिक परम्परा पर जीवित रहने के पश्चात लिपिबद्ध होने वाले कोषो के उपलब्ध रूप और मौलिक रूप मे अवश्य कुछ अन्तर है, जिसका आभास समय-समय पर लिपिबद्ध होने वाली एक ही कोष की कई प्रतियो मे हो सकता है। 'नागराज डिंगल-कोष' तथा 'डिंगल-नाम-माळा' इसी प्रकार के कोष हैं जो अपूर्ण भी हैं और निर्माण-काल के काफी समय बाद की प्रतिया हमे उपलब्ध हो सकी हैं। अत. इन कोषो का समुचित प्रयोग उपरोक्त तथ्यों को ध्यान मे रख कर होना चाहिए।

अब यहाँ सम्पादित प्रत्येक डिंगल-कोष और उसके रचयिता के सम्बन्ध मे आवश्यक विचार कर लेना उचित होगा।

**डिंगल नाम-माळा :**

यह कोष सम्पादित कोषों में सब से प्राचीन है। मूल प्रति मे इसके रचयिता का नाम हरराज मिलता है। हरराज सं० १६१८ में जैसलमेर की गद्दी पर बैठा था। इससे यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि इस कोष की रचना इसी समय के आसपास हुई है। श्री अगरचन्द नाहटा के मतानुसार हरराज स्वय कवि नही था। कुशललाभ नामक जैन कवि ने उसके लिए इस ग्रन्थ की रचना की थी*। वैसे प्राप्य 'डिंगल नाम माळा' की पुष्पिका मे हरराज के साथ कुशललाभ का नाम जुड़ा हुआ है। इससे यह अनुमान होता है कि कुशललाभ ने स्वयं यदि इस ग्रन्थ का निर्माण नहीं किया तो ग्रन्थ-निर्माण में सहायता तो अवश्य की होगी, अन्यथा उसका नाम यहाँ मिलने का कारण नहीं। वास्तव मे हरराज कवि था या नहीं यह विषय विचारणीय अवश्य है और अंतिम निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए समर्थ प्रमाणों की आवश्यकता है।

---

* राजस्थान भारती, भाग १, अंक ४ जनवरी १९४७

इस कोष के शीर्षक से एक अत्यन्त महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है। मूल प्रति में कोष का शीर्षक है—'अथउ डिंगल नाम-माळा', पुष्पिका में पूरा नाम 'पिंगल सिरोमणी उडिंगल नाम-माळा' भी मिलता है। अतः यहाँ दिये गये डिंगल और उडिंगल शब्दों में कौनसा शुद्ध शब्द है, कहना कठिन है। वैसे शीर्षक में प्रयुक्त 'उ' अक्षर यदि 'अथ' के साथ से हटा कर 'डिंगल' के साथ रख लेते हैं तो यहाँ भी उडिंगल हो सकता है। डिंगल शब्द का प्रयोग १९ वीं शताब्दी में मिलता है,* पर उससे भी पहले, बहुत सम्भव है, डिंगल के लिये उडिंगल ही प्रयुक्त होता हो। प्राचीन डिंगल शब्द को आधुनिक अंग्रेज विद्वान डॉ० ग्रियर्सन आदि ने उच्चारण की सुविधा के लिये पिंगल के आधार पर डिंगल बना दिया है।† इसके पहिले इस प्रकार की ध्वनि वाला शब्द नहीं था। 'उडिंगल' शब्द के मिलने से इस तथ्य पर पुनर्विचार करने की गुंजाइश बन जाती है। यह कोष प्राचीन होने के कारण कई तत्कालीन शब्दों की अच्छी जानकारी देता है, इसलिए राजस्थानी भाषा के विकास की दृष्टि से इसका विशेष महत्व है। कोष का आकार बहुत छोटा है तथा इसकी पुष्पिका से भी यही प्रतीत होता है कि यह पूरे ग्रन्थ 'पिंगल सिरोमणी' का एक अध्याय मात्र है। इस कोष की केवल एक ही प्रति श्री अगरचन्द नाहटा के संग्रह से हमें उपलब्ध हो सकी, इसलिए उसी को आधार मान कर चलना पड़ा है।

## नागराज डिंगल-कोष

इस कोष के रचयिता के सम्बन्ध में निश्चित जानकारी उपलब्ध नहीं होती। केवल कुछ किंवदंतियाँ सुनने को मिलती हैं, जिनमें एक किंवदंती तो बहुत प्रसिद्ध है,‡ जिसके अनुसार शेषनाग ही छन्द-शास्त्र का प्रणेता माना गया है। संस्कृत का 'पिंगल सूत्र' बहुत प्रसिद्ध है, जिसके रचयिता पिंगल मुनि बतलाये जाते हैं। उन्हें शेषनाग का अवतार भी माना गया है। वैसे शेषनाग का पर्याय भी पिंगल होता है। पिंगल शब्द छन्द-शास्त्र के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है, पर डिंगल-भाषा का कोई नागराज या पिंगल नाम का विद्वान हुआ हो ऐसा उल्लेख प्राचीन ग्रन्थों में नहीं मिलता। यह भी संभव हो सकता है कि किसी विद्वान ने पिंगल की प्रसिद्धि देख कर, पिंगल के नाम से ही डिंगल में भी ऐसे ग्रन्थ की रचना कर दी हो जो कालान्तर में पिंगल ही की मानी जाने लग गई हो, और प्राप्य कोष उसी का अंश हो। संपादित कोष की मूल हस्तलिखित प्रति जुढिये (मारवाड़) के पनारामजी मोतीसर के पास सुरक्षित थी। उसका शीर्षक 'नागराज पिंगल कृत डिंगल कोष' है। लिपिकाल सं० १८२१ दिया हुआ है। अतः उसी को आधार मान कर इस कोष का प्रकाशन किया गया है। केवल २० छन्दों का ग्रन्थ होते हुए भी पर्यायवाची शब्दों की अच्छी संख्या इसमें मिलती है। सिंह तथा पानी नाम तो विशेष तौर से द्रष्टव्य हैं।

---

* डॉ० मोतीलाल मेनारिया—राजस्थानी भाषा और साहित्य, पृ० १५

† " " " राजस्थानी भाषा और साहित्य, पृ० २०.

‡ एक बार गरुड़ ने क्रोधित होकर शेषनाग का पीछा किया। शेषनाग ने अपने आपको बचाने की बहुत कोशिश की पर अन्त में कोई उपाय न देख कर गरुड़ को समर्पण कर दिया,

हमीर नाम-माळा

इसके रचयिता 'हमीरदान रतनू' मारवाड के घडोई गाव के निवासी थे। पर उनके जीवन का अधिकाश भाग कच्छभुज मे ही व्यतीत हुआ। ये अपने समय के अच्छे विद्वानो मे गिने जाते थे। इन्होने छन्द-शास्त्र सम्बन्धी कई ग्रन्थ लिखे हैं, जिनमे 'लखपत पिंगल' बहुत महत्वपूर्ण है। 'भागवत दरपण' के नाम से इन्होने राजस्थानी मे भागवत का अनुवाद किया है, जिससे इनके पाडित्य का प्रमाण मिलता है। हमीर नाम-माळा' डिंगल कोषो मे सबसे अधिक प्रसिद्ध और प्रचलित है, इसलिए समय-समय पर लिपिबद्ध की हुई प्रतिया भी अच्छी स्थिति मे उपलब्ध होती हैं। यहाँ इस ग्रन्थ का सम्पादन तीन प्रतियो के आधार पर किया गया है। इन तीनो प्रतियो के अतिमद्दाले मे ग्रन्थ का रचना-काल १७७४ मिलता है—

समत छहोतरं सतर मैं
मती ऊपनी हमीर मन,
कीधी पूरी नाम-माळिका
दीपमाळिका तेण दिन।

—(मूल प्रति)

हमारे सग्रह की मूल प्रति (लिपिकाल स १८५६) के अतिरिक्त जिन दो प्रतियो के पाठान्तर दिये गये हैं उनमें (अ) प्रति की प्रतिलिपि भी श्री अगरचन्द नाहटा से उपलब्ध हुई है। इसके पाठान्तर बडे महत्वपूर्ण हैं। मूल प्रति का लिपिकाल सवत १८५० के लगभग है (ब) प्रति श्री उदयराज उज्ज्वल के सौजन्य से प्राप्त हुई है। यह प्रति भी शुद्ध और पूर्ण है। इसका लिपिकाल सवत १८७४ है। 'हमीर नाम-माळा' डिंगल के प्रसिद्ध गीत 'वेलियों' मे लिखी गई है। हर एक शब्द के पर्याय गिनाने के पश्चात अतिम पक्तियो मे बडी खूबी के साथ हरि-महिमा सम्बन्धी सुन्दर उक्तियाँ कह कर ग्रन्थ मे सर्वत्र अपन व्यक्तित्व की छाप छोडने का प्रयत्न भी किया गया है। इसलिए यह ग्रन्थ 'हरिजस नाम माळा' के नाम से भी प्रसिद्ध है।

'हमीर नाम-माळा' की रचना मे धनजय नाम-माळा, मानमजरी, हेमी कोष तथा अमर कोष से भी यथोचित सहायता ली गई है, जिसका जिक्र कवि ने स्वय अपने ग्रन्थ के अन्त मे

---

पर एक बात उसने ऐसी कही जिससे गरुड को सोचने के लिए बाध्य होना पडा। नागराज ने कहा, मुझे मरने का दुख नही होगा पर मैं छन्द-शास्त्र की विद्या का जानकार हूँ और वह विद्या मेरे साथ ही समाप्त हो जाएगी। ऐसी स्थिति में एक ही उपाय है कि तुम मुझ से छन्द-शास्त्र सुन कर याद कर लो, फिर जो चाहो करना। गरुड ने बात मान ली, पर एक आशका व्यक्त की कि कहीं तुम धोखा देकर भाग न जाओ। इस पर शेषनाग ने वचन दिया कि मैं जब जाऊगा, तुम्हे कह कर चेतावनी दू गा कि मैं जा रहा हू। शेषनाग ने पूरा छन्द-शास्त्र सुनाया और अत मे भुजगम् प्रयातम् (भुजगप्रयात—सस्कृत मे एक छन्द का नाम) कह कर समुद्र मे प्रविष्ट हो गया। शेषनाग की चतुराई पर प्रसन्न होकर कहते हैं कि गरुड ने उसे क्षमा कर दिया और आदेश दिया कि छन्द-शास्त्र की पूर्णता के लिए कोष भी बनाओ। तब शेषनाग ने शब्द-कोष का भी निर्माण किया। तब से वे ही इसके प्रणेता माने गये।

किया है ।* 'हमीर नाम-माळा' ३११ छन्दो का ग्रन्थ है । इन छन्दो मे प्राचीन तथा तत्कालीन साहित्य मे प्रचलित डिंगल-भाषा के बहुत से शब्द अपने विशुद्ध रूप मे सुरक्षित हैं ।

**अवधान-माला :**

इस ग्रन्थ के रचयिता बारहठ उदयराम मारवाड के थबूकडा ग्राम के निवासी थे । इनकी जन्म-सम्बन्धी निश्चित तिथि उपलब्ध नहीं होती, पर अन्य साधनो के आधार पर यह सिद्ध होता है कि ये जोधपुर के महाराजा मानसिंहजी के समकालीन थे ।† इन्होने कच्छभुज के राजा भारमल तथा उसके पुत्र देसल (द्वितीय) की प्रशसा अपने ग्रन्थो मे स्थान-स्थान पर की है । इससे पता चलता है कि ये उनके कृपापात्र थे और जीवन का अधिकाश भाग वही व्यतीत किया था । वे अपने समय के विद्वानो में समादरित तो थे ही इसके अतिरिक्त विभिन्न विद्याओ मे निपुण होने के कारण अन्य राज्य-दरबारों मे भी सम्मान पा चुके थे ।

इनके ग्रन्थो मे 'कविकुलबोध' सबसे अधिक महत्वपूर्ण है । इस ग्रन्थ की हस्तलिखित प्रति श्री सीताराम लाळस के माध्यम से उपलब्ध हुई थी । इसमे गीतो के लक्षण उदाहरण-सहित दिए गए हैं तथा गीतो मे प्रयुक्त अन्य आवश्यक शैलीगत उपकरणो का भी सुन्दर विवेचन किया गया है । यहा सम्पादित अवधान-माळा, अनेकारथी कोष, तथा एकाक्षरी नाम-माळा भी इसी ग्रन्थ से उपलब्ध हुए हैं । इसके अतिरिक्त कई छन्दो के लक्षण तथा लक्ष्मी-कीर्ति-सवाद के दो महत्वपूर्ण अध्याय भी इसमे हैं ।

'अवधान-माळा' ग्रन्थ की छन्द सख्या ५६१ हैं । डिंगल के प्रचलित शब्दो के अतिरिक्त भी कवि ने कुछ शब्द विद्वतापूर्ण ढग से बना कर रखे हैं । इस कोष की एक बहुत बडी विशेषता यह है कि छन्दपूर्ति आदि के लिए पर्यायवाची शब्दो के अतिरिक्त बहुत कम निरर्थक शब्दो का प्रयोग मिलता है ।

इस ग्रन्थ मे इनका कही-कहीं उदयराम के अतिरिक्त उमेदराम नाम भी मिलता है । संभव है इनके ये दोनो नाम उस समय मे प्रचलित हो ।

**नाम माळा :**

इस ग्रन्थ की मूल प्रति हमारे-सस्थान के संग्रहालय मे है । इसमें न ग्रन्थकार का नाम मिलता है न लिपिकार का । प्रति करीब १०० वर्ष पुरानी होनी चाहिए ऐसा अनुमान इसके पत्रो की लिखावट से लगता है । मूल प्रति में इस कोष के साथ कुछ गीतो के उदाहरण भी दिए हुए हैं । कई शब्दो के प्राचीन शुद्ध डिंगल रूप इस कोष मे देखने को मिलते हैं, जिससे यह अनुमान होता है कि इसका रचयिता कोई अच्छा विद्वान होना चाहिए । ईश्वर, व्रख, भमर, चपळा आदि के कई महत्वपूर्ण पर्याय इस कोष मे द्रष्टव्य हैं । छन्द-पूर्ति आदि के लिए भी बहुत ही कम निरर्थक शब्दो का प्रयोग देखने को मिलता है जो कवि का शब्द तथा छन्द दोनों पर अधिकार साबित करता है ।

---

* हमीर नाम-माळा—पृ० ८८

† हमारे शोध-सस्थान मे सुरक्षित महाराजा मानसिंहजी के समकालीन कवियो के चित्र में इनका चित्र भी नाम सहित मिलता है ।

### डिंगल-कोष

पर्यायवाची कोषो मे यह कोष सबसे बड़ा है। इस कोष के रचयिता बूंदी के कविराजा मुरारिदानजी, महाकवि सूर्यमल के दत्तक पुत्र तथा उनके शिष्यो मे से थे। वंशभास्कर को सम्पूर्ण करने का श्रेय भी इन्ही को है। इस कोष में करीब ७००० शब्द ग्रन्थकार ने समाहित किये हैं। यह कोष पुराने ढग से बहुत पहले प्रकाशित हो चुका है जिसकी प्रतियां अब उपलब्ध नही होती। इसमे छपाई की अशुद्धिया भी बहुत हैं। मूल ग्रन्थ में छन्दो तथा अलकारो पर भी प्रकाश डाला गया है, पर कोष ही उसका मुख्य अग है, इसीलिए पूरे ग्रन्थ का नाम भी 'डिंगल-कोष' ही रखा गया है। डिंगल ग्रन्थो में प्रयुक्त शब्दो को ही इस ग्रन्थ मे स्थान मिला है। अपनी ओर से गढे हुए अथवा अप्रचलित शब्दो का मोह कवि को विचलित नही कर पाया है। संस्कृत शब्दो को कवि ने कई स्थानो पर नि सकोच अपनाया है। अमर-कोष की तरह यह कोष भी विभिन्न अध्यायो मे विभक्त किया गया है, जिससे ऐसा आभास होता है कि कवि उक्त कोष की शैली अपनाने का प्रयत्न करना चाहता था। कोष के प्रारम्भिक अध्यायो मे गीतो का लक्षण बताने के पश्चात गीत के उदाहरण मे भी पर्यायवाची कोष का निर्वाह किया है। इस प्रकार की शैली अन्य किसी कोष मे नही अपनाई गई है, यह इसकी अपनी विशेषता है। कोष का निर्माण आधुनिक काल के प्रारम्भ मे हुआ है, इसलिए डिंगल से अनभिज्ञ पाठको की सुविधा को ध्यान मे रख कर नामो के शीर्षक प्राय हिन्दी मे ही दिये हैं और उनको उसी रूप मे अनुक्रमणिका मे भी रखा गया हैं।

डिंगल-कोषो मे यह कोष अतिम, महत्वपूर्ण एव प्रामाणिक है।

### अनेकारथी कोष

जैसा कि पहले कहा जा चुका है, यह कोष भी बारहठ उदयराम द्वारा रचित 'कवि-कुलबोध' का ही भाग है। डिंगल भाषा का इस प्रकार का यह एक ही ग्रन्थ उपलब्ध है। इसमें ठेट डिंगल के अतिरिक्त संस्कृत भाषा के भी शब्द हैं। कही-कही पर कवि ने अपनी ओर से भी शब्द गढ कर रखने का प्रयत्न किया है। जैसे—'मधु' के अनेक अर्थ सूचित करने वाले शब्दों में 'विष्णु' नाम न लेकर उसके स्थान पर माकत शब्द रखा है।* मा=लक्ष्मी, कत=पति अर्थात विष्णु। पर विष्णु के लिए माकत शब्द का प्रयोग डिंगल ग्रन्थो मे नही देखा गया।

पूरा ग्रन्थ दोहो मे लिखा गया है जिससे कठस्थ करने मे बड़ी सुविधा रहती है। ग्रन्थारभ मे, प्रत्येक दोहे मे एक शब्द के अनेक अर्थ दिये गये हैं। आगे जाकर प्रत्येक दोहे मे दो शब्दो के अनेकार्थी क्रमश. पहली और दूसरी पक्ति मे रखे गये हैं।

'कविकुलबोध' की प्रति पर रचनाकाल और लिपिकाल न होने से इस ग्रन्थ के रचनाकाल के सम्बन्ध मे भी निश्चित रूप से कुछ कहा नही जा सकता।

---

* अनेकारथी कोष—पृ० २६६, छद ५.

एकाक्षरी नाम-माला :

इसके रचयिता कवि वीरभाण रतनू भी हमीरदान के ही गाव घड़ोई (मारवाड़) के रहने वाले थे। इनकी जन्म-तिथि के सम्बन्ध मे विशेष जानकारी नहीं मिलती। पर इतना तो निश्चित है कि ये जोधपुर के महाराजा अभयसिंह के समकालीन थे। यह उनके प्रसिद्ध काव्य-ग्रन्थ 'राजरूपक' से प्रमाणित होता है, जो अभयसिंहजी द्वारा किये गये अहमदाबाद के युद्ध की घटना को लेकर लिखा गया है। यह भी कहा जाता है कि कवि स्वयं युद्ध मे मौजूद था।

उनका यह एकाक्षरी कोष आकार मे बहुत छोटा है। महाक्षपण कवि रचित संस्कृत के एकाक्षरी कोष की छाया इसमे स्थान-स्थान पर मौजूद है। कोष बहुत ही अव्यवस्थित ढंग से लिखा गया है। इसमें न तो कोई क्रम अपनाया गया है और न अलग-अलग शीर्षक देकर ही कोई विभाजन किया गया है। ऐसी स्थिति मे कई स्थानो पर अस्पष्टता रह गई है। ऐसा प्रतीत होता है कि कवि स्वयं कोष रचना मे दिलचस्पी नहीं ले रहा है।

इस कोष की प्रतिलिपि नाहटाजी ने भिजवाई थी। उनके मतानुसार इसका लिपि-काल १९वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध है।

एकाक्षरी नाम-माला

यह कोष भी बारहठ उदयरामजी के 'कविकुलबोध' से ही लिया गया है। ग्रन्थ की दसवीं लहर या तरंग के अन्त मे यह पूर्ण हुआ है। ऐसा क्रमानुसार लिखा हुआ पूर्ण कोष डिंगल मे दूसरा नहीं मिलता। संस्कृत, प्राकृत, और अपभ्रंश के कई कोषो मे भी इस प्रकार की क्रम व्यवस्था कम देखने को मिलती है। अन्य कोषो की तरह इस कोष मे भी कवि ने अपने विस्तृत ज्ञान का परिचय दिया है। ठेट डिंगल के अतिरिक्त संस्कृत के शब्दो का भी प्रयोग किया गया है, पर कहीं-कहीं तो जन-जीवन मे प्रचलित अत्यन्त साधारण शब्दो तक को कवि ने अनोखे ढंग से अपनाया है। जैसे 'झ' का अर्थ उन्होंने करभ-झेकतांवाज* अर्थात ऊँट को बैठाते समय किया जाने वाला शब्दोच्चारण किया है, जो जन-जीवन में अत्यन्त प्रचलित है। ऐसे शब्दो का प्रयोग कवि के सूक्ष्म अध्ययन का परिचायक है।

संग्रहीत कोषो मे ३ कोष बारहठ उदयरामजी के हैं। तीनो कोष अपने ढंग के अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। अत डिंगल-कोष रचना मे उदयरामजी का विशेष स्थान है।

कोषों-सम्बन्धी इस आवश्यक जानकारी के पश्चात अब उनकी कुछ सामान्य प्रवृत्तियो का विवेचन किया जाता है जो इनके प्रयोग तथा मूल्यांकन मे सहायक होगा।

(१) इन कोषो मे कई स्थल ऐसे भी हैं जहा जातिवाचक शब्दो के अन्तर्गत व्यक्ति-वाचक शब्दों को भी ले लिया गया है। जैसे 'अप्सरा' के पर्याय गिनाते समय विशिष्ट अप्सराओ के नाम भी उसी मे समाहित कर लिये गये हैं।† पर यहा एक ध्यान देने योग्य बात यह है कि डिंगल के प्राचीन काव्य-ग्रन्थों में व्यक्तिवाचक शब्दों का प्रयोग जातिवाचक शब्दो की तरह भी किया गया है। एरावत इन्द्र के हाथी का ही नाम है पर साधारण हाथी के लिए भी प्रयुक्त होता रहा है। अतः संभवतया ग्रन्थकारो ने इस प्रकार की प्रवृत्ति को ध्यान में रख कर ही यह प्रणाली अपनाई होगी।

---

*एकाक्षरी नाम-माळा—पृ० २९५, छंद ११६

†डिंगल नाम-माळा—पृ० २२, छंद १७   अवधान-माळा—पृ० ९७, छंद ७५

(२) कई स्थानों मे पर्यायवाची शब्दो का रूप एकवचनात्मक से बहुवचनात्मक कर दिया गया है। जैसे, तलवार के लिये—करवाणा, करवाळा आदि[1] घोड़े के लिये—हया, रेवता, साकुरा, अस्सा, जगमा, पमगा हैवरा आदि[2] यह केवल मात्राओ की पूर्ति के लिये तथा तुक के आग्रह से किया गया प्रतीत होता है।

(३) कही-कही पर्यायवाची देने के साथ, बीच-बीच में, वस्तु की विशेषताओं और प्रयोग आदि का वर्णन करके भी अपनी विशेष जानकारी को प्रदर्शित करने का प्रयत्न किया है। 'नूपुर' के पर्याय गिनाते समय उससे शरीर मे हर्ष सचरित होने वाली विशेषता की सूचना भी दी है[3] और 'नागरवेल' के पर्यायवाची शब्दो के साथ उसके प्रयोग का जिक्र भी किया है।[4] इसी प्रकार के कितने ही उदाहरण कोष्ठको मे लिये हुए मिलेंगे।

(४) विद्वान कवियो ने कई शब्दो की परिभाषा तक देने का प्रयत्न किया है। जैसे, प्राकृत को नर-भाषा, मागधी को नाग-भाषा सस्कृत को सुर-भाषा, और पिसाची को राक्षसो की भाषा कह कर समझाने का प्रयत्न किया है।[5]

(५) ऐसे शब्दो को भी किसी शब्द के पर्याय के रूप मे स्थान दे दिया गया है जो कि सही अर्थ मे ठीक पर्याय न होकर कुछ भिन्न अर्थ व्यजित करने की भी क्षमता रखते हैं। जैसे 'स्नेह' के लिए 'संतोष' तथा सुख' आदि का प्रयोग।[6] इस प्रकार की उदारता थोडी-बहुत सभी कोषो में बरती गई है।

(६) जैसा कि पहले सकेत कर दिया गया है, कई कवियो ने अपनी चतुराई से भी शब्द गढे हैं जो बडे ही उपयुक्त जंचते हैं। जैसे—ऊट के लिए 'फीणनाखतो'[7] तथा अर्जुन के लिए 'मरदा-मरद'[8] शब्द का प्रयोग किया गया है, पर ये शब्द प्राचीन डिंगल कविता मे उपरोक्त अर्थ मे प्रयुक्त नहीं हुए। इस प्रकार शब्द-रचना की स्वतन्त्रता बहुत कम स्थानो पर ही देखने मे आती है।

(७) कई स्थानो पर तो शब्दों के पर्यायवाची न रख कर केवल तत्सम्बन्धी वस्तुओ की नामावली मात्र दी गई है। उदाहरणार्थ—सताईम नक्षत्र नाम[9] शीर्षक के अतर्गत २७ नक्षत्रों के नाम गिना दिये गये हैं, जोकि सत्ताईम नक्षत्र के पर्यायवाची नही कहे जा सकते। इसी प्रकार चोईम अवतार नाम[10], मातधात रा नाम[11], बारै रासा रा नाम[12], आदि के सम्बन्ध मे भी यही युक्ति काम मे ली गई है।

---

[1] डिंगल नाम-माळा—पृ० २०, छद ८
[2] डिंगल-कोष —पृ० १७५, छद ८१
[3] अवधान-माळा—पृ० १३४, छद ४८५
[4] अवधान-माळा—पृ० १४२, छद ५५६
[5] अवधान-माळा—पृ० १३१, छद ४६०
[6] हमीर नाम-माळा—पृ० ६९, छद २०१
[7] नागराज डिंगल-कोष—पृ० २८, छद ५
[8] हमीर नाम-माळा—पृ० ५५, छद १२४
[9] अवधान-माळा—पृ० १३०, छद ४४८, ४४९, ४५०, ४५१
[10] अवधान-माळा—पृ० १३०, छद ४४२, ४४३, ४४४.
[11] ,, ,, —पृ० १३१, छद ४५६.
[12] ,, ,, —पृ० १३१, छद ४५२

(८) छन्द पूर्ति के लिए कई निरर्थक शब्दो का प्रयोग करना भी आवश्यक हो गया है। प्रत्येक कवि ने अपनी इच्छानुसार छंद-पूर्ति करने की कोशिश की है। छंद-रचना मे कुछ कवियो ने कम-से-कम भरती के शब्दो को स्थान दिया है पर कई कवियो ने पूरी पंक्ति तक, अपने नाम की छाप लगाने को समाविष्ट कर ली है। आखो, आख, कहो, मुणो मुणात, चवो, चवीजै, गिणो, गिणात आदि शब्द छन्द मे गति उत्पन्न करने तथा मात्राओ की पूर्ति के लिए बहुत प्रयुक्त हुए हैं। इस तरह के शब्दो व पंक्तियो को कोष्ठको—( )—के भीतर ले लिया गया है।

आज के प्रजातान्त्रिक युग मे भाषा और समाज के सम्बन्धो को अत्यन्त गहराई से हृदयगम करने के पश्चात जब हमारी राष्ट्रभाषा और प्रान्तीय भाषाओ की उन्नति के लिए विशेष सजगता के साथ प्रयत्न होने लगे हैं तो करीब डेढ करोड मानवों की भाषा राजस्थानी का प्रश्न भी अत्यत महत्वपूर्ण और विचारणीय हो गया है। ऐसी स्थिति मे आधुनिक साहित्य के निर्माण के साथ-साथ उसके व्याकरण, शब्दकोष तथा भाषा के क्रमबद्ध इतिहास को प्रकाश मे लाना बहुत आवश्यक है। राजस्थानी भाषा का व्याकरण तो प्रकाशित हो चुका है और राजस्थानी शब्द-कोष तथा भाषा के इतिहास पर भी राजस्थान के विद्वान बहुत लगन के साथ कार्य कर रहे हैं। ऐसी स्थिति मे इन छन्दोबद्ध कोषो का प्रकाशन एक महत्वपूर्ण प्रमाणिक सामग्री का काम दे सकेगा। वर्तमान परिस्थितियो मे इनकी विशेष उपादेयता को ध्यान में रख कर ही यह प्रकाशन किया जा रहा है, यद्यपि विभिन्न भारतीय भाषाओ में अन्तर्प्रान्तीय स्तर पर होने वाले शोध-कार्य में भी इनकी अपनी उपयोगिता है।

प्राचीन ग्रन्थो की बहुत छानबीन करने तथा राजस्थानी भाषा के जाने-माने विद्वानो की सहायता लेने के बावजूद भी हमे केवल ६ कोष उपलब्ध हो सके हैं। राजस्थानी भाषा इतनी प्राचीन और समृद्ध है कि इसके अगणित हस्तलिखित ग्रन्थ विभिन्न संग्रहालयो के अतिरिक्त कितने ही लोगो के पास आज भी मौजूद हैं। ऐसी स्थिति मे कुछ नये कोष तथा इन कोषो की कुछ प्रतिया और उपलब्ध हो जायें तो कोई आश्चर्य की बात नहीं।

श्री उदयराजजी उज्ज्वल, श्री सीतारामजी लाळस तथा श्री अगरचन्दजी नाहटा से हमे कई कोषो की प्रतियाँ उपलब्ध हुई हैं (जिनका उल्लेख यथास्थान कर दिया गया)। श्री सीतारामजी लाळस ने तो इस काम मे विशेष दिलचस्पी लेकर 'हमीर नाम-माळा' के पाठान्तर निकालने मे, कई शब्दो पर विचार करने मे, तथा कई महत्वपूर्ण बातो की जानकारी प्राप्त करने मे अन्त तक हमारी पूरी सहायता की है, जिसके लिये मैं इन विद्वानो का हृदय से आभारी हूँ।

राजस्थान लॉ वीकली प्रेस के मैनेजर श्री हरिप्रसादजी पारीक ने पूरी दिलचस्पी और परिश्रम के साथ ग्रन्थ के प्रूफ देखे हैं, अनुक्रमणिका बनाने मे सहायता की है, तथा छपाई-सफाई मे भी इस प्रकाशन के महत्व को समझ कर, विशेष ध्यान दिया है, जिसके लिए वे हार्दिक धन्यवाद के पात्र हैं।

अंत मे जिन महानुभावो ने जिस किसी रूप मे हमे सहायता प्रदान की है, उन सब का आभार प्रदर्शन करना मैं अपना अपना कर्तव्य समझता हूँ।

—नारायणसिंह भाटी

पर्यायवाची कोष–१

# डिंगल नांम-माला

कविराज हरराज विरचित



# अथउ डिंगल नांम - माला

---

### राजा नाम

पार्थिव ख्योणीपति राज - भूपाण रायहर ,
नरवर ईस नरेंद भाणकुळजा महिराणवर ।
प्रजापाळगर (नाम)[1] जगतमावीत्र अजादे ,
घणीमाळ—चोधार[2] भारभुज सिंह (सुनादे) ।
अणवीह (काज) गाजागिरै सूरपति नरसिंह (कहि) ,
(कर जोड राव हरियद लहि) राण राव (चे नाम सहि) ।।—१

### मंत्रीवी नाम

मत्री गूडा - वाच वुधिवळ लायक (दखे) ,
सचिवा (फिर) सचिवाळ राजअगधारसु (तख्ये) ।
प्राझोपुरस प्रधान दाणपुरधाण पुरोहित ,
विरतीचख वरियाम फौजआभरण (जाण) मित ।
अकहूतलेखाळ (कहि) मरद वजीरा जोधगुर ,
(कर जोड एम पिंगल कह्यो तिम रूपक हरियद कर) ।।—२

### जोधा नाम

सिंह सूर सामंत जोध भुजपाळ घडीभिड ,
(भिडै) फौजगाहणा वेढ भीचा जोधार गिड ।
अणीभमर वधिसमर अछरवर हंसा[3] (अखा) ,
सवळ - दळा - गाहणा सूरजमडळ - भिद (सखा) ।
रूपफौज (भूप आगळ रहै कवि पिंगल अे नांम कहि) ,
जोधार (जिसा भीमेण ज्यो) महा अडिग कमधाण(महि)।।—३

### हाथी नाम

दती (कहि) दताळ अेकडसण लंबोवर ,
द्विरद गैवरो द्विप्प गघमद (जाण) गल्लवर ।

---

१ इन कोष्ठको वाले शब्द छन्द - पूर्ति आदि के लिए प्रयुक्त हुए हैं ।

२ धणीमाळ चोधार=धणी - माळ, धणी - चोधार ।

३ 'हसा' शब्द अधिकतर अप्सरा के लिए प्रयुक्त होता है, पर शास्त्रो में योद्धा को विदेह भी कहा गया है । अत 'हंसा' का अर्थ योद्धा भी हो सकता है ।

सुडाडड सुडाळ मत्त मातग गजोवर,
नाग कुजर भ्रग करी वारण करीवर।
दतुर दतुल (फेर दख चवि) चोडोळो चरणचतु,
(पिंगल प्रमाण कवि पेखिय) गात्रशैल नागाण (गति) ॥—४

घोड़ा नाम

वाजि वाह वाजाळ पंख पखाळ विपखी,
अर्वा (कहि) अर्वंत हयं गंधर्व वलखी।
त्रिपद सैंधव तेज ताज तेजी वानायुज,
कावोजो हसाळ जवण पुछाळ जटायुज।
हैवर मनउपयग (मुणि) रेवत खेग खुरताळ रो,
सावकर्ण चलकर्ण (सहि) पवणवेग पथाळ रो ॥—५

रथ नाम

वाहण सकट वडाळ अणे गाडो गाडोलो,
सतअगो (कहि) सस्म (फेर) स्यदन सादाळो।
चक्रणधुर चक्रळ भारवह - गात्र (भणिज्जै),
वाहळ (कहि फिर) वहळ माझवत रथ (सु मुणिज्जै)।
अश्वरूढ व्रखरूढ़ (कहि) अकुसमुख गजरूढ (गिण),
(कहि हरियद) वाणावळो दसचरण दुवार (भण) ॥—६

व्रखभ नाम

सौरभेय सीगाळ (कहि) व्रखभ अनडुहो (गाइ),
धरिधारण कवाळधुर वाहण - सभु (कहाइ) ॥—७

तरवार नाम

असि करवाण खग (झटा) करवाळां तरवार,
वीजळ सार दुधार (वदि) लोहसार झटसार ॥—८

कटारी नाम

सर्पजीह दुवजीह (दख) कोरठ सार कटार,
महिखजीह कुतळमुखी हथ्थहेक (अणहार) ॥—९

फरी नाम

फरी चर्मफालिक (कहो) रख्यातण (अणुभाण),
सहण सुखण गज सहम (कहिभणो) गोळ-जिम-भाण ॥—१०

### बुरभी नांम

संकू कुतळ बुरछ (कहि) डागळा बुरछाळ ,
नेजरूप धजरूप (कहि) घमीड़ां - मुख - काळ ।।—११

### तीर नाम

पंखी (कहि) पंखाळ विसिख वाणाळ सुवद्दं ,
अजिह्मग (कहि) अलख खग्ग (कहि) खुहम निखद्द ।
कक्रवा करडड (कहो) मारगण अगणाळ ,
पत्री (कहि) विणपख्ख रोख - इखा इखधाळा ।
खेड मेड खगाळ (कहि) नाराचा निरवाण (रो) ,
नीरस्ता नाराट नख खुरसाणज खुरसाण (रो) ।।—१२

### धरती नाम

धरा धरत्री धार धरणि ख्योणी धूतारी ,
कु प्रथु प्रथ्वी काम सर्व - सह वसुमति (सारी) ।
वसुधा उरवी वाम खमा वसुधर ज्या (दख) ,
गोत्रा • अवनी गाई - रूप मेदनी (सुलख्य) ।
विपुला सागर-अवेरा[१] खुरखूं (दीखै (गाळरा) ,
राजाप्रथूचीपरठि (रटि) वरियण (आग) वज्रगरा ।।—१३

### पुन धरती नाम

तुगा वसुधा इळा भूम भरथरी भडारी ,
जमी खाक दरदरी धरा धरणी धूतारी ।
मूळा महि रखमडप मुक्तवेणी सुरवाळी ,
अमर आदि गिरधरणि सुथिर सुदर सहिलाली ।
भूला छिकमल गोरभ गरद (घासिविया भूपति घणा ,
(कर जोड़ कवित पिगल कहै तीस नाम धरती- तणा) ।।—१४

### अकास नांम

दिवारूप दिव (दख्य) अभ्रमारग आकास ,
व्योम (कहि) व्योमाळ ग्रहाचोरहण अवास ।

---

१ 'सागर - मेखळा' शब्द तो पृथ्वी के लिए प्रयुक्त होता है पर 'सागर - अवेरा' शब्द का अर्थ स्पष्ट नही होता, सम्भवत 'सागर है अवर (वस्त्र) जिसका' से तात्पर्य हो ।

पुहकर अवर परठ अतरिख नभ (फिर अख्य),
गगन (नाम) गण - ग्रभ अनत सुरमारग (सख्य)।
अतराळ अवराळ (कहि) अच्छर - ऊपर - गायरा,
(कर जोड अेम हरियंद कहि नमो तेथ) घर - नायरा ॥—१५

**पाताल नाम**

अधो - भुवन पाताळ (ग्रहा कहीजै जिण वळि रो),
नागलोक निरवाण कुहर (कहि तिण) रसतळ (रो)।
सुखरा - मारग - सरस विवर (जिण थी वाखाण),
गरता अवटा गरट (जेथ फिर) जळनीवाण।
अधकार आकार (कहि तामिश्रां चै तोलिय),
(कर जोड अेम हरियद कहि अे पाताळा वोलिय) ॥—१६

**अपसरा नांम**

सुरवेस्या (कहि) अछरा उरव्वसी (अभिराम),
मेनक रभ घ्रतायची सुकेसी तिलताम ॥—१७

**किन्नर नाम**

अस्वमुखा किन्नर (कहो जे घोहड हदे नाम),
(ते मुख हूती जोड़िजै मयु किन्नर अभिराम)[1] ॥—१८

**समुद्र नाम**

समुद्रा कूपार अवधि सरितापति (अख्य),
पारावारा परठि उदधि (फिर) जळनिधि (दख्य)।
सिंधू सागर (नाम) जादपति जळपति (जप्प),
रतनाकर (फिर रटहु) खीरदधि[2] लवण (सुथप्प)।
(जिण धाम नाम जंजाळ जे सट मिट जाय ससार रा,
तिण पर पाजा वधियां अे तिण नामा तार रा ॥—१९

**परवत नाम**

महीवरा कूधर (मुणो) सिखिर द्रखत (चय सोय),
(धर) पर्वत धारीधरा अग्रग्राव गिर (जोय) ॥—२०

---

१ घोड़े के सभी पर्यायवाची शब्दों के आगे मुख शब्द जोड देने से किन्नर के पर्यायवाची शब्द बनते हैं, जैसे—रैवतमुखा, तुरगमुखा आदि-आदि।

२ खीरदधि लवण=खीर - दधि, दधि - लवण।

### ब्रह्मा नाम

धाता ब्रह्मा (धार) जेष्ठसुर अतम - भवन ,
परमाइस्ट परठ पितामह हिरण - उपवन ।
लोकईस ब्रह्मज (कज्ज) देवाण (मुकरिय) ,
(धराहेत किह धुनि) चतर चतारण (चविय) ।
विरच (नाम वाखाणिय) वछचोर साहोगमन ,
(कर जोड अेम हरियद कहि जे सता वासिट चवन ।।—२१

### विष्णु नाम

नारायण निरलेप निगुण नामी नरयद ,
किसन रुकमणिहार देवगण अहिग वद[1] ।
वैकुंठा - ग्रह - विमळ दैंत - अरि (कहो) दमोदर ,
केसव माधव चक्रपाणि गोविंद लाछवर ।
पीतावर प्रहलाद - गुर कछ - मछ - अवतार[2] (किय) ,
(कर जोड अेम हरियद कहि नमो नमो जिण वेद गिय) ।।—२२

### सिव नाम

पसुपति सभू परब्रह्म जोगाण गाणवर ,
माहेसुर ईसाण सिव सकर त्रिसूलधर ।
नागाणद नरयद जोग वासिद्द सारविद ,
त्रिह्नलोचन (रत तास अग भभूत सुघसत) ।
पारवतोपती जख्यपति भूतापति प्रमथापति ,
(कर जोड अेम हरियद कहि नमो नमो) नागापति ।।—२३

### देव नाम

जरारहित (जिण अग सोभा आकास) ,
आदितपुत्र (अहिनाण अखिल सुरलोक अवास ।
अमृत - पान - आधार विवुध (कहि) दानव - गज्ज ,
(अगा आभा अमळ रोम तारागण सझ्झ) ।
(तेतीस कोड सख्या तवी सेससिरोमण माहि सहि ,
कर जोड अेम हरियद कहि कुसललाभ देवाण मयि ।।—२४

---

१ देवगण अहिगण वद=देवगण - वद, अहिगण - वद ।

२ कछ - मछ अवतार=कछ - अवतार, मछ - अवतार ।

दूहा

सोई ग्रथा थी सुण्यो, जोई वणिय जाण ।
सोई जोई धर सुकवि, आदि अंत अहिनाण ।।—२६

धू अवर जा लग धरा, रिधू राम ज्या राज ।
ता पिंगल आखी तवा सकळ सिरोमणि साज ।।—२७

इति श्री महाराजाधिराज महारावल श्रीमाल
पाटपति तस्यात्मज कुंवर सिरोमणि हरिराज
विरचिताया पिंगल सिरोमणे उडिंगल-नाम-
माळा चित्र कथनं नाम सप्तमोध्याय ।



स १८०० वर्षे श्रावण सुदि ६ चन्द्रवारे लि प्रो दुर्गादास
गुमानीराम । सेवग वसुदेवजी तत्पुत्र सदाराम पठनार्थं ।

पर्यायवाची कोष–२

# नागराज डिंगल-कोष

नागराज पिंगल विरचित

# नागराज डिंगल - कोष

नागराज पिंगल विरचित

---

### अगनी नाम

घिधक घोम वनि दहन जळण जाळण जाळानळ,
हुतासण पावक भोम सुरामुख उळत अळियळ।
मगळ अगनी जुनी कपीठ दावानळ (देखहु),
साथण[1] कोघ समीर हाडजळ अनळ अदोखहु।
वेदजा कुण्ड हुतभुख वहन अघर असम (इण विघ वही),
(कव कवत अेह पिंगल कहै तीस नाम) जाळानळ-(सही) ॥—१

### इन्द्र नाम

मघवा इन्द्र महीप दीपसुरलोक आखडळ,
सचीराट मामन्त वैर वैत्रासुर - तडल।
कौशक धारणवज्र पाकसासन जववेदी,
पल्हुत कळत्रच्छकेळी काराग्रह - राक्षसकैदी।
(तस पुव जयत सुतपाभगत) कळधारण विरखाकरण,
(कव कवत अेह पिंगल कहै वीस नाम) इन्दरह (तण) ॥—२

सुनासीर सुरईस सहसचख (जिमा) सचीपति,
पराखाड दुरातसत्य पाकसासन पूरबपति।
रिपवळी रिखप स्वराट हरी वासव जळधारी,
त्रिखा हलमि विवह मेघवाहण वरनारी।
सत्यमृत्यु भूत्राम निरघ्यक्रव अछरवर आखडळी,
उग्रवन्त इन्द्र विडोजा हरि (इन्द्र नाँम इण मडळी) ॥—३

### हाथी नाम

एरापत गज सहड सिंधुर मातग गणेसर,
सारग कु कम करी अथग फौजाँ - अग्रैसर।
तवेरत्र भू डाळ ढीलढाळो ढळकतो,
देवळ - थभो (दुरस मेर) हसत महमतो।

---

१ साथण कोघ समीर=साथण - समीर, साथण - कोघ।

गज - सावज (कहिये) गहीर कौसक - वाहण अतुर-क्रम ,
(कव कवत अेह पिंगल कहै वीस नाम) गजराज (इम) ।।—४

### ऊंट नाम

गिडग ऊट गघराव जमीकरवत जाखोडो ,
फीणानाखतो (फबत) प्रचड पागळ लोहतोडो ।
अणियाळा उमदा आखरातवर (आछी) ,
पीडाढाळ प्रचड करह जोडरा काछी ।
(उमदा) ऊट (अति) दरक (द्रव) हाथीमोला मोलघण ,
(कव कवत अेह पिंगल कहै वीस नाम) ऊटा (तण) ।।—५

### समुद्र नाम

उदध अब अणथाग आच उधारण अळियळ ,
महण (मीन) महराण कमळ - हिलोहळ व्याकुळ ।
वेळावळ अहिलोल वार ब्रहमड निधूवर ,
अकूपार अणथाग समद दध सागर सायर ।
अतरह अमोघ चडतव अलील (बोहत) अतेरुडूबवण ,
(कव कवत अेह पिंगल कहै वीस नाम) सामद (तण) ।।—६

### घोडा नाम

वाज तुरग विहग असव ऊडड उतगह ,
जगम केकाण जडाग राग भिडग पमगह ।
तुरी घोडो तोखार वाज वरहास (वखाणो) ,
चीगो रूहीचाळ वरवेरण (वखाणो) ।
(वावीस नाम वाणी बोहत कवि पिंगल कीरत कही ,
(ग्रथ आद देखे मता) सवळ (नाम सारा सही ) ।।—७

### धरती नाम

तु गी वसुधा इळ भोम भरथरी भण्डारी ,
खाक जमी दरदरी धरैती धूतारी ।
मही सूळा रिणमडप मुगत वेहरी खिणवाळी ,
अचळा उदै गिरधरण सुथर सुन्दर सोहलाळी ।
अटळज भूला चिगरज गिरद (धासावण भूपत घणा) ,
(कव कवत अेह पिंगल कहै तीस नाम) प्रथ्वी (तणा) ।।—८

### तरवार नाम

खाडो किरमर खग घडच बाकल धाराळी,
सुधवट्टी समसेर मालवन्धरा मूछाळी।
कडबांधी केवाण विजढ वाणास चमक्की,
तोल धूप तरवार सगत आसुधर चक्की।
किरमाळ सूर-झटका-करण (घण मरद बाधै घणा),
(कव कवत अेह पिंगल कहै तीस नाम खाडे तणा) ।।—९

### महादेव नाम

ईसर सिव हर अव व्रखव-धुज व्रह्म कपाळी,
सभु रुद्र भूतेस त्रयण त्रोडण मझताळी।
अेकलिंग लोदग गगसिर भग-अहारी,
नीलकठ मुरनैण वाणपत्ती जटधारी।
सिसमत्थ विहारी सूळहथ गिरजापत वासव (गिणा),
(कव कवत अेह पिंगल कहै तीस नाम) सकर (तणा) ।।—१०

### भाला नाम

भालो सेल त्रभाग ऊळळ वझेळ सांवजळ,
कुन्त अणी असि (काज) अलळ झाळामुख सावळ।
खिवण डहण अतखभ ग्रहण-वैरी उग्राहण,
सापिण""छडाल साग गाजा . चौधारण।
वळकती-केळ लसकर (वळे) करणपोत हसती-कणा,
(नाम रै सुकर सोहै सदा तीस नाम वरछी तणा) ।।—११

### सूरज नाम

तरण दिवायर तिमहर भांण द्रहपती भासकर,
हीर जुगण मिण महर रसण आराण रातवर।
रानापति दिव विंब मित्र हर हस महाग्रह,
पिंगळ विरळ पतग धीर सामळ जगचख्खह।
आदीत उदोत सपत हरमोद समडळ चक्रधर,
(छतीस नांम) सूरज किरमाळ ज्योत विरोचन तिमरहर ।।—१२

### आख नाम

चरस आख चामणी नैत्र दिग नजर निरम्मळ,
लोचण कायालज जोय रतन कायाजळ।

कामधीठ कटाक्ष रार मोहन मनरंजन ,
(काम' सिव काज भवन) विमळ जगभाळण ।
(बावीस नाम वांणी वोहत जाणग गुहियण लहै) ,
(कव कवत अेह पिंगल कहै अयनवीम) चक्षु (चहै) ॥—१३

### सेर नाम

अगपत आननपंच सिंघ सादूळ मतंग - रिप ,
किंदर - ग्रह कंठीर (लाड) दीरघ - छल करछिप ।
लोहलाठ लंकाळ भूप - वन रिण - नह - भागह ,
सनमुख - भाला - सहण जोग एकवळा (जागह) ।
केसरी खिणकर चोळचख ढुंढराव आसद्धनख ,
सारंग (गाम पिंगल) सवज अवनवीस (सजा दिखंत) ॥—१४

### गरुड नाम

सुतपावहन (सरस) दुरस खगराज (दरसिये) ,
नागान्तक निखळ मरुतभानह (गुण ग्रसिये) ।
वेन - तनय लघुअसण चरणद्वै भुजा - वेद - चव ,
वायु - विरोधी जतीवाह कसप - तनु (हेकव) ।
तारक्ष भक्ततारणतरण (सीतहरण सीतासमर) ,
(वसु अयन नाम पिंगल वचन) गरुड (नाम गाढा गुअर) ॥—१५

### पाणी नाम

भू अल हर अव भख तरंग अजण जोतवळ ,
रंग पाणी टातव भोमीवळ (है) सेतवळ ।
नीर वार नीलठा छापि सी थट्ट वधाणी ,
नर अंतर नीचघ - पणग पयोहवा आणी ।
झरनाळ अभुत उदग गंगाजळ उजळ सीतळ (अखही) ,
(तीस नाम पाणी तणा कवत अेह पिंगल कही) ॥—१६

### पुन हाथी नाम

एरावत गज सिंहर सिंधूर गण खभ गणेसुर ,
मदकरण उदमद्द (वर्णं) अगखभ वर्णेसुर ।
ढाह ढोह ढींचाळ ढीलढाळो ढळकंतो ,
अतीसील आवरत मैंर हसती मयमंतो ।

सू डाळ सकज (ओपी) सथिर (घणु विसद आगळ घणा ,
(कवि नागराज पिंगल कहै वीस नाम) हसती (तणा) ।।—१७

मेघ नाम

पावस प्रथवीपाळ वसु हब्र वैकुठवासी ,
महीरजण अंब मेघ इलम गाजिते - आकासी ।
नैणे - सघण नभराट ध्रवण पिंगळ धाराधर ,
जगजीवण जीभूत जलद जळमडळ जळहर ।
जळवहण अभ्र वरसण सुजळ महत-कळायण (सुहामणा) ,
परजन्य मुदिर पाळग भरण (तीस नाम) नीरद (तणा) ।।—१८

चन्द्र नाम

निसमडण निसनैण सोम सकळकी ससिहर ,
राजा रतन निरोग इदु दुज जटा - अमीझर ।
मयक अगाअक अम्ब नरजपूरी तारापत ,
रोहणीवर राकेस किरण - ऊजळ सकळीव्रत ।
वादल[1] कमोदी निसचरण प्रमगुरु उडूपती सीमग (सुय) ,
चकवी-वियोग चकोट विधु चन्द (नाम) सुभ्र (सन्नदुय) ।।—१६

पुन सिंह नाम

गजरिपु साहल ग्रीठ वाण वनराज कठीरव ,
पचायण गहपूर वाघ (जच) सिख भुभारव ।
महाताव अगराव सीह कठीर सहारण ,
काळ ककाळ नहाळ दुगम दाढालह डारण ।
अमल मयद अणभग हरी मगहदी जख अगमारण ,
पचाण (सित पिंगल कहै तीस नाम) केहर (तणा) ।।—२०



१ 'वादल' शब्द का अर्थ चन्द्रमा होने मे सशय है ।

पर्यायवाची कोष–३

# हमीर नांम - माला

हमीरदान रतनू विरचित

श्री गणेशाय नम      श्री सारदाय नम.

# अथ हमीर नांम - माला

---

## गीत बेलियो

### गणेस नाम

गणपति हेरंव लबोदर गजमुख,
सिद्धि - रिद्धि - नायक[1] बुद्धि-सदन ।
एकदंत[2] सूंडाळ विनायक,
परमानद[3] (हुयजै प्रसन्न) ।।—१

### पारवती नाम

(तूझ) मात[4] गोरी पारवती, हरा सकरी[5] वोस-हत्थी[6] ।
उमा अपरणा अजा ईसरी, काळी गिरजा सिवा (कथी) ।।—२

देवी सिंघ - वाहणी दुरगा, जगजणणी[7] अंबिका (जिका) ।
भगवती चडका भवानी, त्रपुरासुर - स्यामणी[8] (तिका) ।।—३

माहेस्वरी तोतळा[9] मंगळा, सरवाणी असकत[10] सकत ।
तुलज्या[11] त्रिलोचना कात्यायनी, महमाया (हुयजे मदति) ।।—४

### मूसा नाम

मूसक[12] ऊदर[13] खणक सुचीमुख, वजरदंत आखू असवार ।
देवा - आगीवाण[14] (हुकम दे भण सुजस राधा - भरतार) ।।—५

### सरस्वती नाम

भाख गी सरस्वती भारती, वाक्य गिरा गो बच बचन ।
ब्रह्माणी सारदा सुवाणी, धवळा - गिर - बासणी (धन) ।।—६

---

(अ) [5] सकरा [6] वीस-हथि [7] जगजननी ।

(ब) [1] सिध - बुधिनायक [2] एकरदन [3] परमनदन [4] तुहिज मात [8] सुरसामिणि
[9] तोतला [10] त्रिसकति [11] तुलजा [12] मुस्यक [13] ऊदिर
[14] देवा - आगेवाण ।

### हंस नाम

चक्राग्रग धीग्ट मुकताचर मानसूक[१] अविदात[२] मराळ ,
हंस सुचलि लीळग - वाहणी (क्रपा राखि जिम कथा क्रपाळ[३] ॥—७

### बुद्धि नाम

धी प्रगना[४] मनीखा धिखणा ,
मेधा आसय[५] समभ मति ।
अकलि[६] चातुरी सुबुधी (आपजै ,
प्रभणा गुण त्रिभवण - पति) ॥—८

### परमेस्वर नाम

त्रभुवणनाथ[७] रणछोड़ त्रिविक्रम[८] ,
केसव माधव क्रष्ण[९] किल्याण[१०] ।
परमेस्वर करतार अपपर ,
प्रभु परमगुरू पुरिखि - पुराण[११] ॥—९

हर[१२] रुघवस[१३] विसंभर नरहर ,
गोविंद जगतारण[१४] गोपाळ ।
मोहण बाळमुकंद मनोहर ,
देव दमोदर दीनदयाळ ॥—१०

कानड रासरमण करणाकर ,
अंतरजामी अमर अनंत ।
वीठळ व्रजभूखण लिखमीवर[१५] ,
भूधर भगतवछ्ळ भगवंत ॥—११

सामळ कमळनयण मधूसूदन ,
धरणीधर सेवग - साधार ।
वामण[१६] वळिबंधण जगवंदण ,
कंसनिकंदण नंदकुमार ॥—१२

---

(अ) . [४] प्रागिरा [५] आसई [६] अकल [८] त्रविक्रम [११] पुरख-पुराण [१२] हरि [१३] रघुनम [१४] गजतारण [१५] लिखमीस्वर [१६] बावन ।

(ब) [१] मानमोक [२] अवदात [३] क्रिपाळ [७] त्रिगुणनाथ [९] किसन [१०] कल्याण ।

असुर - दहण[1] धर - भार उतारण ,
धू - तारण नरसिंघ[2] सधीर ।
वासुदेव केवल जदूवसी ,
[विसन किसन अवगत वळि - वीर]* ।।—१३

मुरळीधर सुदर वनमाळी ,
गोकळनाथ चरावण - गाय ।
[निराकार निरगुण नारायण]† ,
[रुकमणकथ सिरोमण - राय]‡ ।।—१४

रीखीकेस[3] राघव सारगी ,
सुरनायक असरणसरण ।
पुरखोतम[4] धारण - पितावर ,
वारिजलोचण घणवरण ।।—१५

घणनामी अवगति[5] आणदघन ,
आदपुरख[6] ईसर अखळीस ।
चिदानद पावन अघमोचन ,
जनम - मरण - मेटण जगदीस ।।—१६

सारंगधर गिरधर जगसाई[7] ,
अलख अगोचर अजर अज ।
भवतारण भैंहरण अभगी[8] ,
घणी महणमह गरुडधज ।।—१७

वृदावनवासी व्रजवासी ,
अवणासी[9] अवतार - अनेक ।
जोतस्वरूप[10] अरूप निरजण ;
अणहद - सवद[11] परमपद एक ।।—१८

पतराखण श्रीपत सीतापत ,
निकळंक निगम निरोत्तम (नाम) ।

---

(अ) [2] नसघ [3] रुखीकेस [4] पुरसोतम । [*विस्वक सेन विसन वळवीर] ।
‡[रुखिमिणिकत सिरोमणि - राय] ।

(ब) [1] असुर - वहण [5] अविगत [6] आदिपुरसि [7] अंकलीस [8] जळसाई [9] त्रिभगी
[10] जोतिमरूप [11]अनहद । [ †निकळंक निराकार नाराइण] ।

लकलियण सहोदर - लिखमण ,
रुघराजा रावण - रिपु राम ।।—१६

पदमनाभ चत्रभुज चक्रपाणी ,
मछ कछ आदि - वाराह मुरारि ।
पार - अपार सकळ - जगपाळक ,
वहोनामी[१] (सूरत वळिहार)[२] ।।—२०

ब्रह्मा नाम

[ऊ ओ ब्रह्मा आतमभू]* ,
विधि कोलाळी चत्रवदन ।
धाता वेधा द्रुहिण विधाता ,
वेद - भेद - समझण - वचन ।।—२१

परमेसटी विरच पितामह ,
कमळासण कमळज लोकेस ।
(कँ) सुरजेठ हस जगकरता ,
हिरण - गरभ[३] अज जनक - महेस ।।—२२

सिव नांम

सरव महेस ईस सिव सकर ,
भव हर वोमकेस भुतेस ।
सभू अचलेसर[४] कोटेसर[५] ,
जोगेसर[६] जटधर जोगेस ।।—२३

महादेव रुद्र भीम पचमुख[७] ,
सामी[८] चद्रसेखर[९] समराथ ।
धूरजटी श्रीकठ प्रमथाधिप[१०] ,
नीलकंठ पारवतीनाथ ।।—२४

[त्रिवक भारग पिनाखी त्रिनयण]† ,
वामदेव उग्र ईसवर ।

---

(अ) ४ अचेस्वर ५ कोटेस्वर ६ जोगेस्वर ८ स्वामी ९ चंद्रसिखर १० प्रमुथादिप ।
† [अव - सरव पिनाकी त्रिनयन] ।

(ब) १ वहनामी २ मूरति वळिहार ३ हरणि - गरभ ७ पचमुख ।
*[ओ ब्रह्मा ओहिज आतिमभू] ।

पीअण - जहर[१] गिरीस कपरदी ,
घमळ - आरोहण[२] गगधर ।

### सूरज नाम

(सत-रज-तम-गुण विष्ण ब्रह्म सिव ,
त्रण देवत वसुदेव तण) ।
जोत-प्रकासण कोटि सूरज (जिम) ,
कमळ - विकासण दिनकरण ।
मारतुड हरिहस गयणमणि ,
वीरोचन रानळ[3] सुवर ।
[भाण अरजमा पतग भासकर]* ,
[कासिप - सुतन रवि सहसकर]† ।।—२७

प्रभा विभाकर वरळ ग्रहापत ,
अरक करम - साखी आदीत ।
मित्र चित्र भाण अंसुमाळी ,
प्रद्योतन उद्योत प्रवीत ।।—२८

विवसवान दुतिवान विभावसु ,
तरण तपन सविता तिगम[४] ।
रातवर भगवान निसारिप ,
जनक‡ - जमण - सिन - करण-जम ।।—२६

[उस्म-रस्म अहिमकर विधिनयण]◆ ,
दुणियर तपघण[५] मिहर[६] दिनद ।
(घन वडिम गोवरधन धारण ,
चख यक सूर वियोचख चद) ।।—३०

### चन्द्र नाम

सोम सुधासु सिसि सिस्हिर ,
कळानिधि उडपति[७] सकळक ।

---

(अ) [१] पीवण - जहर [२] धवळ - आरोहण [४] राचल [४] तिग्म ।
* [भाण अरकमा पतग भास्कर] † [कासिपसुत रवि सहसकर] ।
(ब) [५] दिणियर [६]महर [७] उडपत ◆ [नसन रसमि अहमकर अवन अनि] ।
‡ जनक - जमण जनक - सिन, जनक-करण, जनक - जम ।

कुमदवधु श्रीवधु[१] हेमकर[२],
अग - अंक दुजराज मयंक ॥—३१

सुभ्रकर किरणसनेत समदमुत,
रोहणी धव - नखत्रेस निरोग।
इंदू ओखदी - ईस अम्रतिमय,
विधू रतन चक्रवाक - वियोग ॥—३२

प्रमगुरु सोलह - कळा सपूरण,
(पौहचि वडी तै वडी प्रमाण)।

### समुद्र नांम

मथण महण दध[३] उदव[४] महोदर[५],
रेणायर सागर महराण[६] ॥—३३

रतनागर अरणव लहरीरव,
गौडीरव दरीआव गभीर।
पारावार उधधिपत मच्छपति,
[अथग अवहर अचळ अतीर]* ॥—३४

नीरोवर जळराट[७] वारनिधि,
पतिजळ पदमालयापित[८]।
सरवान सामद,
महासर[९] अकूपार उदभव-अम्रति[१०] ॥—३५

### नदी नांम

नदी आपगा धुनी निमनगा[११],
परवतजा जळमाळा (पणी)।
[श्रोताश्रोत श्रवेती श्रवती]†,
तटणी तरगणी (नाम तिणि) ॥—३६

वाहा जभाळणी[१२] प्रवाहा,
सेलवणी निरझरणी[१३] साव।

---

(अ) [७] जल - रास [८] पादमालय - पार्वत [९] महासूर [१०] उदध - यम्रत [११] निहगा [१२]जवाहणी *[अथ अवहर अतर अतीर]।

(ब) [१] सीमत [२] हिमकर, हमकर [३] दधि [४] उदिधि [५] महोदधि [६] महिराण [१३] नीझरणी † [श्रोत श्रोतस्वती श्रवती]।

कुलय खगा वाहणी कुलया ,
सिंधु दीपवती सभलाय ।।—३७

[(सरित तणौ पती गिणि सायर]* ,
मेघ सिंध तणो मैंहराण ।
सदा वास करि पौढै सुखिया ,
(विसन समद जामात वखाण) ।।—३८

### तरग नाम

उरमी वेळ किलोळ (आखीजै) ,
(तविजै) भ्रमर इलोळ तरग ।
[वेलू छौळ उरमावळि वीची]† ,
(भणि) नुतकळी कावळी भग ।।—३९

(तास नाम) वेळावळ (तवीजै) ,
वेळा उळधी उजळ वहाय ।।—४०

### लिखमी नाम

वेळा - वळधी श्रीया (वचाई) ,
प्रभा रमा रामा भा पदमा ।
कमळा चपळा (ताई कहाई ।।—४१

लेखवि (नाम) इदरा लिखमी ,
(लिखमी - वर नाइक सुरलोक ।
सहिवाता राखै हरि सारै ,
थारै भला हुअै सह थोक) ।।—४२

### गगा नाम

जगपावन त्रिपथा जाहनवी[1] ,
सुरगनदी सुरनदी (सुचग) ।
सरितिवरा[2] रिखधुनी[3] हरसिरा ।।—४३

गोम - गमण हेमवती गग ,
सहसमुखी आपगा सुरसरी ।

---

(अ) [1] जन्हवी [2] सरतवरा [3] रिखव - धुनी * [सरता तणो पती गिण साग(य)र]
† [वेल छौळ उमवि वळ वीची] ।

भागीरथी त्रिपथगा (भाळि),
मदाकनी हरिपदी (महिमा) ।
(पवित्र हुई हरि - चरण पखाळि) ॥—४४

## जमना नाम

जम - भगनी कालिंद्री जमना,
जमा (वळै) सूरिजिजा (जाणि) ।
कृष्णा (तास पासि की कीळा,
विसन वाळ - लीला वखाणि) ॥—४५

## सरप नाम

सरप दुजीह फणी पवनासण[1],
आसी - विख विखधर उरग ।।
गरलस भुजग[2] भुजीस भुजगम[3],
पनग[4] सिरीश्रय गूढ - पग ॥—४६

दद - सूक[5] भोगी काकोदर,
कु भीनस दरवीकर काळ ।
चील प्रदाकु कचुकी चक्री,
वक्रगती जिह्म ग[6] अहि व्वाळ ॥—४७

लेलिहान चखश्रवा विलेसय,
दीरघ - पीठ कु डळी (दाखि) ।
(काळिनाग नाथियो कान्हड,
भूपो - भूप तणो जस भाखि) ॥—४८

## सेस नाम

अनत्र यक[7] - कु डळ (वळि) आळु क,
भुजगपती[8] (कहि) महाभुजग ।
जीह - वोसहस विसहस - नेत्रजिणि,
पनग - सेस (हरि तणो पलग) ॥—४९

---

(अ) [1] पवनासन [2] भुजग [3] भुजगमु [5] दु दुमूक [6] जिमगं [7] अणक [8] भुजग-ईस ।

(व) [4] परग ।

## पाताल नाम

(तवा वाडवा - मुख प्रिथमीतळ ,
पनग - लोक अध - भुयण पाताळ ॥—५०

## भूमि नाम

भूमि जमी प्रिथी[1] प्रिथमी[2] भू ,
पहवी[3] गहवरी[4] रसा महि ।
इळा समंद - मेखळा अचळा ,
महि मेदनी धरा महि ॥—५१

धरती वसुह वसुमती धात्री ,
क्षोणी[5] धरणी क्षिमा[6] क्षिती[7] ।
अवनी विसभरा अनता ,
थिरा रतनगरभा सथिति ॥—५२

विपळा वसव कु भती वसुधा ,
सागर - नीमी सरवहा[8] ।
गोत्रा गऊ रसवती जगती ,
(मिनखां - मन - मोहणी महा) ॥—५३

(उरवी मुरपग ले भरि उभौ ,
वामण रूपी ब्राहमण ।
वलि राजा छळि जैण वाधियो ,
नमो पराक्रम नारिश्रण) ॥—५५

## धूल नाम

धूळि खेह रज रजी धूसरी[9] ,
सिकता[10] रेण[11] सरकरा सद ।
वेळू रेत पासु (वाळो ,
मुख जिण हरि न भजै मतमंद) ॥—५५

---

(अ) [1] पथी [2] पथमी [3] पोहमी [4] गहरी [5] खोणी [6] खिमा [7] खित [9] धू सळी [10] सिकत [11] रेत ।

(ब) [8] सरवसुहा ।

### वाट नाम

वाट वरतमा गैल वरत्री[१],
पथ निगम पदवी पविति[२] ।
अैन[३] सचरण[४] मारग अथवा,
सरणी सचरण प्रचर मत ।।—५६

(उत्तम राह चालि ग्रहि उत्तम,
करग दान पुनि ग्रहि सुकृति ।
भाखि साच जग माहि भलाई,
चत्रभुज चरणैं राखि चित) ।।—५७

### वन नाम

विपन गहन कानन कछ[५] वारिख,
कातार ऊख[६] दुरग (कहाइ) ।
आरण[७] खड व्रदावन[८] अटवी[९],
(गोविंद तेथ चराई गाई) ।।—५८

### व्रख नाम

सिखरी फळग्राही व्रख लाखी,
[विस्टर - मही रुह तरोवर][*] ।
[कुट विटपी महीसुत कीरसकर][†],
घणपत्र पत्री खगाघर ।।—५९

[कुसमद अद्भुज फळद कराळद][‡],
[निद्रा - वरत फळी निनग][◆] ।
खितरुह रूख अनोकुह दरखत,
अद्री अद्रप झाड - अग ।।—६०

(चोर चोरि तर ऊपर चढियौ,
गोपगना तणा गोपाळ ।
अरज करै ऊभी जळ अतर,
दे व्रजभूखण दीनदयाळ) ।।—६१

---

(अ) [१] वरतणी [२] पथीपत [३] ओन [४] सचेरण [५] करव [६] झख [७] अरनि [८] वनरावन [९] अटावी [*][विसटर द्रुम द्रु तरोवर कूट] [†][विट महवी-सुत महका करसकर] [‡][कुसमज अदभूत फरज करालिक] [◆][निघावरत फळी नवनग] ।

### फूल नांम

लेखवि[1] फूल मणी - वक हलक ,
सुम सुमनस फळ - पिता[2] कुसुम ।
सून प्रसून कह्लार[3] सुगधक[4] ,
(नाम) रगत सधक नरम ।।—६२

उदगम - सुमना पुसप लता - अत ,
(पुसपति के कहिजै प्रिवित ।
श्री रिणछोड तणै सिर छौगी ,
ईख निजरी भरीजै अम्रिति) ।।—६३

### भमर नाम

रोळ - वव[5] चचरीक झकारी ,
भ्रमर द्विरेफ[6] सिलीमुख भ्रग ।
कीळालप[7] कसमल - प्रिय मधुकर ,
सोरभचर खटपद सारग ।।—६४

(दाखि) मधुप हरि (नाम) इदु - दर ,
वाळ मधु - ग्राहक मधु - बरत ।
(पुसप - गध रस अलिअळ पाळग ,
भगतबछळ पाळग भगवत) ।।—६५

### वानर नाम

मरकट गो लागूळ[8] वलीमुख ,
पलवग[9] पलवगम[10] पलवग ।
कीस हरि वनओक[11] वनर कपि ,
साखा - अग[12] फळचर सारग ।।—६६

(तास कटक मेले दसरथ तणा ,
लोपि समद लीधो गढ लक ।
मम करि ढील म धरि मन माया ,
समरि समरि श्रीराम निकळक) ।।—६७

---

(अ) [1] लेखव [2] सफळ-पित [3] कळवत [4] सुगद्दक [5] रोलव [6] दुरेफ [7] कलालीप [8] लागूर [9] अजळ [10] पलवगम [11] वनमुख [12] साखा-चर ।

### हिरण नाम

वातप[१] हिरण एण वातायू[२] ,
सकु हरि प्रखत कुरग ।
अग (रूपी मारीच मारियो ,
भुजा भामणी राम अभग) ।।—६८

### सूअर नाम

कोड आस[३] लांगळ (अर) सूकर ,
दुगम वाडचर गिडि[४] दाढाळ ।
घ्रोणी (अनै) आखणक घ्रिष्टी ,
एकल वहु - प्रज दात्रीडीयाळ ।।—६९

कोल[५] डारपति थूळनास किर ,
(दाखत) वव - रोमा भू - दार[६] ।
(कहि) दस्टरी सीरोमरमा (कहि) ,
आदी - वाराह प्रभू अवतार) ।।—७०

### सिंघ नांम

वाघ सिंघ[७] कठीर कठीरव ,
सेत पिंग अस्टापद सूर ।
अगइद्र[८] (कहि) पारंद[९] पंचमुख ,
पंचसिख पचाइण[१०] गहपूर[११] ।।—७१

अभग सरभ सादूळ नखायुध ,
हरि जख केहरि मगहर ।
महानाद[१२] अगपति[१३] अग-मार ,
अस्टापाद गजराज - अरि ।।—७२

(कोपमान नरसिंघ रूप करि ,
विकट विराट वदन विकराळ ।
सोखे रगत असुर हरिणाकस ,
प्रभु प्रहळाद भगत प्रतिपाळ) ।।—७३

---

(अ) [१] वात - पियण [२] वातापी [३] आसि [४] गिट [५] कवल [६] भू-धार [७] सीह [८] अगेंद्र [९] पारद्द [१०] पचायण [११] ग्रहपूर [१२] माहानाद [१३] वनपति ।

### हाथी नांम

गज सासज मातग मतगज,
हाथी इभ हसती हसत ।
कुजर सिधुर करी पौहकरी[1],
मेगळ दोईरद[2] मद - मसत ।।—७४

गैमर नाग गइद[3] धैंधीगर,
वारण भद्रजाती वयंड ।
सारंग कवु सुडाळ सिंघळी,
पट - हथ[4] तवेरव प्रचड[5] ।।—७५

द्विप हरि व्याळ पटाभर दती,
कुभी वेरक यभ अनेकप ।
(अनत सत गजराज उधारण,
जपि गिर - धारण तणो जप) ।।—७६

### पींपल नाम

(वदि) चळ-दळ कुजर-भख अस्वथ,
श्रीव्रख वोधीव्रख सुव्रख ।
(प्रथी विखै उत्तम फळ-पीपळ,
परमेस्वर उत्तम पुरखि) ।।—७७

### वड़ नाम

वैश्रवणालय ध्रूअ[6] माखा-व्रख,
(गिण) रतफळ वटी[7] जटी निग्रोध ।
(पान प्रयाग वड़ तणै पौढियौ,
सुजि हरि समरि ऊवर करि सोध) ।।—७८

### वास नाम

तुची - सार त्रिधज[8] मसकर तस,
प्रभणा जळफळ[9] सत-परव ।

---

(अ) [1] पुसकरी [2] दोयरदन [3] गयद [4] पट - हर [5] परचड [6] ध्रुव [7] वट
[8] अण - धूज ।

(व) [9] जव - फळ ।

(वेण वास वासळी वजावण,
धिनि मोहन राधिका धव) ।।—७६

### हरडी नाम

पथ्या चेतकी जवा[१] अव्यथा[२],
अभया[३] सिवा प्राणदा (आखि) ।
कायस्था इमिरिता[४] काळिका,
(भणि) हिमजा[५] हेमवती (भाखि) ।।—८०

सरवारा[६] जीवती सुरभी,
हरडै रोम तुरजिका (होई) ।
(सोई) पूतना (अनै) श्रेयसी,
(कहै) प्रेयसी (नाम सी कोई) ।।—८१

हरीतकी (जिमो रोग हरण हद,
हरि समरण पातिक हरण ।
द्वारामती - पती मुख दरसण,
मेटो दुख जामण - मरण) ।।—८२

### केसर नाम

पीतन रगत वनी - सिख दीपना,
वाह्लोकजा गुड - वरण ।
(कही) सकोच पिसुण (वळि) कु कम,
कसमीरज मगळ - करण ।।—८३

लोहित चदण देववलभा,
(धर) काळेक (कहे कवि धीर ।
केसर तणो तिलक निज कीजै,
विमल भजन कीजै वलिवीर) ।।—८४

### चदण नाम

पनग - पाळ रोहिणी - द्रुम (पणीजै),
सोर - मूळ (अनै) गध - सार ।

---

(अ) . [१] जया [२] प्रपथ्या [३] अभया [४] इमरता [५] हेमज [६] सुरत्वारी ।

मुनग[1] सुभाड सुगधक सुरभी,
सीत-रूख रूंखा-सिणगार ॥—८५

उत्तम-तर[2] मळियातर[3] मलयज,
चील-प्यार श्रीखड चदन ।
(चदन कुबज्या आणि चाढियो,
पुरखोतम करिवा प्रसन) ॥—८६

### पहाड नाम

सानुमान सिखरीस[4] सिलोचय[5],
धरि-नग अद्री[6] धराधर ।
भाखर डूगर अनड दरिभ्रति,
आहारज[7] परवत (अवर) ॥—८७

त्रिकूट मरुत पहाड गिरिंद (तवि),
अग शृगी भूधर अचळ ।
गोत्रग्राव गिरवर गोवरधन,
(करि सिर धारै चख कमळ) ॥—८८

### पाखाण नाम

ग्राव धात घण सिला उपल (गिणि),
पाथर असम[8] द्रखद पाखाण ।
(नाम प्रताप तारिया जळनिधि,
विधि-विधि भणि जिण रा वाखाण) ॥—८९

### सोना नाम

वसू भूतम लोहीतम[9] सोव्रन,
कर-बुर[10] चामीकर कचन[11] ।
साति-कुभ[12] गागोय[13] सेल-सुत,
हेम कनक हाटक हरन ॥—९०

(अ) [1] सुभग [2] उत्तिम-तरु [3] मलियागर [4] सिखरीक [5] स्यलोचय [6] ईद्री [7] आहारिज [8] अमर [9] लोहत्तम [10] करव [11] कचग्न [12] सात-कुभ [13] गगेय ।

गैरुक[1] महारजत[2] (वळि) गारुड ,
भूर अस्टपद (अरु) भरम ।
(नाम) अगिनवीरज जावूनद[3] ,
रजत - धात ओपम रुकम[4] ।।—६१

(कह) तपनीय पीतरंग कुरमदन[5] ,
जात-रूप कळधोत (जथा) ।
(लाख जुगा लग काटन लागै ,
कलक न लागै राम कथा ।।—६२

### रूपा नाम

हस रूपो खिरजूर हिमाश्रु[6] ,
सेत रजत[7] दुर-वरणक[8] (सोई) ।
जात - रूप कळधोत सार - जग[9] ,
(हरि सेवियो तिका घरि होई) ।।—६३

### तांबो नाम

सुलव घिस्टि[10] कनोअस[11] (अर) सावर[12] ,
मरकट आसि मलेछमुख ।
वरसट मेछ (वळै) म्रिम वरधन ,
रगत उतवर[13] (नाम रुख) ।।—६४

(सद ओखदी परसि तांबो सुज ,
सोव्रन धात हुवै ततसार ।
राघव तणी परसतां पद - रज
इमि गोतिमि त्रिय हुई उधार) ।।—६५

### लोह नाम

किसना-मिख[14] अय अण काळायस ,
सिला-सार[15] तीखण घण सार ।

(अ) [1] गारक [2] माहारजत [3] जामूनद [4] रुखम [5] कुनरण [6] हिमासु [7] स्वेत-वरण [8] दुर-जतक [9] ताई जग [10] घिस्ट [11] कनिस्ट [12] सावक [13] उदमहर [14] क्रम्णा - मुख [15] गिर - सार ।

[पिंड पारथ करूक पारसव]* ,
ससत्रक ससत्र सत्रा - सधार ।।—९६

(वोटरण लोह पाप री वेडी ,
सेवा करी हरि जाणै सही ।
कहि चिति निति सपवित्र ही कीरति ,
कीरति वेद पुराण कही) ।।—९७

मुलक नाम

विखय[1] मुलक रासट उपवरतन ,
जनपद नीव्रति देस जनात ।
मडळ (न को अेहडो व्रज - मडळ ,
अवतरिया हरि करण अख्यात) ।।—९८

नगर नाम

नगम पुरी[2] पुर[3] पटण[4] निवेसन ,
नगरी पुट[5] पतन नगर ।
अधिस्यान[6] नृपस्थान (ईखता ,
महरा सिर मथुरा) सहर ।।—९९

तलाव नाम

सर वरख्यात पुसकरण[7] सरसी ,
पदमाकर कासार (प्रमाण ।
सिरहर अवसरा नारियण सिर ,
वडो) तळाव तडाग जीवाण ।।—१००

नीर नाम

नीर खीर दक उदक कुलीनस ,
क पौहकर[8] घणरस कमळ ।
अरुण पाथ पय मेघपुसप अप ,
जीवन (जा दिन पास) जळ ।।—१०१

---

(अ) [1] विखै [2] नभ - पुरी [3] पुट [4] पाटण [5] पुट - भेदण [8] पूकर ।
* [पिंड पथर सुत रूपक पारसव] ।
(ब) [6] अधिस्ठान [7] पौहकर ।

सलिल[1] क्रपीट[2] भुवन सर संबर ,
आव[3] कवध कुस[4] विस्र अम्रति[5] ।
मळमजण कीळाळ मरवमुख ,
पाणी पारणद वन (प्रविति) ।।—१०२

अव[6] वार गग तोड[7] धोई - अग ,
(करि श्रीक्रसन तणा कँ वार ।
उत्तम होई जनम - क्रम आतम ,
सगम तरै दधि विसम ससार) ।।—१०३

कमल नाम

सहसपत्र सतपत्र कुसेमय ,
पकेरुह पकज पदम ।
नलणी जळज नालीन कोकनद ,
जळरुह जळरुट जळजनम ।।—१०४

सर - जनमा खरदंड सुधारस ,
कुवलय सरसीरुह कमळ ।
पुडरीक उतपळ हर पोहकर ,
पिता - विरंच महोतपळ ।।—१०५

राजीव कज सरीज तामरस ,
विस - प्रसून[8] नीरज अरविंद[9] ।
वारज अवुज नयण इदीवर[10] ,
(नमो पराकम मथुर - नरद ।।—१०६

मछी नाम

सलकीजा[11] दुख कुलखय कुसळी ,
सवर भख सफरी सफर ।
अनमिख इदुजयकर अलूकी ,
चचळ वारज वारचर ।।—१०७

---

(अ) [1] सलल [2] क्रपी [3] अवू [4] कुसमई [5] इम्रत [6] मग [7] तोय
[8] विस - परसूति [9] अरविंद [10] इदवर [11] सलक्रजा ।

(चवां) आतमासी सिधचारी ,
वैसारण खडपीण[1] विसार[2] ।
प्रथुरोमा पाठीन मीन (पढि) ,
(केवळ मछ रूपी करतार ॥१०८

काछिवा नाम

कूरम कमठ काछवौ कछप .
गुपतिपचअग चतुरगति ।
पाणीजीवा[3] तुद (वळै) कोडपग ,
(प्रगट रूप सुजि जगतपति) ॥—१०९

देवल नाम

देवळ मडप चैत देवाळय ,
हद धजर प्रासाद विहार ।
(माहि तास सौभै हरि मूरति ,
झालिर तणा हुअै झणकार) ॥—११०

धजा नाम

कदळी वईजयती कैतेन ,
(भणा) जयता केत (भणाय) ।
(ताई) पराका चैहन पताका ,
(सिरै धजा हरि देवळ साय) ॥—१११

गढ़ नाम

वप्रवरण भुरजाळ दूरग (वळि) ,
परिघ श्रूळ गढ चय प्राकार ।
(लका कोट रामचद्र ले करि ,
दान दिये अैहडो दातार) ॥—११२

छडीदार नाम

छडीदार दरवान उछारक ,
हुसियारक हाजिरि[4] प्रतिहार[5] ।

---

(ग्र) [1] खडाखीण [2] वीसार [3] पाणीजीव [4] हाजर [5] प्रतहार ।

द्वारपाळ डडी[1] दरवारी ,
(नुजि हरि वळै) पोळियो (मुधार) ।।—११३

घर नाम

ग्रेह[2] ओक आमाम (वळै)[3] गह ,
धवळ सकेत निकेतन[4] धाम ।
पद आसय[5] रहणाक आमपद ,
आलय निलय मिंदर आराम ।।—११४

वास निवास सथानिक[6] वसती ,
सदन भवन वेसभ सदम ।
धिसन अगार[7] (जादवां घर धन ,
जिण घर हरि लीन्हौ जनम) ।।—११५

राजा नांम

भूपति भूप पारथव अधिभू ,
विभू प्रभू (अनि) ईसवर ।
परव्रढ मघि लोकेस देसपति ,
सामी भरता नरेसर ।।—११६

नाथ प्रजाप[8] महीपति नाइक[9] ,
अरज ईस ईसर ईसान ।
नरपती नरिंद[10] अवपति[11] नेता ,
राव[12] राट राजा राजान ।।—११७

(राम समान न कोई राजा ,
सरति न काइ सुरसरी समान ।
सती न काइ समोवड सीता ,
गीता समोवड नको गियान) ।।—११८

जुधिष्ठर नाम

भरता नवयराज लखमा[13] (भणि) ,
कौंतयस अजमीढ कक ।

---

(अ) [1]दडी [2]गेह [3]सरण [4]केतन [5]आश्रम [6]सुथानिक [8]नाथ - प्रजाह [9]खितनायक [10]नरद [11]अदप - पति [12]राऊ ।

(व) [7]आगार [13]लखमण ।

(सुजि) सिलियार अजात - तणोसत्र,
(सोम - वस राजा अणसक) ॥—११९

पाडव - तिलक पति - हथणापुर ,
धरम - आत्मज[1] (तास धन) ।
(जीहा साच बोल तौं) जुजिठळ ,
(साच तणो वेली किसन) ॥—१२०

### जिग नांम

मन्यु ससर ईसपति (तत) मख ,
(तवि) सविक्रत[2] घ्रिति[3] होम वितान ।
ज्याग[4] सातोमि[5] वहुरी अधिवर[6] जिगि[7] ,
जिगन पुरख (त्रिभुवण राजान) ॥—१२१

### भीम नाम

(दाखि) पवनसुत वळण वक्रोदर ,
कीचक - रिपि मूंदन[8] किरमीर ।
कौरव - दळण[9] भ्रमावण - कुंजर
(भीम सवळ जै री हरि भीर ॥—१२२

### अरजुण नाम

धनंजय अरिजन जिसन कपीधज ,
निर - कार - रूपी ब्रहनट ।
पारथ सव्यसाची मधिपंडव
सक्रनंदन विभच्छ सुभट ॥—१२३

गुडाकेस व्रखसेन फाळगुण ,
सुनर मोक वेधी - सबद ।
राधावेधा सुगत किरीटी ,
महीसूर मरदा - मरद ॥—१२४

सेतअस्व सुभद्रेस करण - सत्र ,
(सखा तास वसदेव सुत ।

(अ) [1] आतमज [2] सवक्रत [3] घ्रत [4] जग्य [5] सतोमवर [6] अवधर [7] जग ।
(ब) [8] मुदन [9] कैरव - दळण ।

कवि 'हमीर' जसवास आस कर,
ताप पाप मेटै तुरत) ॥—१२५

### धनुस नाम

धनुख कारमुख धनव चाप (धन),
करण पिनाक असत्र कोदड[1]।
सकर इखु इखूवास[2] सरासण[3]
(पकडि भाजियो राम प्रचड) ॥—१२६

### बाण नाम

प्रखतक[4] वाण कलब[5] ककपत्र,
पत्रवाह पत्री प्रदर।
(ईख) तोमर चित्रपूख अजिव्रहमग,
सायक आसुग तीर सर ॥—१२७

ग्रीधपख नाराज मारगन,
रोपण वसख सिलीमुख रोप।
(पण खग खुर पर राम सज कर,
काटण दस मस्तक करि कोप) ॥—१२८

### करण नाम

सूततनय चपाधिप[6] रविसुत,
राधातनय करन अगराज।
(तिण रौ पोहर सवार तवीजै,
कियो प्रभू दातार सकाज) ॥—१२९

### दान नाम

प्रतिपायण निरवधण उछरजण,
जपि विसरारण[7] विसरजण।
विलसण वगसण मौज विहाइति,
वितरण दत समपण व्रवण ॥—१३०

---

(अ) [1] कोमड [2] इखूवाम [3] सरासन [4] प्रकथक [5] कलवक [6] चपादिप [7] विमरारणण।

आपण दान (लक उचित - पति ,
भगत निवाजण वभीखण ।
रावण मरण खयण कुळ राकस ,
तिको राम तारण - तरण) ॥—१३१

### जाजिक नाम

ईहग भिखक जाचिग अरथी ,
मनरख मागण मारगण ।
जग - आसगर (व) नीयक जाचण ,
(तवि दातार दसरथ सुतण) ॥—१३२

### दातार नाम

मनमोद मनऊच महामन ,
उदभट त्यागी (प्रगट) उदार ।
अपल महेछू उदात उदीरण ,
(देवा देव वडो दातार) ॥—१३३

### पंडित नाम

[प्रायतरु विविस्चति पाडिति ,
विधिग धिखिणि कोविद विदवान ।
(गिन) प्रयागिनि बुधि-सुधि दोखगिन ,
महाचतुर वेधी धीमान]* ॥—१३४

सूर ऋस्ट ऋतीलव धवरण - सिन ,
विचखण सुलखण विसारद ।
विदुख धीर अभिरूप वागमो ,
पात्र मनीखी पारखद ॥—१३५

(जाण) प्रवीण कुसळ आचिरज[1] ,
नैवांइक मतिघण निपुण ।
(सोइज कहाकवि सुकवि कवेसर ,
गिरधारण कहे गुण) ॥—१३६

---

(अ) [1] आचारज [2] नइयाहिक । *[आतम - रुप विवसचित पंडित, विदग दखुणिक कविद बुधिमान । गिन प्रागिन बुधि-सुधि दोख-गिन, महाचतुर मेधावी मान ।]

### जस नाम

जदाहरण सभगिना सुजस,
वरणत सुसबद सबद वखाण।
सधवाद असतूती सुपारिस,
प्रिसिधि विरद सोभाग (प्रमाण) ॥—१३७

वाच प्रताप सिलोक गुणावळि,
कोरति ख्यात (षिसेख कही।
राम तणो भूले मत रूपक,
सुर नर समरै नाम सही) ॥—१३८

### सूरिमा नाम

कळि जूझार सुभट अहूकारी,
विक्रा - अत तेजसी वीर।
(सूर न कोई राम सरीखौ।
साझण रावण रांण सधीर) ॥—१३९

### तरवार नाम

असिवर मडळाग्र खाडौ असि,
कोखियक निसत्रस क्रपाण।
चद्रहास बाणस[1] घात (चव),
करताळीक घाव केवाण ॥—१४०

जडळग विजड त्रजड धारुजळ,
तेग खडग भुजलग तरवार।
किरमर सार रूक खग (हर कहि,
समहर हार-जीत हर हार) ॥—१४१

### घोडा नाम

घूरज भिडज गंधरव (अर) सिंधव,
वाजी वाज पमग विडग।
वाह अंव[2] चचळ वेगागळ,
तारिख[3] ताजी तुरी तुरग ॥—१४२

---

(व) [1] बाणाम [2] अस्व [3] तारक।

असि वरहास तुरगम अरबी,
सपती बीती खेग सधीर[1] ।
हय केकाण वितड हर[2] हैमर,
(गोविंद रूप कियो हय-ग्रीव) ॥—१४३

### सत्र नाम

सत्र केवी सपतन विड सात्रव,
दुखदायक[3] दोखी दुजण[4] ।
अभमानी अवजात[5] अराती,
पथ-कुपथन खळ पिसण ॥—१४४

वेधी खेधी दुस्ट विरोधी,
प्रतपख असहण विपख पर ।
अहिति अचित दसू[6] दुरत[7] अरि,
हाणक यैरी वैरहर ॥—१४५

विघनकरण दोखी[8] अणवछक,
रिसाधाती[9] घातीक[10] रिप ।
(सिर ऊपर दोखी जम सिरखा,
नाम सिमर रणछोड नृप) ॥—१४६

### सेना नाम

पताकनी सेन[11] चळ प्रतनी[12],
खरहन[13] खूर कटक खधार ।
अनैकनी[14] हैथाट आरहट,
विकट अनीक सकधवार ॥—१४७

वरूथनी चक्र तात[15] वाहनी,
गरट फौज लसकर गैंतूळ ।
घूस गडूस समोदनी[16] धसनी[17],
मोगर अखोहणी[18] कळमूळ[19] ॥—१४८

---

(व) [1] सुजीव [2] हर्रि [3] दुखदाइक [4] दूजण [5] अविजाती [6] दस्यु [7] दुरहित [8] द्वेखक [9] रिमि-घातू [10] घातकी [11] सेन्या [12] प्रतिना [13] खरहड [14] अनीकनी [15] तत्र [16] वादनी [17] धजनी [18] अखोहिणा [19] कळिमूळ ।

साथ समूह चमू घड साघन ,
घासाहर घमसाण घण ।
(दळ सिसपाळ तणो देखता ,
हर कीधो रुकमणी हरण) ।।—१४६

### जुघ नाम

जुध समुदाय असागम सजुग ,
आहव (अन) अभ्यास अवदीक ।
द्वद्व आस कदन प्रव दारुण ,
सजुत समित सग्राम समीक ।।—१५०

समर सापरायक अघ समरक ,
प्रहरण आयोधन प्रधन ।
अमि सपाती महाहवि आजि ,
कळह राड़ि विग्रह कदन ।।—१५१

सप्रहार[1] सस्फोट सखि (सुजि) ,
ताई - प्रयात वेढि रणताळ ।
(जुत भारथ दसरथ सुत जीपण ,
खर दुखर असुरा खेंगाळ) ।।—१५२

### जम नाम, घरमराज नाम

क्रिताअ्रत[2] अतक सीरणक्रम ,
काळिद्री - सोदर[3] अतु[4] काळ ।
समवरती कीनास सूरसुत ,
(जपि हरि - हरि काटै जमजाळ) ।।—१५३

### मिनख नाम

नृ[5] पुमान[6] अतिलोकी मानव ,
पचजन नर पुरुखा पुरख ।
घव आदमी गोघ कायाघर ,
मनुज मरुत[7] मानुख[8] मिनख ।।—१५४

---

(अ) [2] क्रनअत [3] कालिदी - सोदर [4] जम [5] ना [6] पमान [7] मूरत [8] मानिख ।
(व) [1] सपहार ।

(उवे आदमी भलाई अवतरिया,
साख तिका री भरै ससार।
सत भाखै राखै हरि सारै,
उत्तिम लखण करै उपगार) ॥—१५५

जनम नाम

जनम उपजण जणण जणक[1] जिणि,
उतपति[2] भव उदभव अवतार।
(दस अवतार लिया दामोदर,
भगवत भौमि उतारण भार) ॥—१५६

पिता नाम

प्रथम जनयता[3] सवितांव पिता,
विरजा[4] तात जनक (जपि) वाप।
(हरि वसुदेव पिता तिणि हूंता,
अवतरिया जण तारण आप) ॥—१५७

माता नाम

अवा मा जननी[5] जनयती,
सवती (नांम कहै ससार।
देव कळा घन मात देवकी,
कूख नीपना नदकुमार ॥—१५८

बालक नाम

अरभ कुमार खीरकंठ (उचरि),
(धारि नाम) सिसु स्तन-धय (कहाय)।
पाक प्रथुक लघु-वेस डिभ पुत्र,
साव पोत ऊतान सहाय ॥—१५९

(वाळमुकंद नद घरि वाळक,
मात लडायौ जसोमती।

---

(अ). [1] मनुष्य-जण [2] उतपत [3] जनय [4] वीची।
(ब). [5] जणणी।

भगतवछळ गोकळ मनभावन,
पावन मूरति जगतपति) ॥—१६०

भाई नाम

भ्राता बधु[१] सहोदर भाई,
सगरभ हिति सोदर सहज।
समानोदरज वीर सोदरज,
(सुजि वळिभद्र कान्हड सकज) ॥—१६१

वडा भाई नांम

जेसट पित्र-पूरवी[२] अग्रज,
मोटो अग्रम (राम महि) ॥—१६२

छोटा भाई नाम

वळि कनिग्रान अनुज लघु अवरज,
कनिस्ट[३] जवस्ट[४] (क्रस्ण कहि) ॥—१६३

बैहन नाम

भगनी सिस वैहन वाई (भणि),
भटू सोदरी वीरि (भणि) ॥—१६४

पग नाम

चळण पाड गतिवत मचरण,
(कहिजै) अत्री अोण क्रम।
पग पय गमन (मदा लग पालण
करि ममरण श्रीरंग) कदम ॥—१६५

कटि नाम

कलित्र[५] कटीर लक तनवीचि[६] कडि,
मध्यभाग[७] काछनी (मुणि)।

---

(प्र). [५] कटीत्र [६] विच [७] त्रिछन्न।
(च). [१] वधव [२] पूरवज [३] कनिस्टि [४] जविस्टि।

(मोर - मुगट राजै कर मुरली ,
तरह भामणै तास तरिण) ।।—१६६

### पेट नाम

पिचड कूख (गरिण) उदर पेट (पिरिण) ,
जठर त्वंत त्वदी ग्रभ (जारिण) ।
(ग्रनत देवकी ग्रभ ऊपना ,
हिति देवा देता ग्रति हारिण) ।।—१६७

### पयोधर नाम

उरज उरोज पयोधर ग्रचळ[1] ,
(तवि) उर - मडन कुच सतन[2] ।
(मुख ग्रही सोखी पूतना मारि ,
वडिमि वखाणै धिन विसन) ।।—१६८

### हाथ नाम

करग ग्राच हथ[3] हसत दोर कर ,
पच - साख[4] बाहू भुज पाण ।
(पाण जोड रिणछोड पूज जै ,
प्रथी चौगणै वधै प्रमाण) ।।—१६९

### ग्रागली नाम

(ग्राखि) पलव करसाख ग्रागळी ,
(उधरियो तिणि सिर ग्रनड़ ।
व्रज राखियौ विगोयौ वासव ,
वडौ ग्रवर कुण विसन वड) ।।—१७०

### नख नाम

भुजा - कंट कर - सूक[5] पुनर - भव[6] ,
नखर पलव - सुव करज नख ।
(नख हरणख उधेडि नाखियौ ,
ग्रसुरा रिपि जुग - जुग ग्रलख) ।।—१७१

---

(ग्र) [1] ग्राचळ [2] सथन [3] हाथ [4] पच - साह [5] कर - सूर [6] पुर - भव ।

### रोमावली नांम

रोम लोम गो पसम तनोरुह ,
(रोम - रोम हरि नाम रहाई ।
मेटि भरम मन तरणो मानवी ,
किम्न तरणो तू भगत कहाई) ॥—१७२

### ग्रीवा (गलो) नाम

ग्रीव गळो सिरो - धरि[1] गावडि ,
(कध कियौ सरीखौ कैंकारण ।
मधुकैटभ करि कोप मारियौ ,
देता दळण देव दीवारण) ॥—१७३

### मुख नाम

आस्य लपन[2] रसनाग्रह आरणरण[3] ,
वक्र तुंड वोलरण वदन ।
मुख (सुजि लीजै जिणि चरणाश्रति ,
कीजै जस राधाकिसन) ॥—१७४

### जीभ नाम

वाया वाचा रसना[4] वकता ,
जीहा जीभ रसगना[5] जीह[6] ।
(इण सौं करतौ रहै आतमा ,
दसरथ - सुतन भजन निस - दीह) ॥—१७५

### दांत नाम

दुज[7] रद[8] रदन दसन[9] मुख - दीपन ,
(दळियौ कस पकडि गज - दंत ।
वार - वार करतार वखांणौ ,
सुर सिरणगार सुधारण संत) ॥—१७६

---

(अ) [1] सरो - धर [2] लपना [4] रसण [5] रसगिना [6] जीहा [7] दुजि [8] रद [9] दमण ।

(ब) [3] आनन ।

### अधर (होंठ) नाम

ओपवणत रदछदन मुखअग्र[1],
ओष्ठ होठ रदधर[2] अधर।
(गोपि अधर खडम मुख गोविंद,
पीयै महारस परसपर) ॥—१७७

### नासिका नाम

ग्रहण-सुगंध तिलक-मारग (गिण),
घ्रोण नास नासिका घ्राण।
नाक (राम छेदन सुयनखा,
रढ मेटण रामण रढराण) ॥—१७८

### नेत्र नाम

लोचन चख द्रग आखि विलोचन,
नैण नैत्र अवुक निजरि।
देखण दीठि[3] गो जोत मीट (दे,
हेक मना मुख देख हरि) ॥—१७९

### मस्तक नाम

मस्तक मूढ[4] मूरधन[5] मौली[6],
सीरख[7] बरग कमळ धू सीस।
क उतवग (भ्रगुट दस-कापण,
दान लक आयण जगदीश) ॥—१८०

### केस नाम

सरळ वाळ सिरिमड सिरोरुह,
कु तळ चिकुर चहर कच केस।
(स्यामि केस राधा सिर सोहै,
नाइक राधा क्रिसन नरेस) ॥—१८१

---

(अ) [1] मुखाअग्र [2] मुस्टधर [3] द्रढ [4] मृड [5] मूरधा [6] मोली [7] सीरक।
(ब) [3] दठि -

## कान नाम

(त्रवि) श्रव श्रवण करण वाङकचर,
सुरति श्रुनीग्रह साभळण।
कान सुणण (भागवंत तणी कथ,
वरणव करि अवरण वरण) ॥—१८२

## सरीर नाम

काया गात सरीर कलेवर,
वरखम देही डील वप।
पिंड वथ मूरति पुर पुदगळ,
(अवय विभू - वर तन अलप) ॥—१८४

## वसत्र नाम

वसन दकूळ लूगडा[1] वसतर,
सोभन तन - ढाकण[2] सिणगार।
अश्रुग वास चीर पट अंवर,
(हरि द्रौपदी सपूरण हार) ॥—१८४

## सेवा नाम

(अणआटै) सेवा (ग्रह आतग्र),
भजन जाप ओळग भजत।
(महाधनि आन) चाकरी खिजमत,
(सिमरण कर हरि जाण सत) ॥—१८५

## मन नाम

ऊचळ चचळ चेत अनिंद्री,
पित मनमथ मन गूढ - पथ।
मांनस अतहकरण हृदै (मझि,
सदा समरि कानड समथ) ॥—१८६

---

(अ) [1] लूघडा।
(व) . [2] तन ढाकण।

### चचल नाम

पारि पलव चळ लोळ पर पलव ,
चहुळ चळाचळ अति - चपळ ।
कप अथिरि अण - धीरजि कपन ,
(तवि हरि चित मन करि तरळ) ॥—१८७

### कामदेव नाम

कळा केल मधूदीप कदरप ,
मार रमानदन मदन ।
अतन मनोज मनोद्रव[1] अणगज ,
काम मीनकेतन कमन ॥—१८८

मनमथ हरि प्रद्युमन आतमज ,
सबरारि[2] मनसिज[3] समर ।
दरपक पुसपचाप दिनदूलह ,
सुदर मनहर पचसर ॥—१८९

मधु स्वारथी (अनै) विखमाजुध[4] ,
अनिनज[5] अवप अकाय अनग ।
सूरपकार[6] प्रसपधन्वा (सुजि) ,
रितपती जरा - भीर[7] नवरग ॥—१९०

(कोटि) मकरधज (रूप किसन कहि ,
पिता मकरधज क्रिसन पिरिण ।
असुर सिघार किसन अतलीबळ ,
भगत सुधारण किसन भरिण) ॥—१९१

### स्त्री नाम

वनता[8] नारि[9] भारिज्या[10] वळभा ,
त्रिया प्रिया अगिना तरणि ।
माणरिण[11] चळा ग्रेहणी महिळा ,
वाळा अवळा नितवरिण[12] ॥—१९२

---

(अ) [1] मनोभव [2] समरारि [3] मनसेज [4] विखमयुद्ध [5] अवनिज [6] सूरपकारिपु, [7] भीमम [8] वनिता [9] नार [11] भारज्या [12] नितवरण ।
(व) [10] माणचळ ।

जोखा जुवति जोखिता जोखित ,
वामलोचना मुगधा[1] वांम ।
सीमतनी तनूदरी सुंदरी ,
भीरु तलप कांमकी भाम[3] ॥—१६३

प्रमदा दारा पतनी परध्री ,
कामणि[3] (वळि) रगना कलित ।
ललना रमणी (सिरोमणी लिखमी ,
जास रमण जामी जगत) ॥—१६४

भरतार नाम

वर भरता भरतार वर्प्रौढा ,
प्रिय प्राणेय प्रसिटि प्राणेस ।
पीतम इस्टि भोगता (अरु) पति ,
रमण वरयता नाह रिदेस ॥—१६५

कांमी वलभ धणी धव कामुक ,
(कानड प्रिया राधिका कंत ।
स्याम कोटि कद्रप सुंदरता ,
अकिळी ज्योति भगवंत अनती) ॥—१६६

सुंदर नांम

सुलखण[4] कमन मनोगिन[5] सोभित ,
रुचिर मनोहर मनोरम ।
प्रीय कमनीय ललित[6] रुचि पेसळ[7] ,
सिधु[8] मंजु मजुळ सुखम ॥—१६७

सुभग सरूप समोभित सुंदर ,
वांम[9] मधुर अभिराम वर ।
(दरस)[10] रमण रमणीय (दीपतळ) ,
क्रात[11] (अधिक कान्हड कवर) ॥—१६८

---

(अ) [1] मुग्धा [2] भामण [3] कामणी [4] सलखण [5] मनोगिण [6] श्रेस्ट [7] सुकलण [8] साघु [9] वामम [10] दमणीय [11] क्राति ।

**नाम नाम**

अभिखा[१] अक आह्वय[२] अविधा ।
नाम धेय सग्या[३] (हरि नाम ।
वेग टळे दुख दळिद्र विराम) ।।—१९९

मित्र स्याम वाइक[४] मन - मळग[५] ,
सहकृतवास सहचर सुहृद ।
प्राणइस्ट वलभतन प्रीतम ,
सनिगध सहकारी सुखद ।।—२००

**सनेह नाम**

हेत राग अनुराग नेह हिति ,
प्रीत सतोख मेळ सुख प्रेम ।
हारद प्रणय हेकमन दोहिद ,
(गोविंद निगम सू कर नेम) ।।—२०१

**आणद नाम**

मुद आणद महाहस सामुद ,
मोद परमसुख प्रमुद प्रमोद ।
रळी हुलास उमग उछरग रग ,
(विसन समरि करि) हरखि विनोद ।।—२०२

**सुभाव नाम**

अनिज विसव सानिज गुण - आतम ,
चळगति प्रगति रीति गति चावि ।
सहज सरग निसरग (सुजि) ससिधि ,
सतत रूप तक भाव सभाव ।।—२०३

स्वाद रूप (तव) लखण सील सच ,
तरह (राख भव समद तर ।

---

(अ) [१] अभिख [२] आह्वीय [३] सगना [४] वायक [५] मन - मेळक ।

मावव सिमर देह कर निरमळ ,
पाप न लागै येण पर) ॥—२०४

माण (नाम अहकार)

मच्छर समय अहकार दरप मद ,
माण पाण पौरिसि अभिमांन ।
तव अभिमता गरूर रढ[1] (तजि ,
धरि मन गरव धरि हरि ध्यांन) ॥—२०५

क्रिपा नांम

(कहि) अनुक्रोस[2] घ्रिणा[3] अनुकंपा ,
हतोगति [6]किरपा महिरि[4] ।
मया दया (राखै जग-मडण) ,
करणा[5] (निधि हरि भजन करि) ॥—२०६

कपट नाम

परमकोस[6] परवाद[7] व्याज मिस ,
छदंम छेतरण दभ छळ ।
(नाम) लक्ष्य विपदेस उपनिभ ,
कैतव चितकरि कळह विकळ ॥—२०७

कूट कपट मनद्रोह तोत (कह ,
राखण कथ त्राघो वळि राउ ।
वाचि' हमीर. वखाण त्रिसन रा ,
पूजै पनग अमर नर पाउ) ॥—२०८

समूह नाम

समुदय व्यूह समूह प्रकर (सुणि) .
निकर पटल संचय निकरव ।
पूर पूग व्रज वहुत (पणीजै) ,
कंदळ जाळ कळाप कदव ॥—२०९

(अ) [1] रढ [2] अनुकोन [3] घ्रणा [4] महर [5] करुणा ।
(व) . [6] परमक्रोस [7] परिवाद ।

### बंछया नाम

ईहा चाहि वछना इच्छा ,
(कहि) वसना चिकीरसव काम ।
(विमळ हुवै मन मिटै वासना ,
रहि एकत समरिये राम) ।।—२१०

### पाप नाम

अधम[1] असुभ तम-व्रजन[2] अघ ,
पाप दुरिति[3] दुक्रिति[4] दुख पक ।
प्राचिति कलुल[5] कलुख दुखपालण ,
कलमुख कसमल किलिविख कलक ।।—२११

### धरम नाम

सत क्रित भागधेय व्रिख सुक्रति[6] ,
धरि-श्रेय (अर पुनि) धरम ।
(पूरण ब्रह्म समरि परमातम ,
कर आतम उत्तम करम) ।।—२१२

### कुसल नाम

[ससत सुश्रेय ससउ अघेय सिव ,
भव्यक भव्य भावक अभय ।
कुसळ खेम सुभ मद्र (मद्र कहि) ,
(माढव) मगळ (रूपमय)]* ।।—२१३

### सभा नाम

[आसथान सदघटा आसता ,
ससत परखद समिति समाजि ।
समिजा गोठि छभा]† (सुजि सोहै ,
रोजि हुवै चरचा व्रज-राज) ।।—२१४

---

(अ) [1] अघम [2] तम-बीज [3] दुरित [4] दुक्रत [5] कलिल [6] सुखरथ ।

*[सुसेय कुमल आणद सुख , खेम खैर साखत सुखयाम ।
आनद उछव उछाह आखजै इसवर भज उयजै आराम ।।]

†[आसतन सता-घटा, परिखर ममत समाज, समया गोठ सभा ।]

## सबद नाम

सुर निहघोख (ग्रनै) निहकु ण सुनि ,
निनद कुणत धुनि नाद निनाद ।
रूंण ग्राराव (न ग्रौर) राव रव ,
सबद ध्रवान टेर कुण साद ।।—२१५

(वळि) निसिवान (हराद नाम वदि ,
की गजराज) ग्रावाज पुकार ।
(दे दै ग्राह तुरत छोडवियो ,
ग्रनत जुगा-जुग भगत उधार) ।।—२१६

## सोभा नाम

भा ग्राभा विभ्रमा[१] विभूखा ,
कोमळता राढा दुति क्रांति ।
सुखमा छिवि परमा श्री सोभा ,
(भगवत) कळा ग्रनोपम (भांति) ।।—२१७

## दिन नाम

दिविदु दिवान[२] दिवस वासुर दिन ,
ग्रह (इगियारसि) दिविसि[३] (ग्रनूप ।
कीजै वरत भजन पिरिण कीजै ,
भगत - वछळ रीभै व्रज - भूप) ।।—२१८

## किरण नाम

रसमि[४] जोति[५] दुति गो छिवि सुचि रुचि ,
वसू दीधती ग्रसुग[६] विभा ।
किरण मयूख मरीच धाम कर ,
भानुभा प्रतीप दीपति प्रभा ।।—२१९

(गोविंद) तेज ग्रवार (जगत-गुरु ,
घट-घट व्यापक वडिम घण ।
ताप पाप मेटण ग्रातम तन ,
विसन तणा कहि जस वयण) ।।—२२०

---

(ग्र) [१] विभमा [२] दतिवान [३] दीह [४] रसम [५] वाति [६] ग्रसु ।

### तेज नाम (उजास नाम)

तेज उदोत वरच तम - रिपि (तवि) ,
उजवाळो[1] आलोक उजास ।
ग्यान प्रकास (उर सग्रही ,
समरि - समरि हरि सास उसास) ॥—२२१

### सेत (स्वेत) नाम उजल नाम)

सेत विसद अविदात हिरिण सिति ,
सुभ्रू (भळभद्र) अरजुन सुकळ ।
पाडूर पाड धवळ सुचि पाडू ,
(उचरि हरि चित मन कर उजळ) ॥—२२२

### रात्रि नाम

निसीथणी जामणि निसा निसि ,
तमसी तमी तामसी (ताय) ।
जनया खिणदा[2] खिपा त्रिजामा[3] ,
विभावरी[4] सरवरी (बचाय) ॥—२२३

रात्रि रात्री[5] सिस - प्रिया[6] रंजनी ,
(हुग्रौ अस्टमी जनम हरि ।
मुथरा माहि वरतिया मगळ ,
घण कितूहळ घरोघरि) ॥—२२४

### अधारो नाम

अध तंमस सतमस अव तमस ,
तमस तिमिर भू - छाय तम ।
अधकार ध्वातस[7] (मेटण) अध ,
(वरळ कोटि पूरण ब्रह्म) ॥—२२५

### स्याम नाम

स्याम रांम मेछक (वळि) सामळ[8] ,
किरिठ[9] धूमरक[10] अश्रु भ्रू (वळि) काळ ।

---

(अ) · [2] खणदा [3] त्रजामा [4] विभरी [5] रात [6] रस-प्रिया [7] धा अत [8] स्यांमळि ।
(ब) : [1] अज - आळो [9] करठ [10] धूम ।

अलिप्रभ असित नील (आखीजै),
किसन-वरण (धिन क्रिसन-क्रपाळ) ।।—२२६

दीपक नाम

कजळ - अक[1] तेज धज - कजळ,
नेहप्रीय ग्रहिमिरिण तमनास ।
(उतम दसा करख दसय धरण,
आणद जोति सिखा ओजास) ।।—२२७

सारग दीप प्रदीप दसासुत,
ओपण धार (दसा अवतार ।
दस अवतार लिया दामोदर,
भगवत भौमि उतारण भार) ।।—२२८

चोर नाम

प्रतिरोधक मरमोख[2] पाटचर,
निसचर दुस्टि[3] गूढचर (नाम) ।
तेय पार पथक दमु तसकर,
एकागारक[4] नाळ[5] - अलाम ।।—२२६

कुवधमूळ मूळचप रासकदी,
रामण चोर लकपती राण ।
(लेग्यौ सीत अेकली लाधी,
कीधौ हति रघवर किल्याण) ।।—२३०

मूरखि नाम

मूरिख मुगध अजाण मीमीतमुख,
मूढ मदमती हीण अमेध[6] ।
वाळस[7] जथाजात सठ कद (वदि),
नैड मूक वैधअण निखेद ।।—२३१

जालम वाळ अग्यान विवर जड,
असन अवूज रहिति - इतिवार ।

---

(अ) [1] कजुळ - अक [6] अमेद [7] वालिस ।
(व) [2] परमोख [3] दुमट [4] यकागारिका [5] नाळय ।

महाविकळ अगळ ज स्थानि - निमठ ,
(गोविंद भजै तिकै) गिमार[1] ।।—२३२

### कूकर नाम

कूकर सारमेक कोयलेक ,
भुसण पुरोगति असतभुक ।
रितसाई रतिकील रितपरस ,
(दाखि) विरित वैणता सडुक ।।—२३३

लेखिराति जागर रसनालिटि ,
अगदस साला व्रकमडळ ।
वळितिपूछ ग्रहम्रग चक वाळध ,
खेतलरथ मजारखळ ।।—२३४

ग्रामसीह जीभय[2] स्वानि (गिणि ,
स्वान सुनर धर तास समान ।
कपटि कूर करम करे काळ-वसि ,
भगतवछळ न भजै भगवान) ।।—२३५

### खर नाम

चक्रिवा[3] रासिवि[4] चिरमेही ,
पणि गरदभ[5] सीतल - पुहण ।
भारवहण[6] सखससदी भूकण ,
करणलब सकुकरण ।।—२३६

खुरदम खर वालेय सरीखत ,
(ओ) नर-मूढ-सरीख अजाण ।
(व्रजभूखण न जपै निसि वासुर ,
पुणै कुड न सुणै पुरांण) ।।—२३७

### विस नाम

(तवा मार मारण रस तीखण ,
(गिणीजै) हाळाहळ[7] गरळ ।

---

(अ) [1] गीवार [3] चकिवान [4] रासभ [5] गरधभ [6] भारलदण [7] हळाहळ ।
(ब) [2] जिभाय ।

ससार जहर (दुख वारण ,
केवळ हरि व्यापक सकळ) ॥—२३८

### अम्रित नाम

अगदराज देवभख अम्रति ,
मधु (कहि) रतन समदसुत मार ।
मोभ पयूख सुधा जग - साचो ,
(सुजि श्री राम नांम तज सार) ॥—२३९

### चाकर नाम

चाकर परपिंडित पराचिति[1] ,
डिर[2] भ्रत्य[3] परपघत[4] दास ।
किंकर परसकद परकरमण ,
विवकर भट परजीत खवास ॥—२४०

चेट प्रईख भुजक परचाकर ,
नफर निजोज[5] सेवगर (नाम) ।
अनुचर अनुग (हमीर अनत रौ ,
गोलो खानाजाद[6] गुलाम ॥—२४१

### डर नाम

भीय वीय भय वास भीत भी ,
(तवि) साधस डर दर अतक ।
उद्रक चमक (वळै) आसक्या ,
(समरि प्रभू मेटण जम - सक) ॥—२४२

### आग्या नाम

आइस हुकम आगिना अग्या ,
नानन जोग नियोग जुसोई ।
(प्रेव्व देस) आदेस (जगतपति) ,
(हरि) फुरमाण (हुअै तिम होई) ॥—२४३

---

(प) : [1] परचीय [2] डगर [3] भ्रतीय [4] परदघत [5] निजोजि [6] खानैजाद ।

### वेला नाम

वरतमान अनिमिख खिण वेळा ,
वार वेर प्रसताव[1] वय ।
काळ अनीह प्रक्रमी अतर (कहि) ,
सोम[2] ताळ पौहरो समय ।।—२४४

अवसर (वुहौ जात आतमा ,
करि कारिमा फिटा सही काम ।
राघव तरण जोडि गुण रूपक ,
मारण दळिद्र वधारण माम) ।।—२४५

### पीडा नाम

रुज उपताप[3] व्यथा[4] पीडा रुग[5] ,
आभय आम माद आतक ।
व्याध[6] रोग असमाधि अपाटव ,
सगट[7] (गद मेटण हरि सक) ।।—२४६

### कूड नाम

कूड व्रथा मिथा खोटीकथ ,
असिति अठीक अलोक[8] अणाळ ।
वितथ[9] विकळ अनिरित अनरथ (वळि ,
प्रभू समरि तजि) आळ-पपाळ ।।—२४७

### साच नाम

तथि सचि समगि सचौक जथातथि ,
(वदि) सद भूति विसोवावीस ।
समीचीन[10] निसचौकरि[11] सन्नत ,
(जग पुडि साच रूप जगदीस) ।।—२४८

### वलद नाम

वाडिभेय भद्र सौरभेय व्रख ,
हररथ द्रत हरनाथहर ।

---

(अ) [1] पिमताव [2] स्याम [3] उताप [4] विथा [5] रुघ [6] व्याधि [7] सकट
[8] अनीत [9] वेतत [10] समचन [11] चौकस ।

[घमळ वळध धोरी सधुरधर]* ,
चौपग हळवाहरण (उचरि) ।।—२४९

अनुडवान पसु वळि वळद उख ,
कुकुदवान शृंगी यळकार ।
तव व्रखभ (सुजि)रिखभ[1]वैल (तिरिण ,
भूधर हुकम लियो धर भार) ।।—२५०

### गाय नाम

माहा गाइ[2] गऊ[3] माहेई[4] ,
सुरभी[5] सौंरभेई सुरिहि ।
अगिना[6] ऊश्रा शृंगणी उखा ,
कवळी[7] कपळा (नाम कहि) ।।—२५१

तपा (अनि) देवाधरण तवा ,
(वळै अरजनी[8] दहावन[9] ।
(धरणीधर सुंदर गिरि धारण ,
धनी रोहणी ग्वाळ धिन) ।।—२५२

### वाछडा नाम

तरण वांछडा वाछ ठोवडी ,
वाच सक्रतकर वाछा लवार ।
(वन मा आवि चोरिया व्रह्मा ,
त्रिकम नवा उपाया तार) ।।—२५३

### दूध नाम

मधू गोरस उतमरस सोमिज[10] ,
[दुगध पुंसवन उधसि (पुनि) दूध]† ।
सतन खीर पय अम्रति[11] सवादक[12] ,
(मोभि किसन पीधो मन सुध) ।।—२५४

---

(अ) [1] रखभ [2] गाय [3] गाउ [4] माहेवी [5] सुग्ह [6] अगना [7] कवनि [8] अरजुनी [9] महावन [10] सोमज [11] इम्रत [12] सवादिक ।
*[धवळ वळद घंधोरी धीगर] । †[दगव उदसि (पुनि) ओदसि दूव] ।

### दही नाम

दही[1] (नाम) गोरस खीरज दध ,
(दधि पीतो हरि लेतो डाण) ।

### छाछ नाम

मथिति उदिश्चित काळसेम मही ,
(पीधी) छासि तक्र (पुरिख पुराण) ।।—२५५

### मांखण नाम

तक्र-सार दधसार सारज (तवि) ,
नेगवी (ने) माखण नवनीत ।
(धिन कानड चोरतौ नवोध्रति ,
पीतम गोकिळ पुरिख प्रवीत) ।।—२५६

### ध्रत नाम

हय[2] अगवीन[3] नृप चौपड हवि ,
घिरत आजि आहिजि आहार[4] ।
सरपि खि हविखि तेजवत सवळौ ,
अभत जोतवत तेज अवार ।।—२५७

### भोजन नाम

अमि[5] विहार[6] अहार अरोगण[7] ,
निधस लेह्न जीमण ध्रिसनाद ।
भखण अनंद[8] खादण(वळि) वळभन[9] ,
सुखदवि खाण[10] प्रसाद सवाद ।।—२५८
(पति-वसाण अवसाण जगध पिणि ,
तत करै भोजन खट त्रीस ।
जसुमंत मात जुगति जीमाडै ,
जीमै आप क्रिसन जगदीस) ।।—२५९

---

(अ) [1] महि [2] हई [3] यगुवन [4] आधार [5] हरभ [6] वहार [7] आरोगण [8] अनदण [9] वलभण [10] खावण ।

### सुमेर-गिर नाम

रतन-सान[1] गिरपति पचरुपी,
सुरगिर कचनगिर[2] सवळ।
मेर सुमेर सुथानिक माहव,
(चवा) करिणा काचळ अचळ ।।—२६०

### सरग नाम

ऊरधलोक नाक अमरालय,
भुव[3] दिवत सुर-रिखभ-वन।
त्रिदिव[4] अवय(तवि तवि)खित्र-दस-तप,
(सुरगपति पति श्रीकिसन) ।।—२६१

### इंद्र नाम

इद्र पाक-सासन आखडळ,
देवराज सक्र पुरदर[5]।
विघश्रवा मघवास[6] अछरवर[7],
वरक्रित[8] सतक्रति[9] धरवजर[10] ।।—२६२

दळभ व्रखा व्रतहा[11] सक्रदन[12],
वासव मरुतवान मघवान।
पूरवपति पुरहुति सचीपति,
जिसनु[13] सुरेस सरगराजान ।।—२६३

हरिहय सहसनेत्र घणवाहण,
उग्रधन ऐरावण अधिप।
सुनासीर क्रितमन सुत्रामा,
(नाम) रिखभ महानृप ।।—२६४

खिलेखा रिखभ जभभेदी,
विडऔजा प्राचिन विरह।
तुराखाट दुचवन हर तखतखी[14],
कौसिक मरुत सुराट (कह) ।।—२६५

---

(अ) [1] रतनसोत [2] कठनगिर [3] भुवि [4] अदव [5] पुलदर [6] मघव [7] अपछरवर [8] वरक्रितु [9] सतक्रतु [10] वजरधर [11] व्रतहास [12] सुक्रदन [13] जिष्णु [14] तपतखी।

(इसडा अमर जास आराधै ,
सास - सास प्रति तास सभारि ।
वळि - बधरण काटै क्रम - बधरण ,
पूरणग्रह्म उतारै पारि) ।।—१६६

देव नाम

निरजर अमर धरहमुख नाकी ,
आदितसुत अभ्रतेस (उचार) ।
विवुध[1] - लेख त्रदसा त्रववेसा[2] ,
रिभु क्रतभुज सुमनस असुरारि ।।—२६४

अनिमिख व्रदारका अनिंद्रा[3] ,
दिविओकस दिवखद सुर - देव ।
(देवा - देव देवकी नदन ,
सुध मवा हरि री कर सेव) ।।—२६८

अगनि नाम

क्रस्रण वरतमा अगनी व्रखा कपि ,
सिखावान[4] सिख[5] हुतासण[6] ।
पावक रोहितास स्वाहापति ,
दमुना दावानळ दहन ।।—२६९

वरहि सुक्र सुखम[7] उखर - बुध ,
आसुसुखरण जगणी अनळ (जाणि) ।
मगळ सपतारची सुरामुख ,
जळण धनजय जाळिअळ[8] (जाणि) ।।—२७०

वीत्रहोत्र[9] वहनी वैसनर ,
सोचीकेस (सुची) पवनसख ।
तनुनपात जातवेदा तप ,
चित्रभानु (अर) माहेसचख ।।—२७१

---

(अ) [3] अनिंदा [4] निखवान [5] सुख [6] दहण [7] सुखमा [8] जाळनिण [9] वीतीहोत

(ब) . [1] दिविध [2] अदवेसा ।

जगाळा आपित[1] जागवी[2],
आश्रगाम उदर-चउ-मन ।
विभावसु[3] छागरथ विरोचन,
घ्रिति आहूतण तमोघण ।।—२७२

धोम समीरभव फुळ धूमधज,
वसु ऋसण हुतभुक हविवाह ।
अरच खमत (हुव हरि आतम),
दुसह (ब्रहद भवन भदाह) ।।—२७६

(जिम जागती विपन परजाळै,
वसु ऋसण हुतभुक हविवाह ।
दुसह (ब्रहद भवन भदाह) ।।—२७४

(जिम जागती विपन परजाळै,
परमेसर जाळै इम पाप ।
देवा देणां देव दईता दव,
जादव-तिलक तणो जपि जापु। ।।—२७५

### बलभद्र नाम

वळिभद्र[4] ताळ लखण निलावर,
अच्युताग्रज वळि हळायुध[5] ।
सीरपाण वळिदेव सतालक.
(भुरासिंध मौं करण जुध) ।।—२७६

कामपाळ भेदन - काळद्री,
रोहणेय[6] सकरषण-राम ।
पीय-मधु मूसळी-हळी (पिणि),
(नांम अनत सीता सित नांम) ।।—२७७

(वधव तास तणो वळि-वधण ।
आदि पुरख ठाकुर अविणास ।
सुरा सुधार संघारण असुरा,
उर अतर हरि री करि आस) ।।—२७८

### वरुण नाम

पासोजळ कातर प्रचेता,
जळपति मछपति पुरंजन[7] ।

---

(अ) : [1] अपला [2] जागेवी [3] विनवसू [4] वळभद्र [5] हळआयध [6] रोहणे [7] परजन ।

मेघनाद नीरोवर[१] मदर ,
वरुण वरणवै (जस किसन) ।।—२७८

### कूबेर नाम

वसु (दरम) धनद[२] नरवाहण ,
किंपुर खैसर रतनकर ।
(कहि) कुह पिसाची कमलासी[३] ,
वैश्रवण[४] निधि-ईसवर ।।—२७९

जखाधीस हर-सखा त्रसर-जख ,
(पुनी) जधेसर उतरपती
एकपिंग पौलस्त एळविळी ,
श्री दसतोदर (नाम) मती ।।—२८०

राजराज किंनरेस (नर-धरम) ,
(जपि) जखराट धनाधिप (जाणि ।
भव थापियौ कमेर भंडारि ,
मोटा धणी तणौ फुरमाण) ।।—२८१

### असट सिधी नाम

अणमा महमा[५] (अनै) ईसता[६] ,
प्रापति[७] वसीकरण प्राकाम ।
(सुजि)गरिमा[८] लघिमा[९] (आठ औ सिधी ,
सुजि हरि आगळी करै सलाम) ।।—२८२

### नव निधि नाम

कछप खरव सख[१०] नील नुकदक रिद[११] ,
कुंद महापदम पदमा मकर ।
(नर घर तास निवास नवै निध) ।।—२८३

### द्रिव्य नाम

द्रिवण[१२] विभव वसु अवरै द्रिवि[१३] ,
आइतेयक सवर अरथ ।

---

(अ) १ नीपेयण २ घननदन ३ कविलासी ४ वहीवरण ६ इसमा ७ प्रापता ८ गिरमा ९ लगमा १० सखु, सधुख ११ रिध १२ द्रवण १३ द्रव ।

(ब) ५ महिमा ।

मनरजण माया धन द्यु मण ,
ग्रहमडण सैंधव गरथ ॥—२८४

वुसत इरण[१]कु भरि(कथ कथ)विति ,
निध रिध सरति माल निधान ।
आधि खजांनी सार (अमारै ,
भगतवछळ गोविंद भगवान) ॥—२८५

**मोती नाम**

मोताहळ मुक्ताफळ[२] मुकता ,
(अरु) मुक्तज सुक्तज (उचरि) ।
गुलकारस-उदभव[3] सिसिगोती[४] ,
हसभख मोती (कीध हरि) ॥—२८६

**स्याम कार्तिकेय नाम**

स्यामी महासेन सेनानी[५] ,
(कहि) [परअति सिखडी सुकमार][*] ।
सुतन - उमा गगा-कृतिकासुत ,
दखवारह खटमुख ब्रहमचार ॥—२८७

तारकारि क्रौंचार सगतअति[६] ,
सरभू अगिभू[७] छमा सकद ।
रुद्रातमाज[८] विसाख मोररथ ,
(गिरघर मोरमुगटागोविंद) ॥—२८८

**मोर नाम**

केकी वरही[९] विरह[१०] कळापी ,
कुसळापाग[११] पनग - सघार ।
(मजर मोर चद्र सिर माधव ,
सोभा सहत प्रपित सिणगार) ॥—२८९

---

(अ) [१] हरिन [२] मुगतीक [३] गुलिकारस-उदभव [४] ससिगोती [६] सगतभ्रम
[९] विरहण [१०] सुकळी-माग ।
*[माहातेज कारतिक कुमार ब्रनचारि] ।
(ब) [५] सेनी [७] यग-भू [८] रुद्र-आतमज ।

(नाम) मयूर मेघनादानुळ[१] ,
(तवा) नीलकठ प्राणव्रस्टोक[२] ।
[सिहड सिखा सिखी सिखडी]* ,
कु भ सारग रथ-कारतीक ॥—२६०

### गरुड नाम

सुपरणेय[३] सुपरण[४] सालमली[५] ,
गरुतमान ग्रीधल गरुड[६] ।
सोव्रनतन वखपख[७] कासिपी[८] ,
पखपती पखी प्रगड ॥—२६१

तारख अरुणावरज[९] वजरतु ड ,
वनितासुत खग-ईसवर[१०] ।
इ द्रजीत मत्रपूत आतमा ,
चत्रभुज - वाहख भुजगमचर ॥—२६२

### उतावलि (शीघ्र) नाम

(जव) उतामळ[११] झटत[१२] अजसा ,
तुरह[१३] वाज[१४] अहनाय[१५] तर ।
सीघ्र रभ मतुरण रस सहसा[१६] ,
सपत द्राक मखू प्रसर ॥—२६३

अश्रु तुरीस अविलवत आतुर ,
(भरिण)द्रुति (अरु) खिप्र चपळ(भणो) ।
गरुडवेग (मन हूति- सतगुणो ,
तिको गरुड - रथ किसन तणी) ॥—२६४

### पवन नाम

वायु वात गधवाह गधवह ,
स्वसन सदागति सपरसन ।

---

[१] मेघनादानळ [३] सुपरण [४] आसुपुर [५] सलमली [७] धकपक [९] अरणावरज
[११] उतावळ [१२] झटति [१३] तुरत [१४] वाय [१५] अनाघतर [१६] सहेसा ।
*[सिहड मिख्या वल सेख सिखडी] ।
[२] प्रविसक [६] गुरड [८] कास्यपी [१०] पख-ईसवर ।

मारत मारुत समीर समीरण ,
जगत - प्राण आसुग जवन ।।—२९५

मेघवाहण पवनमान महाबळ ,
प्रापक अघभखण पवन ।
नील अनीळ अहिवलभ[1] सासनभ ,
जळरिप चचळ प्रभजन ।।—२९६

(सुत तिण तणौ हणू ँत तिर सायर ,
करि निज स्याम तणी सिध काम ।
लका जाळि सीत सुधि लायौ ,
रळीयाईती कीधी श्री स्याम) ।।—२९७

**मेघ नांम**

पावस मुदर बळाहक पाळग ,
धाराधर (वळि) जळधारण ।
मेघ जळद जळवह जळमडळ[2] ,
घण जगजीवन घणाघण ।।—२९८

तडितवान तोईद[3] तनयतू ,
नीरद वरसण भरण-निवाण ।
अभ्र परजन नभराट आकासी ,
कामुक जळभुक महत किलाण ।।—२९९

(कोटि सघण सोभा तन कान्हड ,
स्याम त्रेभुअण स्याम सरोर ।
लोक माहि जम जोर न लागै ,
हाथि जोडि हरि समर हमीर) ।।—३००

**वीजला नाम**

चपळा अैरावता[4] चचळा ,
खिणका सौदामणी खिनणी[5] ।

(अ) [2] जळमंडण [3] तोयसद, तोयद [4] यैरावती [5] खिमण ।
(ब) [1] अहिलभ ।

सिमरिव[1] तडित[2] सतरिदा[3] सपा ,
मिणजळ बाळा-जळ-रमणि[4]* ।।—३०१

अकाळकी[5] रादनी[6] असनी
[विदुति छटा सुबीजळी बीज]† ।
(वीज जोती पीतावर बीठळ ,
रूप सपेख करै सुर रीझ) ।।—३०२

अकास नाम

ख असमान अनत अतरिखि[7] ,
वोम गिगन नभ अभ विअद[8] ।
पवन - मेघ - पथ‡ उडप सूरपथ ,
पुहकर[9] अवर[10] विसनपद ।।—३०३

तारा नाम

जोति धिस्म[11] ग्रह रिखभ ज्योतिख ,
तारा नखत तारका[12] तास ।
उडगन उड दीपक-हरी-आगळी ,
(इधक चगमगै ज्योति आकास) ।।—३०४

नाव नाम

वोहिति नाव वहतिक वेडो ,
जानपात्र जळतरड जेहाज ।
वहण पोत (भव महण लघावण ,
तरण उदय हरि नाम तराज) ।।—३०५

सख नाम

सख कबू वारिज सिसि - सहोवर[13] ,
रतनखोड[14] सावरत त्रिरेख ।

(अ) [2] तडिति [3] सतरदा [4] जळरमण *बाळा-जळ-रमणि=बाळा-जळ, जळ-रमणि । [5] आकासकी [6] राअग्दनी [7] अतरिखण [8] वियद, वयद [9] पोहकर [10] अमर [11] घिमन [12] तारकस [13] समहुवर [14] रतनखोडि †]विधुत छटी बीजळी वीजा] ‡पवन-मेघ-पथ=पवन-पथ, मेघ-पथ ।

(ब) [1] समरिव ।

(अनत तणौ आवध कर अतर,
विधि-विधि सोभा वणै विसेख),

(अनत अछेह छेहन आवै,
तास कमण पावै विसतार।
साभळि अरथ पराक्रत सासित्रि,
अकळि प्रमाणै कियो उचार) ॥—३०७

(जाडेजा सूरजि रख जळवट,
भुज भूपति लखपति कुळ-भाण।
त्रय ग्रथ कीध अजाची तिण रै,
जोतिख पिगळ नाम अब जाण) ॥—३०८

(जोइ अनेकारथ धनजय,
'माण-मजरी' 'हेमी' 'अमर'।
नाम तिका माहे निसरिया,
उवै भेळा भेळाया आखर) ॥—३०९

(अत जगदीस तणौ जस आणै,
विवरण करि कहिया वयण।
चिति निति हेत सही चितवियौ,
रीझवियौ रुखमण-रमण) ॥—३१०

(समत छहोतरै सतर मे,
मतो ऊपनी 'हमीर' मन।
कीधी पूरी नाम-माळिका,
दीपमाळिका तेण दिन) ॥—३११

पर्यायवाची कोष—४

# अवधान - माला

वारहठ उदयराम विरचित

## अथ अवधान - माला लिख्यते

---

### दूहा

सिव सकती वंदी सदा, रमापति दिन - रात ।
पूजै दिनकर गणपति, उकती वुध उदात ।।—१

जोड गीत छदा जुगत, जोडै नाम सुजाण ।
नाम - माळ त्रिविधा निपुण, पढ करि कठ प्रमाण ।।—२

नाम - माळ मुर नाम, जुगती अवघा धुर जाणी ।
अेक सवद घण अरथ, वरण दवि खड वखाणी ।।

वरण एक विसतार, कळा लग वार उकती ।
पद - पद अरथ अपार, सुकव तत सार सकती ।।

अनेक ग्रंथ सूझै अरथ, कव कविता कायव कहण ।
अव जाण गुण भारासुतन, महाराव देसळ महण ।।—३

### दूहो

पात प्रथम अववा पढौ, नाम - माळ जग नाम ।
देसळ गुण दरियाव ज्यू, समझै स्यामा - साम ।।—४

#### गणेस नाम

गणपत रगण गजानन गुणवरदान गणेस,
सिववुधवायक वुधसदन हैरव पुत्र - महेस ।—५
द्वैमातर लवोदर निधगुण गवरीनद,
एकरदन अग्रेसुर सुडाळौ सुभकद ।—६
विघनराज विनायक परसीपाण प्रचड,
(रूपो मागै राजरी अघ्री सेव अखंड) ।—७

#### सारदा नान

वाणी वुधदा व्राहमी निधवाणी (नवनीत),
सुरमात्रा हसासणी सारदा सरसत ।—८
भाखा गो वच भारथी व्रह्मसुता वरदात,
गिरा रगी धमळागिरी देवी वरदउदात ।—९

कसमीरी कसमीरसौ उजळ रूपउदार,
(मागै देसळ महीपति देवी वर दातार) ।।—१०

### सदासिव नाम

संकर हर श्रीकंठ सिव उग्र गंगवर ईस,
प्रमथाध्रप कैलासपत गिरजापती गिरीस ।—११

भव भूतेंस कपाळभ्रत उमयायष्ट ईसान,
धूरजटी ग्रड व्रखभधज मरवरित सुद्यांन ।—१२

म्रिभू त्रबक ससिसिखर सध्यापत समसार,
परम पिनाकी पसुपती त्रिलोचन त्रपरार ।—१३

वोमकेस वाहणव्रखभ नीलकंठ गणनाथ,
क्रसानरेता डमरूकर सूलपाण सममाथ ।—१४

क्रतधती त्रिखयतक्रत म्रत्युंजय महादेव,
गिरीस कपरदी परमगुर सिधेसुर जगसेव ।—१५

अष्टमूरती अज अकळ उरधलिंग अहिग्रीव,
कपरदोस खळव्रघर जगतेसुर जगजीव ।—१६

दहनमनोज क्रसानद्रग भसम जटेस भवेस,
विस्वनाथ रुद्र वामसर परभ्रत तपम महेस ।—१७

विरूपाक्ष दईतेंद्रवर क्रतधुंसी अधकार,
भीम सदासिव तम भवी दिगवासा दातार ।—१८

लोहितभाळ विसाळद्रग अजसुत खंड अनंत,
(सुख मुकतीदाता सदा भव सुर लोक भजंत) ।।—१९

### गिरिजा नाम

श्री गिरजा सकती सती पारवती भवप्रांण,
हेमवती दुरगा हरा रुद्रांणी सुरराण ।—२०

भवा भवानी भैंरवी चचरच चामंड,
मातंगी श्रव मंगळा अंबा जोत - अखंड ।—२१

सिवा संकरी ईखरी माहेसुरी सुमात,
कतियाणी काळी उमा देवी (वरद उदात) ।।—२२

अडा नितजमा मैंनका दख्याणी वरदान ,
सखांणी सिंघवाहणी अपरण (र) ईसान ।—२३

(जगदवा आरूढ जस, उदाकरौ उचार ,
काळी गुण भुजियां करग , चढै पदारथ च्यार) ।।२४

### श्रीकृष्ण नाम

स्याम मनोहर श्रीपती माधव वाळमुकद ,
कु जविहारी हरि क्रसन् गिरधारी गोविंद ।—२५

मधुसूदन मधुवनमधुप चक्रपाण व्रजचद ,
व्रजभूखण वसीधरण नारायण नदनद ।—२६

दामोदर दईतेंद्रवर मरदनमेछ मुरार ,
अघवकादिहता अनत कैटभ अजित कसार ।—२७

पदमनाभ त्रैळोकपत धनसखादिकधार ,
देवादेव जनारदन व्रज - वैकु ठ - विहार ।—२८

विखकसेन यद्रावरज सखधार सारग ,
गिरधारी धारीगदा भूधर पदत्रभग ।—२९

विसभर करता विसनु वासदेव (विसेस) ,
जादवपत अरजुनसखा रिखीकेस राकेस ।—३०

पु डरीकाक्ष पुराणपख पुरुसोतम उपयद्र ,
जगवदण जगमूरती चद्रवस - को - चद ।—३१

कान अच्युत नरकातक्रत जळक्रीडा जगनाथ ,
राधावलभ सवरित सकरखण गोसाथ ।—३२

द्वारकेस सुतदेवकी गोपीपत गोपाळ ,
प्रभा स्याम पीतवर जादववस - उजाळ ।—३३

श्रीधर श्रीवक्षस्थल गुरडासण गजतार ,
धजाखगेस अधोखज विस्वरूप - विस्तार ।—३४

भूधरभारउतारभू भगतवछ्ळ भगवत ,
भवतारण भवभयहरण कारण कमलाकत ।—३५

गोपपती प्रभु परमगुर सेखसाय अधसाय ,
व्रष्टरसवा व्रखाकप (श्रवत मुनद्र सहाय) ।—३६

अवरणासी नित अजर अज दीनानाथ दयाळ ,
वनमाळी विठलेसवर गोकळेस पतग्वाळ ।
मधुवनसिंधु महमहण स्याम मय्यसामद ,
वलभजयन रुक्मणवरण केवल आनदकद ।—३८

मुरलीमनोहर मधुवनी नाथ जसोदानद ,
कृपासिंधु (कीजै कृपा) अकलेसुर व्रजयद ।।—३९

**दधजा नाम**

दधजा पदमा यदरा विसनप्रिया हरिवाम ,
रिधी-सिधी-दाता मार मा(नरहर)लिछमी(नाम) ।—४०

कमला भूजापत करम लोकमाता श्री लच्छ ,
हरदासी लई हरिप्रिया स्यामा सुखदा (सुछ) ।।—४१

**सूरज नाम**

सूरज सविता सहसकर उसनरसम आदीत ,
दसदिनेस दिनकर दिनद पिंगळ वयळ पुनीत ।—४२

मारतड दणीयर महर भासकर चित्रभाण ,
हस प्रभाकर तरणहर वीरोचन विवसाण ।—४३

पूखात्र ईतन ग्रहपती पदमणपती पतग ,
अरण दिवाकर अजनमा अहिकर तेज उतग ।—४४

प्रद्योतन रानळपती तपन तिगम तमरार ,
मित्र सुमत द्रुतमूरती सप्रस प्रश्रग-द्वार ।—४५

रव नभमणि पगविण रतन भग भगती भासान ,
क्रमसाखी तीखसक्रम जगचख धरमजिहान ।—४६

सूर सुमाळी सीतहर अहिपत अरक सूवैन ,
दोमिण द्वादसआतमा* तमवर तिमरखतैन ।—४७

जमाकरन सनिजमपिता† धात दिवाकर धीर ,
सोमधात सुरकरियंयष्ट विसवक्रमा चक्रवीर ।—४८

---

* वारह आदित्य माने गये हैं, इसलिए सूर्य को द्वादस आतमा कहा गया है ।
† देखो टिपणी पृ० १५४ का फुट नोट ।

अगारक हिरळवत अहि पकजवधु प्रकास ,
तेज कस्यपस्यातमज नरसुरधरमनिवास ।—४६

## चंद्रमा नाम

सोम सुधासूती ससी ससि सीतसु ससक ,
ससहर सारग सीतहर कळानिधि सकळक ।—५०

चद्र निसाकर चद्रमा दुज यदू दुजराज ,
कुमदवधु श्रीवधु (कहि) औखधीस उडराज ।—५१

विध हिमकर मधुकर विधी ग्लौ अगवाह अगक ,
सुभ्रकरण निसनेत्र (सुण) अम्रतमई मयक ।—५२

सुधारसम सिंधूसुवण रोहणधव राकेस ,
सिवभाळी सुखमादसद निगदरतन नखत्रेस ।—५३

(दखण) जुग पदमणपती (ज्यू ) चक्रवाह-विजोग ,
कजारी अपध्यान (कहि) सुभरासी-अहिजोग ।।—५४

(क्रनातट गोपीकिसन सरद निसा) राकेस ,
(रचै रासमडळ रमै विलसे हसे विसेस) ।।—५५

## कामदेव नाम

मार समर विखमायुध पप-धनवा सरपच ,
पुखैक मनमथ रतपती श्रीनदन तनसाच ।—५६

घातवीज हर मकरधज मदन समर समरार ,
कुसमायुध कद्रप कळ अनग काम ईसार ।—५७

मधुर करिछय प्रदुमन मीनकेत (कहि) मैन* ,
तपनासी सकळ-आतमा कमन सिंगारक सेन ।—५८

लीलज द्रपक मनोज (लख) अखकेतु सुतब्रम
अतन मनोभव अगगथ पिंडुपिंड (अरु) प्रभ ।—५६

आतम-भू उखापती मयण चपळ रितमान ,
जुराधीस जरजीत (कही सुर-नर देत समान) ।।—६०

---

* मीनकेत कहि मैन=मीनकेत, केतमेन ।

### इन्द्र नाम

वासव वज्री व्रतहा मघवा हर मघवान ,
सक्रदन सक्र सूरपती मरुतसखा म्रतवान ।—६१

दिवसत गोसक सहसद्रग परजापती पुरद ,
व्रखी विडूजा विधश्रवा आखडळ सुरयद ।—६२

दतीधावक वारदद्रू जभारात जळेस ,
प्रथमीपोख जिगवासपत सूरपुरनाथ सुरेस ।—६३

सतक्रत नाकीसुर रिखव सचीस्याम मुक्राम ,
सुनासीर भौजीसुधा उरधपिंड अभ्रस्याम ।—६४

(नाम) पाकसासन निघू पूरवपत प्राचीन ,
गोत्रभेदी पुरहूगण यद्र जळधआधीन ।—६५

अमवाहण रभापती व्यू वर क्रतनुखार ,
वभयद्री उग्रधन जिसुन पळमव्रखा दिवराट ।—६६

तुराखाट त्रदसाविभू पाराजातपत (पाट) ।—६७

(नाम) रिभूर्का महान्रप दसवन वन - दरसाव ,
सघणवाह उचीश्रवा वरही (नाम वताव) ।।—६८

### कल्पवृक्ष नाम

सुरतर हरचनण (अवत) अवदायक सतान ,
तयद्रुम द्रुमपत कलपतर ददगअखैनिधदान ।—६९

अगसुखदा मुरसपती पारजात पत्रीस ,
(अवत) कामधेनू (सदा) जिसनु (व्रवै जगदीस) ।—७०

### वज्र नाम

वज्र कुलिस यद्रावर्ध दधीचास्थी दनुपाळ ,
गोत्रभदी खयपत्रगिर सत्रकौटी खळसाल ।—७१

सोरह सिंभूनादनी भिदरसत दभोळ ,
जोतसुभ्र पुरहूतजय अदभुत-ससत्र-अतोळ ।।—७२

### सरग नाम

अमरापुर अमरावती उरधलोक द्रिविओक ,
सुरआलय त्रिदसासदन सरग नाक सुरलोक ।—७३

गऊ ग्यानसत उरधगत धरमफूल सुखधाम,
त्रदन त्रिनिष्टपथान (तव) विबंधिस्याम-विश्राम ।।—७४

**अपछरा नाम**

अछर सुकेसी उरवसी परी घ्रताची (पथ),
मजूघोषा रभ मैंनका त्रिलोचना निरतत ।।—७५

**गध्रव नाम**

गध्रव किनर सुरगण हाहा हूहू (हास),
अमर (परसपर) आदतिया विद्यावरा (विलास) ।। | ७६

**इद्राणी, पुरी, गुर, नदी नाम**

सची पुलमजा सक्रप्रिया यद्राणी अरधग,
यद्रपुरी अमरावती गुरु व्रहस्पत जळ-गग ।।—७७

**छभा, सेना, घोडा, स्वारथी, हाथी, ददभी नाम**

सुमत सुधरमा सेनसुर (वळ) उचैश्रववाज,
सुधरमा तुळ स्वारथी गज-अभ्र ददभ (गाज) ।।—७८

**वन, रिखदरवान, वैद, विभुता, वाहण नाम**

नदनवन नारदरिखी (देवनदी) दरवाण,
वैदक अस्नीकुमार विध विभुता वाहं विवाण ।।—७९

**इद्र के पुत्र ग्रहमुख, सिलावटा, माया नाम**

पुत्र-जयत प्रसाद गृहआनन अगन (अनूप),
सिलपी विसवक्रमा (सदा) रसघण माया (रूप) ।।—८०

**रिख नाम**

तपसी तापस उग्रतप मुनी मुनेस मुनद,
सुक्रती समदम सजमी उरध्यानी आनद ।।—८१
रिखीराज रिखव्रदरिख रिख रिखेस रिखराज,
काननचारी सतक्रती जपीतपी जगराज ।।—८२

---

* अमर-कोष मे देवताओ की जातियें मानी गई हैं जिनमे विद्याधर और गधर्व दो भिन्न जातियें हैं।

### छनीछर नाम

क्रस्न रुद्र जम कोणस्त सनी छनीछर मद,
पिंगळ बभ्रु पिपळा अतक सवरी - मुनद ॥—८३

### सुद्रसणचक्र नाम

कुंडलीक सघारकर वज्रविसन तरवक्र,
सारज परछयजार सुरचक्र सुद्रसणचक्र ॥—८४

### कुमेर नाम

राजराज मनखाधरम अलकापत उतरेस,
श्रीदत सिवसिख वैश्रवण निधपत धनद धनेस ।—८५
सक्रकोस कैलासपत किनरपती कुमेर,
अछ्यासपत एकपग जखराज जखवेर ।—८६
पुरखाध्रय गध्रवपति गौह् गौहकेसर (ग्यान),
(वल) नरवाह्ण एलवळ धनुद जजेसर (ध्यान) ॥—८७

### जम नांम

भव अघडंडी डंडभ्रत धिष्टडड ध्रमराज,
विखभध्रुज जम सक्रती जमनभ्रात जमराज ।—८८
सउरी रवसुत सतक्रमी अंतक अतकर अत,
साधदेव धरमी सुहृद्र काळ अतत क्रतत ।—८९
प्रेतराट हर प्राणहर सदर जमपुरस्यांम,
सीरण कममिस्यण (सदा नीति विचखण नाम) ॥—९०

### दईत नाम

सुरदोखा दाणव असुर दनु दईतद्र अदेव,
अमराभुज त्रदसाअरी दतीसुत पूरवदेण ।—९१
सुरघाती वळ सुक्रसिख मेछ अप्रवळ (मड),
जवन (हिरणकस्यप जिसा प्रथमी साल प्रचड) ॥—९२

### राकस नाम

नईरत तमचर निसचरा जात्रधान खळ (जाण),
असुरा सुरद्रोही (उचा रामणादि रढराण) ॥—९३

### रामचद्रजी नांम

दासरथी लकादती सियापती कपसाथ,
रामचद्र रुघवसरव (नाम) राम रुघनाथ ।—९४

कटकारी काकुस्थकुळ भरथाग्रज रुघभूप,
घणनामी (दुत स्यामघण सवता कोटी सरूप) ।।—९५

### सीता नाम

महिजा सीता मैथली सती वामघणस्त्राम,
कुळवैदही जवकजा (रति कोटी अभिराम) ।।—९६

### हडूमान नाम

मारुत हडमत राममन वज्रकटक वजरंग,
लंकदाह श्रीरामलय (राम भीड जय रंग) ।।—९७

### लछमण नाम

रामानुज रुघवसमिण बाळजती रुघवीर,
सुतदसरथ सुमत्रसुत लछमण लछ सधीर ।।—९८

### रामण नाम

कटक खळ लंकापती सुरद्रोही खळसाळ,
मूडवर पतमदोदरी (अर) कैलासउथाळ ।—९९
दहकंध्र र दससीस (दिठ) वीसभुजा (वळवान),
रमाचोर (रामण रुळै दळवळ व्रथा निदान) ।।—१००

### गंगा नाम

जगपावन जाहरनवी गंगा सुरसुरी गंग,
देवनदी मंदाकनी ईससीस अरधंग ।—१०१
पापमोचन नंदसुरपत्नी त्रपथा सेततरंग,
सरगतरंगण सुरनदी अघमोचन गतअंग ।—१०२
मरतिवरा जटसंकरी हेमवती हरवाम,
खितग खापगा मोखदा (नित भागीरथ नाम) ।।—१०३

### जमना नाम

जमभगनी कृष्णा जमा जमना रवजा (जाण,
कृष्णा तट की श्रकृष्ण विवध रास वाखांण) ।।—१०४

### बुधी नाम

मेधा बुध धी अकल मत प्राग्यन सुध प्रवोव,
मिनखा धिखण धुन समझ (आश्रम जाण सबोध) ।।—१०५

### दरियाव नाम

दध सागर सायर उदध गौडीरव गभीर,
रतनागर उदभवरतन अतर अथग अतीर ।।—१०६
जळरासी जळपत जळध सरसवान सांमद,
वारुध अवध वारनिध वेला-सवता-चद ।—१०७
अकूपार अरणव (अखै) महण मथण महराण,
पारावार मछपळ रैणयर जळराण ।—१०८
पदमापित पदमालय उदनमत दरियाव,
हृदनीरोअर अवहर लहरीरव जळधाव ।।—१०९

### नदी नाम

तटणी सरन तरगणी धुनीं श्रोत जळधार,
नदी आपगा निमनगा वाह भूमविहार ।—११०
जळमाळा जंवाळणी (ळोता जग सतोख),
शुनी श्रृवती भवसुखा परवतजा तरपोख ।—१११
परवाहपय नद प्रसद नीझरणी वरनीर,
कुल्यकका सिंधकुल्या दीपवती दकसीर ।—११२
सरज्यु गंगा सरसुती जमना सफरा (जोय),
गया नरवदा गोमती तापी गिलका (तोय) ।—११३
भीम चद्रभागा (भुजौ) सिंधु अरक (सुनीर),
कावेरी काळीनदी सावती पयसीर ।—११४
(ज्या नदिया मजन करै धरै सदा हर ध्यान,
उर निरोध हर आसरै विसरै नह व्रहम ग्यान) ।।—११५

### सपतपुरी नाम

माया मुथरा द्वारका अजुध्या (र) उजीण,
कासी कांची (मुकनदा पढ) दधपुरी (प्रवीण) ।।—११६

### नव ग्रह नाम

रव सस मगळ (रटौ) सुरसुर सक (सणाय),
सनी राह केतु (सदा नव ग्रह पूजो न्याय) ।।—११७

### वन नाम

अटवी कानन वन अरण विपन गहन बिखवात,
रन कतारक झक दुरग खड कखत्रा रिख ख्यात ।।—११८

### ब्रिख नाम

व्रख सिखरी साखी विटप द्रुम खितरुह कळदात,
दरखत तर अदभुज सदळ पत्री द्रुम घणपात ।—११९

फळग्राही कुसमद फळी निंद्यावरत निनग,
कार सकर महिसुत कळी अघ्री कूट असग ।—१२०

अद्री अध्रप ओकखग रूपक राळक (रीत),
झाड (अनोखह झुडमैं प्रीति राखै प्रीत) ।।—१२१

### फूल नाम

पुसप सुगधक फळपिता कुसम प्रसून कलार,
रगत फूल सिघक घरम सुमन सून द्रुमसार ।—१२२

लताग्रत उदगम हलक सुभम सुना सुररग,
(चामडा पकज (चरुण सुकवी मन सारग) ।—१२३

कुसवावळ चपाकळी गोटाजाय गुलाव,
करणी केवडा केतकी जुही हवास जवाव ।—१२४

मैंदी कणियर मोगरा निधनलियर गुळमड,
रायवेल रतनावली परी गुढेर (प्रचड) ।—१२५

करणफूल गोरखकळी जवक जाफरा (जाण),
ममद सोख गुल सेवती अरक हजारी (आण) ।—१२६

मुखमल खैरी मालती लजाळूर जटियाळ,
कज फिरग कमोदनी रतनमालती साल ।—१२७

दाडम नेजा दावदी (विवध फूल वरसाळ,
डवरिया खटरित डमर सीत उसन वरसाळ) ।।—१२८

## सुरव्रख नांम

सुरतर गोरक सिंसपा देवदार मदार,
सिवाहळद केसर सुभग वट पीपळ (विसतार)।—१२९
आवा चपा आवली निगड नीब नाळेर,
फणस विजौरा जामफल कृष्णा साग कणेर।। १३०
नीवू दाडम नारगी सीताफळ सहतूत,
काठ ठीवरु कदळी (यळ) अनास (अदभूत)।—१३१
वेलीदाखा पेमदी खारक ताड़ खिजूर,
(केता मेवा हरकिया हर हाजरी हजूर)।।—१३२

## भमर नाम

मधुकर झकारी मधुप सोरभ भमर सारंग,
कसमलप्रिय भोगीकुसम भवर सिलीमुख अ ग।—१३३
मधुग्राहक मधुतरतमद चचरीक रोलव,
कलालीक खटपद असन अळियळ धूम-आलम।—१३४
दळ दुरेफ हरयंदुदर कुसमावळी मकरद,
ग्रहणगध अघाणगुण अधवाचर (आनद)।।—१३५

## वदर नाम

कीस हरी वनउक कप पलवगम पलवग,
मरकट वदर वलीमुख सौसाखा सारग।—१३६
साखीवर वनचर (सदा) गो लगूळ (गणाय,
ल.का वाळी लागड़ै सीताराम सहाय)।।—१३७

## अग नाग

हर वातायू अग हिरण सिघ्रधाव सारग,
अेण प्रख तरक्र सुगधउर काननभखी कुरग।।—१३८

## सूर नाम

सूर कौड लागड असत्र अेकल दातडियाळ,
घोणा घसटी परजघण दुगमी गिड दाढाळ।—१३९
भूविदार सूकर भयद वधगेमा वाराह,
कोळ डारपत कदचर सिरोरमा दलसाह।—१४०

(चवा) आखरणक वाडचर दसटरीर भूदार,
थूळीनास दुदीथटा (वन गिरवरां विहार) ॥—१४१

### सिंघ नाम

सिंघ वाघ केहर सरब कठीरव कठीर,
अष्टापद गजराजअर सेर अभग सधीर।—१४२
पचायरण हर वनपती पचानन पारद,
सूरसेत पिंग पचसिख अगमारण अगयद।—१४३
मग नखीयुध अगमरद जीव जत्र हरजक्ष,
सारदूळ नाहर सगह भिक्षरणेस पळभक्ष।।१४४
महानाद जगी मयद नखी भूय नहराळ,
छटाघाव मजारछळ वाघ मयद विकराळ॥—१४५

### हंस नाम

सुगत हस धीरठ सुचळ मुगताभखी मराळ,
मानसूक चक्राम (मुरण) अग लीलग उजाळ—१४६
रूपौ ग्यानी कवररस प्राणनाम परकास,
महतगुणा रिखमडळी जुऑ हस उजास॥—१४७

### सिंघजात नाम

वाबरैल बाजूपुरी सौनेरी सादूळ,
(और) केसर ऊठिया मिश्र पटैत (समूळ)॥—१४८

### हस्ती नाम

सिंधुर मदभर सिंघळी मैंगळ हर मदस्त,
द्विप दती मदभर दुरद हाथी हस्ती हस्त।—१४९
कुजर गैमर पौहकरी व्यारण कुंभी व्याळ,
गय मातग मतगजा स्वामज गज सूडाळ।—१५०
यभू धैंधीगर तरअरी पटहृथ नाग प्रचड,
भद्रजाती सारग मयद वैरक कबू वयड।—१५१
गयद अनेकप ग्राहग्रहै (की) गजराज (पुकार,
धायै हर धखपख तज आया चक्र उधार)॥—१५२

### ऊट नाम

करहो ऊट सरढो करभ पांगळ जूंग सुपथ,
तोड जमाद दुरततक गय जाखोडो (ग्रथ) ॥—१५३

### जमी नाम

थिरा रतनगरभा थिती धरणी धरा सधीर,
पहि पुहमी प्रथमी प्रथी सवरसहा जळसीर।—१५४

अवन चळा अचळा यळा भू भूमी धर भोम,
मही कुभनी मेदनी गऊगोत्रा यळ गोम।—१५५

वसूमतो धात्री गहवरा वसुधा तरविसतार,
रेणा खित धरती रसा समदमेखळा सार।—१५६

सागरनेमी रसवती विपळा विसव विख्यात,
जगती जगमनमोहणी खोणी खम्याख्यात।१५७

दुगधा खडी दीपदध मोहा उरवी मार,
कुळटा भारी कन्यका अनतापती अपार।—१५८

यळा इळा (नाम दे आदमै विधकर जुगतविवेक),
धर रुहपत (यत्पादिधर उकती नाम अनेक) ॥—१५९

### पीपल नाम

वोधीव्रख पीपळ सुव्रख चळदळ कुजरचार,
असवन श्रीव्रख (आप सम यो श्रीक्रमन उचार) ॥—१६०

### बड़ नम

वट निग्रोध साखीव्रसी वडसाखी विसतार,
वैश्रवणालय धूजटी रतफळ (रुद्र उचार) ॥—१६१

### वसी नाम

वैण वस जवफळ वळै त्रणधज मसकर (तास),
पौहमीवदण मतपरभ तुचीसार विसतार ॥—१६२

### हरड़ै नाम

सुरभी सरवारी सिवा प्रभता अभिया-पोख,
हरडै जया हरितकी सुखदा प्राणसतोख।—१६३

प्रमथा चेतकी प्राणदा कायस्थ गदकाळ,
हेमवती हिमजा हरा परजीवती (पाळ)।—१६४

(कहि) अम्रत काकाळका श्रेय प्रेहसी (सार),
राम तुरजका पूतना अभया (नाम उचार)।।—१६५

### केसर नाम

कसमीरज मगळकरण केसर कुकुमकाय,
वाह्लीकजा गुडवरण वहनीसिखा (वताय)।—१६६

पीतरगत सकज पुसन लोहितचनण (लेख),
घरकाळैय सुगघघर देववल्लभा (देख)।।—१६७

### चनण नाम

सीतरूख रूंखासिरै सोरभ-मूळ सुनग,
गधसार मळियागरी (सेत अरुणग्राद सग)।—१६८

सुरभी रोहण तरसुतर अहिपिय गधअपार,
सरीपाळ वल्लवसिवा श्रीखड चनण सार।।—१६९

### पहाड नाम

अद्री गिर भूधर अचळ साननाम पतसार,
भाखर डुगर दरीभ्रत शृगी धात सुधार।—१७०

यष्ठकुटी परवत अनड त्रकुकुत मरुत अतोल,
सिलोचय सिखरी सघण आहारज्ञ अडोल।—१७१

गोत्रगाव गिरपत गिरद धरनग धरधर धार,
(गिरधारी गिरधर धरै व्रखी कोप जिण वार)।।—१७२

### पाखाण नाम

ग्राव धात गिर वदगण पाथर घण पाखाण,
उपळ सिला पाहण असप (नाम दिखद निरवाण)।।—१७३

### कचन नाम

भूर असटपद अरभरम धातोप कळधोत,
कुनण हेम कचण कनक क चामीकर ओत।—१७४

हाटक लोहतम हिरन सोव्रन घातासार,
करब्बुर वसू भूतम रुकम अगनी (कीजउचार) ।—१७५
जाबूनद गैरक रजत सातकुंभ (अर) साळ,
गारुं क तपनीय (गुण) पीतरग दुखपाळ ।।—१७६

### तामा नाम

मरकट आस मलेछमुख घरज उदसर घृष्ट,
सावर ब्रम वरघन सुरख तावो सुलव वरष्ट ।—१७७
रगत (नाम) कनियरसौ तावें (त्रूटी तोल)[१],
(ज्यु कु नरा ह्वै जगत मे विरद हरि गुण वोल) ।।—१७८

### रुपा नाम

जातरूप रूपौ रजत हेमसू हस तार,
दुरवरणक खरजूर द्रव सित कळधोत (सुधार) ।।—१७९

### लोह नाम

कृष्णमुख आथुस सकसस्त्र सस्यगी अय सार,
घणकीळा यसुखाणधर सिलामार गिरसार ।—१८०
परवतसुत तरजणप्रथी रनक पारमवरोह,
तिक्षण रिणभिक्षण (तितै छटा रूप भड छोह) ।।—१८१

### देस नाम

मडळ जनपदनी मुलक देस विदेश (दिगत),
विसख राष्ट उपवरतनी व्रत जनाद हदवत ।।—१८२

### नगर नाम

निगम सैर नगरी नगर अदष्टाण आथाण,
पुटभेदण पट्टण पुरी पुर न्नपवास (प्रमाण) ।—१८३
पुरदर निवेसण पळप्रभा सपतपुरी सुखधाम,
(नटणी ज्यू मुगती नचै सदा वास सुर स्याम) ।।—१८४

### तलव नाम

पदमाकर कासर पयद ताग तडाग तळाव,
कधर सरवर पोहकरण सरसी धरमसुभाव ।—१८५

नाडा जोडा नाडिया नीरनिवास निवारण,
पौहकर (नारण) सर (प्रभा मुगत रूप मडांप) ।।— १८६

### अंव नाम

अंव कुलीन सदक उदक जगजीवन जळवार,
(अर) पाथ पय विख अम्रत घणरस घणअप धार ।—१८७

सवर क पौहर सलिल पाणी पाणद पाथ,
मेघपुसप सरग्रह कमळ नीर खीर (पत नाथ ।—१८८

प्रवतक पीठ निवास पथ तोप अथर तर तात,
जाद निवास कवध जप वसुधा घोख विख्यात) ।।—१८९

### पुडरीक नाम

पुडरीक पचन पदम सहसपत्र सतपत्र,
जळरुत जळरुह जळजनम जळज कुज जळछत्र ।—१९०

नळणी वारज कोकनद वसूप्रसूत अख्यद,
कुमलय मरसीरह कमल सरजनमा सरनंद ।—१९१

पिताविरच्च महोतपल नीरज अवुज (नाम),
पके रौहनाळीज (पढ) पुहकर मैण (प्रणाम) ।—१९२

राजीव सरोज तामरस सुसार सख दड,
(नाम) कुसेसय हरनयण (प्रभा प्रकास प्रचड) ।।—१९३

### मछ नाम

सफरी झख सवर सफर मछली सलकी मीन,
चचळ वारज वारचर प्रथरोमा पाठीन ।—१९४

जाद सकळ खय मकर (जप) अडज जळआधार,
कुसली अनमिख (नाम कही) वैसारण ग्रहवार ।—१९५

मछ आतमासी (मुणौ) वळखड खीणविसार,
(नाम) अलूकी पयनिरत सिघचीरी सुकसार ।।—१९६

### कमठ नाम

गुपतअग पाचूप्रगट कूरम कमठ कलास,
(पण) जीवनद उक्रोडपग (वार हुलास विलास) ।।—१९७

### देवल् नाम

देवळ देवालय दुरस सुरमडप प्रासाद,
द्रुमग्रह धजधर धामहर नितक्रत थानअनाद ॥—१९८

### धजा नाम

केत धजा धज कदळी सतक्रत चहन (सुणाय),
वईजपती पुनवती (दरस) पताका (दाय) ॥—१९९

### गढ़ नाम

गढ दुरग भुरजाळगही किलौ अगजी कोट,
परदसाल प्राकार (पढ चव) वप्रवरण अचोट ॥—२००

### छड़ीदार नाम

द्वारपाळ दरवान दर हुसियारक प्रतहार,
दरवारी दडी दुरत छड़ीदार छकसार ॥—२०१

### घर नम

ग्रेह ओक आराम ग्रहि निलय निवास निकेत,
नरण वास वेसम सुग्रही सदन भवन सकेत ।—२०२

मिंदर आलय माळया धमळ सोध घर धाम,
पदआश्रय निजआसपद वस्ती पुर विश्राम ।—२०३

रहण सुथानक धिसनु रुच आश्रय वसी आगार,
(वरणाम निरभय वसै तिकै सरण करतार) ॥--२०४

### राजा नाम

नृपत नाथ नरनाथ न्रप नरपत भूप नरद,
धरपत भूभ्रत वरमधुज राजा प्रभू रजंद ।—२०५

प्रथीनाथ पौह पाटपत राव राट राजान,
परब्रढ स्यामी पारथव अरज ईस ईसान ।—२०६

अध भूभरता ईसवर ईसप अधप प्रजाप,
नरेन नेती नाह नरपळ लोकस अधाय ॥—२०७

### जुजठल नाम

(सुज) सिल्लार अजातसत्र भरतान वयअभीत,
कउतेय अजमीढ कक पडवतिलक पुनीत ।—२०८

सोमवस, हस्तपुरपत* जुद्धस्थिर कुरजीत,
सतवाची जुजटळ (सदा किसन क्रीत सू प्रीत) ।।—२०६

### जिग नाम

मनु समतन तत्र सप्तमुख सतक्रत ज्याग सनोय,
जिग धूरज अधवर जिगन (हद वितान घर) होम ।।—२१०

### भीम नाम

भीम व्रकोदर वहुभखी गजवध सघरणगाज,
कीचकार गजेकरु सत्राजीत (समाज) ।—२११

जुरासघखय गजभ्रमी बळी गदावळवान,
गधवाहसुत अगमगम अकवानद अमान ।।—२१२

### अरजुण नाम

कपीधाय रिपकैरवा धनुजय सरधनुधार,
यद्रजीत अगनीसखा दानीरिप दैंतार ।।—२१३

सवदवेध अरजुन जिसुन पंडवमध पाराथ,
पाथ किरीटी पडसुत हरीसखा जयहाथ ।—२१४

काळमूक वैंधीकरण सरअजीत सक्रनद,
सवसाची वीभव सुभट वहनट सगतिविलद।—२१५

महासूर नर कारमुख सूनर माक व्रखसोन,
गुडाकेस कलि फालगुन सेतअसनयसेन ।—२१६

सुभ्रदेस जयकरणसत्र राधावेधी (रग),
(सखा रूप श्रीकृष्ण रै सदा) धनजय (सग) ।।—२१७

### पाताल नाम

वडवामुख थानकवळ प्रिथमीतळ पाताळ,
पनगलोक अधलोक (पढ) दनुपत (थाप दयाळ) ।।—२१८

---

* सोमवसपत=हस्तपुरपत ।

### सरप नाम

आसीविख विखधर उरग भुजग भुजग भुयग,
सरप भुजगम अहि सिरी नाग दुजीह पनग।—२१६

प्रदाक कुभी गूढपद काकोदर ऋतकाळ,
फकारी चक्री फणी वक्रगति (कहि) व्याल।—२२०

चीळ कचकी चखश्रवा गरळस भोगी (ग्यान),
ददसूक दीरघपिष्ट जिह्लग जैहरी (ज्यान)।—२२१

लेलहान बिलेसरी (ओरे) कुडळी (आण),
नसदरवी पवनासनी (ज्यू) धंधीगर (जाण)।—२२२

(काळी ध्रह काळी नथै ऋसना तीर ऋसन,
कालद्री निरविख करी श्रीजसवती सुतन)॥—२२३

### सेस नाम

सहसफणी चखधूसहस जिह्वादोयहजार,
सेस अनत खगैसअर धरैहारजटधार।—२२४
भुयगेस भूभारधर वणआलुकविसतार,
कुडळ (एक) अहीस (कर करै तलप करतार)॥—२२५

### रज नाम

धूळ रजी रज धूसळी सिकता वेळू सद,
खेह पास (वलै) रेत खग रैण सरकरा (व्रद)।—२२६
सूतधर चर पतरुहसुता वसुधासिरविसतार,
(पत गैह धर जदनी पर उपजै नाम अपार)॥—२२७

### धनुख नाम

धनुख सरासण चाप धुन करण अस्त्र कोमड,
सकर आसय इषुआससिध प्रहा पिनाक (प्रचड)॥—२२८

### सायक नाम

सायक पत्री अदर सर विसिख सिलीमुख वाण,
ग्रीधपख यपु मारगण ककपत्र करपाण।—२२९

खुर पपरी नाराज खग तिक्षण रोपण तीर,
कणक लव चित्रपूख (कहि) तोमर वसीतुनीर।—२३०
सस्त्रअज मघवळ असत्र पत्रवाह पारद,
(प्रखत करोप अगजपथ सरविद्या सामद)।।—२३१

### सरजात नाम

नावक (कर) पावक नखी चावक चपळा (चग),
कटी (छिद्र) कळदरी खपरी परी (खतग)।—२३२
त्रुका त्रघार कटार (तव) चद्रकार चौधार,
अठास छिद्री आकडा किलंकी (जंगीकार)।—२३३
(लेसग) जखाळी त्रूका (वाण) गिलोला (वध),
चुगा फील (पग चपणा नाम विदाम निमध)।।—२३४

### करन नाम

रवसुत चपाधप करन सूतपाळ अरसाळ,
अगराज राधातनय नेमप्रात दनचाल।।—२३५

### दातार नाम

मौजी त्याग मोटमस उदभट प्रगट उदार,
महातमा सुदता मुदन दानअयन दातार।—२३६
द्रवउझेळ दानेसरी (ओर) उदीरण (आण,
कहि महेम दाता करण वरतन प्रात वाखाण)।—२३७
विलसण तद बगसण श्रवण समपण मौज सुदात,
रीझ विहायत विसरजण वितरणदान (विख्यात)।—२३८
प्रतपायण निरवयण (पढ तवा) उछरजणत्याग,
विसरायण उदक (वळै भूप श्रवै वड भाग)।।—२३९

### याचक नाम

ईहग जाचक आसकर रेणव दूथी (राह),
मनरख मागण मारगण अरथी भिखग अचाह।—२४०
लोभी नीपक लेणरित दवागीर (दिनरात),
जाचक (माग दसूत जिण वदीजण विख्यात)।।—२४१

### कव नाम

कोविद पिंडत कव सुकव मेधादध धीमान,
दोखविधूसी खुणविदुख विद्याधर विदवान ।—२४२

चतुर निपुण विचखरण सुचत (प्रापत रूप) सुपात,
प्रायग्न विध गिद विपसचित वेता धीर विख्यात ।—२४३

सुबधी गिन ग्याता सुधी आचारण अभभूत,
सुरक्रसट क्रत लवधसुण सम्रतीयद (रूप) ।—२४४

सुलखरण मेधी वरनसन विवधा (जाण) प्रवीण,
गुणी मनीखी वागमी लोभीगुणरसलीण ।—२४५

(कुसळ विसार धक वद कवि कवराजा कवराज,
नायक मन निध पारखद काव्य कवेसर काज) ।।—२४६

### जस नाम

सुसवद कीरत सुजस जस वरण ववयण वखाण,
साधवाध असतूत प्रसध (पढ) सोभाग (प्रमाण) ।—२४७

वरद विसेख गुणावळी कीरत ख्यात सुकाज,
(सुनत) सुपारस (समगिना जदा हरण जय ज्याज ।—२४८

लिसद प्रताप सलोक यळ रट रूपग रुधनाथ,
सोभा खीरसमद सी गुण जस ऊजळ गाथ) ।।—२४९

### जूझार नाम

सूर वीर विक्रम सुभट (कळ) जूझार सुक्रीत,
तेजस्वी अहकारतन (पढ) विक्रमात (पुनीत) ।।—२५०

### तरवार नाम

असमर खाडौ खडग असि किरमर विजड क्रपाण,
चद्रहास वाणास (चव) कग्ठालग केवाण ।—२५१

जडळग धारुजळ दुजड मडलाग किरमाळ,
रूक साग तरवार खग तिजड जीतरिणताल ।—२५२

लोह धात धजवड लपट काखैयक खळकाळ,
निसतेयम आभानरा प्रभावक (भूपाळ) ।।—२५३

### घोड़ा नाम

हर हेमर वैगाल हय वाजी खंग विडग,
रेवत गाजी गघरव ताजी तुरी तुरग।—२५४

अस धूरज सिंधव असप वाह तुरगम वाज,
चचळ तारख भिडज (चव रच) पवग धजराज।—२५५

कव वीती (धजराज कही) अरवा सपती (आरण),
तेज सजीव वितंड तन कह्या नांम) केकारण॥—२५६

### द्रोपदी नाम

द्रोपदजा (कहि) द्रोपदी जग्यासेनी (जाण),
पंचाळी पंडवप्रिया (वेर) वेदजा (वखांण)।—२५७

सरअगना ऋसना सती वेदवती सिखवान,
(पोखण सोखण द्रोपदी देवी रूप निदान)॥—२५८

### सत्रू नाम

हाणक दोखी वैरहर वैधी अरी विपख,
सत्र सपतन सात्रव सत्रु केवी अहित कुरख।—२५९

दुखदायक दुनड दुयण असहण प्रसण अभीत,
विघनकरण अणवछकी अमभाती अवजीत।—२६०

पथकपथक, प्रतपखी दुष्ट विरोधी (दाख),
खेधी दसू अमत्र खळ रिम घेखी रिप (राख)।—२६१

दुरहित विडघातू दुरी अरद घातक (आट),
दुरत दुसंह दुसमण दुखी विखम कुवादीवाट॥—२६२

### सेन्या नाम

प्रतना सेन प्रताकनी खूर कटक खधार,
वीरथाट दळ वाहनी अनी कनी कळियार।—२६३

चक्र तत चतुरगणी घोढाघटा घडूस,
रेणाविखमी आहरट घराविघूसण अरघूस।—२६४

विखम वादवी वाहणी गरट फौज गैतूळ,
सकदवार अरसाधनी मौगर घड़ कडमूळ।—२६५

चकर सकळ धजनी चमू घासाहार घमसाण,
थटहय थाट वरूथनी खरहडभड सुरसाण।—२६६

साथ समूह सबधंनी गरट दमगळ गोळ,
(गजण रामण लक गढ चढै रांम चखचोळ)॥—२६७

### जुध नाम

सजुग भारथ जुध समर समहर दुद समीक,
कळह आसकदन कदन अभ्यामरद अनीक।—२६८

प्रहरण आयुधन प्रधुन तेगझाट रिणताळ,
जग जुध कळ जन्यवत वाड राड विकराळ।—२६९

मधू समरद सग्राम (मुण) सप्रहार सखात,
कळि आजी ससफोट (कहि) प्ररहा वेढ प्रघात—२७०

महाहव्य रिणसाल (मुख) सपरापक खळसाळ,
सारझकोळा सपसुज प्राणदान अरपाळ॥—२७१

### मनुख नाम

म्रतलोकी मानव मनुख धव नर कायाधार,
देहतती (जग) आदमी सुग्यानी तनसार।—२७२

पुरख (गोद) पचीकनी (नाम मान) गुणनीत,
मनुज (देह भुज मुगत कै पूरण राम प्रतीत)॥—२७३

### जनम नाम

जनम उपजण जनुख जण उपत भव अवतार,
सभ्रत उदभव जगअजत (करै पाळ करतार)॥—२७४

### बाप नाम

पित प्रपिता सविता पिता बीजाकारण बाप,
तात जनयता जनक (तव) वितदाता (विख्यात)॥—२७५

### माता नाम

अवा जणणी सवयती सवती मात (नसार),
कूखधारण रछाकरण माता (गुण मदार)॥—२७६

### बालक नाम

अरभं पुत्र वाळक असुध सिसु लघुवेस कुमार,
पाक प्रथुक अपकठ (पढि नाम) वाळ (निरधार) ।—२७७

डिमतनु थप डमरू साव पोत ततसार,
सुंदर ललत उतान सहि कोमळ नंदकुमार) ।।—२७८

### भाई नाम

सगरव हित सोदर सह भाई वधव भ्रात,
समानोदरज वीर (सिव वल) मोदरज (विख्यात) ।।—२७९

### वड़ा भाई नाम

जेठी पित्र पूरवज अग्रज मोटा अग्रम (मांन) ।।—२८०

### छोटा भाई नाम

कनसट जवमट अवरकज अनुज लवू कनियान ।।—२८१

### पद नाम

कदम ओयरण पग गवरण क्रम विचरण पद गतवत,
चलण पाव अघ्री चरण पय (परक्रमा पुरत) ।।—२८२

### कडि नाम

कड कटीर तनमध कटी कळनलक कट (कीव) ।।—२८३

### पेट नाम

पेट कूख तूदी (पढौ) उदर गरभ (भव दीध) ।।—२८४

### पयोधर नाम

उरज कुच स्तन पयधरा उरदुत उरज उरग ।।—२८५

### हाथ नाम

हाच आच कर भुज हसत पाचू साख (प्रसग),
करग जुधजयदौर कर पाण वाह (परचड) ।।—२८६

### आगली नाम

(यो) करसाखा अगुळी (खळ दल सार विखड) ।।—२८७

### नख नाम

भुजकट नख पुनरभव नखर पुनरनव (नाम),
करज नखी करसूक (कहि) विखदाती (वेकांम) ।।—२८८

### रोमावली नांम

रोम पसम गो तनरुह लोम वख सथळ (लेख) ।।—२८९

### ग्रीवा नाम

ग्रीवा गावड कध गळो सिस्सथम (सपेख) ।।—२९०

### मुख नाम

वकत्र तुड वोलण वदन रसनाग्रह सुररास,
आस लपन आनन अखरण मुख (हर नांम मिठास) —।।२९१

### जीभ नाम

रटण वाच वाया रसण जिभ्या वगता जीह,
(जिकै)रसग(नाहर जपौ नित "ऊदा" निस दीह) ।।—२९२

### दात नाम

दत रदन रद डसण दुज मुखदत वाणीमड ।।—२९३

### होठ नाम

ओट होट रदघर अवर रदरछ अवर (सुखड) ।—२९४
होट ओट रदघर अघर रदनसदन मुखरूप,
दत रदन रदडसण (दुज अेमुख रूप अनूप) ।—२९५
(रसण जिभ्या स्वादरस वाया वगता वाच,
रसण रसगना जीह रट समरण जीहा साच)† ।।—२९६

### श्रवण नाम

सुरत धुनीग्रह साभळण करण श्रवण श्रव कान,
वायकचकर श्रोता (वर्णै दिस जासू दुनिदान) ।।—२९७

### नाक नाम

ग्रहणगध सुरतग्रहि घ्रोणा नासा घ्राण,
नाग तिलकमग नासका नक (नाकी निरवाण) ।।—२९८

---

† छद २९२ मे आये हुए जीभ के पर्यायवाची शब्दो की पुनरुक्ति यहाँ की गई है ।

### नेत्र नाम

देखण द्रठा चख आख द्रग नेत्र विलोचन (नाम),
नैण नयण अवक निजर रार निरख गो (राम) ।।—२६६

### माथा नाम

कं मसतक माथौ कमळ मड रुड उतमग,
मऊळी सीरख मूरधा (वळ) सिर सीस वरग ।—३००
उरध मूळ (यौ) अकट (अस दळै राम दससीस,
पाट वभीषण थापियो दान लक जगदीस) ।।—३०१

### केस नाम

कु तळ सिरोरुह चिहुर कच सरळ बाळ सिरमड,
चिकुर केस मोहितचखा (प्रभता) स्याम (प्रचड) ।।—३०२

### सरीर नांम

वरखभ देही डील वय पुदगळ काया पिंड,
अग कलेवर आतमज मूरत अप घण मड ।—३०३
तन वध गात सरीर (तव) पयगुण देहीपच,
अगी (सूत अळूझियौ परखै सत प्रपच) ।।—३०४

### सेवा नांम

भुजन जप सेव भगत पाठीवेदपुराण,
नवधागुण इरनांम(ल्यौ) ग्यान ध्यान(गुण जाण) ।।—३०५

### वसत्र नाम

वसत्र वाज पिंधन वसन चितहर अवर चीर,
लजरख वसतर लूगड़ा सोसन ढकणसरीर ।—३०६
तनसणगार दकूळ (तव) पैरावणि पौसाक,
(भूप द्रवै सिरपाव भण तेज रूप तमचाक) ।।—३०७

### आभूखण नाम

आभूखण दुतअगमै (सुख) भूखण सिणगार,
(जडत घाट विधविध जकै तवा कमक गततार ।।—३०८

(कै) भूखरण मोती कडा पना (जडत) सिरपेच,
कठी नग माळा मुगत वीटी वेळ वर्णेच।—३०९

लुदरी चाडम रुळ (सै) कुंडळ मुरकी (कान),
(वाहा) वाजूबंध (विहू) पूंची (जड़त प्रमाण)।—३१०

(पग) लगर वेडी प्रभा (जुडत) जनोई (जाण,
मुर आभूखण मरद का ससत्र छतीस वखाण)।।—३११

## छतीस सस्त्रों के नाम

(चौरासी) वदूक (चल चौसट चोट) कवाण,
(वाक) पटा खग सेल (वहि विध चौईस वखाण)।—३१२

(च्यार) कटारी (हाथ चढ पाच मार) पिसतोल,
चुगा (तीन विध सू चलै) खंजर (वसू गुण खोल)।—३१३

(पाण)गुरज (गजण)(प्रसण)वलम मोगर (वीस),
भिडरपाळ (भूखडिया) तोमरार (खट तीस)।—३१४

चावक अकुस चक्र (चढ़े) गुपती गदा (गणाय),
छुरी नखा फूळता (छटा) नेजम खाखर (न्याय)—३१५

(दांवपेच) फरसी (दरस) साग ढाल तिरसूळ,
(कठण) मूठ (वाना करग) करपत्री काघार।—३१६

तेग दुधारी करतरी (यौ जग) भफ (उचार)।।—३१७

## चचल नाम

चटळ चळाचळ कप चपळ चचळ तरळ (उचार),
(पार) पळव अथर पलव लोल अधीरज (लार)।।—३१८

## स्त्री नाम

वनता नारी वलभा भामण कामण भाम,
दारा इस्त्री सुदरी वामलोचना वाम।—३१९

वाला त्रिया नितवणी अवळा तरुणी (अग),
महळा ग्रेहणि माणणि प्रमदा प्रिया (प्रसंग)।—३२०

जुवती जुअती जोखता अगना ललना (आंण),
मुगधा कलत सपूतनी जोखा पतनी (जांण)।—३२१

रमण तनूदर पुरध्री तलय (काम मन त्यार),
गजगवणी वारगना (व) सती (नाम विचार) ।।—३२२

### भरतार नाम

स्याम प्रणय वर मनयष्ट भरता पत भरतार,
प्रीतम प्रिय प्राणेम (पर) वलभ विभौंडा (वार) ।—३२३
प्रेष्ट भोगता असू पती रमण धणी धव (रग),
कामख नाह (र) देसकत (सुख) वरयता (सग) ।।—३२४

### सुदर नाम

वाम मधुर अभिरामवर सुदर मनहर (सार),
साध मजु मजुल सुखम पेसल सोभन (प्यार) ।—३२५
रुच सुलखण दीपत रुचर कमन ललित कमनीय,
सुभग सरूप (र) दरसणी रम सोभत रमणीय ।—३२६
तनकाती अनुपम (तवा) अदभूत रूप (उदार),
जोत तेज (गुण जगत मैं सही रीझै ससार) ।।—३२७

### नाम नाम

अवधा सगना आहवै नामधेय (निरधार),
अवखा अक सकेत (उड ज्यासू नाम जमार) ।।—३२८

### मित्र नाम

सहक्तवा सहचर सुह्रद प्रीतम सुखदा प्राण,
मेळग मित्रू मनहितू वलभ यप्ट (वखाण) ।३२९
सवय स्याम वायकसदा वयच सहायक (वेस),
प्रेमीगुण सध्री (चपढ) हारद (जाण हमेस) ।।—३३०

### स्नेह नाम

हेत राग अनुराग हित प्रेम मेळ सुख प्रीत,
हेकमन हारद प्रणय नेह सतोख (पुनीत) ।।—३३१

### आणंद नाम

मृद आणद (र) हरखमन मोद (र) रळी प्रमोद,
रळी महारस प्रमदरस (विलकुल) उमग विनोद ।—३३२

समंदहुलास (र) परमसुख रसवतमन उछरग,
ब्रमग्यान (चरचावणँ उर पूरण सुख अग) ।।—३३३

### अहकार नाम

मछर गरब अहंकार मद माण ताण अभमान,
मनी रंढ पौरस समय दरप गरूर (निदान) ।—३३४

तव अभम तामग (जतन) गुमर बडाई गाढ,
तेख (अरुच उपजै तठै वाका वचना वाढ) ।।—३३५

### सभाव नाम

आतम मानुज (गुण अनुज) सासिध (सहज) सुभाव,
(सतत रूप) निसरग सरग चलगत प्रगती चाव ।।—३३६

### क्रपा नाम

मया दया करुणा महर क्रपा घ्रणा अनुकोस,
(पढ़) हतोगत प्रसनता (प्रभू) अनुकपा पोस ।—३३७

### कपट नाम

छद छेतरण द्रोह छळ कपट तोत ठग कूड,
मरम कोस परवाद मिस व्याज यम विधचूड ।—३३८

कैतव वितरक कळ विकळ (दाखो नभ उपदेस),
विपद (लखत) चातुरज (विध विवधा जुगत विसेस) ।।—३३९

### पाप नाम

अघ्रम पाप दुख दुक्रत अघ कळमुख कलुख कलक,
अेनकुळल कमख असुभ प्राचत वरजत पक ।।—३४०

### धरम नाम

वेग्रभाग सतक्रत धरम सुक्रत सेयव्रख (सार),
पुन पुनीत सतगुण (प्रभा सुरव्रख सो संसार) ।।—३४१

### कुसलखेम नाम

भव्रक भव्य भावक अभय सुसत सेव भद्रसेव,
कुसळखेम सुभद्र (कही) अभय मंगळ सिव (अेव) ।।—३४२

### छभा नाम

ससत परखद आसता समत छभा समाज,
आसथान समजायता सासद (घटा सकाज) ।।—३४३

### सवद नाम

सवद घोख निहघोख (सुद) निनद कुणद धुन नाद,
रिण आरव निरावर (सुणत टेर कर साद) ।—३४४
निहकुण राव धुकार नद सोर घोर श्रवसार,
(ग्रहै ग्राह दध गयद नै घर हर कियो उधार) ।।—३४५

### सोभा नाम

भा आभा दुत विभ्रभा कोमळता छिव क्रांत,
परभा (कुण) सोभा प्रभा सुखमा (राधा सात) ।—३४६
(कहै) विभूखा ककला श्री (सकर तनसार,
सारे सार वस्तु सिरै "ऊदा" प्रभा उचार) ।।—३४७

### दिन नाम

दिन वासर दिव दुदिवा दिनद (तेत) अहिदीह,
(आठ पौहर निस दिन उचर "ऊदा" भजन अबीह) ।।—३४८

### किरण नाम

रुच सुच गो छिव दुत रसम जोतर तेज उजास,
किरण मयूख मरीचिका भानुभा करभास ।—३४९
प्रभा विधा वसू दीपती किरणावळि (सुखकद,
सुखद धाम) कर असु (रव यळा पोख आनद) ।।—३५०

### तेज नाम

तेज उहासत द्योत तप जगचख वरच उजास,
तमरिप निसचरत्रास उजवाळो "ऊदा" अरक ।
(यौ उर ग्यान उजास) ।।—३५१

### उजल नाम

सेत सुभ्र पडरु सुकळ अरजुन सिव अवदात,
विसद वळख पडरु धमळ सुच उजळ पिंड स्यात ।।—३५२

### अंधारी नाम

अंधकार तम अवत मस अंधारी (या) अंध,
तिमर तम सबळस तमम अंध (भूमधा अंध) ।।—३५३

### रात नाम

निसीथिणी रात्रि निसा निस रजनी तमनीत,
तमसा खणदा तामसी विभावरी (वदनीत) ।—३५४
जणिया सखरी जामणी रात त्रजमा (रीत,
नाम) खिया पखनी निसा (पठ) ससप्रिया (पुनीत) ।।—३५५

### स्याम नाम

किरट धूम धूमर् ऋसण स्यामल मेचक स्याम,
अस्त नील प्रभू अळअळी स्याम राम घणस्याम ।—६५६

### जोत नाम

दीपक दीप प्रदीप दुत सिखाजोत सारग,
कजळअंक ग्रहमणि कळा ताईतिमर पतग ।—३५७
नेहानेह सिखजनम उत्तमदसा उदोत,
(थांम) उजासी कळधन (प्रगट दसा भव पोत) ।—३५८

### चोर नाम

चोर निसाचर गूढचर प्रतरोधक परमोख,
मेधा कुवधी मलमुलच तसकर परसतोख ।—३५६
परास कंधी पाटचर अेकागार अलाम;
दसू पथुकनाळ दुष्ट (तेन पारख हित ताम) ।।—३६०

### मूरख नाम

मूरख जड सठ स्यानमठ मूढ कुंठ मतमद,
मात्रीमुख कदवद मुगध (दुयण सयणघर दुंद) ।—३६१
(जथा जात) जालम निलज मद अजाण अमेध,
अगन विकळ अगळज असन खळ वेधेअ निखेध ।—३६२
नैड मूक विवरण निलज वाळ गिंवार अबूझ,
वैतवार डोंडो विमुखगुण विणवाट अगूझ ।।—३६३

### स्वान नाम

कोळयक कूकर कुतौ रतसाई रतकील,
रातजगरा लटरत (परस) वळतपूछ रतवीळ।—३६४
खेतळअस मजारखळ सारमेय असुन स्वान,
भूसरा पुरोगत अस्तमुख गहिचक्र वाळध (ग्यान)।—३६५
ग्रामसीह जिम्याप (गरा) ग्रहमृग मडळगाढ,
साला व्रख अगदेस सठ (और) तदुख (आढ)॥—३६६

### खर नाम

खुरदम खर गरदभ खुरप भूकरा लादराभार,
कराालव सकूकररा अवापौहरा (उचार)।—३६७
(चिरमो हीरा सव चळै चव वाळै अन च्यार),
सखमवदी (राखै सदा भरै माटी कुभार)॥—३६८

### विख नाम

गरळ हाळाहळ जैहर (गरा) माररा तीखरा मार,
विख रस (दुख ससार विघ कर रिछ्या करतार)।—३६९

### अम्रत नाम

सोम पियूख मधु सुधा अम्रत मार (उचार),
अगद (राज भोजन) अमर दधसुत रतन (उदार)॥—३७०

### चाकर नाम

किंकर चाकर सेवकर दास नफर भ्रत (दाख),
चैडौ परभ्रत परमचित अनुचर डिगर (आख)।—३७१
परसक दपरजात (पय) विधकर अनुग-खवास,
परपिंडा दिनि जोज (पढ) चेर प्रईक चरास।—३७२
भुजग सेवगर हुकममय परचाकर क्पतप्रीत,
(स्याम धरम साचौ सदा चाकर जिकै नचीत)॥—३७३

### हुकम नाम

अग्या आयस आगना (मुराौ) हुकम फुरमारा,
सासन जोग निजोग (सुरा ज्यू) आदेस (सुजारा)॥—३७४

शातग नाम

भीय वीह डर भीत भय उद्रक चमक आतक,
(साधक) असक भ्रमक (सो हर मेटरण) सँक ।।—३७५

वेला नाम

वार वयरण प्रसपार वय (कहि) अक्रम गत काळ,
वरतमान अतग वहरण (यो) अनमख हरियाळ।—३७६
(स्याम) ताळ पौहर समय खरण अनी (विख्यात
देखत भूली जगतदळ जीव सरवत वहिजात) ।।—३७७

पीड़ा नाम

वपरोगी पीढा विथा आमय गद आतक,
रुग उताप दुख असह रुज सकट माद ससक।—३७८
(हरी अपाटव) कष्ट (हर मेट) व्याघ असमाधि,
(हरहर सिमर हराहरा सिवसिव भुज्या समाधि) ।—३७९

कूड नाम

कूड वृथा मिथ्याकथन असत अठीक अरणाळ,
विथत विकळ अनरत विरत अलीक आळपपाळ।—३८०
(वचन) झूठ विपरीतविध (स्वारथ कज ससार,
परमारथ पद पूज गुर "ऊदा" राम उचार) ।—३८१

साच नाम

साच सयग चौकस सुसत जथा तथा सिव जौक,
वीसविसा (दसभूतत्रर) समीचीन सत (चौक) ।—३८२

वलध नाम

तव्र व्रखभ वळ रिखभ (तव्र) ककुदमान बळकार,
वाडभेय व्रखसेन (वळ) अगी भेड व्रखसार ।।—३८३

गाय नाम

सुरभेई सुरभी सुरह गऊ अगना गाय,
धेनु रोहरणी देवधन गत उखा महागाय।—३८४

उसा दह्वन अरजुनी तमा त्रवा तार ,
निधमहेई निलयका (सो) अगणी (जग सार) ।—३८५

वछ नाम

वछा केरडा वाछडा तरण टोगडा (तोल) ,
सकृत करजा वाछ (मुर यो) नलवार (अमोल) ।।—३८६

दूध नाम

मधू दूध पय खीर (मुण) गोरस बळमयगात ,
उत्तमरस ऊधस अम्रत सतन पुसर ससात ।।—३८७

दही छाछ नाम

दही खीरज गोरस दही मथन छास तक्र (मड) ,
कालसेय उदस्त (कहि पाचू स्वाद प्रचड) ।।—३८८

माखण नाम

तक्र-सार दघसार (तव) नैंगवीन नवनीत ,
मेळसरुज माखण मधुर परघ्रत (साद पुनीत) ।।—३८९

घी नाम

हई यगवन तूप हवि घिरत आज आधार ।
आहिज चौपड अगवळ सरप खह विखसुधार ।।—३९०

भोजन नाम

भख जीमण भोजन भखण अभवहार आहार ,
आरोगण खादन असन निगस लेह अनसार ।—३९१
पतवसान अवसान (पढ सुखदा) साण (सवाद) ,
(गहि)बळवधर वखाणगुण नित्यासी यस(नाद) ।।—६९२

मेरगिर नाम

सुरथानक कचन सिखर सुरगिर गिरद सुमेर ,
पचरूप नगमिणप्रभा (महि) सुरथानक मेर ।।—३९३

देवता नाम

विवुध अमर व्रदारक दईत्यारी सुर देव ,
देव वरद दिवोकसा आदत्या अदतेव ।—३९४

नीका त्रदखा निरजरा वहिनमुख गिरवाण ,
त्रदवसा सुमना त्रदस सुधाभुजीस (प्रमाण) ।—३९५

सुमन अनद्री असपरा (रट) रिभूक्त असरार ,
अनमुखाद अगनीभुखा "ऊदा" (नाम उचार) ।।—३९६

### अगन नाम

दावानळ अगनी दहण सिखा हुतासण (सार) ,
मगळ सपती अमरमुख पावक तेज (अपार) ।—३९७

जळण धनजय जाळियल दवना दार विदार ,
कृस्नवरतमा त्रखाकप सिखवान सिखसार ।—३९८

आसल पन जाळण अनळ स्वाहापती सतेज ,
वरहीमुज सुचवन दहन ज्वाळाजीह जगेज ।—३९९

उखर विध सुखमा अपत दुसह विरोचन दाह ,
चित्रभाण माहेसख सोचकेस सुरचाह ।—४००

आसउदर वहनी उसन वेदपित वित्रहोत ,
विभा विहद भानू विखम सखासमीर (उदोत) ।—४०१

रोहतास वसू छागरत प्रजळत तनूनपात ,
घोम समीग्रभ धूमधज हर हय (कहिपात) ।—४०२

आसआस आतस असह (वळ) हुतभख हववाह ,
(सोख पोख ससार मे समता जगत सराह) ।।—४०३

### बलभद्र नाम

सकरखण वळ सितामित भेद जमा वळभद्र ,
कामपाळ वळराम (कहि) मुसळि हणि प्रियभद्र ।—४०४

नीलंवर अश्वानिका दळअभग वळदेव ,
कृष्णआग्रज (रु) अनत (कहि रोहणेय रस सेव) ।।—४०५

### वरण नाम

प्रासी जळकतार (पढ) जळविभू वरण जळेस ,
मेघवरण दधवाम (मुण) पयग प्रचेता (पेस) ।—४०६

(नमा) परजण नीरपत वारसार वायांर ,
जळज (जितारछक जवर) वरणपास (विसतार) ।।—४०७

### देवता जात नाम

किनर गध्रध सिधकर जख रिख तूमर (जाण) ,
विद्याधर चारण वसू पितर प्रसाच (प्रमाण ।—४०८

सध्याभ्रत अपसर सुरज नाकी धरम (पुनीत) ,
गंहुक भ्रत मुरलोकगत (पूजौ साच प्रतीत) ।।—४०६

### अष्ट सिध नाम

अणिमा महिमा ईसता प्रापत (नैं) प्राकाम ,
वसीकरण गिरमी (वळै) लघुमा (वसू नाम) ।।—४१०

### नवनिधि नाम

कछप खरव मुकद (कहि) नील पदम (निरधार) ,
महापदम सखर मकर (यौ) निधकद (उचार) ।।—४११

### धन नाम

आय तेयक सवर अरथ माया धन धरमड ,
द्रवणवसू लखमी दिरव (खित) निध रिध (नवखड) ।—४१२

सपत माल निधान (मुण) आथ खजांनौ (आख ,
वण कु भ रखत प्रखत विध भव किरपा सू भाख) ।।—३१३

### मोती नाम

मोती मुगता मुगतफळ गुलका रस समगोत ,
मुकतज मुगतज सीपसुत उदकज स्वात (उदोत) ।।—४१४

### स्यामकारतक नाम

सिवकुमार वाहणसिखी कतका उमाकुमार ,
प्रखतवाह विसाख (पढ) सेनानी ब्रमचार ।—४१५

तारकार कतार (तव) सगभू छमा सकद ,
खटमातुर खटवदन (कहि) अगभू (दे आनद) ।।—४१६

### मोर नाम

केकी वरही मोर (कहि) सिखी प्रखत सारग ,
नीलकठ घणनाद नळ प्रकछख प्रसणपनग ।।—४१७

अखक सिखडी सिहड (वळ) सेनानीरथ (सार),
सुखलापग सिखावळी कुभ कळापी (सार) ॥—४१८

### गुरड़ नाम

पखीपत तारख सुप्रसरण गुरड सेस खगराज,
अरुणानुज व्यालारि अळि हरिवाहण गिरराज।—४१९

सालमिली सुपरण सजव वैंनतेय मनवाह,
सुधाचरण सकतीधरण गरतमान अहिगाह।—४२०

सोव्रनत कस्यपसुतन पखीपती धखपख,
ग्रीवळ खग पखी प्रगड सुपरणेय अणसख।—४२१

वजरतुड अरुणावरज यद्रजीत अणभग,
मत्रपूत तारक (मुदै) पूतातमा (प्रसग) ॥—४२२

### वेग नाम

सप्रद (दाख) मकू प्रसर सिघ्र वेग जव (सार),
तुरत वाज अधायतर अजुसार वस (उचार)।—४२३

तरस आस आतुर सतुर चचळ दाप चलाक,
तूरण अवलवत झट तर वरय चपल रमाक।—४२४

सहस उतावळ द्रुत (सरस) अवगत रसा अरोड,
(अस) सतेज घोडैय धक (जळद पवन मन जोड) ॥—४२५

### पवन नाम

जगतप्राण आसक जवन वाय वात गघवाह,
अगवाहण मारुत मरुत अहिभख पवन असाह।—४२६

सुपरस दागत सुपरसन अहिवळ भख ऊमान,
अनळ नील नभसास (यळ) जळरिप प्राणजिहान।—४२७

वायू चचळ गघवह सबळ प्रभजण (साख),
सोभ समीर समीरण (औज) प्रकवण (आख)।—४२८

वाएरौ आंधी विखम घणवह चक्र वघुळ,
(सीत मद गत उसन मैं गिगन) धूध गैतुळ ॥—४२९

### घण नाम

धाराधर घण जळधरण मेघ जळद जळमड,
नीरद वरसण भरणनद पावस घटा (प्रचड)।—४३०
तडितवान तोयद तरज निरझर भरणनिवाण,
मुदर वळाहक पाळमहि जळद(घणा) घण(जाण)।—४३१
जगजीवन अभ्रय रजन (हू) काम कमहत किलाण,
तनयतू नभराट (तव) जळमुक गयणी (जाण)।—४३२

### बीजली नाम

चपळा तड़िता चचळा विधुत असनी वीज,
(मुण) जळवाळा जळरमण खिणका कासैखीज।—४३३
सपा समरव सतरदा छटा रासनी (छेक),
आकाळकी अैरावती विजळी खिण (विवेक)।।—४३४

### आकास नाम

वोम गयण अभ नभ वयद अतरीख आकास,
ख असमान अनत खह पीहकर अमर प्रकास।—४३५
मेघ, खगपथ* पवनमग (सुर उडपत ततसार),
पूरण आभो विसनपद सुन्य पौल (दुत सार)।।—४३६

### तारा नाम

जोत धिसन ग्रह जोतकी तारा उड रिखतेज,
(रि) तेज रूपमणि तारका नखत्र दीपनभ (सेज)।।—४३७

### सख नाम

संख कव ब्रधव सखी दधसुत वारज (देख),
विसद खौड सावरत (विध) रतना मध्यत्ररेख।।—४३८

### नाव नाम

वैडी वैडौ पोत वळ जळतर नाव जिहाज,
वाणवहण बोहि (वळै) तरण (नाम सिरताज)।।—४३९

---

* मेघ, खगपथ=मेघपथ, खगपथ।

### खेवटिया नाम

वारणी माळम दधविधी खेवटिया (जळ ख्यात),
दधभेदी दूरतेरी (निपुरण) नाकवा (न्यात)।—४४०

खारीवा नीखाखा ग्रोरेभ डाळाग्रग,
नावाहाकरण (गुरण निपुरण पारावार प्रसग)॥—४४१

### चौईस ग्रवतार नाम

राम क्रसन नरहर रिखभ व्रखम हरी वाराइ,
मछ कछ (मीन) मनतर नारायरण (मुरनाह)।—४४२

ध्रूवरदाम धनतर कपलदेव निकळक,
सनकादिक हसादि दत प्रथू व्यास (परियक)।—४४३

वामरण वुध दुजराम (वळ यौं) हयग्रीव (उचार,
वपधारै चत्रविसती यळकज भार उतार)॥—४४४

### सीता नाम

जगदवा श्री जानकी वैदेही हरवाम,
सीता भूजा सिया मती जनकजा (स्याम)।—४४५

महामाया मा मडथळी (ककट करण ग्रकाज,
जिकै कोप लका जळी राकस विगडै राज)।—४४६

### ग्रैरापत नाम

हस्ती ग्रैरपत हसत मघवावाहन मतग,
रामरणभ्रम सुरनाथरथ (ग्रौर) वलभउतग॥—४४७

### सताईस नक्षत्र नाम

ग्रसनी भरणी (ग्राददे) क्रतका रोहणी (काज),
ग्रगसर ग्राद्रा पुनरवसू पुस ग्रसलेखा (पाज)।—४४८

मघा (नाम दसमौ मुणौ) पुरवाफालगुणी (पेख),
उतराफालगुणी हस्तउड चित्रा स्वात (विसेख)।—४४९

वैसाखा ग्रनुराधा (वळ) जेष्टा मूळ (जणाय),
पूरवाखाडा उतर* (पढ) श्रवण धनेष्टा (पाय)।—४५०

---

* उतराखाडा।

सतभिख पूरवाभाद्र (सुणि) उतरा* रेवती (अग,
नाम सताईस सू नखत्र सुण कवियण परसग) ।।—४५१

वारै रासा रा नाम

मीन मेख व्रख मिथन करक सिंघ कन्याह,
तुल व्रसचक धन मकर (तव रास्वा) कु भ (सराह) ।।—४५२

नग नाम

मिण माणक मुगताहळ पना लाल पुखराज,
चद्रमिणी चिंतामिणी अहिमिण पारस (आज) ।—४५३
नीलमिणी सैलान नग चूनी हीरा चूंप,
(ले) पीरोजा लसणिया पारस फटक (अनुप) ।—४५४
गोमोदक . मू गा (गणौ) पदमराग परवाळ,
(निध)मरकतमिणी नीलवी (अत दुत तेज उजाळ) ।—४५५

सात धात रा नाम

कचण तार जसोद (कहि) सीसौ लोह (सुणाय),
तावौ (वळै) कथीर (तव सात धात दरसाय) ।।—४५६

सात उपधात रा नाम

(हद) पारौ विख हींगळू (त्यू) अभ्रक हरताळ,
रसकपूर मू गा (रटौ विष उपधात विसाळ) ।।—४५७

हस नाम

मानसूक धीरठ (मुणौ) मुगताचाळ मराळ,
चक्रगी अवदातचळ लीलग हस वलाल ।।—४५८

मूसा नाम

मू सा ऊदर सूचिमुख मूखक भखमजार,
वजरदत आखू (वळै) ऊदर (नाम उचार) ।।—४५९

खट भाखा नाम

प्राकृत (नरभाखा पढौ नागा) मागध (नीत,
सुरभाखा सो) ससकृत (रकस) पिसाची (रीत) ।—४६०

---

* उत्तराभाद्रपद ।

अप्रभिसी (पसीउकत दनुज) हुसैनी (दाख,
प्रभता काव्य प्रकासमै औ भाखा खट आख) ।—४६१

### च्यार पदारथ नाम

(धार प्रथम सुकृत)धरम (द्रव)गुणअरथ(दिखाय),
काम (सपूरण कामना प्रभूपद) मोख (उपाय) ।।—४६२

### सखी नाम

सखी सहेली सहचरी हितु सुवछक (हेत),
वयसा सध्रीची (वळै सुखदा) सयण सचैत ।।—४६३

### च्यार प्रकार री मुगती रा नाम*

निश्रेयस निरवाणपद अम्रत मुगत अपवरग,
गतनिरभयआवागमण सुखाधीस वरस्वरग ।—४६४
ग्यानमुगत केवळगत महामुगत नरमोख,
पुरीवास सामीप (पढ समस जोत सतोख) ।।—४६५

### दासी नाम

दासी भ्रत्या दिलरखी गोली चेडी (गात),
कळचाळी (गुण) किंकरी विदरी (चळ विख्यात) ।।—४६६

### काजल नाम

(मुण) कज्जळ पाटणमुखी नागदीय-सुत नेह,
(गज) अजण मोहण गती सुख-त्रिय नैणसनेह ।।—४६७

### हीरा नाम

कुमख वज्र हीराकणी (औ) दधीचरिखअस्त,
निकख पदकभरणा निधी(सिरहर) नगा(समस्त) ।।—४६८

### मंगल नाम

अगारक कुज यळसुवन लोहिताग द्रुतलाल,
मगळ भौम कुमारमहि चत्रभुज वृखी (सुचाल) ।।—४६९

### सुक्र नाम

भारगव उसना सुक्रमण कायव कवि चखअेक,
हिरणगरभ दनुप्रोहिता विद्या सँजीवन (नेक) ।।—४७०

---

*चार प्रकार की मुक्ति—सालोक्य, सारूप्य, सामिप्य, सायुज्य—मानी गई हैं। उन्ही के पर्यायवाची यहा दिए गये हैं, जिनमे से पाच का उल्लेख 'अमर कोष' मे भी है।

### नमसकार नाम

प्रणत प्रधन वदत (पढौ) नमो नमसक्रत (नाम,
विध)सिलाम(वसू) डडवत नमसकार(नित नमि) ।।—४७१

### सीढी नाम

नीश्रेण (सा) सोपान (कनिज) आरोहण आरोह,
सेढी नीसरणी (सदा मोहण भुजन समोह) ।।—४७२

### पुत्री नाम

तनिया तनुजा पुत्रका दुहिता सुता (वदत),
कुळजा बेटी कन्यका कुळस्वासणी (कहत) ।।—४७३

### सेज नाम

सेज तलप सज्या सयन सवेसण सयनीय,
कस्यप दुगध दधफीण (क्रत) कतहुरख(कमनी) ।।—४७४

### तकिया नाम

गिदुक तकिया (हरु) गिलम उय्यबर (वर उपधान,
(म्रदुल)उसीस उठग(मुण वद)उसीर(विदवान) ।।—४७५

### भाल नाम

भाळ निलाड लिलाट (भण) अलकमध्य विधअक,
भागधाम अछरभवन (नर घर साच निसक) ।।—४७६

### टेढ़ा ताम

वाम्म कुटिल टेढो विख्रम वक असुध विरुध,
वक्र (नाम) कुंचत (मिमर राम मन सुध) ।।—४७७

### वंसी नाम

मतस्या धानी मीनहा कुंढ़ी वनसी (कांम),
विडस कुंभ निभख वधक (रह न्यारो भुज राम) ।।—४७८

### चिबक विंदी नाम

चिवक (स्याम) विंदी (चढै असित नील दुत आख,
स्याम राम)मेचक(असत सस लछण)छिव(साख) ।।—४७९

### ब्रहस्पत नाम

सुराचारज सुरगुरु (सदा) ब्रसपत (जीव वखाण)
रिखी मुनेसर वेदरस (जात) सिखडी (जाण) ।—४८०

धिखण सुखडज सुरधरम वाचसपति कव (वाच),
रगपीत द्रुज अंगिरस सरगपूज सुरसाज ।।—४८१

### छुद्रघटिका नाम

कांची रसना किंकणी (सूत्र) मेखळा विसाळ),
छिद्रघटिका छिद्रावळी (जुगत अनुपम जाळ) ।।—४८२

### तरकस नाम

भाथौ भाथ निखग (भण) तरकस तून तूनीर,
उपसाग यखूधीसता विसखधाम (रितवीर) ।।—४८३

### धनुख नाम

पिसकस आयदा (पढौ) बॉणासणी कवाण,
सारंगी वधसत्रवा तूजी धनुख (ताण) ।।—४८४

### नूपर नाम

पादा अंगद नूपर (प्रभा मिलय) घूमर मजीर,
तुलाकोट भ्यकारतन (संजण हरख सरीर) ।।—४८५

### पान वीड़ा नांम

द्रुजमुख - मंडण पान दळ तिम्र विफळ तंबोळ,
नागलता मुखवास ( निज ) रदछदरगण वोळ ।।—४८६

### आरसी नाम

प्रतबिंबी आदरस (पढ) मुकर आरसी (मंड),
दरपण काच (रु) मुखदरस खुखदावती (अखंड) ।।—४८७

### वीणा नांम

वीणा तंत्री वळकी जंत्री जंत्र (मुजांण),
गुमी (प्रपची) सुरग्राह (पारावर प्रमाण) ।।—४८८

### सुवा नाम

सुक तोता मुरगह सुवा किमुक मुखमा कीर,
रगतचू च लीलगरित (रस वहु रग सरीर) ॥—४८९

### गुपत नाम

(तवा) तिरोहित अतरित गुप्त लुक गूढ,
दुरत निलीह अताक दब मुगध प्रछन लुक (मूढ) ॥—४९०

### हलद नाम

पोडा रजनी हळद (पढ) पीता गवरी (पाळ),
गुणदा हरदी मगळा (मो) कचनी (रसाळ) ॥—४९१

### क्रोध नाम

(दुरत) रोख अमरख दुसह कोप रोस रुट क्रोध,
रोख मन्यू तम रीस (रुख) विखमी प्रजुळ विरोध ॥—४९२

### दीरघ नाम

प्रथुल प्रामु परणाह प्रयु व्रधु गुर दीरघ विसाळ,
आयुत स्यूढ उत्तग (कहि स्याम) बडौ सिखराळ ॥—४९३

### वेद नाम

आमनाय श्रुत वेद अंग निगम अगोचर (नाम),
वरममूळ श्रवकामधुनि व्रमरूप (विश्राम) ।—४९४

स्याम जु जर रुघदेव (सुर असुर) अथरवा (अग,
वेदा च्यार पुराण व्रण सो अढार परसग) ॥—४९५

### रुधिर नाम

श्रोण रुधर रगत जोस असुक (खित जात),
रत लोहू जीवन रुचावप पुसरी (विख्यात) ॥—४९६

### समीप नाम

तट नजीक ढिग निकट (तव) उप समीप (अभ्यास,
यू) पारसव अवदूर (अत) पासै नैडौ पास ॥—४९७

सध्या नाम

निसमुख सध्या पित्रीप्रसू संझ्या सायंकाल,
साझ त्रसझा आसुरी प्रदोखत मचर (पाल) ॥—४६८

पपीहा नाम

कळतकठ हरस्वात (हर) पपिया चातुक पीव,
(पीव-पीव सारग (पढ चळघण तडपत जीव) ॥—४६६

गिनका नाम

वारवधू जगवलभा निलजा पुंसचली (नाम),
दासी दारी द्रवत्रिया (यां) लझिका (अलाम) ।—५००

(ज्यू ) खाला धनजोखता कुळटा (पीत निकांम,
कहत) सभली कामकी वेस्या गिनका (वाम) ।—५०१

प्रेमास्वारथ परप्रिया रूपजीवा (रग),
चातुर भगतण कंचणी न्रती (चाह अनग) ॥—५०२

पतव्रता नांम

साध्वी सती मनस्विनी पतपरताप पतप्रेम,
सुचहिय सुचरुच मनसमी (निपुण चाल) उरनेम ॥—५०३

नीचा नाम

नमण नीच अध तळ नमत खणत वितळ (जल ख्यात),
उरधलोक (आसा करो भुज हर-चरण विख्यात) ॥—५०४

सुछम नाम

तुछ अल्प लव सुखम तनु निपट न्रसोदर (नाम),
ओछो कम थोडो अणू वारखु द (विश्राम) ॥—५०५

मकरी नाम

मकरी सूत्रा मरकटी ऊरणनाभ (भख आस,
कहि) लूतार कुळायतो कोळीवाड (प्रकास) ॥—५०६

दिसा नाम

कन्या काष्टा ककुभ (दिस) गो आसा दिस (गात),
पूरब पछम उत्तर (पढ तव) दिखण (दिस तात) ।—५०७

वायव (अरु) नईरत (वळै) अगन (दिसा) ईसान,
(दोय दिसा विचमे दिसा वरणी सवरण विधान) ।।—५०८

पत्र नाम

पत्र परण दळ पान (कहि) पत्रा वरह छद पात,
(जब खरकत कूपळ जरत अंग खग छांह लुभात) ।।—५०९

दुख नाम

कदन विधुर सकट कष्ट गहन अजन दुख (गात,
माधव दुख जामण मरण प्रभू टाळो) उतपात ।।—५१०

लाज नाम

लाज लज व्रीडा लज्या (कर) सकुचन (विनु काज,
लख ह्री त्रपा मुलायजौ सुधरै काज समाज) ।।—५११

मदरा नाम

मद आसव मदरा मधू वारा वारणी (वार),
सुरा (पान) हाला सुरा सिधूप्रसूत दधसार ।—५१२
मयकामा ह्री मयमिरा कादवदी चिकाळ,
प्रसना बुधहा मुगधप्रिय मदनी मदवामाळ ।।—५१३

समूह नाम

घणा जूथ जूथप सघण समुदय व्यूह समूह,
पूरपूग विधचय पटळ फौजा कटक फतूह ।—५१४
वहुत कुरभ कदंव वहू ओघ अनत अपार,
कलाप कुल प्रकरण करण विसरण (चय विसतार)।—५१५
झूल चक्र सदोह झड तोम समाज सघात,
कदळ जाळ कनिचय(कहि) ग्राम वौहळ (जळगात) ।।—५१६

अत नाम

अतसय अत अत वेळ अलि यवक नितत अनत,
अत अनत (रजकण यळा रचना राम रचत) ।।—५१७

### तनक नाम

दर स्तोक ईखद अलप मद तुछ मदाक,
औछ तुछ रचक अगू (औ सुख विखिया आख) ।।—५१८

### पगरखी नाम

पायत्राण पदपीठ (पढ) पहनी खलो उपान,
जोड़ी पानह जूतिया काटारखी कुद्रान ।—५१६
पगसुख पनिया पगरखी पापपोस पैंजार,
मौजा मोचा मोचडा पगपाखर पयचार ।।—५२०

### अटा नाम

उरधओक मैंडी अटा सौध हरम सुखमार,
(मुर जुग भूमी) माळिया (धरम पुसप निरधार) ।।—५२१

### गली नाम

तुरती प्रणा प्रतोलका वीथी सेरी वाट,
मग डाडी (सूधी मिळै उपजै नहीं उचाट) ।।—५२२

### उपवन नाम

वाग वगीचा उपवना (सीत रूख तर सार,
अबादिक केता अनत लता सुगध लसत) ।।—५२३

### पंखी नाम

पछी खग सुकनी पत्री दुज अडज परदरप,
विहग विहगम हरिव्रती सजव पत्ररथ सरप ।—५२४
विपत पत्रती नभवटी पंखी पतग पतग,
कळकठी (अत) आकृती (सदा तपी) तरसग ।।—५२५

### रगसाल नाम

लोहित राता पातलख अरुण साल आरक्त,
(उत्पम तर विवधा अरथ अरथी जन आसक्त) ।।—५२६

### वसत नाम

कुसमाक रितराज (कहि) वर द्रुमभूप वसत,
मध सुरभी कुसमावळत (लता सुगध लसंत) ।।—५२७

पाडल् नाम

पाडळ थाळी पलकही वांमासार मवक्ष,
दवु वसामध दूधका (पखी चाहत प्रतक्ष) ।।—५२८

आवा नाम

पिकवलभ कामाग (पढ) सखमदरा, सहकार*,
नूतर साळ अनूपतर अवा (व्रक्ष उदार) ।।—५२६

चंपा नाम

चापेयक सुभेय (चव) कुसमाहिम सुकुमार,
चपक चपौ (भमर चित अडै न वास अपार) ।।—५३०

दाडम नाम

(पीतरग) दाडम (पढौ लाल फूल कण लाल),
सुकप्रिय हालमकर (सुण) पिंगपुष्ट गदपाळ ।।—५३१

नालेर नाम

सुरभी सिलूप सदाफला नीला म्रदुल नाळेर,
ताळविलव मालूर (तव विविध चढै वर वेर) ।।—५३२

तमालपत्र नाम

कालकधता पिच्छक (कहि) तडुळ ताळ तमाळ,
(गंध पत्रता मेट गद मधुता भोज तमाळ) ।।—५३३

पलास नाम

त्रप तक परण पलास (तव) वात पोत (विध व्रख,
एक श्रुकज निसू अस्त्र हळदी नाहर-नख) ।।—५३४

कदम नाम

मदरा गध सुवासमद हरप्रिय कदम (कहत),
नीप तूल देवानिनग (सुरगण सेवग सत) ।।—५३५

---

*सखमदरा, सहकार=सखमदरा, मदरासहकार ।

### वेड़ा नाम

अक्षक रखफळ कटूकफळ भूतावास वभीत,
समर ऋळि व्रख सुध पिंड वहेड़ा (प्रीत) ।।—५३६

### सोपारी नाम

घोटक मुखछूवा कफळ पुग सुपारी (प्रीत),
पुगीफळ फौफळ (पढौ नरमुख वास पुनीत) ।।—५३७

### नारेल् नाम

वानरमुख सुभकामयर कठणकाचळी केर,
अमर भेट फळ नाळियर नाळेकेर नाळेर ।।—५३८

### कनछ् नाम

कोळ कळका कडुकर कैवत्र खणक (निकाम),
कऊळफळी कपटुयण (कहि विन तावा वेकाम) ।।—५३९

### मिरच नाम

मिरच तीख तिखता मिरी ऊसनाफळ सिधकाम,
(कहि)उखणा(अर)कौलका सुधकर(गोलो स्याम) ।।—५४०

### पीपर नाम

तिगम मगधी तदुळा सुडी ऊसना (सार),
कौळा वैदेही कणा पीपर स्यामाधार ।।—५४१

### सूठ नाम

विस्वा नागर सूठ (वळ) महाऊखधी मड),
श्रीपाळी सतवी (सिरै चमतकार परचड) ।।—५४२

### प्रवाल् नाम

विद्रुम प्रवाळ रगत दधसुत मूगा (दाख),
मुखरा नगोन लीवमिण (कपोता हिकव भाख) ।।—५४३

### दाख नाम

अदुका स्वादी मधूरसा दाख गुडा (दरसाय),
काळमोख काष्टफळ छुद्रा गोस्तनी (छाय) ।—५४४
व्रेदाणी दांणी दुविधमेटण (रोग मलाम),

**सोनजुही नाम**

सोनजुही (र) सुगंधका जूही जूथका (जाय),
गिनका हिरणी (नाम गिण देव पुष्पका दाय) ।।—५४५

**मालती नाम**

मधुमई सुमना मालती उत्तमगंधा (आख),
अवष्टा प्रियवादनी सुगंधमल्यका (साख) ।।—५४६

**रामवेलि नाम**

राजघ्रनीका रसवती रायवेल मितरंग,
अवजस (पुन) प्रियवलका (मधुकर भ्रमत मतग) ।।—५४७

**सजीवनी नाम**

सार मजीवन मधुश्रवा जीवा जीवण (जाण,
वळ) जीवती वलका (उर हर भगती आण) ।।—५४८

**माधवी नाम**

कुंदलता माध्री (कहि) ललितलता (यक लेख,
मधुप उछव अत मुगतमद कछुतइक वसती पेख) ।।—५४९

**बधूक नाम**

जीवबधू बधूक (जप) जपा (कहत घण जाण,
परखौ) दुपहडपौरिया (पुसपा जात प्रमाण) ।।—५५०

**गुंजा नाम**

रगलाल चिरमी रती (सो) गुंजा मुखस्याम,
काकवचुका कृष्णला तुला चिणोठी (ताम) ।।—५५१

**खिजूर नाम**

पिचकिच जायती पडद त्रणद्रुम ताळ खिजूर,
परपत्रावळि खीडिया जगमख (स्वाद जरूर) ।।—५५२

**लवंग नाम**

देवकुसम जायक (दखं) श्रीसग तीक्षणसग,
तीव्रतेज तीक्षण (वळी लघु नर अग लवग) ।।—५५३

### अेलची नाम

त्रकुट वाळका तत्रलता एळा एळची (अग),
चद्र कन्यका मुर्खवास (चव पढ निखकुटी प्रसग) ॥—५५४

### नागरवेल नाम

तावूळी अदीवेळ (तव) दुजपानदळ (दाख),
नागरवेल तवोळनित (अरुण अधर मुख आख) ॥—५५५

### तट नाम

तीर रोध अन्यास तट कूल पुलिन उपकठ,
काठौ पाज अजाद (कहि चल) थिर पाळ चमठ ॥—५५६

### कुज नाम

विजुळ सीत विदुळरथी विटपतटी लुकवेस,
कुंजभवन तरकुंज (कहि दपती-कृष्ण सुदेस) ॥—५५७

### कोकल नाम

परभ्रत पिक कोकल(पढौ) अदुधुनि कोयल (मड),
दुतसुर भरव्रत रतगद्रग (खुल वसत अखड) ॥—५५८

### इन्द्रिय नाम

इद्री विखई यद्रीया गोवेता गुणग्यांन,
गुणआकर खणकरणगत (धरण विखै जुग ध्यान) ॥—५६६

### मकरद नाम

कुसमसार मकरद (कहि) सौरभवास सुगध,
रसमय मधूपन पुसपरस (पखि अळि-मोह प्रवध) ॥—५६०

• •

# नाम-माला

रचयिता अज्ञात

## नांम - माला

### चोईस अवतार नाम

मीन कमठ, नरसीघ मनु तर,
नारायण हरि हंस धनतर।
व्यास प्रथु सनिकादिक वामण,
दत्तित जिग वुध रघुनदण।—१

कपिल काह* रिख निकलकी,
धूवरदन दुजराम (धनकी)।
रिखभदेव हयग्रीवा (रूप,
सत सुरा कज किया सरूप)।—२

### राम नाम

रुघकुळतिलक राम रुघराजा,
सीतापति रुघवर सुरपाजा।
भाणभाणकुळ रुघनदन (भणि),
मकराक्षा रिखरारिवसमिण।—३

कुभकदन कुकुस्त मित्रकपी,
(ज्यानकी सु) रुघुनाथ राम(जपी)।
रामचद्र भरथाग्रज (राजै),
दासरथी (अवतार सदा जै)।—४

ईसअजोध्या (अकळ अनूप),
रामणारि (द्वादस रवि रूप)।
लकादती विधूसीलका,
सेतवध रुघवस (असका)।—५

लछमणभ्रात अजादालगर,
भगतापति राकसा-भयकर।

### सीता नाम

सीया सती ज्यानकी सीता,
वैदही मैथली (वदीता)।—६

---

* 'काह' शब्द का अर्थ स्पष्ट नही है।

रामप्रिया (भुजा) रुघराणी,
(वेद पुराण कीत वखाणी)।

लछमण नाम

रामानुज लछमण असुरारि,
वाळजती सेखा-अवतारी।—७

सौमंत्रेय लखमण दसरथसुत,
जसरुघवसी इद्रीजीतजेत।

हणमत नाम

वज्रकटक वंकट वजरगी,
हणमत हणुमान हणुअगी।—८

रामभीच एकादसरुद्र,
सुसरनद कपि झफसमुद्रं।
मारुति जती महावळ (मडिति),
(राम ध्यांन उर ग्यान अखडिति)।—९

ईश्वर नांम

अंतरजामी निगम अगोचर,
गोपिरासिरमण गो-गोचर।
त्रिगुणनाथ त्रीकम गजतारण,
अमर अजर धरभारउतारण।—१०

हरि माधव कमलापति नरहर,
जगदाधार वसीधर गिरधर।
धूतारण भूधर धरणीधर,
केसव रांम क्रस्ण करणाकर।—११

गोपीजनवलभ गोविंद,
चक्रपाणि श्रीधर व्रजचन्द।
गोवरधनधारी गोपाळ,
दासरथी रुघनाथ दयाळ।—१२

द्वारकेस वीठळ मधुसूदन,
देतादुयण देवकीनदन।

प्रभु जसोदानद व्रजपती,
वाळमुकद मुकद (सब रिती) ।—१३

वासदेव विसनु जगवंदण,
· ···· ··· कसनिकंदण ।
नद-नद निरगुण नारायण,
रामणारि वेता-रामायण ।—१४

इद्रावरज उपिद्रश्रवत अज,
धणी विसभर अलख गरुडधज ।
आणदकद अच्युत अवणासी,
पतितउधारण जोतिप्रकासी ।—१५

पदमनाभ चत्रभुज परमेसर,
पुरसपुराण धरणपीतवर ।
स्याम मुरारि मनोहर सुन्दर,
देवादेव अनत दमोदर ।—१६

मधुवनमधुप अकळ वनमाळी,
कैटभकदन मरद्दन - काळी ।
भगतवछळ भगवान त्रिभगी,
सीतापति रुघवर सारगी ।—१७

व्र द्रावनपति कु जबिहारी,
विखकसेन तारकअसवारी ।
मधुवनसिंधु व्रखाकपि मोहण,
व्रजभूखण वामण बलिबधण ।—१८

असुरवहण भगवत अधोखिज,
गोकळेस करता भरताग्रज ।
विस्वरूप वैकुंटविलासी,
राधारवण रचणव्रजरासी ।—१९

गोपी, गोप ग्वाळपति* सरगुण,
निरविकार निरलेप निरजण ।-

---

* गोपी, गोप ग्वाळपति=गोपीपति, गोपपति, ग्वाळपति ।

निकळंक रिसीकेस वहुनामी,
सकटहर प्रम गुर सुरस्यामी।—२०

पुंडरीकाक्ष जनारदन जदुपति,
मोचनग्रघ केवल जगमूरति।
श्रीवखस्थळ सज्या-सेसू,
लकादहण व्रवण-लोकेसू।—२१

धनुख, सख, चक्र, गदा, पदम-धर,
वळभुज अघसाय रमावर।
गरुडारूढ अगम गरुड़ासण,
घणमाया-सव्रत आणदघण।—२२

रामचंद्र भयहर भवतारण,
कूंभकदन अविगति जगकारण।
जळक्रीडा (नै) सिघ जळज-चख,
सतापाळ व्रम दातासुख।—२३

आदिपुरख निरकार अरूपं,
सुखसागर नितजोग सरूपं।
पतराखण जगदीस परमपद,
हरण-भरण-पोखण हद अणहद।—२४

जगहरता करता जगजांमी,
भयहरता भवतारण (भामी)।
चिदानद घणस्याम अघोचर,
भाण-भाण-कुळ खळा-भयकर।—२५

असरणसरण अज्योध्यानायक,
सेतवध द्रौपदीसहायक।
नरक-अत-कत राम निरोत्तम,
त्रई विक्रम मोहण पुरसोत्तम।—२६

जळसाई दधिमथ ताताजन,
रामाव्रत तारग रुघुनदन।
पारअपार परम अरपम्पर,
अेक अनेक अमछ अनतर।—२७

वारिविरोळण दैतविडारण,
आदिवराह धराउद्धारण।
रुघराजा काकुस्थ खरारि,
व्रस्टर-सवा अखितविहारी।—२८

**ब्रह्मा नाम**

क व्रह्मा वेदग कुलाळ,
परजापति अज पतिमराळ।
विध वेधा सुरजेठ विधाता,
भवपित दुहिन (नाम) भूधाता।—२९

सिष्टा ध्रुव विरज सुरजेष्ट,
पदमनाभ चत्रमुख परमिष्ट।
सूयभू कज - जोनि - सरवेस,
कजासण कजज लोकेस।—३०

सेसर जगतपिता महसद्द,
हिरणगरभ आतम - भू (हद्द)।
हसगर जोगुणी जगहेत,
(खाणि - च्यार-उतपति-खित-खेत)।—३१

**सिव नाम**

सिव श्रीकठ महेस्वर सकर,
गिरिस गिरीस रुद्र गगाधर।
जोगेसुर जटधर जागेस्वर,
क्रतधु सी त्रवक कोटेसर।—३२

सिंभू चंद्रसिखर अचलेस्वर,
वोमकेस ईसान वरद हर।
वामदेव पसुपति क्रतवासा,
विरुपाखि पुरअ्रत दिग्वासा।—३३

महादेव तापस समरारि.
प्रमथाध्रप सूळी त्रिपुरारि।
भव भूतेस उग्र म्रिड भींव,
उरधलिग भडग अहिग्राव।—३४

ईस त्रिलोचन खड उमावर,
गगसीस करडमरू परमगुर।
धूरजटी अधकार ग्रखमधुज,
ग्रसान-रेता ग्रत्यु जय कज।—३५

वाहनव्रखभ सुछांन वामसुर,
ग्रष्टमूरति परमध्यानउर।
नीलकंठ अद्रमूळ पिनाकी,
खडपरस पचमुद्रा खाकी।—३६

कै कपाळभ्रत लोहितभाळ क्रत,
सध्यापति द्रपजार सरवरित।
लोहित नील विख्यात लदी,
कपरदोस ग्लौ-भाळ कपरदी।—३७

इद्र नाम

मघवा व्रखी यद्र मघवान,
मरुतराट सतक्रत ग्रतवान।
सहसनैण दिवराज सुरेसुर,
परजापति व्रत्रहा पुरिंदर।—३८

दिवसत गोत्रभिदी सक्रदन,
दसवन नाकपति नदन।
पूरवपति प्राचीन सचीपति,
कोसक सक्र ग्राखढळ वरक्रत।—३९

वज्रायुधी विघश्रवा वासव,
सुनोसीर वैळरित सुररखव।
ग्रह सतमन पुरहूंत विडूजा,
दलमव्रखा ग्रमवाहण (दूजा)।—४०

पूहमीपोख (नांम) प्रतवासत,
जभराति पाकसासन (जुत)।
सुत्राम स सतमनू सत्रामा,
हर हप ग्रतुत सखाहर (नांमा)।—४१

घरि-गज-ध्याय तुखाट उग्रधन,
उरपिंड पुलमजापति (अन)।

इंद्र री राणी, पुत्र, पुरी, छभा, सदन,
रिख, दुंदुभ वाज, रथ, गुर, वन, वैंद,

गज, दल आदि नाम—क्रमश

यळा पुलमजा सची इद्राणी,
सुतजयत सुरपुरी (सुहाणी)।—४२

समति सुधरमा मदन प्रसाद(प्रासाद),
नारदरिख दुदभ घणनाद।

वाज उचीश्रव रथ विवाण,
जीव विप्र वन नदन (जाण)।—४३

अस्वनीकुमार वैंद गज उजळ,
मोगर मेघ स्वारथी मातुळ।

विस्वकरमा सुरथान सिलपवर,
देव नदी दरबान पुरिंदर।—४४

इद्रजाळ आवध वज्रायुध,
(सनमुख वदन जिगा) भोज सिध।

वज्र नाम

कूल्यस वज्र भिदुर सतकाट,
इद्रावध अ.... .. .. अतोट।—४५

खटकूणी दभोळ रिखस्तं,
सोरहसिभो क्रादनी सुस्त।

ऐरापती नाम

इद्रहस्वरावण ऐरापति,
भ्रम वळभ मातग सुभ्रदुति।—४६

सक्रवाह गजराज (असकत),
भीगोरारि पटाभ्रर भूभ्रत।

---

* मूल प्रति में स्पष्ट नही हैं।

### परी नाम

अछर घ्रताची परी उरवसी,
मजघोसा मैंनका सुकेसी।—४७
रभा त्रिलोतमा वारगा,
सारिका मुरति सारगा।

### गध्रव नाम

अमर परस किनर आदत्या,
गध्रव हाहा हूहू गत्या।—४८
व्यधाधर सुरगण (वखाणैं,
जिका राग इद्रादिक जांणैं)।

### कलपव्रछ नाम

द्रुमपति पारजाति अवदायक,
सुरतर हरिचदण सुखस्यायक।—४९
द्रवण (अखैं) मदार कलपद्रुम,
(कहि सैंतान वरदान शुभ क्रम)।

### सरग नांम

सुरआलय सुरलोक सरग्गं,
उधरलोक नाक अपवरग्ग।—५०
त्रिदव त्रिवष्ट पंतावख त्रिदख,
अमरापुरी अवयदिव (अख)।

### वैंकूठ नाम

परमधाँम सुखकरण परमपद,
अखित स्वरग वैंकूंठ अमरपद।—५१

### इन्द्रपाट नाम

सुरपतिपाट निकटक नाकासण,
सुक्रत अक्षर सुरासण।

### मेघ नाम

मेघ जळद नीरद जळमडण,
घण वरसण नभराट घणाघण।—५२

महत किलाण अकासी जळभुक,
मुदर बळाहक पाळग कामुक।

धाराधर पावस अभ्र जळधर,
परजन तडितवांन तोयद (पर)।—५३

सघण तनय (तू) स्यामघटा (सजि),
गजणरोर निवाणभर गजि।

### चपला नाम

विद्युति तडित वीज जळबाळा,
दामणि खिवण छटा दुतिमाळा।—५४

चचळा सपा ममर (व) चपळा,
आकाळकी वीजळा अकळा।

ऐरावती रादनी असनी,
कसविधु सी खणका ऋसनी।—५५

### देवता नाम

अदतीसुत क्रतभुज अमर,
नाकी देव अनिद्रा निरभर।

अदारक अनमिख त्रिदवेस,
दिवउखद दिवखद रिभु त्रिदस।—५६

अम्रतेस सुमनस असुरारि,
विवघ अपसरा, अग विहारी*।

सुपरवाण गिरवाण सुधाभुज,
अम्रताभख दिवाकैसा अज।—५७

### देवता जाति नाम

विद्याधर चारण रिख तुवर,
सध्या गुहिक पिसाचा अपसर।

किनर भ्रत गघरव जख राखस,
(जाति देव जपै नित विसन जस)।—५८

---

*अपसरा, अग-विहारी=अपसरा-विहारी, अग-विहारी।

### आदीत नाम

भाण दिनद हस भासंकर,
कस्यपसुत आंदीत अहसकर।
पदमणिपति सूरज प्रद्योतन,
विसक्रमा भगवांन विरोचन।—५९

क्रमसाखी रवि महिर दिवाकर,
पदमवध चकवध प्रभाकर।
तिगम प्रवीत मित्र रातवर,
वरळ पतग अचळ रानळ वर।—६०

सविता सूर अरक खग सीरख,
चित्रभाण पिंगळ हर जगचख।
मारतंड विवमान गयणमिण,
तरण तीखअस तिमरत तपघण।—६१

धव द्वादसआतम अगद्वार,
तपन पुखात्र इतन तिमरारं।
सप्रस प्रदोमन भासान,
विद्योतन तप तेज वितान।—६२

अरुण अरजमा अहिपति (एता),
विभावसू विखरतन सुवेता।
कजविकास सुमाळी दिनकर,
सोमघात अंगारक सरकर।—६३

सहसकिरण भगदसू दिनेसर,
जमा,सनी,अस्वनी, भव, ऋन, जम-।
तात* (यता रवि नाम वधे तिम)।—६४

रिख ग्रहपति सुऐंन निसारिप,
उष्णरस्म कक रखणआतप।
भकत चक्रधर (नाम) चत्रभुज,
हरिहसळ वतधात हितवारस।—६५

*जमातात, सनीतात, अस्वनीतात, भवतात, ऋनतात, जमतात।

### किरण नाम

किर प्रभा दुति जोति रस्म कर,
तेज-अवार-धाम अरितिमर।

असु मरीची विभा मयूखा,
दीपति भानू भा छबि (दखा)।—६६

सुचि रुचि वसू दीधती गो सित,
(नभ मिण दिन ससि निसा प्रकासित)।

### दिन नाम

दिवस दिवा दिव दीह अयन दिन,
वासर द्रू अहि (व्रथा भजन विन)।—६७

### सोभा नाम

श्री आभा भा दुति विव सुखमा,
राढा कळा विभूखा परमा।

कोमळता (रू) विभ्रमा काति,
सोभा रूप विमळ (सरसती)।—६८

### उजास नाम

भास प्रकास उजास तेज (भव),
तमरिप वरच उद्योत करज (तव)।

जगभासक आलोक उजाळो,
तरण ग्यान (माया तम टाळौ)।—६९

### उजल् नाम

अरजुण धवळ वलख सुचि उजळ,
सुभ्र स्वेत सित पुंडर सुकळ।

विसद हरण पडु अवदातं,
विसद (कीत हरि उचरि विख्यात)।—७०

### चद्रमा नाम

ससि ससक अगअक सुधाधर,
कळा मयक सकळक सुधाकर।

हितचकोर पदमणीपति ससिहर,
कुवधवधु श्रीबंधु छिपाकर।—७१

हिमहित चंद हिमस हिमकर,
विधु दविसुत यंदु रोहिणवर।
सीतअसु दुजराज निसाकर,
अखनिस सोम चंद्रमा चद्दर।—७२

ओखधीस उडपति अम्रतभव,
सुभ्रकिरण नखत्रेस सुधाश्रव।
वरपणजगत ग्लौ जगवदक,
छदनाच गुणरासि सुखाछक।—७३

सुभरासि पहसाच सुसीरं,
तनकळानिध विसदसरीरं।
उदैभौर अपघातम गुणयळ,
चकवाविरह विर्चविवभू चचळ।—७४

पानपखीण मलीण* पुहकर,
(सागरभरत रतना मिणश्रीकर)।

### नखत्र नाम

तारिक नछत्र ल्लग्रह तारा,
जोति रिखभ उड जोति सेयारा।—७५

### सताईस नखत्र नाम

अस्वनी भरणी क्रतका रोहिणि,
म्रगसिर आद्रा पुनरवसू (मुणि)।
पुख असलेखा मघा (पवत्रा),
पूख उत्रा हस्त (स) चित्रा।—७६

स्वांति विसाखा अनुरावा (सम),
जेष्टा मूळ पूरव उत्रा (जिम)।
श्रवण धनेष्टा सतभिख (सारं),
पूरवा उत्रा रेवती (मार)।—७७

* पानपखीण, मलीण=पानपखीण, पानपमलीण।

### नव ग्रह नाम

सूर सोम कुज वुध गुरु भ्रगसुत,
सनी(र) राह केतु (ग्रह विहसत)।

### बारै रासी नाम

मीन मेख व्रख मिथन करक(मुणी),
मिघ कन्यातुल व्रस्चक घन(सुणी)।—७८
मकर कुंभ (ऐ रासि लगन मत,
कडण रासि ग्रह पूजा दत ऋत)।

### निसा नाम

सोमप्रिया रजनी निस स्यामा,
तमी तामसी निसा त्रिजामा।—७९
रेणा जामणी जनया रात्री,
तमसा नोसीथणी तममात्री।
खिपा (रू) राति सरवरी खणदा,
विभावरी तमचारी प्रमदा।—८०

### अंधकार नाम

तिमर तमस अंधकार सतमस,
अध तमस तम धात अवतमस।

### स्याम नाम

स्याम धूम धूमर प्रभस्यांमळ,
असति नील मेचक किरठ अळि।—८१
क्रस्ण राम अल प्रभ (कहि) काळ,
अध तम (मेटि ग्यान उजवाळ)।

### दिवा नाम

(आणद)ज्योति सिखादसई(घण),
मेटणतम रिपपतग धवळमिण।—८२
दीप प्रदीप दसासुत दीपक,
नेहप्रीय सारग निसातक।

कजळग्र क दसाभव (कीजै,
दसा) करखधज (कजल दीजै) ।—८३

उत्यमउजाम तेजग्रह (ग्रोपण,
उर ग्रह नाम दीप ग्रारोपण) ।

गुरड़ नाम

गुरड़ सेस ग्रलमित्र खगेसर,
चपळवान धखपख भुयगचर ।—८४

विखहर इद्रजीत हरिवाहण,
सोव्रनतन सक्तीधर सुपरण ।
वैंनतेग्र ग्रीधळ वळवतं,
वजरतु ड तारक दि़ढवत ।—८५

ग्रहिरिप ग्रम्रतचरण ग्ररुणानुज,
पत्रीराज गिरराज कस्यपातमज ।
पूतग्रातमा गरतमान (पढि),
दुजपती सालमली (भक्ती दिढि) ।—८६

सुदरसण चक्र नाम

सारज वज्र चक्र सधारण,
ज्वाळामुख दभी खळ—जारण ।
सुदरसेण परवय विस्णतर,
कु ंडळीक दुतीतेज सहसकर ।—८७

वलभद्र नांम

वळभद्र कामपाळ नीलबर,
धरिप्रिय मधूमूग्रळी हळधर ।
रोहिणेय सकरखण राम,
सूर सितासित ग्रग्रजस्याम ।—८८

ग्रस्वान (कहय) मुगध ग्रनत,
विरहीवीर प्रलव वळवत्त ।
ताळलखण बळ सीरपाण (तत्त),
विघनप्राण वळदेव सातवत ।—८९

रवण - जमा - भेदण मधुरगी,
भ्रातविजेसर अमरअभर्गी।

### वरण नाम

जळपति मछपति वरण परजन,
जळकतार पिसाचागजन।—६०

पकजग्रह प्राचोप प्रचेता,
(नीर समीप पास भ्रत नेता)।

### धनेस नाम

धनद कुबेर निघेस धनाधिप,
राजराज जखराज उचारिप।—६१

जेखाधीस जखराट, जजेस्वर,
सक्रकोस धिक्ष ग्रहकेस्वर।

श्रीद रमाद वसू दसतोदर,
कविलासी सिवसखा रतनकर।—६२

मिवभंडारी गुहरु वैश्रवण,
हर प्रि किनरेस नरवाहण।

अळकापुरीपती पतिउत्तर,
सुभ्रम त्रिसर जख कि पुरिखेसर।—६३

पिसाचकी पौलस्त एलविल,
मनखाभ्रम जखचेर (नाम यळ)।

### अष्ट सिद्धि नाम

अणमा महमा गिरमा ईसति,
प्राकाम (रू) लघुमा वसि प्रापति।—६४

### नव निध नाम

मकर नील खूव सख मुकद,
कछप पदम महापदम कुंद।

### द्रव नाम

माया आयतेय ग्रहमडण,
राद्रव विभव वसू मनरजण।—६५

रैवस संपति मा अरथ रिध,
नूतनसुख धन गरथ द्रवख निध।

सार निधान हिरण द्रव सेवध,
जळ कसवर द्यूमन खजाना।

(विद्या मान दांन जस वाना)।—६६

### मोती नाम

सुक्ताहळ मुक्ताफळ मोती,
गुळका दधि जळज ससिगोती।

धीरठभख मुक्ता मुक्तज (धरि),
सुक्त(वळे)आथिकुभ रखत प्रखत(विध)।–६७

### अगनी नाम

गरथव्रत आहुतन ... ... .. ,
मारुतसखा क्रसान तमोघन।

जातवेद जागवी जागतौ,
रोहिताम सयना रुचिरातौ।—६८

अपति धूमधज व्रहदभाण (उर),
आमआस उदरच द्रव अतर।

वीतहोत (कहि) अरुचिख महवर,
घोर समीग्रव कुळमड (धर)।—६६

### स्यामी कारतिक नाम

खटमाता सेनांनी खटमुख,
स्यांम महासेन द्वादसचख।

रुद्रातमज विसाख मोररथ,
क्रतका गगा, उमा नद* (कथ)।—१००

दिहक छखदेव भूरख गुह (दखौ),
प्रकवाहण व्रमचार (परेखौ)।

तारकार क्रेनार सकतीभू,
(आग्वनरां) सुरअगभू अगभू।—१०१

* गगा, उमा नद=गगानंद, उमानद।

बहुळातमज बहुलकौचिरित,
(भाखि) सक देसाखकुल दुहुभ्रत।
स्यामकारितिक महतिजसुर,
वरहीवाह विसाख (देण वर)।—१०२

### मोर नाम

सिखी सिखावळी सिहड सिखडी,
मोर मयूर कळान्नतमडी।
नीलकंठ नीरद नादानुळ,
खग दुति सारंग कु भ व्याळखळ।—१०३

विरही वरहण घणमु ठ (व्यापी),
केकी तुकळा पग कळापी।
रथकुमार प्रकवि खकर (चाया),
विविधेसुर खग (नाम वताया)।—१०४

### हस नाम

मानसूक धीरठ मुक्ताचर,
हस मराळ चक्रग जळहर।
उग्रगती लीलंग अवदात,
विमळरूप कळहस (विख्यात)।—१०५

### मूसा नाम

आखू खणक सूचीमुख ऊंदर,
वजरदत मुख्य यतिदेवर।

### बुधी नाम

धी बुद्धी मेधा मति धिखणा,
अकल प्रागना मनखा (अखणा)।—१०६

आसय समभि चातुरी (आणौ,
विवुध करी हरि कीत वखाणौ)।

### जमराज नाम

काळ डंडभ्रत सुमन क्रतत,
अंतक जमनभ्रात जम अत।—१०७

प्राणहरण सीरण क्रमपासी,
धरमराज जमराज विधासी।
साधदेव कीनास भाणसुत,
जमहर सुमन प्रतिपति गजत।—१०८

ग्रखभधुजी म्रतकर समव्रत्री,
प्रेतराट सजमनी पत्री।

**दैत नाम**

देवानुज दइत्यद्र ग्रदेव,
दाणव सुररिप पूरवदेव।—१०६

दतीसुत ग्रसुर सुक्रासिख (दखौ),
मेछ जवन सुरध्रमरिम (ग्रखौ)।

**राकस नाम**

नईति राकस ग्रसुर निसाचर,
तमचर जातधान उच्चातुर।—११०

**रांमण नाम**

कटक दैतपति दहकधर,
सुरध्रोही रामण लकेसुर।
सीताहरण दससीस पौलसित,
ग्रहाग्रहण त्रिकराचळयितगति।—१११

**मेरगिर नाम**

गिरपति मेर सुमेरगिर,
गिरद सुथानक ग्रचळ कनकगिर।
पचरूपी कनकाचळ (पावा),
रतनसान सुरगिर गिरराका।—११२

**ग्राकास नाम**

ग्राभ ग्रनत ग्रतरिख ग्रबर,
पवनधिस्ण सुर, घणपथ* पुहकर।

* सुर, घणपथ=सुरपथ, घणपथ।

व्यद विसनपद ख नभ वोम,
गिगन गयरा मडराछत्र गोम।—११३

अरस अकास गैरा असमान,
विहग परीगम* ससि, विवसानु।

खट भाखा नाम

(वाणीमानव)मागधनागर(विलासा,
भेद) ससक्रत (निरक्षर-भासा।—११४

विद्या) प्राकृत (मानव वाणी),
अपभ्र सी (पखी उर आणी।
दैता भाख) हुसैनी (दखी,
राकस वाणी) पिसाची (रखी)।—११५

(अहि सुर नर मुर वाणी उक्ती,
सिस जीवन व्रह्मा सरसती।
वेद हरित दिग मूढत वाणी,
यू सुर भाख व्रम मुख आणी)।—११६

च्यार पदारथ नाम

धरम अरथ (सुभ)काम मोक्ष(व्रत,
साधी च्यार पदारथ सुक्रत)।

धरती नाम

वसुधा विसव वसुमता विपळा,
उरबी यळा अनता अचळा।—११७

जमी रतनगरभा छित जगती,
रेणा रसा धरा धर धरती।
समदमेखळा रजत श्रोणी,
क्षिमा प्रिथी भूमि भू म्ही क्षोणी।—११८

धात्री गऊ रसवती धरणी,
हेळा सरवस मनहरणी।

* परीगम, ससि, विवसानु=परीगम, मग ववस

थिरा कुंभनी विसभरा थित,
खोणि खेत गह्वरी वसुह खित।—११९

वसुधरा वसुमती कु वामा,
सागरनेमी श्रीदत स्यांमा।

महि गोत्रा पहि मही मेदनी,
अमळा अकळ कुमारी अवनी।—१२०

गिरद नाम

ग्राव गिरद अनड नगा गिरवर,
गोत्र पहाड अद्री गिर डूंगर।

धर सिलोचय अचळ धराधर,
भूधर मरुत दरीभ्रत भाखर।—१२१

सिखरी सानमान अग्र श्रगी,
परवत कूट त्रिकूट उपलगी।

अस्टकुळी पर्व्वं आहारज,
धातहेत द्रुमपाळ तुंगधज।—१२२

वन नाम

कतारक अटवी भख कानन,
विपुन दुरग खंड अरण्य गहन वन।

कखवा रिखतर मधूप्रकासी,
(विंद्रावन धिन रासि-विलासी)।—१२३

व्रख नाम

व्रख सिखरी फळग्राही तरवर,
घणपत्र अदभुज निनग खगाधर।

साखी कुसमद फळद महीसुत,
द्रुम खितरूह पत्री तर दरखत।—१२४

कूंठ फळी अध्रप कारसकर,
विटप रूख अद्र व्रस्टर।

निंद्यावरत सुझाड़ (अनोखह),
सुवरण कराळक पतीवसंतह।—१२५

### फूल नाम

सुमना सुमन कल्हार सुगधक,
सून प्रसून कुसम सुम संधक।
प्रसव- फूल फळपति पुस्पावळि,
उदगमनरम रक्त हलकावळि।—१२६

लताअंत मणी वक (लेखौ),
पूफ धनुवासर तरभत्र (पेखौ)।

### भमर नाम

चचरीक खटपद सौरभचर,
कुसमळप्रिय झकारी मधुकर।—१२७

मधुग्राहक मधुवरत सिलीमुख,
सारग मधुप दुरेफ गधसुख।
अलिअळ कळाप यदुदर,
भ्रग रोळव अलीहर भमर।—१२८

### मरकट नाम

साखाम्रग मरकट साखीचर,
वनर, कीस हरि कपी वनचर।
मो लगूळ पलवग पलवगम,
पलवग ऊक वलीमुख प्रीडुम।—१२६

### पीपल् नाम

दतीत्रख वोधीव्रख चळदळ,
श्रीव्रख सुव्रख असीव्रख पीपळ।

### वड़ नाम

वट निग्रोध रतफळ साखीव्रख,
वैश्रवणाय जटी सूवड रिख।—१३०

### वस नाम

जवफळ वेण वस त्रिणधज (जिण),
तुचीसार मसकर तप्तरवण।

### चंदण नाम

सुरभी सीतळरूंख मुगधक,
रोहिणीद्रुम चदण अहि········ क।
व्याळपाळ श्रीखड रूपवन,
मळयातर उत्यमतर अहिमन।—१३१

सौरभमूळ सुनग गघसार,
वाससुद्रुम मलयुजविसतार।

### केसर नाम

कुंकम केसर मगळकरणी,
वह्निसिख दीपन गुडवरणी।—१३२

देववल्लभा लोहितचदण,
पीतन रकत संकोचप्रसण (पुण)।
घरकाळेयर बाहलीक (धरी),
कसमीरज(हरि सेवत तिलक करि)।—१३३

### हरड़ै नाम

अभया जया सिवा अमरतका,
कायस्था चेतकी काळका।
प्रयथा हिमजा पथ्या प्रेयसी,
सरवारी पूतना श्रेयसी।—१३४

मुरभी (राम) तुरजका (सुखदा,
पढि) हरड़ै जीवती प्रांणदा।
स्यामा हेमवती सकरणी,
हरीतकी (काया गदहरणी)।—१३५

• •

# डिंगल-कोष

कविराजा मुरारीदान विरचित

## सक्षेपतो शब्द निर्णय.

### दोहा

रूढ'र जोगिक मिसर रा, नामा रो कर नेम,
सुकव रचूं इण कोस मैं, प्रणमि सारदा प्रेम ।—१
वर्ण नही जिण सबद री, व्युतपति रु वखाण,
रूढ़ नाम तिण रो कहो, आखडळ ज्यू आण ।—२

### अथ दोहा-सोरठा का लक्षण

### सोरठा

दोहा तुक दूजीह, सो पहली धरण सुकव,
परगट तुक पहलीह, इण रै आगै-आणणी ।—३
आगै चौथी आण, इण आगळ तीजी अखो,
जिका सोरठा जाण, नागराज रो मत नरख ।—४

### सोरठा का उदाहरण

जोगिक अनवय जाण, सो क्रिय गुण सवध सू,
वेखो एह वखाण, कहै पूर्व सवध कवी ।—५
क्रिया स्रजादिक आण, गुण सुनीलकठादि गण,
सो सवध सुजाण, स्वामी सेवक आदि सव ।—६
जोवो नाम जमीन, पत आदिक आगै पढो,
पाल रु मान प्रवीन, धण नेता इण आदि धर ।—७
जन्यागळ इम जाण, करता जनक विधात कर,
वळे जनक वाखाण, जै भव जोनी जाणजै ।—८

### दोहा

विश्वक करता विश्वकर, विश्व मधात विख्यात,
विश्व जनक इम नाम वद, ऐ कारण रा आत ।—९
आतम जोनी आतमज, आतम भव इम आण,
आतम सूती आत्म सू, जनक नाम सू जाण ।—१०

### सोरठा

जळ वाचक जो नाम, सो पहली धरणा सुकव,
केवल धीरो काम, याद राख करणु अठै ।—११

वेखो मवद वळेह, धुर केवल वडवा धरो,
अगनी अगवाणेह, व्है जो नाम हुतास रा ।-१२
भूपांदिका भणत, सुकव सूणू इण कोस मैं,
पलट दुनाम पढत, रिघू सरव इण रीत सू ।-१३
पढ्यो जाय पलटाण, सवद जिको इण मैं सदा,
जिण नू जोगिक जाण, कह इण रीत मुरार कवि ।-१४
सवद सिमर इम सोध, जोवण मैं जोगिक जिसो
वणै न जिण रो वोध, गीरवाण जिसडो गिणू ।-१५
कवि रूढी हि कहत, मिसर रूढ़ जोगिक मही,
मन मतै न मुणत, कहियो ज्यू पूरव कव्या ।-१६

### गणेश नाम

गवरीनद गणेश गणपत गजआनन गणप,
(ऊडो अरथ असेस आपो उकति नवीन अव) ।—१७
गजानंद गणराज लम्वोदर वालीसुतन,
(मेटण विघन समाज) उमाकवर गणवै (अवै) ।—१८
मूसावहण (माण दाख) विनायक इकरदन,
(जेम) हुडवी (जाण) परसीतस हेरव (पढ) ।।—१९

### सरस्वती नाम

ब्रहमसुता वाणी (ह) वरदायणी वागेसुरी,
(गूढन करणाणीह चीताणी मैं मूढ चित) ।—२०
हसवाहणी (होय) गिरा वाकवाणी (गवै).
सुरसत सारद (सोय) वेधाघी भारति (वणै) ।—२१
(विसनू ब्रहम बळेह, महादेव महमाय रा,
इद चद रवि एह, अतन आग देवा तणा ।—२२
परथी राजा पेख, वळे समद तरवार रा,
अस हाथी अवरेख, नाम रीत इण नरखणा ।—२३
जो-जो जिण-जिण जाग ऊपर लखिया नाम जो,
वेखो करे विभाग, धरणा था राखे धरम ।—२४
जुवा-जुवा जपताह, तो नह टावर समजता,
रिघू यहा राख्या ह; इण कारण थी एखठा) ।।—२५

## अथ संक्षेपतो गीत लक्षणानि

### दोहा

परथम दोहा तुक पहल, अठ्ढारह कळ आण ,
तुक दूजी पनरा तणी, जुग अठ तीजी जाण ।—२६

### सोरठा

चौथी झड चवुदाह, जोडण वाळा जाणज्यो ,
निसचै माई नाह, इण दोहा मैं ईहगा ।—२७
परथम तुक सोळा पढो, मुहरा चवुदा मेळ ,
दोहा दूजा री दुग्म, इण ही रीत उजेळ ।—२८
चौथा तीजा पाचवा, दोहा मैं इण दाय ,
पहली तीजी झड प्रगट, सोळह मत्त सुणाय ।—२६
दूजी चोथी झड दुरस, दस चो पनरै दाख ,
तीजा दोहा री दुतुक, ऐण रीत सू आख ।—३०
चौथा दोहा री चवा, साकळ दू चं सोध ,
तेहर-तेरह कळ तुलै, वोलै ऐम प्रवोध ।—३१
पचम दोहा कळ प्रगट, दसचवु दूजी दाख ,
चोथी झड तेरह चवो रीत ऐरसी राख ।—३२
कहु गुर मोहरा लघु कहू, आणै नेम न ओर,
जपै कव इण रीत जो, सो छोटो साणोर ।—३३

### गीता छोटा साणोर

#### महादेव नाम

गरजापत महादेव गगाधर भव हर सिव जोगी भूतेस ,
भाळचद्र सकर भूतेसर मनमथहरण रुद्र महेस ।—३४
मु डमाळ इकलिंग कमाळी पचानन कैळासपती ,
जटधर ईस व्रखभध्रुज सभू ससमाथै वरवीसहती ।—३५
भगअहारी जटी भूतपत त्रिचख गौरपती त्रपुरार ,
पनगहार सघराव पानकी धूरजटी ईसर बखधार ।—३६
वाणपती काशीरावासी व्रहम सूळहथ ईसवर ,
भोळानाथ कपाळी भैरव जोगिंद धूजट जहरजर ।—३७

ब्रह्मसुतन गहीर डगवर दाळदहरण दताळद्रप,
भूतनाथ भगवतीभरता नीळकठ कैळासन्नप ।।—३८

### दोहा

अड्ढारह कळ आद तुक, दूजी पनरह देख,
तीजी तुक सोळा तणी, पनरह चौथी पेख ।—३९

दोहा दूजा सू डुरस, सहक्रम जाण सु जाण,
सोळह पनरह कळस कळ, एम बेलियो आण ।—४०

मुहरावाळी तुक मह, मुहरा माहि मुणन्त,
वर्णं गीत इम वेलियो, आद गुरू लघु अन्त ।—४१

## गीत वेलियो

### विष्णु नाम

अवधेसर विसन प्रभू व्रजनायक केसव हरि परभू करतार,
पूरणब्रहम गदाधर श्रीपत मधुसूदन रघुवीर मुरार ।—४२

लखमीवर साथी गोपाळक भगवत गिरधारी भगवाण,
सारगधरण विसभर ईसर लोयणकमळ किसन कलियाण ।—४३

त्रिभुवणनाथ त्रिलोकीतारण राधावर भूधर रघुराज,
अलख अजोणीनाथ ईसवर सदगतनाथ निरजन (साज) ।—४४

पीतावर श्रीरग रमापत नारायण गोपीवर नाथ,
बासुदेव दामोदर बीठळ परमेसर मत्रीपाराथ ।—४५

अवधईस महमहण नारियण दीनानाथ कसन जगदीस,
गोपीनाथ गरडधज गामी आदपुरख कान्हू सुरईस ।—४६

सीतानाथ लाछवर सावळ रघुवर जगनायक बळवीर,
चक्रधरण जगनाथ सुचेतन राघो भगतवछल रणधीर ।।—४७

### दोहा

धुर अड्ढारह कळ धरो, सम पर चउदह सोय,
विखम सरव सोळह वर्णं, जिको सोहणू जोय ।—४८

मोहरारी झड माहिनैं, अवस लघू गुर आण,
नेम सोहणैं इम निपट, बीदग करैं बखाण ।—४९

## गीत सोहणो

### पारवती नाम

जोगण महमाय सिवा जगदवा सगत अद्रजा गोर सती,
आठाभुजा ईसरो अवा सकरघरणी वीसहती ।—५०

रुद्राणी लंबोदरआई भगवती भैरवी भवा,
गवरी उमा चडका गौरी सिहवाहणी वाहसवा ।—५१

जोगमाय गिरजा जगजणणी बाघवाहणी पारवती,
ककाळी काळी महकाळी हरा भावनी सूळहती ।—५२

देवी खडगधारणी दुरगा माहेसुरी सकरी (मुणा,
मु भनिसु भभाजणी सगती (गीता) अवक (नाव गुणा) ॥—५३

### दोहा

कळा पहल दस आठ कर, जुग दस दूजी जोय,
सोळह वाहर तुक सरव, दखा मेळ गुर दोय ।—५४

इण दोहा मैं त्रप अवस, राखी जो यह रीत,
सो छोटा साणोर रो, गणै जागडो गीत ।—५५

## गीत जागडो साणोर

### पृथ्वी नाम

धरती धर चास यळा खत धरणी गोरभ अचळा गोमी,
वसू गोम प्रथमी वाराही भोम सुचाळी भोमी ।—५६

अळ भूमड मेदनी अवनी भूयण रैण भडारी,
रतनागरभ रेणका रेणा धरण मही धूतारी ।—५७

वसु धरा पुहमी पुह वसुधा छित तू गी खित छोणी,
रसा भरतरी सु दर मूळा हिरणनैण बधहोणी ।—५८

प्रथी खाख पुहवी भू पोमी सथर अचळ सोलाळी,
रणमडा भूगोळ दरदरी जमी कसपरजवाळी ॥—५९

### दोहा

प्रथम कळा नव दूण पढ, दूजी तेरह दाख,
सोळह तेरह तुक सरव, अत दोय लघु आख ।—६०

भेटिरी तुक भाणवा, उभै लघू आणोर,
रखै नेम इण रीत रो, सोहि खुडद साणोर ।—६१

## गीत खुडद - साणोर

### तरवार नाम

खाडहळ खाग दुधारो खाडो खडग त्रिजड ऐराक खग,
जडळग धूप असम्मर भुजळग करम्माळ बाणास क्रग ।—६२
तेग रूक धाराळा तेगो बाढाळी सारग विजड़,
बीजूजळ पाधर असि वीजळ सार दुजड करमर सुजड ।—६३
हैजम डोढहती चद्रहासा केवाण (र) पाती करद,
धजवड करमचडी धारूजळ सत्राटाकरणीसरद ।—६४
वाक जनेव प्रहास (वखाणू) पाडीस (र) नाराज (पढ),
मूठाळी समसेर भुठाणी किरमाळ (र इम) वाढकढ ।।—६५

### दोहा

धुरपद कळ तेवीस धर, दुतिय अढारह देख,
बीस कळा तीजी वणै, बळे अठारा वेख ।—६६
विखम वीस कळ तुक वणै, अड्ढारह सम आण
मोहरै गुरु लघु नेम कर, वड माणोर वखाण ।—६७

## गीत वडो साणोर

### राजा नाम

नरानाथ नरपाळ भोपाळ महपत न्रपत भूपती धरपती यळापति भूप,
प्रथीपत छत्रधर नरेसुर महीपत अवपती रसापत तेजआनूप ।—६८
महीरानाथ छत्रधार राजा महिप गढपती वेसपत पाळदुजगाय,
राण दैसोत नरनाह राजानिया राजइद नरांइद महीइद राय ।—६९
धराराथभ भूपत छतरधारण पोहमीईस यळधीस प्रजपाल,
नरप न्रप राज भोगणजमी नरेस (ह) महीवर सुपह यळनाथ महपाळ ।—७०
ईसवरनरा भूपग अधिप यळाइद नाहदुनियाणरा छतप अवनीस,
रजवळी रोरहर प्रथीरापुरदर राजसुर नरानायक धराधीस ।।—७१

### दोहा

कला प्रथम तेवीस कर, दूजी सतरा दाख,
इण ही झड रै अन्त गुरु, रीत मेळ री राख ।—७२

वीस कळा सतरा वळे सरब गीत इण सोय,
भेद वडा सारणोर भव, हद परिहास जु होय।—७३

## गीत प्रहास

### हाथी नाम

दुपी गैंद गजराज सूंडाळ दती दुरद मदाझर फीळ पैनाग मसती,
गैंवरा व्याळ सामज मतंग मैंगळा सूंडधर करी गैं नाग हसती।—७४

वड्जावाह् दताळ कुंजर वयड हम्त सारंग गज गयद हाती,
पदम्मी तंवेरण करिंद वारणपती दताहळ मढ, अग, भद्र, जाती*।—७५

अरापत अनेकप सिंधुर रेवाउतन वनकजळऊपना दतवाळा,
सूंडंड वितुंड वारण कळभ भूंडहळ कर हरी मदाळा कुंभि काळा।—७६

करेणपती दुरदाळ पीलू (कहा) अनळपखचार छछाळ (आखा,
गीत परिहास सारणोर डण रीत ग्रह भेव सारणोर वड दोय भाखा)।।—७७

### दोहा

अखर अठारै आद तुक, बीजी चवुदह वेख,
विखम अखर सोळह वळे, सम चवुदह सपेख।—७८

मेळ तणी झड माहिनैं, गुरु लघु अन्त गिणाय,
पैंखो गीत सुपखरो, वीदग ऐम वणाय।—७९

## गीत सुपखरो

### घोडा नाम

वाजी तोखार तुराट तुरी ऐराक वेंडूर वाह् वेंडाक केसरी हरी काछी खेंग वाज,
होत्रास अहास घांटी वडगी निहग हस वाजिद तारखी प्रोथी घोडो वाजराज।—८०

उडड चामरी ताजी हैराव सारग अस्व भिडज्जा काठियावाड हीसी बाह्भाण,
पमगाण हैजमा हैवरा लच्छीवाळापूत कुंडी हयाराज तुरा घुडल्ला केकाण।—८१

अलल्ला वितडा हया सपत्तासवाळाअसी रेवता साकुरा अस्सा जगमा तुरग,
क्रमणका पमगा हैवरा सिंहविक्रमांका चचळा तुरग्गा घजाराज है सुचग्र।—८२

मासासी पकल्ल देव सिंधुजात वासू मुणा वगळी जगळी रूमी अरब्बी कवोज,
(जोवो पांच दोय नाव खेत सूं उपाया जिके नामी पात तुरीनाम वखाणै हनोज)।।—८३

---

* मढ, अग, भद्र, जाती=मढजाती, अगजाती, भद्रजाती।

### दोहा

धुर मात्रा तेवीस धर, बाकी बीस वखाण,
मुहरा सम च्यारू मिळै, सावझड़ो सुभियाण ।—८४

### गीत वडो साणोर सावझड़ो
### सूर्य नाम

हरा बिंब करनाळ आदीत पंकजहती पतंग डुडियंद दनइस रानापती,
तरण भरळाटतन मेटतंवरतती रवी कासवसुतन सूर (चढती रती) ।—८५

घीर महचक्र रवि हंस घरधूपरा (उगणा) दिवाकर (मेर गर ऊपरा),
प्रभाकर विरोचन अरक बहुरूपरा भाण गगनापती प्रकासतभूपरा ।—८६

करण, जमना, जनक* दीत सूरज कपी पीथ मणगयण जगदीप दनकर पपी,
तपण दनमण किरण सपतसपती तपी अरुण खग वयळ जम जनक वनकर अपी ।—८७

छतरपत वरसरथ मित्र मेटणछपा अरीअंधार जनगैण चोरणअपा,
तिगमअंस विभाकर(जगत राखण क्रपा)करमसाखी प्रभू(करण भगता क्रपा)।—८८

### पुन सूर्य नाम

भासकर दुनियण भण जगसाखी (घणजाण),
मितश्रवता ग्रहपत (मुणा) मारतंड अप्रमाण ।—८९

वौमतलक गग्गनवटी वेदउदय ब्रहमाण,
पदमनाभ तापण (पढो आखो) धुजअसमाण ।—९०

तेजपुंज (अर) विकरतन लोकवधु लखवान,
(कह) रातंवर सहसकर भासवान भगवान ।—९१

### दोहा

कळा अंक दूणी कर'र, आद विखम झड आण,
सोळह सोळह तुक सकळ, मुहरा च्यार मिलाण ।—९२

सीखो बाचा जो सुकव, धारो एम घडोह,
सो छोटा साणोररो, जाणू सावझड़ोह ।—९३

### गीत सावझड़ो
### चंद्र नाम

रजनीपत चंद छपाकर राजा विधू भपत अगअंक (विराजा),
सेतकर दुजपत सस साजा सोम चंदमा नखतसमाजा ।—९४

---

* करण, जमना, जनक=करणजनक, जमनाजनक ।

सेतवाह सोळहकळस्वामी नेमी सुधाधरण ससि (नामी),
जगनराय दधसुत बुधजामी गोधर रातरतन नभगामी ।—९५

पतउड इद ससीहर पीतू हिमकर तपस कमोदरणहीतू,
जरण सेतदुत रोहण (जीतू) आतालछी कमळतन भीतू ।—९६

राजाराज रयणपत राका पतओखद सद एणपताका,
छायावाळ (अमी रस छाका) निसकर मयक विधातनताका ।।—९७

दोहा

सरब भेद साणोर री, गखी सोही रीत,
तवा दुवाळा तीनरो, गणू पखाळो गीत ।—९८

गीत पंखालो

समुद्र नाम

सायर महराण स्रोतपत सागर दध रतनागर महण दधी,
समद पयोधर वारध सिधू नदीईसवर वानरधी ।—९९

सर दरियाव पयोनध समदर लखमीतात जळध लवणोद,
हीलोहळ जळपती वारहर पारावार उदध पायोद ।—१००

सरतअधीस मगरघर सरवर अरणव महाकच्छ अकुपार,
कळग्रछपता पयध मकराकर (भाखा फिर) सफरीभडार ।।—१०१

दोहा

अरथ सावझड़ में अवस, मुहरा ह्वै सम मेळ,
पहली जो मात्रा* पढी, वैही अठै उजेळ ।—१०२

गीत अर्द्ध सावझडो

अग्नि नाम

जोनक्रपीट छागरथ ज्वाला मंगळ आग अगन झळमाळा,
जातवेध आतस झळजीहा अगनी सुक्र पवनघरणईहा ।—१०३

परळैकरण धुवाधुज पावक वडवाअगन खडीवनखावक,
घासदेव वन्ही वैसदर हिरणरेत सम्हा वितिहोतर ।—१०४

* १८, १६, १६

वायूसखा दहरण हवबाहरण हुतभुक अनळ हुतास हुतासरण,
वहुल चित्रभानू हवि वरही हुतवह समीगरभ तमहर (ही) ।—१०५

वीरोचन सुचि रोहितवाहा सुसमा सखौ जळरण पतस्वाहा,
विभावसू (रु) कसानु (वखारणू) आस्रयआस घनजै (आरणूं) ।।—१०६

दोहा

आद अढारह तुक अखो, सोळह सब सपेख,
पहल दुवै चोथे पदै, दुरस मोहरा देख ।—१०७

तुका मिळै नह तीसरी, मोहरा सू इरण माय,
रूपग जो इरण रीत सू, सो झडलुपत सुहाय ।—१०८

गीत झडलुप्त

इंद्र नाम

देवापत सक्र सुरेस पुरदर अरजनपता बड़जा अदर,
ऊचीश्रवावाह आखडळ मघवा इद सुरगपत मदर ।—१०९

माघवान जभासुरमाररण धन्वा उग्रवज्रराधाररण,
वासव पाकरिपू वळवैरी वाहरणमेह चढरणमितबाररण ।—११०

नैरणहजार निरजरानायक देवसची - अपछर - सुखदायक,
परबतअरी नाहदिसपूरव सुनासीर सूरियद (सुहायक) ।—१११

अरीपुलोम अम्मराईसर देवाराज धारधर (दीसर),
जनकजयत जामनेमी जय सुरप (रोसधर) ब्रत्रअरी (सर) ।।—११२

दोहा

मात अठारा प्रथम तुक, आगै सोळह आरण,
सोळह सोळह तुक सकळ, मीत त्रबंकडै गरण ।—११३

गीत त्रबकडो

ब्रह्मा नाम

वेदोधर कमळसुतन बिध विधना अज चतुरानन जगतउपाता,
सतानद कमळासन सभू ध्रुव लोकेस पतामह धाता ।—११४

परजापत ब्रहमरण पुरारणग ब्रहमा ब्रहम वेह कवि बेधा,
सनत हमवाहरण सुरजेठो मुखचवु आठद्रगन वडमेधा ।—११५

सुरसतजनक स्वयभू सतध्रत बेदगरभ अठश्रवण विधाता,
आतमभू सावत्रीईसर नाभीसभव कमन सुहाता।—११६

सत्यलोक गायत्री ईस क वेघस लोकपता (विख्याता),
हिरणगरभ विरची द्रूहिण द्रुघण विश्वरेतस (वरदाता)॥—११७

### दोहा

आद कळा दसआठ री, तेरह मुहरा तोल,
रगण इणीमं राखजे, मोळह विसम सुबोल।—११८

रिखू नाम इण गीतरो, सीहचलो सपेख,
उदाहरण माहें श्रवस, दल नसचै कर देख।—११६

## गीत सिंहचलो

### देवता नाम

देवत गिरवाण सुधाभुज (दाखा) दाणववैरी देवता,
विवुध (वळे आखो) व्रंदारक सुरगी पुरियदसेवता।—१२०

निरजर कामरूप सुर नाकी अमर पूज (जग आखजे),
चरहीमुख अभ्रतास विमाणग देव चिरायुस (दाखजे)।—१२१

स्वाहाग्रसण मरुत अदतीसुत वाससुमेर (वखाणजे),
सुपरवाण ऋतुभखण अस्त्रपन अनमिख समनस (आणजे)।—१२२

(आखो) लेख रिभू दिवओकस त्रिदस नलंप (तवाजजे,
रूड़ो देव नाम रो रूपग कवि निस दीह कहीजजे)॥—१२३

### दोहा

पहल अठारा कळ पढो, दाख बळे खटदूण,
सोळह बारह तुक सकळ, राखीजै इण रूण।—१२४

मेळ पहल चोथी मिळै, मुहरा दु तिय मिलत,
अधक गीत सालूर इम, गुणियण नाम गिणत)।—१२५

## गीत सालूर

### कामदेव नाम

धानर्काफूल पचसरधारी नाथपूत रतिनायक,
सवरारि श्रीसुत सुमसायक अतन मच्छअसवारी।—१२६

दरपक कामदेव हरदोखी अगज मार अनगी,
अनिरुधपता मनोज अढगी अबळासेन (अनोखी)।—१२७
मधूसारथी आतम जोणी काम मदन झककेतू,
(है) प्रदुमन कद्रप मधुहेतू (सुरग गीत सब छोणी)।—१२८
कमन वळे सरणगारज (कहणू) मनमथ मैंण (मुणीजै),
सुमनसधुज मक्रकेत (सुणीजै) रागरज्जु (मनहरणू)॥—१२९

दोहा

पहली गण खटकळSSS०पढो, च्यार बखत कळच्यारऽऽ०,
मुणू बळे दुव मातरा, पुण चव तुका सुप्यार।—१३०
चवो उलाळा छदरी, दुरस अन्त तुक दोय,
अट्ठावी मात्रा अवस, इम क्रम छप्पय होय।—१३१

छप्पय

यमराज नाम

धरमराज जज्राट काळ जमराण महिखधुज,
मारतडसुत जज्र हरी अतक जमुनानुज।
सजमनीपत प्रेतपती जम विस्वकसहर,
धूमोरण दवखण (प* बळे) जमराज दडधर।
कीनास पितरपति अतकर समवरती (रु) क्रतान्त (सह,
बावीस नाम सुकव्या सुणू जेम) मीच (जम नाम कह)॥—१३२

दोहा

धुग खट कळ दुव दोय धर, लघू एक कळ दाय,
कळ खट दो कळ गुरु कहो, हिक लघु दोहा होय।—१३३

दोहा

लक्ष्मी नाम

छीरोदधजा लाछ लछ दधसुतनी पदमा (ह),
रमा ई आ नारायणी लखमी मा कमळा (ह)॥—१३४

कुबेर नाम

नरवाहण जच्छप धनद अलकापत धनईस,
श्रीद सितोदर तीनसिर नरधरमा रनधीस।—१३५

---

* धूमोरणप, दवखणप

कुह वैसरवण रतनकर किंपुरुसेस कुवेर,
उत्तरदिकपति ईससख (घर कैलास सु घेर) ।।—१३६

स्वर्ग नाम

ऊरधलोक (र) पुरअमर सरग नाक सुरलोक,
देवलोक सुरथान दिव इदलोक सुरश्रोक ।।—१३७

किरण नाम

रसमी सुचि असू किरण जोती गो दुति (जाण),
वसु प्रभा दीपति विभा भा मरीचि छवि (भाण) ।।—१३८

धूप-४, चन्द्रिका-३ नाम

तावडो (सु) परकास (तिम) आतप ताव (अखंड),
चद्रापत (अर) चादणी हिमप्रकास (व्रहमड) ।।—१३९

गरुड़ नाम

गुरड राजपत्री गरड़ वैनतेय विहगेस,
सरपअरी विनतासुतन खगराजा (र) खगेस ।—१४०
खगपत विखहा पखपत वज्रतुंड हरिबाह,
सुपरण अहिभुक कासपी तारख उनतीनाह ।।—१४१

दैत्य नाम

दैत असुर दाणव दनुज इन्दअरी सुर (एव),
सरवधू (अर) सुक्रसिस दतिसुत पूरवदेव ।।—१४२

राक्षस नाम

सभावळ दाणू असुर निकसासुत नसचार,
राकस कोणप रात्रिवळ करबुर नरखयकार ।।—१४३

वरुण नाम

जळपत संव्रत पुरजन अरणव मदिर (आख),
परचेतस जादसपती (वळे) वरुण (अव भाख) ।।—१४४

यक्ष-४, किन्नर-४ नाम

जक्ष पुण्यजन (फेर) जख वडवासी (विख्यात),
किन्नर मयु (अर) किंपुरुख तुरगवदन (कहतात) ।।—१४५

### द्रव्य-८, सामान्यनिधि-५ नाम

विभव वित्त द्रव सार वसु हेम अरथ धण (होय),
नधी कुनाभि निधान नध जवर सेवधी (जोय) ।।—१४६

### नवनिधि नाम

महापदम चरचा मकर पदम कुंद (पहचाण),
कच्छप सख मुकद (कह) नीला (नवनिधि जाण) ।।—१४७

### अष्ट सिद्धि नाम

अणिमा लघिमा ईसिता प्रापति वसति प्रकाम,
(यत्र काम) अवसायिता ईसरता (अठ नाम) ।।—१४८

### स्वामी कार्तिक नाम

गगा, क्रतिका, गोरि, सुत* सेनानी शिखिवाह,
महासेन खटमुख (वळे) गुह (अरु) तारकगाह ।।—१४९

### आकास नाम

गैण वोम अवर गगन आसमान आयास,
अतरीक गैणाग (अर) आभ अभ्र आकास ।—१५०
निहग गयण खै वियत नभ गगापथ ग्रहनेम,
पथछाया दिव विसनपथ उडपथ मारुत (एम) ।।—१५१

### तारा नाम

उडगण तारा नखत उड तारायण भै (तात),
उडू तारका (एम अख) नखतर (जिम नरखात) ।।—१५२

### मेघ नाम

मेघ घनाघन घण मुदिर जीमूत (र) जळवाह,
अभ्र वळाहक जळद (अख) नभधुज (नाह) ।।—१५३

### मेघमाला-२, अतिवृष्टि-२, मेघतिमिर-२, वर्षा-२ नाम

मेघमाळा कादविनी अतिवरसण आसार,
दुरदिन वीकासी (दखो) व्रष्टी बरसण (बार) ।।—१५४

---

* गगा, क्रतिका, गोरि, सुत=गगासुत, क्रतिकासुत, गोरिसुत ।

### ओळा-४, बादल-६ नाम

अमरण गडा ओळा करक धूमज वादळ (धार),
अभ्र वादळौ आभ (घर कहो वळे) जळकार ॥—१५५

### बिजली-६, गर्जना-४, उल्कापात-१ नाम

बीज दामणी बीजळी तडता छटा तडाळ,
गाज कडक धूहड गरज उलकापात (अचाळ) ॥—१५६

### सामन्य दिशा-४, पूर्व-१, दक्षिण-१, उत्तर-२, पश्चिम-२ नाम

दिक आसा चक्का दिसा पूरव दक्खण (पाय),
उत्तर (वणे) उदीची (अथ) अपरा पच्छम (आय) ॥—१५७

### अष्टदिकपाल नाम

इंद अगन जम असुर (अर) वरुण (बळे कह) बात,
अलकापत (इम) ईसवर (आठ दसा पत आत) ॥—१५८

### पंच देव-वृक्ष नाम

पारजात मदार (पढ तत) कळव्रछ सतान,
हरिचन्दन (ए देव हरि पांच रूख पहिचान) ॥—१५९

### दिन-६, रात्रि-१७ नाम

दीह दिवस परभात दन बासर अह (बुलवात),
निसा छपा जामनि उखा रजनी छणदा रात ।—१६०
रात्रि रातरी सरवरी त्रीजामार त्रिजाम,
तमवाली दोसा तमी बिभावरी ससिबाम ॥—१६१

### सामान्य समय-७, अच्छा समय-५ नाम

समे काळ बेळा समय बखत अनेह बार,
आछी रूडी आसती चोखी भली (उचार) ॥—१६२

### बुरा समय-११, जोरावरी-६ नाम

अवखी बुरी अनासती विखमी खोटी (बार),
जळावोल कूड़ी (जबर) माठि नमामी (धार) ।—१६३
नहरूडी (अर) नासती माडै जोरी माण,
वरजोरी जोरावरी (ज्यूं ही) जवरी (जाण) ॥—१६४

### निमेष, काष्ठा, लव, कला, लेस, घड़ी वर्णन

मान अढार निमेसरो काष्ठा नामक जाण,
काष्ठा द्वै रो एक लव पनरा कळा पिछाण ।।—१६५
कळा दोय रो लेस हृ पनरा खण मैं पेख,
निसचै छै खण नाडिका इद घडी घटि देख ।।—१६६

### सायकाल-४, सध्या-४नाम

सवली उतसूर (सु कहो) साय (र) दिनअवसाण,
सझा सध्या साझ (कह) सभया (सरवस माण) ।।—१६७

### रात्रिप्रारभ-३ पहर-४ नाम

रजनीमुख परदोस (है फेर) प्रदोस (पछाण),
पहर पैर (फेरू) प्रहर जाम (नाम एजाण) ।।—१६८

### अंधकार नाम

तमर अधारो सतमस अधकार अधार,
धरछाया अधातमस निसाचरम (नीहार) ।।—१६९

### महीना-१, संवत-६ नाम

(पखवाडा दो ए प्रगट मुणू सदा हिक) मास,
(वारै मासा से वळे जाणू सवत जास) ।—१७०
सवत हायन वरस सम वच्छ सरत (वाखाण),
वच्छर संवच्छर (वले) जुगअसक (तू जाण) ।।—१७१

### मार्गशिर-४, पौष-१, माघ-२, फाल्गुण-२, चैत्र ३, वैशाख-३, जेष्ठ-१, आषाढ़-२ नाम

आगण सवतआद सह मंगसर (मास मुणत),
पोस माघ तप फालगुण फागण (फेर पुणत) ।।—१७२
(तत) चैत्रक मधु चैत (अख ज्यूं) वैसाख (सुजाण),
माधव राव (रु) जेठ (मुण अर) असाढ़ सुचि (आण) ।।—१७३

### श्रावण-३, भाद्रपद-५, आश्विन-२ नाम

सांवण नभ (जिम) सावणिक भाद्रव भाद्र (भणोज),
भाद्रू भादव भाद्रपद इस कुवार आसोज ।।—१७४

कार्तिक-४, मार्गशिर-पौष-१, माघ-फाल्गुन-१, चैत्र-वैशाख-२, जेष्ठ-आषाढ-८, श्रावण-भाद्रपद-१ नाम

कार्तिक काती कारतिक वाहुल (वळे वखाण,
रत) हेमत (र) ससर (है) इष्य बसत (सु आण) ।—१७५
ऊन्हाळागम ऊसमक दाह (रु) तपत निदाघ,
ग्रीखम तप उसणागम (क वाखाणू) वरखा (घ) ।।—१७६

आश्विन-कार्तिक-२, प्रलय-१० नाम

सरद घणात्यय प्रळय खय सवरत्तक सहार,
परिवरत ख परळै प्रळै अंत कळप (उच्चार ।।—१७७

अमी-३, नित्य-७ नाम

(अखो) हनोज अवार अव नत प्रत सदा हनोज,
(वळे कहो इम) सरवदा (रख) हमेस नत रोज ।।—१७८

वचन नाम

वैण वयण कहवत वचन ब्रवै वोलडा वोल,
चवै जप ऊचरै मुणै गोय रट (मोल) ।—१७९
पुणै पयपै कथ पढै वरण वकै भण (वाण),
कहै कहण प्रारथ कथन आखै भाखै (आण) ।।—१८०

वेद-५, चारवेद ४, षट्वेदाग-६ नाम

आमनाय श्रुति वेद (अर) निगम ब्रहम (निरधार),
रग जजु साम अथर्व (ए च्यार वेद उच्चार) ।—१८१
कलप निरुकती व्याकरण जोतिस सिकसा (जाण),
छद (नाम अ सव छ रो एम पडगी आण) ।।—१८२

चौदहविद्या नाम

अ गी खट आन्वीक्षिकी च्यारू वेद विचार,
धरमसास्त्र मीमास (धर और) पुराण अढार ।।—१८३

सामान्य वात नाम

वात उदत प्रव्रति (अर) समाचार समचार,
समाचरण व्रत्तात (सह) वार्ता (वळै विचार) ।।—१८४

### बुलाना-५, शपथ-४, व्यवहार-२ नाम

हक्कारक ह्व हूति (कह) आकारण आकार,
सोगन सपन (रु) सपथ सप (है) वुहार व्यवहार ॥—१८५

### प्रश्नवचन-३, सत्यवचन-६, मिथ्यावचन-२, स्तुति-८, निंदा-२ नाम

प्रच्छा अनुयोजन प्रसन समीचीन सत साच,
(आख) जथातथ लीक ऋत वितथ अलीक (सुवाच) ।—१८६

असतूती असतूत (अर) वरणन नुती वखाण,
सतवन परससा स्तुती निंदा नदा (जाण) ॥—१८७

### कीर्ति नाम

पगी कीरत पागळी सेतरगी सोभाह,
सुसवद सतरगी सुजस प्रभा कीत प्रभात (ह) ॥—१८८

### आज्ञा नाम

सासण (ओर) निदेस (कह सुणू) हुकम फुरमाण,
वासक निरदेसक (वळे इम) आदेश (सु आण) ॥—१८९

### अंगीकार-५, गान-६, नाच-७, बाजा-४, नाम

सवित सवा आसथा आश्रव अंगीकार,
गीत गाण गधर्व (अर) गावण गेय सुगार ।—१९०

नाटक ताडव न्रत न्रत नरतन नटन सुनाच,
बाजो तूर वादत्र (है वळे) मैणधुज (वाच) ॥—१९१

### फूंक के बाजे-१, तार के बाजे-१, ताल-मजीरा आदि १, चमडे से मढे बाजे-१, बीणा-४, बीणा अंग-२, वीणा दड-१, वीणा की खूंटी-१ नाम

(वसादिकरो) सुसिर (वक) तत घन (आदिक ताल),
(आद) मुरजआनद्ध (अव जोवो) वीणा (जाळ) ।—१९२

वेण बीण (अर) वल्लकी कोलवक (तिण) काय,
(वीणा दड) प्रवाळ (है) उपनह (वधण आय) ॥—१९३

### नगारा नाम

त्रंवागळ त्रमाळ (है) भेरी दुदुंभि (भाख),
जागी बव दुजीह (अर इम) नीसाण (सुआख) ।—१९४

त्रामागळ त्रामाळ (त्रिम) त्रबक (अर) त्रवाळ,
टामक (रु) त्रंमाट (है) डडाहड डडाळ ।—१९५

ईडक धूंसो (अख बळे दाखो ओर) दमाम,
(एम) त्रमाट (वखाण अर नरख) नगारो (नाम) ।।—१९६

### नागरे का बजना नाम

त्रहत्रहिया गरहर त्रहक वज रुडवो रुड वाज
घुरियो घुरवो घोकियो नीधस डहक निहाज ।—१९७

जप ध्रीह घुर वाजवो (फेर) रणाक (पढाव),
वाजण विजयौ वाजियो (निसचै कहो निवाह) ।।—१९८

### शृंगारादि नवरस नाम

(रस) सणगार (रु) हस करुण वीर रुद्र (बाखाण),
भयानक (रु) वीभत्स (है) अदभुत सात (सु आण) ।।—१९९

### अनुराग-४, हास्य-४, बहुत हसना-१, उपहास-१, शोच-३ नाम

राग प्रीत रति अनुरती हास्य हसन हस हास,
अट्टहास अपहास (अर) सोच सोक सुक (तास) ।।—२००

### कोप नाम

क्रोध छोह रुट मछर कुप जाजुळ तायळ जोस,
धोम ताव क्रुध रीस धुव रोख (रु) अमरख रोस ।।—२०१

### उत्साह नाम

उद्यम (औौर) उछाव (अख) उच्छव (बळे) उछाह,
अाभियोग उद्योग (है एम) उमाव उमाह ।।—२०२

### भय-९, भयकर-१३ नाम

भै डर भी अतक भय त्रास भीत सी त्राप,
भीम भयकर भीसम (रु) भीषण भैरव (भाप) ।।—२०३

भयाणंक दारुण (भणू) अध्यामण अकराळ,
घोर कराळअघोरघर विडरूप (रु) विकराळ ॥—२०४

### आश्चर्य नाम

आसचरज अचरज अच्चरज अदभुत विसमै (आण),
फुल्ल अचभो (फेर पढ) विसमय (और वखाण) ॥—२०५

### सतोष ३, स्मरण-६ नाम

धीरज सतोख (रु) ध्रती समरति (वळे सु) आद,
सुमिरण समरण (अर) समर (यू ही भाखो) याद ॥—२०६

### बुद्धि नाम

बुद्धि चित धिसणा सुबुध धी मेधा मति धीय,
उपलवधी उकती उकत (जाणू) प्रतिभा जीय ॥—२०७

### लज्जा नाम

लज्या लज्जा लाज लज व्रीड त्रपा विख्यात,
सकुचण (अर) सकोच (है) सरम (सदा सरसात) ॥—२०८

### अप्रसन्न नाम

उणमण अणमण (आख अव) अप्रसन (अर) अवसाद,
वराजा वेराज (वद) वेदल दुमन (विखाद) ॥—२०९

### निद्रा नाम

सवेसर निद्रा सयन सलय तद्रा स्वाप,
विनजागण (अर) नींद (वद) जुरा निदडली (जाप) ॥—२१०

### याद करना नाम

अवळूडी (दाखो अवस आखो) रणक (उमाह),
ओळूडी अतलाग (अख) ओळू उतकठा (ह) ॥—२११

### आलस्य-४, प्रसन्नता-४ नाम

कोसीद (रु) तंद्रा (कहो) आळस (अर) असळाक,
संमद चितपरसन्नता अणद प्रमोद (सु आक) ॥—२१२

### गर्व नाम

मुठठ मजाज मरोड (मुण) गरवर गुमर गुमान,
गुररो मुरड गरूर (गिण) अहकार अभिमान ।—२१३

मनऊचो ममता (मुणू) मान दरप मगरूर,
मूवनही मद (अरु) टसक (पुणा) मगज छकपूर ।।—२१४

### निर्बन्न-५, दीनता-२, परिश्रम-१० नाम

अवळ नवळ वळहीण (अख) दुरवळ निरवळ (दाख),
करपणता (जिम) दीन (कह) आयास (रु) श्रम (आख) ।—२१५

परीसरम तकलीव (पद) खेचल मैनत खेद,
प्रीश्रम (और) प्रयास (है भाख) कलेस (सुभेद) ।।—२१६

### मृत्यु नाम

मोत काळ अंतू मरण निधन समावण नास,
अमत मीच अवसाण (अर) जोखम वीसम (जास) ।।—२१७

### मनुष्य नाम

मानव माणस नर मरद आदम मनख (सुआण),
मानुस ना मनुज (रु) मनुस पूरख पुरुख (प्रमाण) ।।—२१८

### बालक नाम

पोत पाक छीरप (पढो) बाळक टावर बाळ,
गीगो कूको गीगल्यो अरभक साव (उताळ) ।।—२१९

### वृद्ध नाम

जीरण जरठ (रु) जावरो बूढो बूढळ (वाण),
डोकरडो (अर) डोकरो जरण वृद्ध (तू जाण) ।।—२२०

### कवि नाम

पात व्रवण कवि नीपणा ईहग बीदग (आख),
गुणियण सुकवी मागणा भाणव हेतव (भाख) ।—२२१

कवराजा ताकव (कहो) रेणव (ज्यू) कयवराज,
(दाखो) चाडव दूथिया जोडागुण जसजाज ।।—२२२

**शासन नांम**

आगाहट (अर) उदक (अख) सासण नेस (सुणात),
गढवाड़ा (फेरू गिणू) तावापतर (तुलात) ।।—२२३

**पडित नांम**

पडित अभिरूप (र) मुधी विचछन मेधावाळ,
कोविद क्रति क्रप्टी वळे (जपणवाणी जाळ) ।।—२२४

**चतुर नाम**

परवीण (र) सिच्छित निपुण नागर पटु निसणात,
कुसल चतुर क्रतमुख (कहो) अभिजाणण (तिमग्रात्) ।—२२५

**मूर्ख नाम**

मद मूढ (अर) मातमुख जड सठ वाळ अजाण,
जयाजात मूरख (जपो) अवुध (रु) जालम (आण) ।।—२२६

**स्वाधीन४, पराधीन-४ नांम**

सुततर (रु) स्वच्छद (है) सुरुचि (वळे) स्वाधीन,
नाथवाळ निधनक (कहो) आयत्तर आधीन ।।—२२७

**धनवान-४, संपत्ति-४ नाम**

लछमीवाळ (रु) लच्छमण धणी ईसवर (धार),
लछमी श्री सपत (लखो) सपत्ती (सुविचार) ।।—२२८

**दरिद्र नांम**

रोर दळिद्र कुरिंद (अर) टोटो घाटो (आख),
कसालो (र) दाळीद (कह) दुरगत कीकट (दाख) ।।—२२९

**स्वामी नांम**

अधिप ईस प्रभू ईसवर इद पती विभु (एम),
नायक स्वामी नाथ इन (जंपो) भरता (जेम) ।।—२३०

**दास नाम**

चाकर वेली चेट (चव) परिचारक परजात,
किंकर भ्रत (रु) करमकर अनचर दास (सु आत) ।।—२३१

### शूरवीर नाम

सूर वीर सांवत सुभड जोरावर जोधार,
जोरावार (रु) जोमरद भिडज अरोडा (भार)।।—२३२

भड़ खीवर रावत (भरण्) मरद मुहड घडमोड,
घडामोड जंगजूट (घड) क्रोधगी (नहकोड)।।—२३३

जंगसारधारण (जपो) सेनावेध (समाळ),
रिमादाट जोमंग (रट) जोसगी (रमजाळ)।।—२३४

### कायर नाम

कायर काचा कातर (क) पसकण डरपण पोच,
कादर (ज्यू) भीरू चकित (सुण अर) करणसोच।।—२३५

### कृपण-२०, दयावान-५ नाम

करपर करपण सूम (कह) नाटवाळ नाकार,
माठा दमजोडा (मुण्) अदेवाळ अदतार।—२३६

करमठ्ठा लोभी (कहो) दलमाठा (र) अदात,
चठमठ्ठा (अर) सचगर अदावान कुच (आत।—२३७

पुण) चतमाठा (ओ) कृपण द्रढमूठी (रु) दयाळ;
करुणाकर सूरत (कहो) कोमळचीत कृपाळ।।—२३८

### दया नाम

करुणा अनुकपा कृपा दया मया (तिम दाख),
महरवानगी महर (मुण) सुनजर करपा (साख)।—२३६

सुधानजर सुद्रष्ट (सुण भाणव इण विध भाख),

### मारना-३२, काटना-६ नाम

मारण गजण मारिया अत (र) हचतो (आख)।—२४०

भाज विहडण भाजियो घातक जोखम घात,
खडण हणै सिंहार खप आलभन वध (आत)।—२४१

पेलै नास खपावण् भूझ पछाडै झाड,
मार (रु) हिंसा मारतो भागण दळै विभाड।—२४२

वाढरण चरजरण वाढ़ियो काटरण कटियो काट,
वढियो वेहर वाढियो श्राछरण मूछरण श्राट ॥—२४३

### तोड़ना-३, मारने को तैयार-१, मृतक-५,
### कपटी-४ सरल-२, धूर्त-५ नाम

भागरण तोडरण भाजियो (श्रखो) श्राततायी (ह),
प्रेत परेत परासु (पढ) उपगत मुरदो (ईह) ।—२४४
कपटी सठ श्रन्नजु निक्रत सुधो सरळ (सुहात,
धूरत सठ वचक (घरो) कुहक (रु) जालिक (श्रात) ॥—२४५

### ठगई-३ कपट-९ नाम

कुस्रती माया सठ कपट छदम कूट छळ (श्रात),
उपधा व्याज (रु) मिस (श्रखो) कैतव दभ (कुहात) ॥—२४६

### सज्जन-३, चुगलखोर-७, नाम

सज्जन साधू (है) सजन दोयजीह खळ (दाख),
करणेजप सूचक पिसुन नीच मच्छरिन (श्राख) ॥—२४७

### चोर-३, दाता-२, दान-२६ नाम

चोर मोस (श्रर) चोरडो दाता (श्रर) दातार,
वगसै क्यावर (श्रर) श्रवै श्रालर दत श्राचार ।—२४८
रीझ सुमोज वरीस (कह) समपीजै (रु) समाप,
त्याग समापरण दान (तिम) श्रालै मोजै श्राप ।—२४९
करतव श्रपवरजन (कहो) वितररण देरण प्रवाह,
उतसरजन श्रहति (श्रखो वोल) नवाज विदाह ॥—२५०

### क्षमा-३, भरखपन-३, जोरावर-३९ नाम

खिचता धीरज (है) खमा भारीखवू (सुभाख),
खूदालम (श्रर) भरखव्र (एम) श्रमावड (श्राख ।—२५१
जपो) जोरावर जवर वामराड विकराळ,
जोरदार श्रखडैत (जिम कहो) सवळ लकाळ ।—२५२
साड कराळ श्रसीग (श्रर) श्रडीखभ श्ररडीग,
खागडा श्रनड ताखडा (जपो) जाजुळ धींग ।—२५३

माझी (अर) वेढीमणा अतळीबळ ओनाड,
अनमीखध पू चाळ (अख) वका अनम विभाड ।—२५४
नाटसाल अनमी (नरख आख) अरोड़ अठेल,
आपायत ऊवावरा एढा (खळा उथेल) ।—२५५
अनडर डाकी (फेर अख) अडपायत अजरळ,
वडाळा (र बरियामरा भाणव सारा भाळ) ।।—२५६

**निर्भय नाम**

अडर नडर अणभै अभै नरभै न्रभै नसक,
अभग अबीह अभंग (अर) अजरायल अणसक ।।—२५७

**ईर्षालु-२, ईर्षा-१, क्रोधी-४ नाम**

कुहन ईरखावाळ (कह एम) ईरखा (आख),
कोपवाळ क्रोधी (कहो) रोखण (रोखी) (भाख) ।।—२५८

**भूख-४, प्यास ४ प्यासा-२, सोखना-२ नाम**

रोचक भूख (रु) छुध रुची तस तरखा त्रट पान,
तरसित तरखावाळ (तिम) सुसवो सोसण (मान) ।।—२५९

**दाल-२, व्यजन-१, गुलगुला-१, मालपुवा-१, पतला लगावण-१**
**सेव-१, बडा-१, गुड-६ नाम**

दाळ सूप व्यजन (दखा) पूवा मालपुवा (ह),
तेवण चमसी (तिम) वडा गोळ इच्छु गुड (गाह) ।।—२६०

**श्रीखंड-१, दाल का रस-२, मिश्री-बूरा-२,**
**शक्कर-२, दूध-१२ नाम**

सखरण रस्सो जोस (कह) मसरी सिता (मुणाय),
मधूधूळ (अर) खाड (मुण) दूध दुगध (दरसाय) ।—२६१
पै गोरस जळमित पय जीवनीय सर (जाण),
रसउत्तम (ज्यो) छीर (कह) ऊधस अम्रत (आण) ।।—२६२

**दही-४, घृत-३, मक्खन-४ नाम**

दध गोरस छीरज दही घरत हवी आधार,
माखण (अर) नवनीत (मुण) सरज और दधसार ।।—२६३

**गुज्जी-रावड़ी-६, मठा-३ नाम**

(वोलो) गुज्जी रावडी काज़ी काजिक (आह),
कु जळ (वळे) (सुधीर) (कह) छाछ (रु) गोरस छाह ॥—२६४

**तेल-३, राई-२, धनिया-१, सोठ-२, हल्दी-२ नाम**

तेल अभजन स्नेह (तव) असुरी रायी (आख),
धणु सूठ नागर (धरो) हळद (र) हळदी (दाख) ॥—२६५

**मिर्च-३, जीरा-२, पीपर-२, हींग-२ नाम**

कोलक़ बेलज मरच्च (कह) जीरक जीरो (आत),
पीपळ (अर) पीपर (कंहो) हिंगू हीग (सुहात) ॥—२६६

**भोजन नाम**

भोजन जीमण अद भखण असण ग्रसण आहार,
लेहण खादन-भख गलण अदन जखण घसि (आर) ॥—२६७

**ग्रास नाम**

कुवा पिंड ग्रासण कबळ गाळा गुड (अर) ग्रास,
अदनचीज टुकडो (अखो) कवक गुडरेक गास ॥—२६८

**लोभी नाम**

लोभी अभिलाखुक लुबध (व्रिखो) त्रष्णावाळ,
आसा अछा वाळ (अख) लोलुप (अर) लोभाळ ॥—२६९

**लोभ नाम**

त्रष्णा काछा लोभ त्रट अभिलाखा आसा (ह),
काम मनोरथ ईह (अख) अछया व्रस इच्छा (ह)—॥ २७०

**कामी-३, हर्षित-२, दुचिता-५ नाम**

कामवाळ कामी कमन हरखमाण हरख्याह,
वीचेतस दुरमन विमन (मुण) दुमनू -दुमना (ह) ॥—२७१

**मतवाला-५, उत्कठित ७, अभिशाप-४ नाम**

मतवाळो उतकट (मुणु) छीव मत्त मदचाह,
ओळूवाळ (रु) उतक (अख) उतकठित (कह) आह ।—२७२

उतसुक ऊमण (फेर अव चवो वळे) अतिचाह,
आक्षारित दूसित (अखो) अभिशप्त वाच्या (ह) ॥—२७३

**बंधा हुआ नाम**

वधित वाध्यो बद्ध सित सयंत नद्ध सुहात,
निगडित अर संदानिकत कीलित (वळे कुहात) ॥—२७४

**बधन-२, अनमना-२, तंगडाया हुआ-२, निकाला हुआ-१ नाम**

वधण (अर) उद्दान (बद) मनहत प्रतिहत (माण),
प्रतीछिपत अधिछिपत भण(जिम) निसकासित(जाण) ॥—२७५

**हारना नाम**

विप्रकार परिभाव (भण वळे) पराभाव हार,
अभिभव अत्याकार (इम निसचै आख) निकार ॥—२७६

**सुवक्कड-५, जागरण-२, वहमी-२, पूजा-३,**
**दडित-२, पूजित-५ नाम**

सुपनक सयआळू सुपन नीदाळू नीदाळ,
जागरया (अर) जागरण वहमी सदेहाळ।—२७७

अरचा पूजा अरहणा दड्यो दडित (देख),
अरहित अपचित अचित (ह) पूजित अरचित (पेख) ॥—२७८

**नमस्कार नाम**

नमस्कार वदन नमो प्रणाम वद प्रणाम,
अभिवादन आदेस (इम पढ) दंडोत प्रणाम ॥—२७९

**शरमिंदा-१, सिटपटाया हुआ-२, पूजा की सामग्री-२, पुष्ट-६ नाम**

विक्लव विह्वल विकल (वद) वलि उपहार वखान,
पीवर पोवा पीन (पढ) पुसट थूळ पळवान ॥—२८०

**दुबला-८,-थोंदवाला-८ नाम**

दुरवळ पेलव दूवळा अस (अर) करस (कुहात),
तलिन अमाम (र) छीणतन दूदवाळ (दरमात) ।—२८१

दूंदाळो (अर) दूंदळो उदरी उदरिळ (आत),
तुंदी तुंदिक तुंदिभ (र ब्रहत कूंख विख्यात) ॥—२८२

**नकटा-२, पगु-२, काना-३, कूवड़ा-२ नाम**

नाकविहीण अनासिक (र) पगू श्रोण (पुणात),
काण कनन (अर) एकचख कुवज (र) गडुल (कहत) ॥—२८३

**नाटा-३, बहरा-२, लगडा-३, कुवड़ा-२ नाम**

खग्वसाख बावन खरव वहरो वधिर (वुलात),
खोडो खजक खोर (कह) अध आधळो (आत) ॥—२८४

**रोगी-४, रोग ६ नाम**

रोगवाळ आतुर (अपटु) रोगित रोगी (जाण),
रोग रुजा आतक रुग गद (अरु) अपाटव (गाण) ॥—२८५

**घाव-४, खुरंट-२, शोथ-३, औषध-६, वैद्य-८ नाम**

व्रण छत चगदा घाव (कह) किण व्रणपद (सु कहात .
सोथ सोफ सोजो ( कहो ) भेसज तत्र (भणात) ।—२८६

अगद आयु औषध (अखो) वैद (नाम विख्यात),
भिसज रोगहारी (प्रभण) दोसजाण (दरसात) ।—२८७

(फेर) हकीम तवीव (पढ) जुररो नायत (जाण),
विसद नांव वैदाण रा एण रीत सू आण) ॥—२८८

**विपत्तिवाला-२, विपत्ति-६ नाम**

आपदथित आपन्न (अग) वपत विपत्ति (वखांण),
आपद विपदा आपदा (जिम) आपत्ति (सुजाण) ॥—२८९

**स्नेहवाला-२, सभासद-३, सभा-६, ज्योतिषी-२ नाम**

नेहवाळ वच्छळ (नरख) सभावाळ (सूजाण),
समातार सामाजिका (अवै नाम) सद (आण) ।—२९०

आसथान परसत (अखो) ससत सभा समाज,
मूरतजाणणहार (मुण तेम) गणक (सिरताज) ॥—२९१

**वंश नाम**

अभिजण कुळ संतान (अख) गोतर गोत (गणात),
अनववाय अनवय इमहि जनन कडंव (जणात) ॥—२९२

### स्त्री नाम

तरिया तिरिया असतरी वाळा गोरी वाम,
अवळा वाळी अगना भामण सुंदर भांम।—२६३

जुवती प्रमदा जोखता जोसा रमणी (जोय),
महळी पदमण पदमणी रामा नारी (होय)।—२६४

भीरू जोसित भामणी अगनैणी तिय (मान,
तेम) कामणी (अर) त्रिया (जेम) महळ (सू जान ॥—२६५

### बलैया-२, बलैया लेना-५ नांम

(मुण्) वारणा भामणा भामी वारी (भाख),
वळू मरू (ओरू अखो) वारीजावण (आख) ॥—२६६

### पत्नी नाम

प्यारी जोडायत प्रिया घण (सु) सुधारणधाम,
लाडी कांता लाडली वधू वल्लभा वाम ॥—२६७

### पति नांम

पत साहिब पीतम पती रमण कंत भरतार,
धव साजन वालम वणी ढोलो पीव (सुढार)। —२६८

कथा खावद कथ (कह्) नायक सैण (र) नाह,
वर भरता माटी वळे वरियत करणविवाह ॥—२६९

### दुलह नाम

वींद दुलह बनडो बनू बर लाडो (विख्यात),
मोडबध (फेरू मुणू) दुलह (नाम दरसात) ॥—३००

### दुलहिन नाम

दुलहण दुलही दुलहणी वनडी बनी (वखाण,
देखो) लाडी वीदणी (जेम) लाडली (जाण) ॥—३०१

### बराती-५, बरात-२ नाम

जानी जान्या जानियां (वळे) बराती (वाण,
ज्यू हि) जनेती (जाण ज्यो) जान बरात (सुजाण) ॥—३०२

### विवाह नाम

जगन सुयवर त्यांग जग (मुण) स्वयव विमाह,
उपयम माडो (फेर अख वळि) उदबाह विवाह ।।—३०३

### दामाद-६, जार-२ नाम

जमाता धीपत (जपो) धीप जमाई (धार,
पत) दुखतर दुहितापति (जपो) उपपत जार ।।—३०४

### पतिव्रता-३, व्यभिचारिणी-७, सखी-३, वेश्या-६ नाम

पतबरता (अर) एकपत इकपतनी (इम आख),
सुभचरिता साध्वी सती भामण कुळटा (भाख) ।—३०५
असती धरसण इतवरी वधकि अवनीता (ह),
सध्रीची आली सखो कचनी (र) कुलटा (ह) ।—३०६
गनका भगतण गायणी बेसा पातर (वाम),
रूपजीवणी (फेर पढ) नगरनायका नाम ।।—३०७

### माता नाम

जणणी अवा मा जणी माता मादर माय,
मायड मायी मावड़ी आई अमा आय (आय) ।।—३०८

### बेटी नाम

कवरी लड़की डीकरी तनया पुत्रि सुता (ह),
वेटी धी (अर) डावडी (त्रिम) दुखतर तनुजा (ह) ।—३०९
समरधुका (अर) सारधू पुतरी (फेर पढाव,
तात नाव आगळ तणी बेटी नौव बणाव) ।।—३१०

### पिता नाम

जणो जनेता जनीया वाप जनक (वखाण),
पिता तात वपता जामी (नाम सुजाण) ।।—३११

### पुत्र नाम

पूत जोव नदन पुतर जायो सुतन सुजाव,
छावो वेटो छोकरो धोटो नन्द (धराव) ।—३१२
(वळे) सिवाई डावडो सुत (र) डीकरो साव,
तात सूनु कुळधर तनय अगज पुत्र (अणाव) ।—३१३

(वाळा तरण ये दुव सवद अगा नाम पित आत,
ईखो नाव दु ईहगा बेटा रा बणजात)* ।।—३१४

### सामान्य संतति नाम

तुक प्रसूत सतति प्रजा तोक अपत सतान,
(आवै जो इण विध अवस सो सतति सामान) ।—३१५

### पोता नाम

मोतो पोत्रो पोतरो दूजो बीजो (दाख),
वीयो दुवो (जांण वळे एम) अभनवा (आख) ।—३१६
हरा कळी धर (फेर) हरै (और) समोभ्रम (आण,
सुकव कळो धर रा सरब बारह नाम वखाण) ।।—३१७

### पोती-३, सगा भाई-४, छोटा भाई-४, बडा भाई-६ नाम

पोती पोत्री पोतरी बंधव वधू (वेखू),
भ्रात सहोदर (फेर भण दुरस) कणेठी (देख) ।—३१८
वधव लघुवधव अनुज जेठी जेठळ (जाण),
पहली भव (अर) पूरवज अग्रज जेठो (आण) ।—३१९

### वहिन-३, देवर-२, ननद-३, सबधी-६, स्वजन-६ नांम

जामि सुसा भगनी (जपो) देवा देवर (दाख),
नणद (रु) नणदल नणदली बधव बधू (भाख) ।—३२०
स्वै सगोत्र जाती सुजन स्वै निज सुकिय (सुजाण),
आतमीय (जिम) आपणू (और) अप्पण (आण) ।।—३२१

### देह नाम

तन पिंजर घड डील तनु करण कलेवर काय,
अग गात अग आतमा मूरत देह (पुणाय) ।—३२२
विग्रह घट वपु पिंड वप संचर तनू सरीर,
पुर पुदगळ (अर) पीजरो घूघर वेर (सुधीर) ।।—३२३

*पिता के नाम के आगे तरण, वाळा आदि शब्द लगाने से पुत्र का अर्थ व्यजित होता है। जैसे—गुमनेसवाळो, गुमनेसतरण अर्थात् गुमानसिंह का पुत्र।

### मृतक-२, रुंड-धड़-२ नाम

(वनाजीव विग्रह वळे) कुणप (रु) म्रतक (कुहात),
(विण माथा रो देह वद) रुंड कवध (रहात) ।।—३२४

### अंग-४, मस्तक-१४ नाम

अवयव अपधन अंग (अख) सर भरकुट घू सीस,
करण त्राण माथो कमळ मसतक मुंड (मुणीस) ।।—३२५
मोली मूंड (रु) मूरधा उतवग भ्रकुटक (आख),

### मुख-१२, ललाट-भाग्य-१३, कान-१२ नाम

मूंळो आनन लयन मुख दंतालय घण (दाख) ।—३२६
मूह घनोत्तम वदन मुंह वकतर तुंड (वखाण,
भाळ ललाड (रु) भोवरो अलिक ललाट (सु आण) ।—३२७
तालो गोधि नसीव (तिम) करम भाग तकदीर,
चाचर (वळे) अळीक (चव) श्रुती (नाम सुण धीर ।—३२८
कान गोस (अर) कानडा सरवण श्रवण (सुहात),
सवद, धुनि, ग्रह* श्रोत्र श्रव करण पिंजूस (कुहात) ।—३२९

### भोंह-३, नेत्र-१३ नाम

भ्रूकुट भुंहारा भूंह (भण) द्रष्टि विलोचन (दाख),
नेत्र नैण लोचण नयण अवक लोयण (आख) ।—३३०
आख रुपग्रह चख (अखो) द्रग रोहज (दरसाव,
आखा रा कवियण अवस तेरह नाव तणाव ।—३३१

### देखना नाम

जोवै भाळै जोयिजै लखै विलोकै देख,
सूझै ईखो सूजवै वेखो न्हाळे वेख ।—३३२
पेखै सपेखै (पढो) दीठो दरसण (दाख)
निरवरणन भासै नरख अवलोकन (इम आख) ।।—३३३

### नाक नाम

नाक नासका नासिका नरकुट नासा (जाण),
गंधजाण (अर) गंधवह घोण गंधहर घ्राण ।।—३३४

*सवद, धुनि, ग्रह=सवदग्रह, धुनिग्रह ।

### होठ नाम

दातबसन (अर) रदनछद होठ अधर (इम होई,
ओठ नाम ऐ ईहगा मुख रा मडण जोइ) ॥—३३५

### दात नाम

दात डसण खादन रदन दुज रद दसण (दिखात),
दंस दत दोलू (दखो एह नाम रद आत) ॥—३३६

### जीभ नाम

रसणा रसजाणण रसन जीहा जीहा जबान,
लोला रसमाता (लखो) जीभ (नाम ए जान) ॥—३३७

### डाढ-४, गाल-३, मूछ-४ नाम

डाढ़ जभ दाढा डसा गल्ल (रु) स्रकवरण गाल,
मूछ मुछारा मौंसरा (जोवो) मूछा (जाल) ॥—३३८

### डाढ़ी-४, गरदन-६ नाम

खत डाढो डाढी खता ग्रीवा गावड ग्रीव,
गळो नाडकी गावडी नाड वळे नस (नीव) ॥—३३९

### हाथ नाम

करग आच भुज सुकर कर हसत पाण तस हात,
पचसाख सय वांह (पढ) हाथ (रु) भुजा (कुहात) ॥—३४०

### कधा-३, कक्षा-कखुरी ५, अगुली-२ नाम

अस खध भुजसीस (अख) ककसा खडिक काख,
भुजकोटर भुजमूळ (भाण कह) अंगुळि करसाख ॥—३४१

### पहुंचा-३, मुक्की-४ नाम

(इण आगै)पूची (अखो) मणि मणिबध (मुणाह),
ओडडी मूठी (अखो सुण) मूकी सग्राह ॥—३४२

### कुहनी-३, नख-७ नाम

कफणि भुजाविच कूरपर माराकुस महाराज,
नखर करज नाखून नख भुजकाटा (तस भ्राज) ॥—३४३

### छाती नांम

उर उराट छाती उरस मनघर वच्छ (मुणात),
भुजअंतर (फेर प्रभण) कोड (र) वकस (कुहात) ॥—३४४

### हृदय-५, स्तन-५ नाम

हरदो थणअंतर हिया असह मरमचर (आख),
उरमांडण थण कुच उरज (फेर) पयोधर (भख) ॥—३४५

### पेट नाम

उद्र पेट तुंदी उदर जठर पिचंड (सुजाण),
गरभकूंख जाठर (गिणू फेरू) कूंख (पिछाण) ॥—३४६

### कलेजा-३, आंत-४ नाम

जगर कळेजो काळजो आंत आंतडा अंत,
अंत्रावळ (रा नाम ए कवियण च्यार कहंत) ॥—३४७

### फेंफड़ा-३, मन-६ नाम

कलो फेफरो फूकणूं चित चेतन दिल चेत,
मन माणस मनडो (मुणू) रदो दिलड़ो (हेत) ।।३४८

### रोमावली-२, नाभी-३, कमर-३, मेरुदण्ड रीढ़, नितंब-२, योनी-५ नाम

रोमलता रोमावली नाभी नाही नाह,
काचीपद कड़ कट कमर (त्रिक वसाव तथा ह) ॥—३४९
पूठवस रीढक (पढ़ो) पुत कडप्रोथ (प्रमाण),
भग मततिपथ जोणि (भण)वुलि वरअंग (वखांण) ॥—३५०

### लिंग-४, गुदा-३, जांघ-३ नाम

लिंग शिशनु लांगुल लगुल पायू गुदा अपान,
ऊरु साथल जाघ (अख) जानू गोडा (जान) ॥—३५१

### घुटना-२, पिंडली-३, टखना-५ नाम

पीडी नळकीनी प्रसत चरणगाठ (पहचांण),
मुरच्या टक्कूण्या (जेम) गुलफ घुट (जांण) ॥—३५२

### पैर नाम

चलरा पाव ओयरा चररा पै पग पद पय पाय ,
कदम अघ्र नग क्रम क्रमरा (चउदह नाव चवाय) ।।—३५३

### तलुआ-३, एघो, रुधिर-१६, मास-११ नाम

तळ ओयरातळ एडी घुटअध (घुटअध आरा) ,
रगत रुद्र लोही रुधिर खून घतंज (बाखारा) ।—३५४

प्रारगद आसुर रत्र (पढ) सोरगत श्रोरग (सुरगात) ,
मासकररग नारग (मुरग) अस्त्र विस्त्र रत (आत) ।—३५५

स्रोरिगत स्रोयरग रुधिर(सुरग) जगळ मास (जरगात) ,
पलल मेदकर क्रव्य पळ कासप कीन (कुहात) ।
रगत, तेज, भव*(अर)तरस आमिख पिसित(अरगात)।।—३५६

### जीव-४, मेद-४, हड्डी-७, मास की हड्डी-१, मास की बोटी-२ नाम

वायहस (जिम) हस (वद) जीवक जीव जपत ,
मेद गूद गोतम वसा कीसक हाड कहत ।—३५७

असथी मेदज सार (इम) करकर मीजीका (र ,
घूरोहाड) करोटि (घर) बोटी बडी (बुलार) ।।—३५८

### अस्थि-पजर-३, खोपडी-२ नाम

(असथी सारा अगरा कहो) करक ककाळ ,
(असथी) पंजर (फेर अख) करपर (अवर) कपाळ ।।—३५९

### मज्जा-५, वीर्य-६, वाल-१५ नाम

कोसिक मीजी सुक्कर असथन मज्जा (आख) ,
बीरज रेतस बीज वळ इद्री सुक्र (इमाख) ।—३६०

आरगद, मीजी, उदभवन† पोरस धातु-प्रधान ,
रोम लोभ (अर) रूगटा वाळ केस विग्यान ।—३६१

वल्लिताग्र कुतल अजिन तीर्तवाक कच (तेम) ,
तुचामैल तनरुह (तवो) अस्त्र चिकुर कज (एम) ।।—३६२

---

* रगत, तेज, भव=रगतभव, तेजभव ।

† आरगद, मीजी, उदभवन=आरगउदभवन, मीजीउदभवन ।

**बालों का जूडा-२, अलक-१, चमड़ी-७, नस-२ नाम**

चूडो मोळी अलक (जप) चरम चामडी चाम ,
खाल तुचा छवि खालडो नस (अर) वसनस (नाम) ।।—३६३

**छोटी नस-४, मैल-२, गीजड़-१, लार-२ नाम**

नाड़ि धमनी नाडी सिरा मैल (रु) कीट (मुणात) ,
आखजढूसीका (अखो) स्रणिका लाळ (सुणात) ।।—३६४

**मूत्र-४ मल-६ नाम**

मेह मूत स्रव वस्तिमळ विड पुरीस विसटा ,
मळ वरचस असुची समळ (भणू) गूह भिसटा ।।—३६५

**स्नान-३, चंदन-५ नाम**

भूलण गोळ सनान (जप) मलयज चनण (मुणात) ,
चदन रोहणद्रुम (चवो) गधसार (गधगात) ।।—३६६

**जायफल-२, कपूर-४, कस्तूरी-१ नाम**

जातीफळ (जिम) जायफळ सोमनाम घणसार ,
करपूरक करपूर (कह) म्रगमद कहै (मुरार) ।।—३६७

**केशर-५, पघडी-५ नाम**

कसमीरज केसर रकत कूकूं कुकुम (धीर) ,
मुकुट पाघ मोळी (मुणू कह) करीट काटीर ।।—३६८

**जेवर-४, गूंथना-५ नाम**

अलंकार आभरण (अख) भूषण गहणूं (भाख) ,
गूंथण ग्रथण गुंफ (गिण) रचना सद्रभ (राख) ।।—३६९

**भुजबद-३, हाथ का गहना-५ नाम**

भुजभूषण अगद (भणूं कहो वळे) केयूर ,
करभूषण कटक (रु) कडा वलय अवाप (वहूर) ।।—३७०

**करधनी-४, नूपुर-६ नाम**

कम्मरसूत कलाप (कह) रसण मेखळा (राख ,
ओयण आगें) कटक अख डण विछ) अगद (आख) ।—३७१

तुलाकोटि रमझोळ (तिम) नेवुर नूपुर (नाव),
मजीरक मजीर (मरा) हसक (फेर सुहाव) ॥—३७२

कपड़े नाम

चैल वसरा अबर सिचय (अवर) पूंगरण (आरण),
पट दुकूळ करपट पकड बसतर चीर (वखारा) ॥—३७३

अचल-४, ओडनी-२ नाम

(चव) अचल (इम) छेहडो पलो पटोली (पेख),
प्रच्छादन प्रावरण (पढ दुरस अनाहत देख) ॥—३७४

स्त्री का अधोवस्त्र-४, लहगा-३
नाडा-नीवी-२ नाम

अतरीय अधवसन (इम) निवसन उपसख्यान,
चडातक लहगो चलरा उच्चय नीवी (जान) ॥—३७५

अगिया नाम

चोल कचुवै काचली आगी अगिया (आख),
कचुक काचू कचुळी (आठ नाम ये भाख) ॥—३७६

साड़ी-६, घू घट-४ नाम

साडी चोटी साटिका साडी साळू चीर,
घू घट छेडो घू घटी पल्लो (कहत पहीर) ॥—३७७

गठजोडा नाम

(चव) गठजोडो छेहडो वरजोडण वरजोड,
अचलबध (सु जाण इम जपै सायर जोड) ॥—३७८

कमरबद-२, गिलाफ-खोली-३, परदा-४ नाम

परिकर कमरदुकूळ (पढ) कुथ परितोम कहारा,
प्रतिसीरा (अर) काडपट जवनी अपटी (जाण) ॥—३७९

चदवा-४, रावटी-२, डेरा-खेमा-६ नाम

चद्रोदय उच्चोल (चत्र) कदय वितान (कुहात,
कहो) केणिका पटकुटी दूसय थूळ (दिखात ॥—३८०

गूडर डेरो (ओर निण वेखो) सायीवान ,
(ज्योही फेरू ) सिविर (जप) तम्बू कदक वितान ।।—३८१

### तृण-शैया-३, मेज-शैया-८ नाम

स्रसतर प्रसतर साथरो कसिपू तलप (कुहाय) ,
सैन सेझ सय्या सयन सज्जा तलिम (सुहाय) ।।—३८२

### पलंग-७, सिरहाना-२ नाम

पलग ढोलियो मच (पढ) माचो मचक (मान) ।
चोपायी परजक (चव) ओसीसी अपधान ।।—३८३

### काच नाम

काच विमासी मकुर (कह) आतमदरस (इखात) ,
सारगक आदरस (अख) दरपण (वळे दिखात) ।।—३८४

### कंघा-३, आसन-३, लाख-६ नाम

केसमारजन ककतक (फेर) प्रसाधान (पात) ,
आसण त्रिसटर पीठ (अख) लाखा (लखात) ।।—३८५

खतमेटण क्रमिजा (अखहु) पलकसा जतु (पेख) ,
रगजननि राक्षा (रखो वळे) द्रुमामय (वेख) ।।— ३८६

### अलता, महाउर ४, कज्जल-३ नाम

आलकतक आलकत (अख) जावक जाव (जपत) ,
दीपकसुत अ जन (दखो) काजळ (एम कहत) ।।—३८७

### दीपक नाम

दीपक दीवो दीवलो दीप प्रदीप (दिखात ,
मुण) काजलकर घरमणी काजळधुजा (कुहात ।।—३८८

### गेंद, खिलोना नाम

(क्रीडा वाळक कारणे) गेदा गिरिगुड (गाय) ,
गिरिक गिरीयक गुड गिरि(सु) कदुक गेंद (कुहाय) ।।—३८९

### पंखा-३, खस आदि का पखा-४ नाम

वीजण व्यजणक वीभणू आलावरत (अखात) ,
पखा पखी (फेर पढ) वावकरण (विख्यात) ।।—३९०

### मडलेश्वर राजा-२ चक्रवर्ती राजा-२, राजा पृथु-२ नाम

मद्धम मडळाधीस (मुण) सावरभोम (सुहात),
चक्करवरती (फेर चव) प्रथू वेणसुत (पात) ।।—३९१

### श्रीरामचद्र नाम

कोमल्यानदन (कहो) दासरथी (कुळदीत),
अधमउधारण (जग अखै) रिधूराम (री रीत) ।।—३९२

### सीता नाम

सतवती सिय धरसुता मिथलापतजा माण,
जेम) जनकजा जानकी (इम) विदेहधी (आण) ।।—३९३

### लक्ष्मण नाम

रामानुज सोमित्रि (जप सुभ) लछमण (सूजाण),
सेस सुमित्रासुतन सुण वळे अनन्त (बखाण) ।।—३९४

### भरत-२, सत्रुघ्न-४ नाम

भरत केकयीसुत (भणू) सत्रुघण (तिकण) सुजाव,
भरतअनुज सत्रुहण (प्रभण च्यार दासरथि चाव) ।।—३९५

### वाली-वानर-२, सुग्रीव-२, हनुमान-२० नाम

इदपूत वाली (अखो) सूरजसुत सुग्रीव,
पवननद वजरग (पढ) जपणरामपदजीव ।—३९६

हणूमान वकट हणू हडूमान हणवत,
वजअग (अर) वाकडो महावीर हणमत ।—३९७

(ललित) कीसवर लागडो केसरिपूत कपीस,
वायनद मारुत (वळे) अजनीज जति-ईस ।।—३९८

### रावण-१०, मेघनाद-५, कुभकरण-३, विभीषण-१ नाम

दसकधर दसमुख (दखो द्रढ) दसकंध (दिखाय),
रिखिपूलस्तसुत असुरपत रावण राकसराय ।—३९९

लकापत (अर) लकपत बीसभुजा (वाखाण),
मेघनाद घणनाद (मुण) अंद्रजीत (इम आण) ।—४००

रावणि मदोदरिसुतन कूंभो कुंभ (कहात),
कुंभकरण (फेरू कहो बळे) बिभीषण (बात) ।।—४०१

लका नाम

कुनणपुर लकापुरी लका लक (लखाय,
पुरट नाम आगळपुरी नाम लंक बण जाय) ।।—४०२

भीष्म-१२, युधिष्ठिर-११ नाम

गगकाज गागेय (गिण) गगिकाज गगेव,
सातनव (रु) सतनसुतन कुरुईस कुरुदेव ।—४०३

भीसम भीखम भीष्म (भण) द्रढव्रत्ती (दरसाय),
धरमपूत जेठळ (धरो) सल्यअरी (सरसाय) ।—४०४

(फेर) जुजीठळ पडुसुत पडवेस पडीस,
पाडवेय पाडव (पढो) कुंतीसुत कुरुईस ।।—४०५

भीमसेन-६, अर्जुन-१७ नाम

भीमसेण भीमेण (भण) जेठीपाथ (जणात),
कीचक, वक, मारण* (कहो) भीमू भीम भणात ।—४०६

(बळे) व्रकोदर बायसुत पारथ अरजण पाथ,
गुडाकेस पथ फालगुण पारथ्थी पाराथ ।—४०७

सेतवाह जय बासवी व्रहनट बिजय (वखाण),
धनजै सुनर कपिधुजा (जेम) करीटी (जाण) ।।—४०८

सहदेव-२, नकुल-२, द्रोपदी-३ नाम

सहदेव सुमाद्रेय (मुण) नकुळ माद्रिसुत (नाम),
पाचाळी (अर), द्रोपदी (बळे) पडुसुतबाम ।।—४०९

कर्ण-५, विक्रम-२ नाम

अ गराज अरकज (अखो) चपापुरत (चवात),
भाणसुतन राधेय (भण) वीकम वीक (बुलात) ।।—४१०

---

* कीचक, वक, मारण=कीचकमारण वकमारण ।

### सहस्रबाहु-४, परीक्षित-३ नाम

कारतवीरज सहसकर हैहय अजरा (सुहात),
परीछत (सु) प्रीछत (पढो) अभिमनपूत (अखात) ॥—४११

### भोज-२, बलि ५ नाम

भोज उजैणीपत (प्रभण) इदसेन बळ (आत),
बली विरोचनसुत (वळे) बैरोचन (विख्यात) ॥—४१२

### राज्य के सात अंग नाम

स्वामी कामेती सुह्रत देस दुर्गं बळ (दाख,
इण विध फेरु) कोस (अख राज अग ऐ राख) ॥—४१३

### छत्र २, चवर-५ नाम

आतपवारण छत्र (अख) बाळव्यजण (वाखाण),
रोमगुच्छ चामर चवर (जिम) चम्मर (सू जाण) ॥—४१४

### कामदार नाम

कामदार कामेति (कह) सचिव प्रधान (सुजांण),
मत्री मूसायव (मुणू) व्याप्रत (अर) दीवाण ॥—४१५

### चोबदार नाम

द्वारपाळ दडी (दखो धरो) वेतधर धार,
वैत्री उतसारक (वळे) प्रतीहार प्रतिहार ॥—४१६

### रसोई का दरोगा-२, रसोईदार-६ नाम

सूद रसोयीईस (अख) आरालिक गुण (आत),
भुक्तकार ओदनिक (भण) सूप सूद (दरसात) ॥—४१७

### अवरोध-६, शत्रु-२८, बैर-३,
### मित्र १२, मित्रता-४ नाम

अन्तेवर सुद्धान्त (इम) अवरोधन अवरोध,
भीतर अतेउर (प्रभण) सत्रू सात्रव (सोध) ।—४१८

अरियण वैरी अरि अरी दोयण दुसमण (दाख),
पिसण सत्र सात्रय (पढो) अरहर रिमहर (आख) ।—४१९

सत्राटा केवी दुमह अमुहर विया अयार,
वैरीहर खळ (अर) विपख रिपु अरिंद रिम (धार) ।—४२०

असहन दोखी अहित (इम) वैर विदोख विरोध,
मीत मित्र मत्री सुमन सवय सनेही (सोध) ।—४२१

साथी हेतू (जिम) सखा सज्जन नेही सैंण,
सोहारद सोह्रद (सुणु सगत वळे) सुवैंण ।।—४२२

गुप्तदूत-५ दूत-८, पत्रदूत-३, दोहाई-२ नाम

मत्रजाण अवनरप (मुण) चर हेरिक (इम) चार,
चर हलकारो दूत (चव) कहणससेनो कार ।—४२३

धावण खवरी चार (धर) पत्रपुगावण (पेख),
कासीदक कासीद (कह) आण दुहाई (एख) ।।—४२४

पराक्रम-४, गुप्तमत्र-सलाह ४ नाम

पराकरम प्राक्रम (प्रभण) पोरस विक्रम (पेख),
आळोचण आलोच (इम) रहसि मत्र (अवरेख) ।।—४२५

रजपूती नाम

माटीपण छत्रीधरम रजवट रजपूती (ह),
खत्रीवाट (र) खत्रवट खत्रवाट (अखणीह) ।।—४२६

एकान्त-४, न्याय-४, मर्यादा-२,
अपराध-६, राजकर-४ नाम

केवल छत्र इकत रह न्याय कलप नय न्याव,
मरजादा मरजाद (मुण) आगस हेलन (आख) ।—४२७

अपराधक अपराध (अख) बिप्रिय मतु (विचार),
भागधेय वलि कर (प्रभण) हासल (द्रव्य विहार) ।।—४२८

फोज-१७, सेना का पड़ाव-१, सेनापति-६ नाम

घैसाहर हेजम घड़ा कटक अनीक (कुहात),
तंत्र चांक चतुरगणी सेना सेन (सुहात) ।—४२६

वळ दळ प्रतना वाहणी फोज दड चमु (फेर,
डण री थिति हू ) सिविर (अख) कटकईस वळ (केर) ।।—४३०

फोजमुसायब सेनपत सेनानायक (सोय),
फोजदार चतुरगपत हैजम, चमू, प* (होय) ।।—४३१

**सेना का अगला भाग-४, सेना का पिछला भाग-१ नाम**

(अणी चमू री आगली) हरवळ मोर हरोळ,
मोहर (जिणनू फेर मुण चव पाछै) चदौळ ।।—४३२

**सेना का दाहना भाग-१, सेना का बाया भाग-१ नाम**

(जप वगल वळ जीवणी) रोसन (नाम रहात,
वळे फौज वाई वगल) चपक (सु नाव चवात) ।।—४३३

**सेना की चढाई-४ ध्वजा पताका-५**
**झडा-३, पालकी-४ नाम**

सज्जण उपरच्छण सजण सझण (अवर सुहात),
धुजा पताका (फेर) धुज केतन केत (कुहात) ।—४३४

(धुजाडड) झडा (धरो) नेजा (अर) नीसाण,
(पढ) चोपालो पालकी सिविका पिन्नस (जाण) ।।—४३५

**गाडा-३, गाडी २, पहिया-५ नाम**

अन गाडो (जिम) सकट (अख) सकटी गाडी (सार),
पहियो पैडो चक्र (पढ) अरि रथाग (उपचार) ।।—४३६

**पहिया की नेमी पूठी-३, धुरी-२,**
**पहिया की नाह-४, जुआ-२ नाम**

धारा पूठी नेमि (धर) अणी धुराई (आत),
नाही नाहू नाभि ना जूडो जुगक (जणात) ।।—४३७

**जुआ का निम्न भाग-२, यान मुख-२,**
**झूला-३, झूलने वाला-२ नाम**

परजूडी प्रासग (पढ) धरसूडो धुर (धार),
हीडो झूलो हीचण हीडण झूलणहार ।।—४३८

**बाहन-सवारी-३, गाडीवान-२, सवार-४ नाम**

धोरण वाहण यान (धर) यत सागडी (आख),
अस्ववार असवार (इम) सादी तुरगि (समाख) ।।—४३९

---

*हैजम, चमू, प=हैजमप, चमूप ।

घोडा उठाना-३, घोडे की अयाल-२,
तवेला-१, जीन-४ नाम

(अख) कोमखी ऊपड़ी (फेर) उपाडी (पेख),
याल केसवाळी (अखो) असताला (अवरेख) ।—४४०
(फेर) तवेलो पायगा जीण छेवटी (जाण),
काठी (इण सवध कह पढज्यो फेर) पलाण ।।—४४१

लगाम-४, घोड़ों का झुंड-२, साईस-२ नाम

लवच्छेपणी वांग (अख गावो) कुसा लगाम,
कारवान (अर) हेड (कह) पाडू सइस (प्रकाम) ।।—४४२

हाथी का सवार-१, हाथी का सेवक-३,
अंकुश-३, सांकल-२ नाम

(हाथी रा असधार हूं नरख) निसादी (नांम),
मावत आधोरण (मुण) कुंभीपाळक (कांम) ।—४४३
आकस (अर) गजवाग (अख) मावतससतर (मान),
आई डगवेडी (अखो थिर गज राखण थान) ।।—४४४

सुभट नाम

मोहड खोवर भड सुहड़ भट रणमल्ल भड़ाळ,
सुभड़ वीर सावत सुभट भीच (र) जोधा (भाळ) ।।—४४५

कवच-१६, टोप-३ नाम

कोच जरद कंकट कवच कुंगळ कंग (कुहात),
वरंगोळ कडियाळ (वद) माठी दस (मुणात) ।—४४६
वरंग जगर बगतर वरम (सुण) वरम्म सनाह,
सिरत्राण (अर) सीरसक (पढ़) उतवंगपनाह ।।—४४७

पेट का बंधक-२, करस्ताना-२, लोहे की जाली ३-नांम

उदरत्राण नागोद (अख) वाहुल वांहूत्राण,
(जपो) जाळी जालिका (फेर) राखणीप्राण ।।—४४८

शस्त्र-९ नांम

ससतर असतर (इम) ससत्र आवध आयुध (आंण),
प्रहरण लोह हथ्यार (पढ जिम) हथियार(सु जाण) ।।—४४९

### सिपाही-३, धनुर्धर-४ नाम

आवधवाळो आवधी (ओर) सिपाही (आख),
धानकी धनुधर (धरो) धनुभ्रत धन्वी (भाख) ।।—४५०

### धनुष नाम

धनु पिनाक कोडड (धर) कोडडीस कुवाण,
चाप सरामन वाण (चव जेम) सरासण (जाण) ।।—४५१

(अर) अढारटकी (अखो) धेनु तुजीह (धरात),
पैनाक (रु) सारग (पढ) कोमड धनख (कुहात) ।।—४५२

### पणच-७, तीर-१४ नाम

मुरवी जीवा गुण (मुण) वाणासण (वाखाण),
पणच द्रुणी सजनि(पढो)विसिख तीर सर (वाण) ।—४५३

पत्रवाह पत्री प्रदर तुक्को सायक (तिम),
ककपत्र खग काड (कह) जिम्हग आसुग (जेम) ।।—४५४

### पख-५, वाण का टाटवा-२, भाथा-२ नाम

पंख वाज (अर) पांखडा पाखा पक्ष (पढाव,
तवो) पुंख (अर) करतरी सरधि निखग (सुवाण) ।।—४५५

### म्यान नाम

परीवार इमकोस (पढ धर) तरवारपिधान,
चद्रहासघर (फेर चव मुण) सस्त्रघर म्यान ।।—४५६

### ढाल-५, ढाल पकडने का-२, छुरी-२ नाम

आडण खेटक आवरण ढाल चरम (पढ एम),
हथवासो सग्राह (मुण) जडळगधी छुरि (जेम) ।।—४५७

### कटारी नाम

(आख) त्रिजड अधियामणी वादळी वाढाळ,
(जिम) सुजडी विजडी (जपो मुण) पट्टिस प्रतिमाळ ।—४५८

प्रतिमाळी जमडाढ (पढ जेम) जडाळी (जाण),
दुजडी दुवधारी (देखो एम) दुधारी (आण) ।—४५९

भोगळियाळी (फेर भण) भोगळियाळ (भणेह),
धाराळी कट्टार (धर) अणियाळी (आणेह) ॥—४६०

भाला नाम

कूंत त्रिभागो सेल (कह) नेजो (अर) नेजाळ,
साबळ गाजो सागडो छडवाळो छडियाळ ।—४६१

वरछो वास दुधार (वद चव) भालो चोधार,
प्रास छडाळ (रु) नेत (पढ) दुवधारो दोधार ॥—४६२

वरछी-५, चक्र ३, त्रिशूल-२, बज्र-९ नाम

वरछी सकती साग (वद) सावळ कासू (धार),
चक्र चकर चक्कर (चवो) सूल त्रिसीस (सुहार) ।—४६३

वज्र इदससतर वजर अद्रससत्र (क आख),
पवी सक्रधण भिदुर (पढ) असनी असनि (इमाख) ॥—४६४

तोप-४, वदूक-४, युद्ध-३९ नाम

सोरभखी नाळी (सुण) आगजत्र (इम आख),
तोप तुपक वदूक (तिम) सोरभखी (जग साख) ।—४६५

अगनजत्र (ओरूं अखो) आरण आहव (आख),
कळहण भारत जुध कळह रोळो कजियो (राख) ।—४६६

सामरात राडो समर रण समहर आराण,
(जम) धकचाळा धमगजर प्रहरण रिण पीठाण ।—४६७

आहर द्रोमज वेध (इम भण) दमगळ भारात,
लडबो आहुड जग लड हूचक आजि (कुहात) ।—४६८

सगर विग्रह कळि (सुण) सपराय सग्राम,
आकारीठ (र) जुद्ध (इम) झगड़ो रीठ (जुधाम) ॥—४६९

डाकू नाम

धाडी डाकू धाडवी (पढो) धाटि परपात,
झोकायत अवकद (जप) धाडायत (धरात) ॥—४७०

डाका-३, रात का डाका-३, युद्ध मे से भागना-५ नाम

धाड़ो डाक (रु) धाड (धर रातमाहि) रत्याव,
रातावाह सुपतिक (रखो) समुद्राव सद्राव ।—४७१

### मूर्छा-२, हारना-३, जीतना-३ नांम

द्राव पलायन द्रव (दखो) मोह मूरछा (मान)
हार पराजै अजय (हव) जै यज विजय (सु जान) ।।—४७२

### बदला लेना-४, दगा छल-३ कारागृह-२ नाम

वैरवहोडण वैरसुध आटो आटल (आत),
चूक दगो (प्रच्छन्न) छळ कारा चार (कुहात) ।।—४७३

### खेंचना-४ घुसना-८ नाम

ताण खैंच अंचण तमक परठै पैंस (पढाता),
घसं पैठ पैसण धसण उळै वडै (इम आत) ।।—४७४

### दबाना-३, बराबर-६, बराबर वाला-१३, छोडना-६, ओसान-४ नाम

भीचण दावै भीच (भण) सरभर सरवर (सोहि),
ईढ वरोवर मीढ (अख मुण) समवड मम (जोहि)।।—४७५
(वळे) तडोवड (एम वद ओर) समोवड (आख),
समवडिया समवड समी (जाडी) जोडा (भाख) ।।—४७६
समोवडया (अर) सारसा वरोवऱ्या (वाखाण),
सारीसा सरखा (सूणू जेम) जोरडा (जाण) ।।—४७७
सारीखा (अर) सारखा तडोवड्या (कव तेम),
मोखण पहडै मोख (मुण) छोडण छूटो जेम ।—४७८
छूट वछूटो छोडियो खूटो (फेर वखाख),
उरजस वख ओसाण (इक वोल वळे) अवसाण ।।—४७९

### कैदी ५, कैद करना-६ नाम

प्रग्रह उपग्रह वद्य ग्रह ग्रहक (सु पाच गणाव),
कैद जेर रोकण रुकत वध अटक (वरणाव) ।।—४८०

### हठ-७, शक्ति३ स्थिर-९ यत्न-३, मानना-२ नाम

आट टेक अडवी असण हट हठ पसभ (सुहात),
समरथ पूछ (रु) सामरथ अडग रिधू थिर (आत) ।—४८१
(चव) अडोल नहचळ अचळ ध्रुव अवचळ घू (धार),
जतन सुरच्छा जावती समजण मानण (सार) ।।—४८२

### तय्यार-३ ललकारना-६ नाम

भीड तयार (रु) सभ्क (प्रभरण) वातळव वतळाव ,
(एम) हकाल वकार (अख जप) छेडै (रु) खजाव ।।—४८३

### जोड़ना-२, प्रमाण-२, मिलना-३, आना-जाना-१ नाम

जोडण साधण जोड (जप पढ़) प्रमाण परमाण ,
मिळण (ओर) भेटै मिळै (बोल विहाण) विहाण ।।—४८४

### दोनो ओर-३, जलना-४, मुरदे को आग में फेरने की लकडी-१ नाम

(वदो आवरत) सावरत दोयराह दहु राह ,
वळण जळण बळवो वळै चीधण (चाळवियाह) ।।—४८५

### पकडना-पकडाना नाम

झालै झेलै झालिया ढाबै गहै ढवाव ,
(लखो) झलाया झेलिया साहै (फेर) सहाव ।।—४८६

### शस्त्र चलाना नाम

पछटी वाही पाछटी जडकी (मारव) जाड ,
एमजड़ी (अर) आछटी धीवी बही (सुघाड) ।।—४८७

### साथ-३, समूह-१० नाम

साथे साथ (रु) लार (सुण) सहित (वळै) समूह ,
प्रकर थाट गण थोक (पढ) जूथ भूल व्रज जूह ।।—४८८

### उलटना-४, खडा रहना-४, चलना दौडना-१४ नाम

सालुळिया (अर) सालुळै उलटै उलटण (आण) ,
ऊभो ठाढो (इम) खड़ो भटकै भाजण भाख ।।—४८९

चालै हालै गमण (चव) हीडै वहै विहार ,
चलण न्हाम्रण खडण (चव सुण) अट खडै सिधार ।।४९०

### पागल नाम

वैडा गहला वावळा काला मसत (कुहात) ,
चळचत वावळ विकळचत गहलो उनमत (गात) ।।—४९१

### पछताना-२, संपूर्ण-७ नाम

पछतावरा पछताव (पढ मुरा) सरव तम्माम,
सगळो सपूरण सकळ पूरण सारो (पाम) ।।—४६२

### चहु ओर नाम

चोगडदा चोफेर (चव) चोतरफां चहुकोर,
चहूकूट चोमेर चव चहुकानी चहुओर ।।—४६३

### उमर-५, अच्छा-१३ नाम

आवरदा आयुस (अखो) आयू ऊमर आव,
आछ्यो उत्तम ऊमदा सुदर सैर (सुहाव) ।—४६४
वर तोफा श्रेसट (बळे) रूडो रूपाळो (ह),
ठाळो सखरो पूठरो (आखो इम) आछो (ह) ।।—४६५

### अप्सरा नाम

अच्छर अपछर अपछरा अछरा अछर (अखात),
पुरी सुरगबेसा (प्रभण) बारग हूर (विख्यात) ।।—४६६

### हिन्दू नाम

बेदक आरज देव (अख) हीदू हिंद (सुणात,
सुकबी हीदू रा सरव पचक नाम पुणात) ।।—४६७

### ब्राह्मण-१३, जितेंद्रिय-४ नाम

मुखसभव जोसी मिसर दुज भूदेव दुज्जात,
(पढो) गोरजी पाडियो बाडव विप्र (वुलात) ।—४६८
बेदगरभ बामण (बळे अवर) वरामण (आण),
सात समन(अर)श्रात (सुण)जितइद्रिय (जिम जाण) ।।—४६६

### शुद्ध आचरण-४ जनेऊ लेना-३ नाम

अवदान (रु) आचरण (अख) करमक सुद्ध (कुहात),
उपनाय (र) उपनय (अखो) बटूकरण (वुलवात) ।।—५००

### जटा-३, यज्ञ-११ नाम

जटा सटा जपता (जपो) जगन सत्र सव जाग,
तोम सपततत्तू क्रतू यग्य मन्यु मख याग ।।—५०१

### समिध-ईंधन-५, भस्म-५ नाम

ममित भेघ एधस (अखो) इन्नण तरपण (आख),
भूती वानी राख (भण) भसम छार (इम भाख) ।।—५०२

### परशुराम नाम

फरमवरण अगुपत फरस दुजराजा दुजरांम,
फरसरांम दुजराज (पढ़) राम (रु) परसूराम ।।—५०३

### नारद नाम

रिखीराज नारद रिखी देवरिसी (दरसात),
कलिकारक पिसुनी (कहो) सतब्रसुत (सरसात) ।।—५०४

### विश्वामित्रनांम

गाधिपूत कोसक (गिणू) विसवामत्र (वुलात,
कहो) त्रिसकूजगनकर (तिम) गाधेय (तुलात) ।।—५०५

### वेदव्यास नाम

वेदव्यास माठर (वदो) पारासरय (पढात),
ल्या वादरायण (वळे) जोगनगधाजात ।।—५०६

### सत्यवती-३, वाल्मीकि-४ नाम

सत्तवती (अर) वासवी जोजनगधा (जाण),
वालमीक वलमीक (वद) आदकवी कवि (आण) ।।—५०७

### वसिष्ठ-३, वसिष्ठ की पत्नी-२ नाम

अरुंधतीस वसिष्ट (अख) ब्रह्मापूत (वखाण),
अखमाळा (रु) अरुधती (जिण री महळा जाण) ।।—५०८

### व्रत-४, उपवास-२, आचार-३ नाम

वरत नेम (अर) नियम व्रत उपवसत (रु) उपवास,
चरण चरित आचार (चव तीन नाम कह तास) ।।—५०९

### जनेऊ नाम

जग्यसूत उपवीत (जप वळे जयन) उपवीत,
ब्रह्मसूत (फेरूं वदो राख) पवित्र (सुरीत) ।।—५१०

### क्षत्रिय नाम

छत्री घत्रिय छत्र (चव) खत्रिय खत्री (आख),
आचप्रभव रजपूत (अख) राजपूत (इम राख) ॥—५११

### वैश्य-१३, वाणिज्य-४ नाम

विस वाण्यू (अर) वाणियो वणक कराड वकाल,
आरज साहूकार (अख) ऊरुज साह (उताल) ।—५१२

सेठ महाजन भारसह (पढ इणरो) वोपार,
वाणिज (ज्यूंही) वणज (वद)साचभू टकर (सार) ॥—५१३

### मोल-३, मूलधन-४, ब्याज कावन-३नाम

मोल अरघ मूलय (मुणूं) परिपण पडपण (पेख,
दोखो) मूळ (रमूळ) द्रव लाभ कळा फळ (लेख) ॥—५१४

### बेचना-३, एक-६ दो-६, तीन-७, चार ७ नाम

विक्रय विपणक वेचवो हैकण एकण (होय),
एक हेक इक पहल (अल) दो दुव वे जुग दोय ।—५१५

उभै तीन त्रण (अखो) त्रि मुर ग्रहू गुण (तेम),
च्यार चतुर चत्रु चत्र चव (जप) चौ चारु (जेम) ॥—५१६

### पाच-४, छ-४, सात-३ नाम

पाच पच सर तत्व (पढ) तीनदूण खट (तात),
छै रस (इम फेरू चवो सपत सत्त (जिम) सात ॥—५१७

### आठ-४, नौ-१० नाम

आठ वसू चउदूण अठ नाडी नव निधि नोय,
नौ ग्रह अक (सु) नाग (अख जेम) खड गो (जोय) ॥—५१८

### जहाज-५, नाव-७ नाम

पोत जिहाज वहित्र (पढ) महानाव महनाव,
तरणी तरि बेडा तरी नोका तूगी नाव ।—५१९

### डोंगी-४, भारवाही-१ नाम

वेडो (अनै) वहित्र (वद) भेळो डूडो (भाख,
काठ नीरवहणी सुकव) द्रोणी (जिणनू दाख) ।—५२०

### डाड-२, घडनाव-२, नाव की उतराई-१ नांम

(वदो खेपणी खेवणी कोल तरड (कुहात ,
उतरायी रा आथरो) आतर (नाम सुहात) ।।—५२१

### व्याज-३, ऋण-३, भरणा-२, ऋणी-२ नाम

व्रद्धि कलातर व्याज (वद) रण रिण (अर) उद्धार ,
आपमितय भरणू (अखो) ध्रुरियो ग्राहक (धार) ।।—५२२

### वोहरा-१, जामिन-२, साक्षी-३, रहन-बंधक-२ नाम

(उत्तम) रणदायक (अखो) प्रतिभू जामन (पेख) ,
साखी थेयक सायदी वधक धरणू (वेख) ।।—५२३

### माशा-१, कर्ष (तोल)-२ नाम

(पचम गुंजा रो प्रगट) मासा (मान गणात ,
सोळह मासा रो सदा) करस (र) अक्ष (कुहात) ।।—५२४

### पल-१, अक्ष-१ विलत-१ नाम

(करस च्यार)पळ(मान कह) सुवरण (मान सुणात ,
हिक पळ मान सु हेमरो मतकुरु) विसत (मुणात) ।।—५२५

### तुला-१, भार-२ नाम

(पळ सत फेर प्रमाण रो) तुळा (नाम तोलात ,
तुळा बीस रा तोल रो) भार सलाट (भणात) ।।—५२६

### आचित-१,हाथ-१ नाम

(रिधू अवै दस भार रो) आचित (नाम उच्चार ,
आगळ च्यार रु वीस अव वेख) हसत विसतार) ।।—५२७

### दड-१, कोस-१ नाम

(मुणू च्यार कर मानरो) दंड (नाम दरसात ,
दोय हजारक दड जो सको) कोस (सुर सात) ।।—५२८

### दो कोस-२, योजन-१ नाम

व्रव्यूती गोरुत (गिणू मान दुकोस प्रमाण ,
च्यार कोस चा मान रो) जोजन (नाम सजाण) ।।—५२९

### गायों का स्वामी-२, ग्वाल-७ नाम

गोमान (रु) गोमी (कहो) गोदुह गोप गुवाळ,
(अख) अहीर आभीर (इम) गोपाळक गोपाळ ।।—५३०

### किसान नाम

खेत—जीव खेती हळी करसो करसक (जाण),
करसुक खेतीवळ (कहो) कडुववाळ करसाण ।।—५३१

### हल-३, चऊ-१, हाल-१ नाम

लागल चासविदार हळ कुटक (निरीस कुहात),
ईसा (हलरी हाल इम सीता पथ सुहात) ।।—५३२

### फाल-कुश्या ४, दराती-२, मूठ-बेंटा-४ नाम

फाल कुम्बिक (अर) कसिक फळ दात्र दातळी (देख),
मुदै जिकारी मूठ रो) वैंसो वंटक (वेख) ।।—५३३

### खानत्र-खणीत्य-२, कुदाली-२ बैलहाकने का-३ जोत-२ नाम

अवदारणक खनित्र (अख) कूदारण कुद्दाळ,
प्रवयण तोत्र प्रतोद (पढ) जोता ऽऽवध (सुजाळ) ।।—५३४

### मोगरी-३ मेघ्य-ढेले फोड़ने का-४ नाम

मेधि मेढ मेही (मुणू) भेदक—डगळ (भणात),
चावर कोटिम (फेर चव जेम) मे दडो (जात) ।।—५३५

### शुद्र नाम

अतवरण सूद्रक (अखो) व्रसल (क) पद्य (वुलात),
मूदर (फेरू) पज्ज (सुण) जघन ज ओयण (जात) ।।—५३६

### कारीगर-४ कारीगरी-३, माली-४, मालिन-१ नाम

कारीगर कारी (कहो) सिलपी कारु (सुणाय),
सिलप कळा विप्यान (सुण) माळाकार (मुणाय) ।।—५३७
फूलजीव (आरू प्रभण) माळी माळिक (माण,
पुसप चूट लावै प्रमद) पुसपलावि (परमाण) ।।—५३८

### दरजी-रफूगर नाम

तूनवाय सवचक (तथा) सोचथ सूयोवार,
महीदोत गजधर (मुणू) दरजी कपडविदार ।।—५३९

### सुई-३, कैंची-५ नाम

सूची सूई सीवणी कातर कत्तरणी (ह,
कहो) कृपाणी कलपनी अवर करतरी (ईह) ।।—५४०

### कु भार नाम

कोलाळी (रु) कुलाल (कह) कु भकार घटकार,
चक्करजीवत (फेर चव) परजापत कू भार ।।—५४१

### नाई-हज्जाम नाम

नापित नाई नेवगी मू डवाळ मू डाळ,
केसकाट नेगी (कहो वळो) वणावणवाळ ।।—५४२

### हजामत-६, निहानी-२ नाम

परिवापण खिजमत वपन भद्राकरण (भणात,
तिम) मु डण (अर)कातर्‌या नखहरणी नखघात ।।—५४३

### बढ़ई नाम

रथकरता खाती (रखौं) काठकाट रथकार,
(घर) बाढी (अर) वरधकी थपती तट सूथार ।।—५४४

### आरा-५, वसूला-३ टाकी-१ नाम

करपत्रक वहरार (कह) करवत क्रकच करोत,
वासी तच्छणि अच्छभित पत्थरफाडी (होत) ।।—५४५

### हलवाई-३, तेली-४ नाम

कदोई खाणूकरण हलवायी (जिम होय),
धूसर तेली चोघरी (जिम ही) घाची (जोय) ।।—५४६

### सकलीगर-६, सान-२ लोहार-३ नाम

असिधावण (आखो अवै) आवधमाजण (आण),
साणजीव भरमासतक सगलोगर (सू जाण) ।।—५४७
असिधावक (ओरू अखो) साण निकस (खरसाण),
लोहकार लोहार (लख) वेदाणी (वाखाण) ।।—५४८

### अहरन-२, हतोडा-२, घोकनी-३, वर्मा-२ नाम

(चव) अहरण (अर) भाचरो हत्तोडो घण (होय) ,
घवणी घूण (र) धूकणी सार वेधणी (सोय) ।।—५४९

### सोनार नाम

नाडीधमण सुनार (कह) सोनी सोव्रणकार ,
मुस्टिक (और) कलाद (मुण मुण) घडियो सोनार ।।—५५०

### मनिहार-४, चितेरा-३ नाम

लक्खारो मणियार (लख) मणिकारक मणिहार ,
रगजीव चतरामकर (हमकै) चतरणहार ।।—५५१

### धोबी-४, रगरेज-३ नाम

गजी रजक धोवी (गिणूं) धावक (फेर धरात ,
लख) नरणेजक लीलगर रगरेज (दरसात) ।।—५५२

### पींजनी-४, जुलाहा-३ नाम

पीनण पीजण पीजणी विहननतूल (बुलात) ,
जुल्लावो वणकर (जपो) ततूवाय (तुलात) ।।—५५३

### कलार नाम

मदजीवण धुज सेठ (मुण पान) कराड (पढात) ,
आसवकरण कलाळ (इम) दारूकार (दढात) ।।—५५४

### मद्य नाम

दारू मद कादवरी मदिरा इरा (मुणात) ,
आसो मधु अैराक (इम) समदरसुतन (सुणात) ।—५५५
हारहूर (अर) हलिप्रिया सुरा वारुणी (सोय) ,
आसव महुवावाळ (अख) हाला सुडा (होय) ।।—५५६

### खारभजना-गजक नाम

(खार) भजण चखण (अख वळे) नुकळ (वाखाण) ,
मदपअसण अवदस (मुण जिम) उपदस (सु जाण) ।।—५५७

### आसव-३, प्याला चुसकी-५ नाम

आसव अभिसव आसुती चसक (रु) सरक (चवात) ,
प्यालो चुसकी (फेर पढ़) दारूपात्र दिखात) ।।५५८

### अफीम नाम

नागझाग कसनागरा काळी अमल (कुहात),
नागफेण पोसत (नरख) आफू कैंफ (अखात) ।—५५६
(आख) अफीम अफीण (इम) काळागर (कह तात,
वळे) सावळो दाणवत काळो (फेर कुहात) ।।—५६०

### भग नाम

सवजी मातगी (सुण्) यिजया (अर) वूटी (ह),
भाग वीजभव (तिम प्रभण लखो फेर) लीली (ह) ।।—५६१

### मल्लाह्-धीवर-३, ओद-३, मछली पकडने का फाटा-१ नाम

धीवर खेवट कीर (धर) वडिस ओद (वाखाण),
मच्छवेधणी (फेर मुण जेम) कुवेणी (जाण) ।।—५६२

### मदारी-३, वाजीगरी-२, इन्द्रजाल-४, कौतुक-खेल-४ नाम

वादगिर जाळी (वळे) मायाकार (मुणाय),
माया सावरि (करम तस सोही ओर सुणाय) ।—५६३
इन्द्रजाळ (अर) जाळ (अख)कुस्त्रती कुहक(कुहात),
कोतूहळ कोतुक कुतुक (और) कुतूहळ (आत) ।।—५६४

### आहेडी-शिकारी-६, शिकार-५ नाम

आहेडी थोरी (अखो) लुवधक लुवध (लखात,
वळे) पारधी सावळा नायक व्याध (मुणात) ।।—५६५
ध्रगवधजीवण (फेर मुण सुण) आखेट सिकार,
आछोटण भ्रगया (अखो) पापकरण (अणपार) ।।—५६६

### भालू-वनरक्षक नाम

भालू टूक्यो भाळवी (कहज्यो फेर) करोल,
(सुकवी भालू रा सरव विसद नाम ऐ वोल) ।।—५६७

### जालवाला-३, जाल-४ नाम

जाळकार जाळिक (जपो ओर) वागर्‌यो (एख),
जाळी जाळ (रु) जाळिका (वळे) वागुरा (वेख) ।।—५६८

### वागुरा-२, फंदा-२, मृगपाश-४ नाम

अवट (अनैं) अवपात (अख) पासी फंद (पढात,
बेखो) रज्जू गुण बटी (और) वटारक (आत) ॥—५६९

### कसाई नाम

कोड़िक खटिक खटीक (कहू एम) कसायी (आत),
कोटिक सोनिक मासकर वैतंसिक (बिख्यात) ॥—५७०

### चमार-मोची नाम

चरमकार भाभी (चवो) मोची (और) चमार,
पावरच्छणीकरण (पढ कहो) मोचडीकार ॥—५७१

### जूता नाम

पावरच्छणी पादुका जूती जरबो (जाण,
चवो) उपानत मोचडी प्राणहिता (पहचाण) ॥—५७२

### मुसलमान नाम

रोद रवद खदडो तुरक मीर मेछ कलमाण,
मुगल असुर वीबा मिया रोजायत खुरसाण ।—५७३
कलम जवन तणमीट (कह) खुरासाण (अर) खान,
चगथा आसुर (फेर चव मानहु) मूसलमान ॥—५७४

### फिरंगी नाम

अगरेज अंग्रेज (अख) गोरा मेछ गुरड,
भूरा टोपीवाळ (भण) वदसाहब (बळवड) ॥—५७५

### बादशाह नाम

पातसाह पतसाह (पढ) साह दलेस (सुणात,
फेर) ढेलडीपत (पुण एम) दलेसुर (आत) ॥—५७६

### अंत्यज नाम

विवरण प्राकृत नीच (वद) पामर इतर (पढात,
परथक) जन (फेरू पढो) वरबर (एम बुलात) ॥—५७७

### भंगी नाम

चूडो महतर चूहडो भगी सुपच (भणेह,
बरो) जनगम धाणको वुकस निसाद (बणेह),—५७८

खाकरेज गडसूरखज अतेवासी (आण) ,
पुक्कस (इम) चाडाळ (कह) प्लव चडाळ (पिछाण) ।।—५७६

म्लेच्छ-भेद नाम

निम्ठ्या सवरा नाहला (ओर) पुलिदा (आण) ,
भिल्ला माला अरभटा (जात मेछ सब जाण) ।।—५८०

•

## पृथ्वीकाय प्रारंभः

दोहा

दुतिय खड माहे दुरस, भू रा नाम भणेह ।
इणथी भूमि कायिका, पहली अठै पढेह ।।

उपजाऊ भूमि-१, ऊसर-२, टीला-२ नाम

(रख धान होवै सरस जिको) उरवरा (जाण) ,
इरिण (बळे) ऊसर (अखो एम) थळी थळ (आण) ।।—१

निर्जल देश-२, बिना जुती भूमि-२ मिट्टी ५ नाम

निरजळ जगळ (नाम धर) वीडो खिल (वाखाण) ,
माटी मटी म्रतिका गार (र) लछमी (गाण) ।।—२

नमक की खान-१, नमक ३, संधा-३'
सचर-२, धूल-६ नाम

(नरख लवण री खान रो) रुमा (नाम दरसात) ,
लवण लूण मीठो (लखो) सिंधूभव (सरसात) ।।—४
सिधुदेसव सीतसिव सचल (सूळ) नसात ,
धूळ गरद रेणू (घरो) रेत खेह रज (आत) ।।—५

देश नाम

देस मुलक जनपद (दखो) मडळ खड (मुणात) ,
विसयक उपवरतन (वळे सातहि नाम सुणात) ।।—६

### आर्यावर्त नाम

(विंभ्भ हिमाजळ बीच मैं) आरजवरत (अखात,
सो) अचारवेदी (सुण) धरमधरा (सुधरात) ॥—७

### अन्तर्वेद-१, कुरुक्षेत्र-२ नाम

(जमुना गगा विच जमी) अन्तरवेदी (आख),
धरमखेत कुरुखेत (धर दुवदस जोजन दाख) ॥—८

### कामरूप-२, वगाल-१, मालवा-१, मारवाड़-३,
### साल्व-१, अग देश-१ नाम

कामरूप (अर) कागरु वग माळवो (बेख),
मारवाड़ मुरधर मरू साल्व अग (सपेख) ॥—९

### त्रिगर्त-१, कश्मीर-१, मेवाड-२, केरल-१,
### मगध-२, ढूंडाड़-२ नाम

जालधर कसमीर (जप) मेदपाट मेवाड,
केरल कीकट मगध (कह) ढुंडदेस ढूंढाड ॥—१०

### गाव-३, सीमा-६ खलियान-३ ढेला-४, चूर्ण-२ नाम

ग्राम गाव निवसथ (गिणं) अत सीम अवसाण,
सीमा मरजादा (सुण जिम) सीवाडो (जाण) ॥—११
कार हद्द अवधी (कहो) खळो (खळ) धान खळा (ह),
लोठ ढगळ (इम) दलि डगळ चूरण खोद (चवाह) ॥—१२

### वामला नाम

वामलूर (अर) वामलो वम्रीकूट (बुलात,
कीडापरवत नाकु (कह तिम) बलमीक (तुलात) ॥—१३

### नगर नाम

नयर नैर नगरी नगर पट्टण पुर (प्रकटाय),
पुटभेदन पत्तन पुरी सहर नग्र (दरसाय) ॥—१४

### गढ-२, किला-६, कोट-४, बुर्ज-२, गली-४ नाम

गढ (अर) कोट दुरग द्रुग (भणं) दुरग भुरजाळ,
कल्लो (जिम) आसेर (कह सुण) वरण अरसाळ ॥—१५

कोट (अनै) प्राकार (कह) खोम अटाळ (अखात),
परतोली विसिखा (पढो) गळी प्रतोली (गात) ।।—१६

गया-२, काशी-४, अयोध्य-४, मिथिलापुरी-३, पटना-१ नाम

(पढो) गया गयनृपपुरी कासी कामि (कुहात),
वाराणसि सिवपुर (वळे) अवध कोसला (आत । —१७
इम) साकेत अजोधिया मिथिलापुरी (मुणात,
पढो) विदेहा जनकपुर पाटलिपुत्र (पुणात ।।—१८

द्वारका-२, मथुरा-२, उज्जैन-३ नाम

द्वारवती (र) दुवारका मथरा मथुरा (माण),
उज्जयणी (र) उजीण (अख जेम) अवती (जाण ।।—१९

कन्नोज-२, दिल्ली-७, नरवर-२, चपापुरी-२, चदेरी-२ नाम

कानकुवज कन्याकुवज पाडवनगर (पढात),
ढल्ली दल्ली ढेलडी गजपुर (वळे गिणात । —२०
(गिण) हतणापुर (र) रवदगढ नळपुर निसवा (नाम),
करणपुरी चपा (कहो) त्रिपुर चदेरी (ताम) ।।—२१

मार्ग नाम

पदवी मारग डकपदी मग गैलो पवि माग,
पद्धति सरणी पथ पथ अयनक बाट (अथाग) ।।—२२

सुमार्ग-२, अमार्ग-२, कुमार्ग-३ सूनामार्ग-२ नाम

आछोमारग पथ (अख) ऊबट अपथ (अखाड),
कदधव कापथ विपथ (कह अख) प्रातर उज्जाड़ ।।—२३

चोराहा-३, राजमार्ग-३ नाम

चोहट्टो (अर) चोहटो) (वळे) चोवटो (वोल),
राजपथ ससरण (कह तिम) घटापथ (तोल) ।।—२४

बाजार-३, हताई-३ मरघट-७ नाम

वणजपथ बाजार (वद) विपणी (वळे वखाण),
पद (र) हतायी आसपद (सुण) मसाण समसाण । —२५

(पढ) करबीरक पितरबन (बद) खेत्रा (वरणाव),
प्रेतगेह (फेरूं प्रभण जेम) मसाण (जणाव) ।।—२६

**घर-२६, राजघर-३, कुटी-२, घास की झोपडी-१ नांम**

आलय निलय अगार (अख) थानक मदर थान,
गेह ओक आगार ग्रेह कुट ऐवास मकान ।—२७
सदन झूंपडो घर सदम घिसण खोलडो धाम,
भोण निकेतन कुळ भवन वसति निवास—सुवाम ।—२८
जाग ऐण आथाण (जप) सोध महल प्रासाद,
उटज परणसाळा (अखो) कायमान (त्रणकाद) ।।—२६

**शयन-गृह-२, मडप-२ सूतिका गृह-३ नाम**

पडवो सोवणघर (पढो) मडप जनघर (माण),
सूतकगेह अरिष्ट (जिम जापा रो घर जाण) ।।—३०

**रसोई का घर-३, भडार-१० नाम**

सूदकसाळा रसवती (एम) महानस (आत),
पाकथान (फेरू पढो) भाडागार (भणात) ।—३१
(वेख) खजानू द्रव्यघर कोस (वळे) कोठार,
रोकट मोहर रूप घर (मुण) भडार (अमार) ।।—३२

**हाट-५ चवूतरी-४ नाम**

अट्ट हट्ट आपण (अखो) विपणी हाट (वखाण)
वेदी वेदि वितर्दिका (जेम) जूतरी (जाण) ।।—३३

**आंगन-३, दर्वाजा-४ नाम**

अगण अगन आगण नोरण पोळ (तुलात),
दरवाजो (ओरू दखो वळे) दुवार (वुलात) ।।—३४

**द्वार-५, भुजागल-४ नाम**

बलज दुवारो बारण द्वार वार (दरसात),
आगळ परिघ (र) अरगळा भागळ (फेर भखात) ।।—३५

**किवाड नाम**

अरर पट्ट फाटक (अखो कहो) कुवाट कमाड,
अररि कपाट कवाड (इम कहो) कु वाड कवाड ।।—३६

### देहली-५, झोपडी कच्चा घर-२, छत-१ नाम

देहळ डेहळ देहळी उवर उवुर (आत),
वलभी गोपानसि (बदो) पटळ (ऊपली छात) ।।—३७

### गज-१, कोना-७ नाम

कुटिम (तैलीछात कह) खूण कूट (अखात),
कोण अस्र पाली (कहो) कोटी अणी (कुहात) ।।—३८

### सीढी-४, निसैनी-३ नाम

आरोहण अवरोह (अख सुण) सीढी सोपान,
नीसरणी निश्रैणिका (जिम) अधिरोहणि (जान) ।।—३९

### पेटी-४, झाडू-६, कूड़ा-३ नाम

मजूसा मजुस (मुण) पेटी पेयी (पेख),
सजवारी (अर) सोवणी (वळे बुवारी (वेख) ।—४०

समारजनी सोधणी वहूकरी (वाखाण),
कूडो कचरो अवकर (क जेम) कजोडो (जाण) ।।—४१

### ओखल-३, मूसल-४ नाम

(आखो) ऊखळ ऊखळी (एम) उदूखळ (आख),
खाडणियो (अर) खाडण्यू मूहळ मुसळ (इमाख) ।।—४२

### चालणी-३, सूप-२, चूल्हा-४, हडिया-२, कुम्हार का चाक-३, घड़ा-वेहडा-८ नाम

(लखो) खेरणी चाळणी तितऊ (फेर तुलात,
जप) सूपडो छाजळो चूल्हो चुल्लि (चवात) ।—४३

अधिश्रयणी असमत (इम) कुंभी चरू (कुडात),
चाक चक्क चक्कर (चवो) वे वेहडो (वुलात) ।
कुंभ घड़ो घट निप कळस (तेम) वेवडो (तात) ।।—४४

### मटकी-६, अगीठी-४, भाड-२, पीने का पात्र-२ नाम

मटकी गागर माथणी काहेली (प्रकटाय,
तेम) कायभी पातळी सिगडी हसनि (सुहाय) ।।—४५

गाडी (इम अगाररी ओर) अगीठी (आण),
भाड अबरीसक (मण॒) पारा चसक (पछाण) ।।—४६

**रुई-५, रुई का थंवा-२, पात्र २ नाम**

मथ खजक मथान (मुण) रयी झेरण॒ (आत),
विसकभक मजीर (बद) भाजन पात्र (भणात) ।।—४७

**पर्वत नाम**

डूगर पर्व पहाड गर भाखर परवत (भाख),
अग गरिंद मूधर अचळ अद्री मगरो (आख) । —४८
गरवर नग सखरो गिरी सानूमान (सुहात),
सैल कदराकर (मुण॒) सानूवाळ (सुणात) ।।—४६

**उदयाचल-३, अस्ताचल-२, हिमालय-३ नाम**

(चवो) उदय पूरव अचळ असत चरमनग (आण,
उदक) अद्रि हिमवान (अख जेम) हिंवाळो (जाण) ।।—५०

**कैलाश-२, विंध्याचल-२, बिमलाचल-१ नाम**

रजताचळ कैळास (रख) वीझाचळ (वाखाण),
जळवाळक (तिणनू जपो) सत्रु जय (सूजाण) ।।—५१

**सुमेरु नाम**

रतनसानु गरमेर (धर) मेरू मेर सुमेर,
गरापती (अर) हेमगर (पढो) देवगर (फेर) ।।—५२

**शिखर-४, कराड़ा-२, पर्वत का मध्य भाग-२ नाम**

शृंभ कूट सानू सिखर (कहो) प्रपात कराय,
(भाखर विचला भाग हू) कटक नितव (कुहाय) ।।—५३

**गुफा-३, पत्थर-८ नाम**

दरी गुफा गुद कदरा पत्थर सिल पाखाण,
पूण॒ भाटो उपल (पढ) पाहण (जिम) पासाण ।।—५४

**खान-३, गेरू-२, खड़िया मिट्टी-५ नाम**

आकर गजा खान (अख) गेरू धातु (गुणाय),
खटणी कठणी खडी पाडू (वळे पुणाय) ।।—५५

### लोहा नाम

लोह पारसव लोहडो अय कालायस आत,
सिलासार घरा पिंड (सुरा) ससतर धीन (सुरात) ।।—५६

### तावा-४, सीसा-७ कलई रागा-७ नाम

मुरा उदुबर मेछमुख तावो ताम्र (तुलात),
सीसपत्र सीसो सियो (गडूपद) भव (गात) ।—५७

नाग (हेम) अरि सिस (नरख) त्रपु कथीर सठ (तिम),
वग (नाग) जीवन (वळे) आलीनक गुरु (एम) ।।—५८

### चादी नाम

रूपो चादी वसु रजत जीवन तार (जरात),
जीवनीय खरजूर (जप) भीरुक सुभ्र (भरात) ।।—५९

### सोना नाम

कचन कुनरा बसु कनक सोनू सुवररा (सोय),
चामीकर चामीर (चव) हाटक अरजुरा (होय) ।—६०

सोन्नन (अर) हेमग (मुरा तेम) भरम तपनीय,
जातरूप गारुड (जपो) रजत हेम रमरगीय ।।—६१

### पीतल-५, कासा-४ नाम

पीतलोह पीतळ (पढो) आरकूट गिरि आर,
रवरा चोस कासी (रटी प्रकट वीजळीप्यार ।।—६२

### पारा-६, अभ्रक-२ नाम

पारद पारत सूत (पढ) चळ रस चपळ (चवात,
मेह नाम इरा रा मुरा) अभ्रक भोडळ (आत) ।।—६३

### कसीस-५, गन्धक-६, हरताल-६ नाम

काससक खेचर कसक कस (र वळे) कसीस,
पावकोढ सात्रव (पढो) गधक मुलव (गुरगीस) ।—६४

सुकपिच्छक दयितेन्द्र (सुरा) हरितालक हरताळ,
नटमडरा पीतन (नरख इम) वगारी आळ ।।—६५

### मैंनसिल-५, सिन्दूर-३ नाम

सिला रोचणी मैणसल नेपाळी कुनटी (ह),
नागरगत नागज (नरख इम) सिदूर (सुईह) ॥—६६

### इगुर-२, शिलाजित-४, वीजावेल-६ दूरबीन-चश्मा-३ नाम

हृसपाद (अर) हीगलू गिरिज सिलाजतु (गेय)
सिलाजीत असमज (सुण) वीजावोळ (विधेय) ।—६७
वोळ गधरस सस (वळे) पिंड गोपरस (प्राण),
चसमू (अर) दुरवीन (चव जेम) कुलाली (जाण) ॥—६८

### रत्न-४, वैदूर्य मणि-१, पन्ना-४ नाम

माणक वसु (अर) रतन मणि वैदूरय (वाखाण),
मरकत पन्ना हरितमणि (जिम) गरुतमत (जाण) ॥—६९

### लाल-४, हीरा-३, मूंगा-३ नाम

पदमराग लछमीपुसप माणिक लाल (मुणात,
जतरी अभिधा वजररी सो अव अठै सुणात) ।—७०
सूचीमुख हीरक (सुण वळे) वरारक (वोल),
रकतकद रकताग (रख तिम) परवाळो (तोल) ॥—७१

### सूर्यकान्त मणि-२, चन्द्रकान्त मणि २ मोती ७, भूषण-६, शृंगार २, राजावर्त हीरा-३ नाम

सूरकात सूरजअसम चदकात मणि (चेत),
मोताहळ सारग (मुण) सुकतिज मुत्ति (समेत) ।—७२
मुकताफळ मुकता (मुण) मोती (रसभव माण,
रट) आभूपण आभरण गहण भूखण (गाण) ।—७३
गैण (ओरु) (साज गिण वद) सणगार वणात,
राजपट्ट वैराट (अख) राजावरत (रखात) ॥—७४

समाप्तोऽय पृथ्वीकाय

## अप्काय प्रारंभः

दोहा

### पानी नाम

अब तोय दक पै उदक अभ सलल (अर) नीर ,
पाणी जळ सारग पय वार आप वन छीर ।।—७५

### अथाह पानी-२, गहरा पानी-२ नाम

(जेम) अगाव अथाह (जळ) गहर निमन गभीर ,
ऊंडो (फेर) असेवता गैरो वळे) गभीर ।।—७६

### साफ पानी-३, पानी का सोता-२, गदला पानी-५ नाम

सुच्छ अच्छ परसन्नता (अख) सेवो उत्ताग ,
अप्रसन्न कलुस (रु) अनछ आविल गुघळो (आन) ।।—७७

### बर्फ नाम

अवमयाय प्रालेय (अख) हिम मिहिका नीहार ,
पाळो हिंव (अर) वरफ (पढ) तूहिन (बळे) तुसार ।।—७८

### लहर नाम

लहरी उतकालिका लहर उरमी वेळ (अखात) ,
उभ्फल उभ्फेल उभ्फल्ल (इम) भग हिलोळ (भणात) ।।—७९

### भवर-४, भाग-५ नाम

(भण)आवरत (रु)जळभमरण बोलक भूण(वखाण) ,
फेण समदकप फेन (पढ) भाग डिडीर (सुजाण) ।।—८०

### किनारा नाम

कूळ कच्छ रोधस (कहो) तठ (अर) तीर प्रतीर .
पुलिन (अनै) परताप (पढ धरो) कनारो (धीर) ।।—८१

### नदी नाम

सरित तरंगाळी सलत सरता नदी (सुणात) ,
निरभ्फरणी तटनी धुनी परवतजा (सु पुणात) ।—८२
नै सेवळनी निमनगा (सिंधु) बाहणी (सोय ,
वरो) आपगा जळधिया (जिम) जवालनि (जोय) ।।—८३

### गंगा नाम

भीसमसू भागीरथी गगा गग (गिणाय),
सिद्धआपगा सुरसरी देवनदी (दससाय) ।—८४

भीसमआयी (फेर भण) मदाकणी (सुणात),
सरितवरा हरसेखरा सुरगीनदी (सुणात) ।।—८५

### यमुना नाम

जमना जमुना यमि जमि सूरजसुता (मुणाय),
जगभगनी (ओरू जपो) कालदी (मु कुहाय) ।।—८६

### नर्बदा-४ तापी-२ नाम

मेकलाद्रिजा नरमदा (ओर) इदुजा (आत),
पूरवगगा (फिर पढ) तापी तपती (तात) ।।—८७

### चम्बल-३, गोदावरी-२ कावेरी-१ नाम

चरमवती चामळ (चवो) रतिनदी (जिम राख,
दख) गोदा गोदावरी अरधसुरसरी (आख) ।।—८८

### अटक-३, बनास-२, बैतरणी-१ नाम

करतोया (अर) अटक (कह) सदानीर (सरसात),
वासिसठी (रु) वनास (वद) वैतरणी (विख्यात) ।।—८९

### प्रवाह-३, घाट-३, नाला-२, बूंद-२ नाम

वेणी ओघ प्रवाह (बक) तीरथ घाट वतार,
नाळो जळनिरगम (नरख) विंदू प्रसत (विचार) ।।—९०

### मोरी-३, रेत २, धोरा-२ नाम

परीवाह परिवाह (पढ) मोरी (फेर मुणात),
वालू मिकता वालुका सारण पान (सुणात) ।।—९१

### कीचड-७, दाह-४ नाम

कादो गारो पक (कह जप) करदम जवाळ,
चीखिल्लक (अर) चीखलो (अख अगाध) जळवाल ।।—९२

[दाह—क्रमश ] कुआ-६, तालाव-६ नाम

द्रह दह ह्रद (ओरू दवो) अधु ढीमडो (आत),
कूओ वेरो (अर) कवो कोर तळाव (कुहात) ।—६३
सरवर ताळ तडाग सर सरसी (अर) कासार,
(एम) सरोवर (फेर अख) पदमाकर (अणपार) ।।—६४

वावडी ३, खेल-२, तलाई-२, रेंहट २ नाम

वापी वाय (रु) वावडी उपकूपक आवाह,
पुसकरणी खातक (पढो) रेंट (रु) अरट (अणाव) ।।—६५

खाई-३, थावला-२, झरना-४, कुंड-२ नाम

खाई परिखा खातिका आलवाल आवाप,
निरझर कर समि स्रव (नरख) कुड जळासी (काप) ।।—६६

समाप्तोऽय अप्काय.

•

## अथ तेजस्कायमाह

दोहा

वडवानल-२, दावानल ३, मेघज्योति-२, तुषानल-२ नाम

वडवानळ वाडव (कहो) दावानळ दव दाव,
मेघवन्हि (अख) इरमद कुकुल तुसाग (कुहाव) ।।—६७

उपलों की आग-२, तापना-२, ज्वाला-४ नाम

करीसाग छागण (कहो) ताप (वळे) सताप.
झाळ (रु) झळपट (फेर जप) ज्वाळा कीला(जाप) ।।—६८

अगीरा-५, अगीरे की ज्वाला-१, धुआ-८, चिनगारी-१ नाम

उलमुक (अनै) मटीट (अख) अगीरो अगार,
(इम) अलात उतका (अखो) धूम धुवा धू (धार) ।—६६
वायुबाह खतमाल (वद) भभ आगवह (भाख),
दहनकेत (ओरू दखो) अगनीकण (इम आख) ।।—१००

समाप्तोऽय तेजस्काय

## अथ वायुकायमाह

### दोहा

**पवन नाम**

वाय समीरण वायरो मरुत वाव पवमाण ,
अनिळ महाबळ मेघअरि पवन प्रभजण (आण) ।—१०१
पच्छिम, उत्तर. दिसपती* गधवहण जनप्राण ,
सुचि समीर सामीर (सुण) वात हवा पवनाण ।।—१०२

**वृष्टियुक्त पवन-१, प्राण-वायु-१, अपान-वायु-१, समान-वायु-१ नाम**

जाभ्क (विृष्टिजुत वाव जप) प्राण (हिया मे पेख ,
नरखो पवन) अपान (गुद नाभि) समान (मु देख)—।।—१०३

**उदान-वायु-१, व्यान-वायु-१ नाम**

(कठदेस माहे प्रकट आखो ' सदा) उदान ,
(सरत्र देह वरती सदा वोल समीरण) व्यान ।।—१०४

**आधी-४, लू-४ नाम**

आवी वावळ डूज (अख अर) अधारी (आत) ,
दवनतपत (इम) भ्कड (पढ) लू (अर) भ्कर (लखात) ।।—१०५

समाप्तोऽय वायुकाय.

•

## अथ वनस्पतिकाय माह

### दोहा

**वन नाम**

अटवि विपिन कातार (अख) दव कानन वन दाव ,
गहन कक्ष अटवी (गण॒ वळे) अरण्य (वणाव) ।।—१०६

---

* पच्छिम, उत्तर, दिसपनि=पच्छिमपति, उत्तरपति ।

### बाग-६, बाहर का बगीचा-१ नाम

अपवन उपवन बेल (अख) बाग बगीचो (वेख,
कृत्रिमवन) आराम (कह) पोरक (वारै पेख) ॥—१०७

### प्रमदा-वन१, स्थानिक बाग-२, बाडी-१ नाम

(महिप जनाना माहिलो) प्रमदावन (पहचाण,
ग्रहाराम निसकुट (नरख) बाढी (फूल वखाण) ॥—१०८

### वृक्ष नाम

तर साखी तरवर तरू द्रुम द्रुमंग (दरसात),
रुख फळद अग रुखडो साळ व्रच्छ (सरसात) ।—१०९

पादप विटपी विटप (पढ) चरणप अगम (चवत),
फूलद छितरुह नग (प्रकट) परणी वसू (पढन्त) ॥— ११०

### वेल-६, अकुर-४ नाम

लता वेल वलि वेलडी वेली व्रतति (वखाण),
अकुर रोह प्ररोह (अख जिम) अकूर सुजाण ॥—१११

### शाखा-४, जड-३, छाल-३, मजरी २ नाम

साख सिखा साखा लता जटा सिफा जड (जोय),
छाल चोच वलकल (चवो), मजरि मजा (होय) ॥—११२

### पत्र-११, पत्र की नस-२ नाम

पत्र छदन छद पानडो परण पात दळ पान,
वरह पलास (रु) वरग (वद) माढी छदन (समान) ॥—११३

### पुष्प-१०, गुच्छा-२ नाम

सुमनस कुसुम प्रसून सुम फूल मणीवक (पात),
प्रसव सून गुल (अर) पुसप गुच्छो गुच्छ (गिणात) ॥—११४

### पराग-३, पुष्प-रस-५ नाम

रज पराग (अर) फूलरज मधु रस (ओर) मरद,
सुमनसरम (सुकवी सुण मुण वळे) मकरद ॥—११५

### फूले हुए पुष्प नाम

प्रफुलित उतफुल फूल (पढ) विकसत दलित (वुलात),
विकच फुल्ल व्याकोम्प (वद तेम) विमुद्र (तुलात) ।।—११६

### सुगन्ध नाम

गंध डमर सूगध (गिण) वास महक कसबोय,
वगर (वळे) वासावळी (जेम) बासना (जोय) ।।—११७

### कली नाम

(चव) मुद्रित (अर) सकुचित (नरख वळे) निद्राण,
मीलत नहफूलण (मुणू वळो) अफुल्ल (वखाण) ।।—११८

### कच्चा फल-२, फल-१, गाठ-२ फलो-५ नाम

आम सलाटू फळ (अखो) ग्रथी गांठ (गिणात),
कोनि बीज सिवा (कहो) सवी समी (सुहात) ।।—११६

### पीपल नाम

पीपळ कुंजरअसन (पढ) वोधितरू (वाखाण),
कसनावास अस्वत्थ (कह जिम) चळदळ (कवि जाण) ।।—१२०

### बरगद-४, गूलर-२, आम-४, मोलसरी-२
### अशोक-२, विल्व-२ नाम

वैश्रवणालय वड (रु) वट वहूपाव (वरणाव),
जतूफळ मसकी (जपो) आव रसाळ (अणाव) ।—१२१

माकदक सहकार (मुण) केसर वकुल (कुहात),
ककेली (रु) असोक (कह) श्रीफळ वील (सुहात) ।।—१२२

### ढाक-४, ताड-३, बेंत-२ नाम

त्रीपत्रक किंसुक (तवो पळ) पलास पालास,
अणराजक तल ताल (तव) वेतस व्रिदुल (विकास) ।। -१२३

### केला-४, बेरी-३, झाऊ-२ नाम

रंभा मोचा केळ (रख) कजळी (फेर कुहात),
बदरी कुवली वोरडी झावू पिचुल (सुझात) ।।—१२४

नीम-३, कपास-३, रुई-२, अडूसा-३ नाम

नीम निंव (अर) नीमडो पिचवय (अर) करपास ,
वादर तूलक तूल (वक) व्रस अरडूसो वास ।।—१२५

अमलतास-२, वरण-२, थूहर-सेहुंड-२, पीलू-२ नाम

आरगवध गरमाल (अख वद) मदार वकारण ,
महातरू थूहर (मुणू) सिन गुडफळ (मूजाण) ।।—१२६

महुवा-३, चिरोंजी-२, गूगल-२, कदव-२ नाम

महूवो मुवो मधूक (मुण) चार पियाळ (चवत) ,
पलकसा गूगळ (पढो) हळिप्रिय नीप (कहत) ।।—१२७

इमली-२ नारंगी-२, हिंगोट-२, ल्हिसोडा-२ नाम

अम्लीका (अरु) आमली नागरग नारग ,
तापसद्रुम इगुदि (तवो) सेलू स्लेसम (अग) ।।—१२८

बीजा-३ भोजपत्रका वृक्ष-२, पाटल-३, तूवी-२ नाम

पीतमाल वीजो प्रियक वहुतुच भूरज (वाल) ,
पाडळ पाटलि पाटला तुंवि अलावू (तोल) ।।—१२९

आवला-२, बहेडा-२, हरड-२, हरड-बहेड़ा-आवला-१ नाम

धात्री आमलकी (धरो) अक्ष विभीतक (आत) ,
हरडै (और) हरीतकी त्रिफळा (तास तुलात) ।।—१३०

वेला-३, चमेली-३, जासूल-३, सोनकुही-१ नाम

पल्ली मलिका मोगरो जाति चमेली (जोय) ,
जपा जवा जासूल (जर) हेमफूलिका (होय) ।।—१३१

चंपा-२, जुही-२, दुपहरिया-२, करना-२ नाम

हेमपुसप चपक (हुवै) जुही जूथिका (जात) ,
वधुजीव वधूक (वद) करणा करुण (कुहात) ।।—१३२

जमीरी-३, कनीर-२, विजोरा-२, करीर-२ नाम

जभ जह्मेरी जभलक कग्णिकार कनीर ,
वीजपूर वीजोर (वक) करकर (वळे) करीर ।।—१३३

एरंड-२, नारियल का वृक्ष-२, कैथ-३, इलायची२- नाम

पचागुळ एरड (पढ) नारिकर नारेळ,
दधिफळ कैत कपित्थ (दख आख) अमायचि एळ ।।—१३४

बांस-४, सुपारी-३ नागरबेल-६ नाम

मसकर सतपरवा (मुण) वेण त्रणधुज (बोल),
पूग क्रमुक गूवाक (पढ) ताबुलवेली (तोल) ।।—१३५
(नाग नाव आगै निपुण) वल्ली बेल वुलात,
नागरबेल तबोळ (नत) तांबूली (सुतुलात) ।।—१३६

केवड़ा-केतकी-२, कचनार-२ मदार-धतूरा-३ नाम

क्रकचच्छद केतक (कहो) कोविदार कचनार,
धत्तूरो धत्तूर (धर वळे) धतूर (विचार) ।।—१३७

गुंजा-घुंगची नाम

(कहो नाम जो कनक रा सो इण रा सू जाण,
रख) चररू गुंजा घती (और) कृष्णला (आण) ।।—१३८

दाख ३, खस की घास २, खस-२ नाम

दाख हारहूरा (दखी और) गोथणी (आख,
बोलो) गाडर वीरणी कस (रु) उसीरक (भाख) ।।—१३९

नेत्रवाला-३, लोध-२, पुवाड-३ नाम

बालक जळ ह्रीवेर (वद) गालव लोद (गणात),
प्रपुन्नाट पव्वाड (पढ और) एडगज (आत) ।।—१४०

कमल की वेल-३, कमल-२२, श्वेत कमल-१,
लाल कमल-२, गडूल-२ नाम

नलिनी पकजिनी (नरख और) म्रणाली (आत),
कमळ कवळ पकज (कहो) बिसप्रसून (विख्यात) ।—१४१
(पंक सबद आगै प्रकट, जनम, ज, रुट, रुह, जाण)*,
सहपात सतपत्र (सुण) पोयण कज (प्रमाण) ।—१४२
अबज पदम अरविंद (इम रख) पुसकार राजीव,
तामरस (रु) सारग (तव सुण) सरोज (जळसीव) ।—१४३

* पंकजनम, पकज, पकरुट, पंकरुह ।

सरसीरुह (अर) जळज (सुण) पुंडरीक सितपात,
कवळलाल (रु) कोकनद उतपळ कुवलय (आत) ।।—१४४

कमल की नाली-३, अन्न-३, चावल-५ नाम

तंतुल विम (रु) अणाल (तव घरो) नाज अन धान,
चोखा चावळ साळ (चय) तंदुळ अखसत (तान) ।।—१४५

जो-३, चने-२, उर्द ३, जवार-२ नाम

जव तुरगप्रिय जो (जपो) हरिमथक चण (होय),
माम मदन नदी (मुणू) जोनळ जीरण (जोय) ।।—१४६

गेहूं-३, मूंग-२, कुलत्य २, सावा-२ नाम

सुमन गहूं गोधूम (सुण) मुदग वलाट (मुणाय),
कुळथ काळव्रतक (कहो) साऊ श्याम (सुणाय) ।।—१४७

अलसी-३, सरसों-२, वाल-भुट्टा-४ नाम

अळस उमा अलसी (अखो) सरस्यू तुंतुभ (सोय),
दागी ऊमी वाल (दख जेम) कणीसक (जोय) ।।—१४८

लहसुन-३, प्याज-४, सूरन-२ नाम

ल्हसण अरिष्ट रसोन (लख) दीररपत्र (दिखात),
ग्रजन कादो प्याज (गिण) सूरण कंद (सुहात) ।।—१४९

कुम्हड़ा-२, तुरई-१ ककड़ी २, मूली-२ नांम

कूनमांड करकारु (कह) कोसातकी (कुहात),
करकटिका (अर) करकटी सेकिम मूळ (सुहाय) ।।—१५०

अदरक-४, सरकंडा-५ नाम

अद्रक आदो आरद्रक शृंगवेर (सरसात,
कहो) गुंद्र सर सरकना तेजन मूंज (तुसाय) ।।—१५१

कुशा, दुर्भा-४, दूब ६ नाम

दरब डाभ कुस कुथ (दखो) हरिताली रुह (होय),
दोभ अनंता दूरवा सतपरवीका (सोय) ।।—१५२

गन्ना-५, गन्ने की जड़-१, कास-२ नाम

ईख ऊख इच्छू (अखो सो) असिपात रसाळ,
मोरट (जिण रो मूळ है) कांस इसीका (भाळ) ।।—१५३

घास-५, नागरमोथा-२, उपल (घास)-२ नाम

जवस घास त्रण खड (जपो) अरजुण (ओरू आत ,
मेघनाम मुसता (सुणू ) बलवळ उपल (बणात) ।।—१५४

समाप्तोऽय पृथिव्याद्योकेन्द्रियादौ वनस्पतिकाय.

•

## अथ द्वीन्द्रिया नाह

कीड़ा-४, सूक्ष्म कीडा-१, शरीर के कीडे-१,
वाहर के कीडे-१ नाम

क्रमी कीट कीडो किरम (मुच्छम) कीकस (जाण ,
वेरमाहि) नीलगु (वद बारे) छुद्र (वखाण) ।।—१५५

लकडी के कीडे-१, कंचुवा-२, गिजाई-२,
जोक-८, सीप-२ नाम

(कह) घुण (कीडो काटरो) किंचुल कुसू (कुहात) ,
गज्जायी गडूपदी अस्रपीवणी (आत) ।—१५६
जळसपणी जळओक (जप) जळालोक जळजात ,
जोख जळूक जळोक (जिम) सुक्ती सीप (सुहात) ।।—१५७

शख-५ घोघा-२, कौडी २, नाम

वारिज कवू सख (वक) तीनरेख दर (तोल) ,
साखूल्या सवूक (सुण) कोडि बराटक (वोल) ।।—१५८

उक्ता द्विन्द्रियाः

•

## त्रीन्द्रियानाह

चीटा-३, चींटी-१, दीमक-४ नाम

चीटो पील मकोट (चव) चीटी (नाव चवात) ,
उपजीहा उपदेहिका दीमक दीम (दिखात) ।।—१५९

लीक-३, जूं-२, गोवड़ी-२, गोवड़ा-१ नाम

लिकसा रिकसा ल्हीक (लख) जू खटपदी (जणात),
गीगोडी गोपालिका गोमयजात (गणात) ।।-१६०

खटमल-३ बीरवहूटी-४ नाम

माकण मतकुण किटिभ (मुण, वीर वहोडी) (वेख),
वुढ्ढन मामूल्यो (वळे) इदगोप (अवरेख) ।।—१६१

उक्तास्त्रीन्द्रिया.

•

## चतुरिन्द्रियानाह

मकड़ी नाम

जाळकार जाळिक (जपो) ऊरणनाभ (अखात),
मरकट लूता माकडी लालासाव (लखात) ।।—१६२

बिच्छू-३, डक-१, भौंरा-वर्र-१०, जुगनू-३ नाम

वीछू द्रुण आली (वदो) अलि (तिण पूछ अणात),
भंवर भसळ अलि भ्रमर (भण) भू रो भमर (भणात) ।—१६३
चचरीक सारग (चव) मधुकर मधुप (मुणाय),
जोयिंगिण जोरिंगण (मो) खद्योत (सुणाय) ।।—१६४

मधुमक्खी-२, शहद-३, मोम ३, झींगर-४, टिड्डी-१,
पतग-१, तितली-२, डास-२ नाम

मरधा मधुमाखी (सुण) सहत सैत मधु (सोय),
मदन मैण मधुऊठ (मुण) झीगर झिल्ली (होय) ।—१६५
चीरी भ्रगारी (चवो) सलभ पतग (सुणाय,
तवो) पुत्तिका तीतरी दसक डास (दिखाय ।।—१६६

मक्खी-१, मच्छर-२, पशु-२, हथिनी-५ नाम

माखी माछर ममक (सुण) ढाढो पसू (पढाय),

उक्ताश्चतुरिंद्रिया.

## पंचेन्द्रिया नाह

वसा गजी हथरणी (वळे) इभी करेरण (आय) ।।—१६७

**षट्पात**

**मकना हाथी-१, पाच वरस का हाथी-१, दस वरस का-१, वीस बरस का-१, तीस वरस का-१, मस्त हाथी-३, मतवाला हाथी-२, तिरछी चोट करने वाला हाथी-१ नाम**

(दुरद सर्मै पर दत वळे नह ऊचा अगरो),
मतकुरण (नाम मुरणात) बाळ (गज पच वरसरो)।
वोत (बरस वढहु) बिक्क (गज वीस वरस वर),
कलभ (नाम करटी सु तीस जाण संबच्छर)।
मत्त(रु)प्रभिन्न गर्जित (मसत)मदउतकट मदकल(मुरण,
तिरछी मु चोट करवै तिकरण परिरणत) दतावळ(पुरण)।।—१६८

छद पद्धतिका

**मद्र उतरा हुआ-३, यूथपति हाथी-३ नाम**

उदवात अमद निरमद(अखात उतर्या मद इभरा नाम आन),
जूथप मतगपति जूहनाह (तबेरम टोळापति तयाह) ।।—१६९

**युद्ध के लिये सज्जित हाथी-२, धृष्ट हाथी-१ नाम**

(इभ जुद्ध निमित्तक किय तयार) सज्जित (अर)
कल्पित (नाम सार,
मानै नह अकुस जो मतग गभीर) वेदि (नामक अभग) ।।—१७०

**दुष्ट हाथी-१ जवान हाथी के लाल दाग-१ युद्ध योग्य हाथी-१, राजा की सवारी का-२ नाम**

(वारण जो होवै दुसट)व्याल(जो)पद्म(करी व्है विंदुजाल,
समरोचित गज जो व्है)सनाह्य उपवाह्य भूपगजराजवाह्य ।।-१७१

**(लघे दातवाला-२, हाथी कामद-३, हाथियों की रचना-१ नाम**

(दती)उदग्र(ईसा) सुदत (जिरण रै रद लवा सो भजत),
मद दान प्रवृत्ति (क गमद जारण अरणपार) घडा
(गज नाम आरण) ।।—१७२

### हाथी की सूंड-५, सूंड की नोक-२ नाम

हसतोनासा कर हसत सुंडा सूंड (सुणात,
इण रो अग्रक आख इम) पोगर पुसकर (पात) ।।—१७३

### नोक के आगे की अंगुली-१, हाथी का कंधा-२, हाथी का दांत-१, कान का मूल-१, हाथी का ललाट-१, सूंड का पानी-१, आंखो के ऊपर का भाग-१ नाम

(गै पोगर री आगळी एक) करणिका (आत),
आसण (गै असक अखो दंत) विसाण (दिखात) ।—१७४

(लख कन मूळक) चूलिका (गै ललाट) अवगाह,
(करसीकर) वमथू कहो आखकूट (इसिकाह) ।।—१७५

### मस्तक कुंभ-१, कुंभ के बीच का भाग-१ कुंभ के नीचे का भाग-१, विंदु के नीचे का भाग-१ नाम

(पिंड दुगै धू) कुंभ (पट बीच कुंभ) विंदु (तोल),
आक्षरक (दुव कुंभ अध) वातकुंभ (अधबोल) ।।—१७६

### वातकुंभ के नीचे का भाग-१, वाहित्थ के नीचे का भाग-१ आंख का कोया-१, हाथी बांधने का स्तंभ-१ नाम

इण रै अध) वाहित्थ (अख तिण हेठै) प्रतिमान,
(इभ) निरयाण (अपाग अख इभ बंध थंभ) आलान ।।—१७७

### पूंछ का मूल-१, अंकुश से रोकना-१, महावत का पैर हिलान-२ नाम

(पूंछ मूल) पेचक (पढो अंकुस रोकण) यात,
(अखपैकरम) निसादियत वीत (नाम दुव आत) ।।—१७८

### अंकुश की नोक-१, होद कसने का रस्सा-२ फंधे का रस्सा-२ नाम

(अंकुस अग्र) अपष्ठ (अख) वरत वरत्रा (वोल),
कठवंधण कठवंध (कह तेम) कलापक (तोल) ।।—१७९

### श्वेत घोड़ा-२, श्वेत पिंगल-१ नाम

(हय धोळो सब होय तो कहो) करक काका (ह),
धोळो पिंगळ रंग धरै गूढ असन) खोंगा (ह) ।।—१८०

### पीला घोड़ा-१, दूधिया घोडा-१, काला घोड़ा-१ लाल घोडा-१ नाम

(पीत रग हय) हरिय (पढ रग दूध) सेराह,
(कसनरग) खुगाह (कह यू रग) लालकियाह ।।—१८१

### काली पिंडलियो का स्वेत घोडा-१, कावरा घोडा-१ नाम

(जंघ कसन सित व्है जरा उग रो नाम) उराह,
(गिण कावरो रग मव हय रो नाम) हलाह ।।—१८२

### षट्पात्

### कपिल रग का घोडा-१, अयाल व बालछा श्वेत रग वाला त्रिगूह-१, काले घुटने वाला पीले रग का-१, पीत रक्त व कृष्ण रक्त-१, नीला-२, गुलावी-१ नाम

(रग कपिल रो वाज होय तिणन) त्रियूह (कह,
(याल पूछ अवदात जपो) वोल्लाह (नाम जह।
पढ) कुलाह (रग पीत जरा जानू सित जिणरै,
पीतरगत) उकनाह (तुच्छरग धूमर तिणरै।
सव देय रग नीलो सरस) आनील (सु) नीलक अखो,
रेवत रग) पाटल (सरव वो रु खान नामक रखो) ।।—१८३

### दोहा

### पीत हरित-२, काच जैसा श्वेत-१ नाम

(हरित पीत रग होय जो) हालक हरिक (सुहात,
श्वेत काच रा रग सम) पिंगुल (नाम पढात) ।।—१८४

### घोडों के खेत नाम

(घरू देस सवध सूं साकुर नाम सुणात),
बनायुज (रु) बाल्हीक (वलि) पारशीक (सु पुणात) ।—१८५
सिंधूभव काम्वोज (सुण) खुरासाण तोखार,
गोजिकाण केकाण (गिण घर) भाडेज (सुधार) ।।—१८६

### वछेरा-३, वेगवाला-२ नाम

(अलप) अवसथा वाळ (अस प्रकट) किसोर पढात,
जव जिणमैं घणव्है जिको) जवन जवाधिक (जात) ।।—१८७

### जातवंत घोड़ा-१, अच्छा चलने वाला-१ नाम

(जात) खेत जो व्है तुरी) आजानेह (अखात,
साधु फिरै चालै सदा सो) विनीत (सरसात) ॥—१८८

### बुरा चलने वाला १, अष्ट-मंगल-१ नाम

(बुरो फिरै चालै विरस) सूकल (नाम सुणात,
उर खुर मुख कच पुच्छ सित) मंगलअष्ट (मुणात) ॥—१८९

### पंचभद्र नाम

(पूठ हियो मूंढो प्रगट दो पसवाडा देख,
जिण हयरै धोळा जिको) पंचभद्र (तू पेख) ॥—१९०

### हाथी की सकल-४, हाथी का कपोल-४
### बांधने व पकड़ने का स्थान-१ नाम

अंदुक (अर) हिंजीर (अख) साकळ निगड (सम्हारि),
करट कपोल (रु) गंड कट (वधणगज) भू वारि ॥—१९१

### हाथी की चार जात-४ घोडी-५ नाम

भद्र मद अंग मिश्र (भण जात चार गज जोय),
घोडी वडवा घोटकी हयी तुरगी (होय) ॥—१९२

### पूंछ-५, खच्चर-३, खुर-२ नाम

पूंछ मुराला पुच्छ (पढ) लूम (अनै) लंगूल,
वेसर खच्चर वेगसर सफ खुर (पांव सुमूल) ॥—१९३

### गधा नाम

गधो गधैडो खर (गिणू) रोडीराव (रखाह),
लंबकरण रासभ (लखो वळे) सीतळावाह ।—१९४

### ऊंट नाम

सढ्ढो पागळ सांढियो ऊंट टोड गघ (आण)
मुणकमळो पाकेट सल जाखोड़ो सल (जाण) ।—१९५
करहो जूंग करेलडो नसलवड कुळनास,
कटकअसण गडग (कह लघण) दुरग (हुलास) ।—१९६

भोळि क्रमेलक भूतहन दोयककुल दासेर,
महाग्रंग बीसंत (मुण) प्रियमरू रवणक (फेर) ॥—१६७

बैल नाम

वैल व्रखभ व्रस गो वळद धोरी धवळ (धरेह,
गणू) साकवर डागरो ग्रनडुह भद्र (ग्रणेह) ॥—१६८

साड-३, बछड़ा-६ नाम

ग्राकल नोपत मदक (ग्रख) तरण जेगडो (तोल),
वच्छो वतसर वाछडो (वळे) टोगडो (बोल) ॥—१६६

बैल का कुब्बड-२, सींग-२, गाय-१०, भैंस-४ नाम

ग्रसकूट कुकुदक (ग्रखो) सीग बिसाण (सुहात),
सीगाळी सुरभी सुरै तवा धेन (तुलात) ।—२००
(पढ) तपा (रु) नलपिका गो माहेयी गाय,
लालचखी महखी (लखो) भैंस हिडवी (भाय) ॥—२०१

भैंसा नाम

भैंसा जमवाहण (भणू) महखो महिख (मुणाय),
वाहणग्ररी जरत (जप लखो) हिडव लुलाय ॥—२०२

बकरी नाम

(कहो) वाकरी बोकडी छाळी छागी (होय),
ग्रजा टाट मंजा (ग्रखो ज्यू ही) वुज्जी (जोय) ॥—२०३

बकरा नाम

छाळो वुज्जो ग्रज छगळ छग वकरो पसु छाग,
वोक वसत तभ वोकडो वरकर वक्कर (वाग) ॥—२०४

भेड नाम

गाडर लरडी गाडरी मेसी भेड (मुणोय),
रुजा रूगटाळी कुररि हुडी घटोरी (होय) ॥—२०५

मेंढा नाम

ऊरण मीढो हुड ग्रवी घेटो मेस घटोर,
(गिणू) रुवाळो गाडरो एडक भेडो (ग्रोर) ॥—२०६

### गोबर-४, उपला-कडा-४ नाम

गोबर गोमय गायविट भूमोलेप (भणेह),
छाणा कडा (अर) छगण (एम) करीस (अणेह) ॥—२०७

### कुत्ता नाम

कुत्तो लट्टो कूकरो स्वान भसण सुन (मोय),
कुरकुर मडळ कूतरो (जेम) टेगडो (जोय) ॥—२०८

### सिंह-३१, भूखा सिंह-६ नाम

करीमार हरि केहरी नखआवध बनराव,
वाघ सेर लकाळ (वद राख) दुछर म्रगराव ।—२०९
महानाद नाहर मयद म्रगराजा (रु) म्रगेस,
सारदूळ (अर) सीघळी नखि भाखरानरेस ।—२१०
सीह सिंघ सारंग (सुण) कंठीरव कंठीर,
मरगराज म्रगराज (सुण) केहर नार कंठीर ।—२११
सादूळो म्रगयंद (सुण) अघप डाखियो (आख,
वळे) अधायो वाघलो भूखो वेगळ (भाख) ॥—२१२

### तेंदुआ, चीता-४, अष्टापद सिंह-४ नाम

राखदुपी (अर) वरगडो चित्रक चीतो (होय),
अष्टापद कुंजरअरी सरभ आठपग (सोय) ॥—२१३

### भालू-४, जरख-४ नाम

अच्छभल्ल भालूक (अर) भल्लक भाल (भणेह,
डाकण-बाहण अगडचरण जरख तरच्छु (जणेह) ॥—२१४

### रोझ-३, गैंडा हाथी-२, सूअर-२० नाम

रोझ गवय वनगव (रखो) खडगी खडग (अखाह),
कोडी कोलो गिड कवल (रख) वराह वाराह ।—२१५
(भण) भाकररोभोमियो टूंडाहळ टूंडाळ,
दातळ ल जेखल (दखा) डाढवाळ डाढाळ ।—२१६
भूदारक गिडराज (भण) सूकर सूर (सुणाय),
थूळनास बहुप्रज (तथा) मुखलागळक (सुणाय) ॥—२१७

### गीदड नाम

गीदड जवुक गादडो स्याल्यो भरूज सियाळ,
भूरिमायु गोमायु (भण गण) फेरड स्रगाळ ॥—२१८

### भेड़िया-३, लोमड़ी-४, खरगोस-७, सेही-३, लगूर-१२ नाम

वरी भेडियो वरगडो लूगती (रु) लूका (ह,
लखो) लूकडी लूमडी मुसल्यो दात्यो (साह)।—२१९
सुसो मुभकल्यो मम (वळे गण) सूळिक खरगोम,
सेही हेडी सेयली प्लवग प्लवगम (पोस)।—२२०
साखाम्रग कप कीस (सुण) माकड कपी मुणात,
वनचर मरकट वांदरो हरि लगूर (कुहात) ॥—२२१

### हिरण-८, गोहरा-४, छिपकली-६ नाम

म्रग कुरग (अर) मरगलो (कह) सारग छकार,
हिरण (वळे) आहू हरण गोधेरक गोधार।—२२२
(इम) विसखपरो गोहिरो पल्ली मुमली (पेख),
छावक विसमर छिपकळी (दुरस) गरोळी (देख)॥—२२३

### गिर्गट-४, झाऊ-३ नाम

करणगेट्यो किरकाट (कह) सरट भयानक (मोहि,
गिण) संकोची गातरो जाहक झावू (जोहि) ॥—२२४

### चूहा-५, छछूदर-२, नोल्या-५ नाम

आखू मूसक ऊदरो मूसो खणक (मुणात),
छछूदरी चम्वचूदरी सरपाऽऽहार (सुणात)।—२२५
(अह) नोल्यो पिंगळ नकुल बभ्रू (और विचार),
ओतु विडाळ बिलाव (अख) मारजार मजार ॥—२२६

### सर्प-२२, जहर-११, नशा २ नाम

साप उरग विखहर सरप पनग दुजीह पनग,
अही फणी सारग अह भमग भुजग भुयग।—२२७
काळदार अहि व्याळ (कह) काकोदर (जिम) काळ,
चाल्ह भुजगम भुजग (जव) गरळ हळाहळ गाळ ॥—२२८

बखम कुटक (जिम) जहर विख काळकूट (कह तात) ,
विरसन गर रससार (वद) मादक गहळ (मनात) ।।—२२९

दुमुही सर्प-२, अजगर-२, डिंडिभ-२, निर्विष सर्प-२ नाम

राजसरप दम्मी (रखो) अजगर वाह्स (आख) ,
जळव्याळ अलगरद (अख) दूदुह दु दुह (दाख) ।।—२३०

नाग-२, नागपुरी-१ वासुकी नाग-२ वासुकी रग २ नाम

काद्रवेय (अर) नाग (कह) भोगावति (पुरिभाख) ,
सरपराज वासुकि (सुगू इण रो रग) सित (आख) ।।—२३१

सर्पणी नाम

(पढो) फुणाळी सरपणी काकोदरी (कुहात ,
गिणू ) भुजगी नागणी सपणी (वळे सुहात) ।।—२३२

फन-३, सर्प की देह-२, सर्प की डाढ-१, कृत्रिम विष-३ नाम

भोग फटा दरवी (प्रभण कहो) भोग अहिकाय ,
आसी (इणरी डाढ अख) विस गर चार (वताय) ।।—२३३

शेषनाग नाम

पन्नगीस अहपत फणी अनत तखग अहराव ,
-सेस फुणाळी बासक (रु) नागराज (घण आव) ।—२३४
धराधार पुहवीधरण बखधर नाग (वखाण) ,
संहसदोयचख (अर) श्रवण आलुक भोगी (आण) ।।—२३५

उक्तास्थलचरा पचेन्द्रियाः



## खचरान्पंचेन्द्रियानाह

पक्षी नाम

विहग विहगम खग वि वय सुकुनी सकुन (सुणात) ,
दुज पतग (पर) पतग द्विज अडज पच्छी (आत) ।।—२३६

चोंच-५, पख-४, पखों का मूल-१ नाम

चांच चंचु चचू (तवो) त्रोटि सृपाटी (तेम) ,
पिच्छ पच्छ छद पत्र (पढ जपो) पच्छति (जेम) ।।—२३७

### अंडा-३, घोंसला-२, मोर-१२ नाम

अड पेसिका कोस (अख सुण ज्यो) आळ घुसाळ ,
मोर्यो मोर मयूर (मुण) अहिभक बरही (आळ) ।—२३८
(रखो) कलापी मोरडो सिखी मिखडी (सोय) ;
नीलकठ केकी (नरख जिम) सारग (क जोय) ॥—२३९

### कोयल नाम

कोयल कोकिल पिक (कहो) वनप्रिय परभ्रत (बोल) ,
काकपुसट सारग (कह) तावालोयण (तोल) ॥—२४०

### तोता नाम

लालचाच फळअदन (लख) तोतो कीर (तुलाट) ,
सुवो सूँवटो सुक (सुणू) सूडो (वळे सुणात) ॥— २४१

### मैना-३, कलिंग-२, हूका-२, जीवजीव-१ नाम

सारू मैणा सारिका भृंग कलिंग (भणात ,
कोलाली) कुक्कुट कुहक जीवजीव (जणात) ॥—२४२

### हंस नाम

सितछद मानसओक (सुण) धीरट (अर) धवलंग ,
(लखो) मुराल मराल (है रखो) हस सारंग ॥—२४३

### पपीहा नाम

नभनीरप चात्रग (नरख) चातक (फेर चवात) ,
पपीहो (रु) सारग (पढ) वावव्यो (विख्यात) ॥—२४४

### कौआ नाम

काक काग द्विक कागलो वायस करट (वुलात) ,
इकलोयण वलिभुक (अखो तिम) घूकारि (तुलात) ॥—२४५

### जलकौआ-१, उल्लू-६, मुर्गा-४ नाम

(जळवायस) मदगू (जपो) वायससात्रव (बोल ,
दिवसअंध घूघू (दखो तेम) अलूक (सुतोल) ।—२४६
घूक रातराजा (घडो) ताम्रचूड (कह तात) ,
क्रकवाकू (अर) कूकडी चरणायुधक (चवात) ॥—२४७

**चकवा-४, टिटहरी-३, चिड़िया नर-२ नाम**

कोक रथागाभिध (कहो) चक्रावक चक्रावक चकवाह ,
टीटोडी टिट्टिभ टिटिभ चटक कुलिंगक (चाह) ॥—२४८

**बुगला-२, ककपक्षी-२, चील-६, शेनपक्षी-३, गिद्धिनी-७**
**चिमगादर-२, बडी चिमगादर-२, आड़-२ नाम**

वक बुगलो (रु) बटोक (वद) कक (रु) ढीच (कुहात ,
बदो) कावळी सावळी समळी चील (सुहात) ॥—२४९
आतापी सुनखी (अखो) सेन ससाद सिचारण ,
ग्रीधरण खग दुज गीधरणी पखरण (फेर पढारण) ॥—२५०
दूरनैरण रातग (दख) चरमचडी चमचेड ,
वागळ मुखविमटा (वदो) आटी आड (सुएड) ॥—२५१

**कबूतर-३, कमेडी व पडुकी-२, छोटी पडुकी-३**
**कावर, गुरगल-२, चिड़िया मादा-३, चकोर-३**
**रूपारेल-१, तीतर-२, वया-२ नाम**

पारावत (रु) परेवडो कलरव (फेरू कोप) ,
आखालाल कपोत (अख) होलड ड्रैकड (होप) ॥—२५२
कम्मेडी गुरगळ (कहो) कावर (फेर कुहाय) ,
चडी चुडकलो (अह) चटी विखसूचक (पुलवाय) ॥—२५३
चळचचू (रु) चकोर (चव) भारद्वाज (भणेह) ,
तीतर (अर) खरकोरण (तव) बीयो सुघर (वणेह) ॥—२५४

उक्ता खचरा पचेन्द्रिया

•

## जलचरान् पंचेन्द्रिया नाह

**मछली नाम**

मच्छ मीन झख तिम (कहो) सवर सळकी (सोय) ,
प्रथुरोमा थिरजीह (पढ जिम) वैसारिरण (जोय) ॥—२५५

**मगर-३, जलमानस-२, मगर-४ नाम**

मकर नक्र(अर)मक्र (मुरण) मारणस (जळ) सिसुमार ,
ततुनाग ततुरण (तवो) वरुरणपास अवहार ॥—२५६

### कँकड़ा-४, कछुआ-४ नाम

मोळपगो करकट (मुग्णू) कुरचिल (और) कुलीर ,
कच्छप कूरम कमठ (कह धरो) डुलीसुत (धीर) ।।—२५७

### मेंडक नाम

भेक डेडरो हरि (भग्णू) प्लवग डेडको (पेख) ,
वरसाभू मडूक (वद) दादुर दग्दुर (देख) ।।—२५८

उक्ता जलचरा पचेन्द्रियाः



### नरक मे गिरे हुए-४, पीडा-२, वेगार-२ नाम

नारक अतिवाहिक (नरख) प्रेत परेत (पिछाग्ण) ,
अतपीडा (अर) यातना आजू विसटी (आग्ण) ।।—२५९

### नरक-४, पाताल-७ नाम

निरय नरक नारक (नरख) दुरगत (ओरू दाख) ,
वडवामुख वळसदन (वक) अधोभुवन (इम आख) ।।—२६०
नागलोक (फेरू नरख पढो वळे) पाताळ ,
(राख) रसातळ (इम रिधू परगट पढो) पयाळ ।।—२६१

### छिद्र-६, गढ़ा-४ नाम

रोप रध्र बिल विवर (पढ) छेद छिद्र (उच्चार) ,
अवट गरत दर सुभ्र (अख विल भू रो विसतार) ।।—२६२

### जगत-१५, जन्म-७ नाम

लोक भुवन जगती खलक आलम भव दुनियाग्ण ,
जग जिहान दुनिया जगत (जिम) समार (सुजाग्ण) ।।—२६३
विस्व दुनि संसार (वद) उतपत पैदा (आख) ,
जनम जग्णी उतपन जग्णग्ण भव उतपत्ती (भाख) ।।—२६४

### सास-३, उसास-१, निसास-४ नाम

सांस मुवास (रु) स्वास-(सुग्ण मुग्णज्यो फेर) उग्मास ,
वहिरमूह रातन (वको) निस्वास (रु) नीसास ।।—२६५

### सुख-४, दुख-६ नाम

सात निरव्रती सरम सुख आरति दुख आभील ,
कछर प्रसूतिज दुख कसट असुख वेदना (ईल) ।।—२६६

### आधि-१, व्याधि-१, संदेह-७, दोष-३ नाम

आधी (मनरी आरती) व्याधी (तनरी वेख) ,
ससय (इम) सदेह (सुण) द्वापर ससै (देख) ।—२६७
आरेक (रु) सासै (अखो) विचिकितना (आखाण) ,
दोस (अनै) आश्रव (दखो जिम आदी) नव (जांण) ।।—२६८

### स्वभाव-८, स्नेह-५, समाधि-४, धर्म-२, पूर्व कर्म व प्रारब्ध-३ पाप-१२, अभिप्राय-५ नाम

प्रकृत रीत लच्छण (पढो) सरज सरूप सुभाव ,
शील (वळे) ससिद्धि (सुण) हारद प्रेम (सुहाव) ।—२६९
प्रीती प्रीत सनेह (पढ अख) समाधि अवधान ,
समाधांन प्रणिधान (सुण) सुक्रत धरम (सुजान) ।—२७०
श्रेय पुण्य व्रस (फेर सुण) दैव भाग विधि देख) ,
कलक पाप अघ पंक (अख) पातक दुसक्रत (पेख) ।—२७१
(लखो) दुरित कळमस कळुस असभ अह तम (आख) ,
अभिप्राय आसय (अखो) भाव छद मत (भाख) ।।—२७२

### शीत-१२ नाम

जड़ (जिम) सीतळ सिसिर (जप) सीत ठड सी (सोहि) ।
हेम तुखार सुमीम हिम जाडो पाळो (जोहि) ।।—२७३

### उष्ण-७, कडा-६, नर्म-२, मधुर-४ नाम

उन्हू तीछण खर उसण तीव्र चड पटु (तेम) ,
कक्खट करकस क्रूर (कह जप) कठोर द्रढ (जैम) ।—२७४
कठण जरठ खर परुस (कह) कोमल म्रदु (कुहात) ,
रसजेठो (अर) मधुर (मुण) स्वादू स्वाद (सुहात) ।।—२७५

### खट्टा-३, खारा-२, कडुवा-४ नाम

पाचन (खाटो अमल (पढ) लवण सरवरस (लेख) ,
मुखधोवण कडवो (मुण) ओसण कटु (अवरेख) ।।—२७६

### कसेला-३, चरपरा-२, सफेद-१२ धूसररंग-१ नाम

तोरो तुवर कसाय (तव) चरको तिकत (चवात),
धवल सेत सित विसद (धर) अरजुण सुचि अवदात।—२७७
धोळ सुकळ पाडू (धरो) पांडुर गोर (पढात,
कचित धोळा) रंगनू धूसर (नाम धरात)॥—२७८

### पीला-३, हरा-५, कबरा-६ लाल-५ नाम

पीतळ पीळो पीत (पढ लखो) सवज पालास,
(राख) हर्यो हरियो हरित (मुण)करवुर कळमास।—२७९
सबळ चित्र चित्रक (सुण अवर) कावरो (आख),
लाल रगत लोहित (लखो) रोहित सोणक (राख)॥—२८०

### नीला-काला-६, लाल-पीला मिला हुआ-४ नाम

(सुण) नील काळो असित सावळ मेचक स्याम,
(पीत रगत) पिंजर (पढो) पिंग कपिल हरि (पाम)॥—२८१

### शब्द नाम

सवद धुनी सुर रव (सुण) निनद घोस रुत नाद,
आरव ध्वान विराव (डम) ह्राद स्वान निर्ह्राद॥—२८२

### सप्तस्वर नाम

सडज रखभ गधार (सुण) मद्धम पचम (मान),
धैवत (निखध) निखाद (ये सातू सुर-सूजान)॥—२८३

### कोलाहल-२, हिनहिनाना-२, रंभाना-३, चहचहाना-२ नाम

कोलाहल कळकळ (कहो) हेसा हीस (सुहात),
रभा हभा गायरव कूजित विवर (कुहात)॥—२८४

### पक्ति-४ जोडा-७ नाम

माळा तति राजी (मुण लेखा) वीथि (लखाय),
जुगल द्वितिय द्वै दु द जुग यामल जुगम (अखाय)॥—२८५

### बहुत-१०, थोडा-८, सूक्ष्म-२, लेश-३, लबा-२ नाम

भोत प्रचुर पुसकळ वहुत वोत घणा (वाखाण),
भूरी भूय अदभ्र वहु तोक तुच्छ तनु (जाण)।—२८६

अलप छुद्र क्रस दभ्र अणु पेलव सुच्छम (पेख),
लेस (अनें) तुट कण (लखो) दीरघ आयत (देख) ।।—२८७

ऊंचा ५, नीचा-४, छोटा-२ नाम

तुंग उच्च उन्नत (अखो) ऊंचो उच्छित (आत),
नीच कुवज बावन खरव लघु (अर) ह्रस्व (लखात) ।।—२८८

चौडा-७, विस्तार-३ नाम

व्यूढ विपुल गुरू महत बहु प्रथुळ विसाल (पढाव),
व्यास (वळे) विसतार (वक इम) आभोग (अढाव) ।।—२८९

सक्षेप-४, टुकडा-६ नाम

समाहार सछेप (सुण) सग्रह (वळे) समास,
अघर खड खडळ (अखो) भित्त विहड दळ (भास) ।।—२९०

विभाग-६, पवित्र-५ नाम

वाटो भाग विभाग वट वट अस (ख्यात),
पावन पुण्य पवित्र (पढ) पूत पवित्तर (पात) ।।—२९१

मैला-५, निर्मल-११, साम्हने-३, धुला हुआ-२ नाम

मैलो कळमम मळीमस कच्चर मलिन (कुहात),
उजवळ ऊजळ ऊजळो सुचि सुच बिमळ (सुहात) ।—२९२
सुध विसुद्ध निरमळ (सुण आख) विसद) अवदात,
समुखीन अभिमुख समुह साधित धौत (सुणात) ।।—२९३

खाली-५, सघन-५ नाम

रिकतक रीतो रिकत (रख) सूनू तुच्छ (सुणेह),
निविड निरतर घन प्रभरण अविरळ गाढ (अखेह) ।।—२९४

नया-४ पुराना-५, जंगम-१, थावर-१ नाम

नूतन नवो नवीन नव प्रतन (रु) जरत पुराण,
(रखो) पुरातन जीरण (क) जगम थावर (जाण) ।।—२९५

निकट-७, वाका-टेढा-७, चचल-६ नाम

नीडो निकट सनीड (इम) सन्निध समीप (सुहात),
सनिधान आमन्न (मुण) कुंचित कुटिळ (कुहात) ।—२९६

बक्र बाक (अर) बाकडो बेल्लित नमत (सुबोल),
चळ चचळ अणथिर चपळ तरळ चळाचळ (तोल) ॥—२९७

अकेला-५, पहिला-७, पिछला-५, बिचला-२ नाम

एकाकी एकक (कहो) अवगुण हेकल एक,
पहलो आदिम आद (पढ बळे) प्रथम (सविवेक) ।—२९८
पूरब परथम अग्र (पुण) अंतिम अंत (सु आख),
चरम (रु) पच्छिम पाछलो माझर मद्धम (भाख) ॥—२९९

बीच-४ सादृस्य-६ नाम

विच विचाळ (अर) बीच मझ (कह) उपमा अनुकार,
ककसा (अर) उपमान (कह) उणियारो उणहार ॥—३००

प्रतिबिंब-५, प्रतिकूल-४ नाम

बिंब च्छद प्रतिबिंब (वद) प्रतिनिधि प्रतिमा (पेख),
प्रतिलोमिक प्रतिकूळ (पढ) वाम प्रतीप (बिसेख) ॥—३०१

निरकुश-३, प्रकट-३, गोल-३ नाम

उच्छृंखळ उद्दाम (अख एम) अनरगळ (आख),
प्रकट व्यक्त उलवण (पढो) बरतुल गोळ (विभाग) ॥—३०२

भिन्न-३, मिला हुआ २, अंगीकार-३ नाम

जुदो भिन्न इतरत (जपो) मिश्रित मिसिर (मुणात),
अंगीकृत प्रतिश्रुत (अखो) सश्रुत (वळे सुणात) ।—३०३

रक्षित-५, काम-३, रहना-२ नाम

गोपायित त्राता गुपत रच्छित त्राण (रखेह),
क्रिया विधा (अर) करम (कह) असना तिथि (अखेह) ॥—३०४

अनुक्रम-४, आलिंगन-३ नाम

अनुपूरवी अनुक्रम परिपाटी क्रम (पेख),
आलिंगन परिष्वग (अख) उपगूहन (अवरेख) ॥—३०५

विघ्न-४, आरम्भ-४ नाम

अंतराय प्रत्यूह (अख) विघन बिवाय (विख्यात),
क्रम प्रक्रम उपक्रम (कहो इम) आरभ अणात ॥—३०६

### वियोग-३, कारण-७ नाम

विरह वियोग विजोग (ब्रक) कारण नमत (कुहात)
कारण बीज हेतू (कहो) निमित निदान (सुहात) ।।—३०७

### कार्य-३, विश्वास-२, रक्षा-२ नाम

अरथ प्रयोजन (एम अख) कारज (वळे कहाय),
विखभक विसवास (वद) रच्छा त्राण (रहाय) ।।—३०८

### चिन्ह नाम

लाछण लच्छण (अर) लछण अहनाण (र) ऐनाण,
चहन चिन्ह (ओरू चवो) सहनाणक सैनाण ।।—३०९

### भैरव नाम

(चव) चावडाराचेलका भैरव भैरू (भाख),
भैं वाण (अर) भैरवा (एम) खेतळा (आख) ।—३१०
चामु डानदन (चवो जेम) कमाळी जोध,
खेतपाळ (आखो वळे) सभु लागडा (सोध) ।।—३११

### करनीदेवी नाम

करनल कनियाणी (कहो ईखो) धावळियाळ,
(सुण) करनी महियासधू आयी लोवड़ियाळ ।—३१२
धावळयाळी (ओर धर) देसणोकपत (दाख,
अक नाम सव ईहगा आयी रा ऐ आख) ।।—३१३

### अक्षर नाम

अखर अक्खर अक (इम) अच्छर आक (अखात),
अख्रर वरण अच्छर (अखो) दसकत (वले दिखात) ।।—३१४

### डाकिनी नाम

डाकण डायण डायणी कहो डाकणी (एम),
आखरढायीआखणी जरखवाहणी (जेम) ।।—३१५

### भूत नाम

भूत परेत पिसाच (भण) प्रेत (र) जद (पढात),
सगम गलीच मळीच (सव आठू नाम अखात) ।।—३१६

स्याहरी-२, चुड़ैल-४ नाम

सकोतरी (अर) स्याहरी चुडावण चूडेल,
पिसाचण (अर) प्रेतणी (गण अतरा सिव गैल) ।।—३१७

इति श्री चारण मिश्रण सूर्य्यमल्लात्मज मुरारिदान
विरचिते डिंगल भाषा कोषे तृतीय खण्ड समाप्त.

• • •

# अनेकारथी-कोष

कवि उर्दराम विरचित

## अथ अनेकारथी लिख्यते

---

### दोहा

एक सबद पद मे उठे अरथ अनेक उपाय ,
अनेकारथ 'उदा' उकत विवधा नाम वणाय ।।—१

### माल नाम

माळा समक्रत सुमरणा नांम (दाम) हरनेह ,
गुणाणी सूक स्रृज गुणवळी ('उदा') सिमर (अछेह ।।—२

### जुगल नाम

जमळ जुगळ यम दु द जुग उभय मिथुन द्वय (आण) ,
दोय करग चख दपती (जुगळ) जाम ऐ जाण) ।।—३

### सुरभी नाम

चदण गऊ अग अत (चढै) सुमनावळी वसंत ,
अंतरादि अगमद यसा गांधीहाट (गणत) ।।—४

### मधू नाम

सुजळ दूध मदरा सुधा (सुण) नभ चैत वसंत ,
विपन मधू मकरद (वळ) मधूसूदन माकत ।।—५

### कल नाम

कळ सूरार निखग (कहि कळ) कळजुग कळेस ,
कळचाळा (कळ) जुध (कहि विलसै देस - विदेस) ।।—६

### आतम नाम

मन बुध चित अहकार (मुण) करम जीत निरधार ,
(त्यु ) सुभाव (जग) आतमा परमातमा (पसार) ।।—७

### धनजय नाम

पवन धनजय (नाम पढ) अगनि (धनजय आख) ,
पथ (धनजय की प्रभा भुजा क्रष्ण वळ भाख) ।।—८

### अरजुण नाम

ससारजुण अरजुन (सुणै) द्रुमणारजुन तर (दाख,
पथ अरजुन हरि प्रिय सखा सो भारथ जय साख) ।।—९

### पग नाम

परण पत्र रथ (पत्र पढ) बाह (पत्र वळ) वित्त,
(पत्र) विहगम (पख सू चचळ पौहचै) चित्त ।।—१०

### पत्री नाम

(पत्री) खग (पत्री) विटप (पत्री) कमळ (प्रकास,
पत्री) सर (जुध पथ के जीतो भारथ जास) ।।—११

### बरही नाम

(बरही) सिखि (बरही) विरख (वरही)कुरकट (वेस,
वरही) मोरचद्रावळी (हर सिर मुगट हमेस) ।।—१२

### काम नाम

काम काज (सब जग करै काम) मदन (को नांम,
काम) भोग अभलाख (कहि सो सारै घणस्याम) ।।—१३

### धाम नाम

तेज धाम (अरु धाम) तन (धाम) जोत ग्रह (धाम),
किरण (धाम कोटक कळा सो सुन्दर घणस्याम) ।।—१४

### वाम नाम

(वाम) मनोहर (वाम) भव कुटळ (वाम कहि) काम,
(वाम हाथ आगै वधै सवादौ सग्राम) ।।—१५

### भव नाम

(भव) महेस जग जनम (भव भव) कल्याण (भणत,
भव भव भज भगवत नै कारण) कमलाकत ।।—१६

### कलप नाम

(कळप) कपट दि्व (कळप कहि कळप) वुध परकास,
(कळप) समर रथ कलपवृख (जगनाथ भुज सास) ।।—१७

### कर नाम

(कर) भुज हस्तीसुंड कर (कर लागै कर वाम,
कर) विखिया (रस दूर कर नित सिमरौ हर नाम) ॥—१८

### दर नाम

(दर) जीवादक भूमदर (दर) बळ हर दरवान,
(दर) प्रखत (दर) सख (दर भज 'उदा' भरवान) ॥—१९

### वर नाम

बर दाता सिव सेप्ट (वर वर) सुंदर (वाखाण,
वर) दूलह श्रीकृष्ण (वर जग गोपीयत जाण) ॥—२०

### व्रख नाम

(व्रख रास मघवांन (वृख) करुण (वृख वृख) काम,
(वृख)धोरी तर धरम(वृख)सुरतर(वृख घणस्याम) ॥—२१

### पतग नाम

रग (पतग पतग) रव (त्यौ) सिख कीट (पतग),
केता गुडि (पतग कहि) तर जगरग (पतग) ॥—२२

### पल नाम

(पल) आमख (भाखै प्रथी)खट उमास (पल ख्यात,
पल) मारपत कव पलक (नं) विपळ (साथ विख्यात) ॥—२३

### दल नाम

(दळ) तरपत्रा (दाखजै दळ) नृपफौजदुगम,
(दळ) लाडू (दळ) पक प्रक (सो हर मुगट सनम) ॥—२४

### बल नाम

धीर वीरज (वळ) धरम नृपदळ बळ (निरधार,
वळ) हासौ दईतद्र (वळ) सुंदर (बळ) ततसार ॥—२५

### अल नाम

(अळ) पूरण समरछ(अळ अळ) समरथ (कथ आख,
अळ) भूखण गुण भूठ (अळ राम सरण गुण राख) ॥—२६

### वय, जीव नाम

(वय) विहग (वय काळ (वळ वय वय) क्रम विसतार,
ससुर गुर आतम (सदा एता जीव उचार) ॥—२७

### मार, सार नांम

सुधा (मार) विख (मार सुण मार) काम अत(मार),
धीरज वीरज वळ धरम सत (कोटी) घृत (सार) ॥—२८

### कलभ नाम

करी उतावळ कलुख (कहि एता कलभ उचार),
आश्रय सावण गयण नभ (वळ) भाद्रवौ (विचार) ॥—२९

### वसु, पटु नाम

सुर अगनी दुत जळ सद्रव (ए वसू नाम उचार),
तीखण निपुण निरोग (तव विध पटू नाम विचार) ॥—३०

### तुरंग, कुरग नाम

मन तुरग धखपख (मुण) वाज तुरग (वखाण),
रग (कुरग कुरंग) म्रग जग पतग (रग जाण) ॥—३१

### आतमज, कवंध नाम

काम रुधर सुत (कु कहै नांम आतमज न्याह),
सिरविणसुभट (कवध सुण सर) आसुर (दरसाय) ॥—३२

### हंस, वाण नाम

रव अस धीरट जीव (रट) छद (हस) छिव ग्यान,
सरग तीर वळ सुत (सदा वदै वाण विदवान) ॥—३३

### पयोधर, भूधर नांम

तरण मेघ कुच सेततर (नाम पयोघर नीत),
गिर नृप आदवराह (गण भूधर कहो अभीत) ॥—३४

### वरुन, गोत्र नाम

सार च्यार जळपत (सदा) विखधर वरण (विख्यात),
सईल सिखर कुळ (नाम सध गोत्र तीन संग न्यात) ॥—३५

### तनु नाम

तान सुछम विसतार (तनु) विरला (तनु विधान,
(कव सिस मूरख बाळ कहि विण भगती भगवान) ।।—३६

### जाल काल नाम

जाळ झरोखा (जाळ गण) मद दभ ग्रहमीन,
काळ असत वयजम (कहां रहो राम रस लीन) ।।—३७

### ताल, व्याल नाम

(ताळ) ताळ हरताळ सर (ताळ) राग तर (ताळ),
दुष्ट नाग गज अतदिन (व्याळ नाम विकराळ) ।।—३८

### जलज, तम नाम

मीन कमळ मोती मयक सख (जळज तत सार),
तमस क्रोध राहू तिमर (विध तम नाम विचार) ।।—३९

### गुण, श्रव नाम

त्रगुण सूत तूजी (तणा कर गुण) हरगुण क्रीत,
गिरधण सवता ख क (गुण) पढ अवनाम पुनीत) ।।—४०

### वन, घण नाम

वन वारद पाती (वळै) वन (वन नाम वताय),
घणा वादळ विसतार (घण) घण (सू लोह घडाय) ।।—४१

### वरण नाम

वरण श्रुती च्यारू-वरण अछर (वरण उचार),
वरुण-दुजादिक रग-वरण (अवरण ब्रह्म उचार) ।।—४२

### पौत, बुध नाम

पौत सिसू नौका (पढौ पोत पौत वरठाय),
पडत हरि-अवतार (पढ) ससिसुत बुध (सुणाय) ।।—४३

### अनत, क्षय नाम

गिगन सेस अनेक (गण यक) हर-रूप (अनत),
रोग (र) प्रळै विनास (रट पद क्षय नाम पढत) ।।—४४

### राजीव-लोचन नाम

जळ सस मुकता मीन (जप) रांम (नाम राजीव),
रस देही जन व्यापारण (दुत मुरलोक रईव) ।।—४५

### सुक्र, खग नाम

जेठमास वारज अगन सुक्राचारज सुक्र,
ससर वप वन विहंग सुर वारद मग खग वक्र ।।—४६

### कलाप, ब्रह्म नाम

गण तुनीर विकळपगती केकी पत्र कलाप,
(देह) जीव विध ब्रह्म दुज एक (ब्रह्म) जग आप ।।—४७

### उडप, मद नाम

रिख विहग कवरत ससि नाव उडुप निरधार,
अलप सनी खग मूढ अघ एता मद (उचार) ।।—४८

### वारन, स्यदन नाम

वरणजण वगतर गयद (वळ) वारण (नाम वताय),
चितुरगथ जळ (चढै सिदन नाम सुणाय) ।।—४९

### पंथी, कौसक नाम

राह ग्राह ससि मदन (रट) वटवी पथी (वेस),
विसवामित्र गुगळवृखी अळूक कौसक (ग्रेस) ।।—५०

### पौहकर, अवर नाम

जळ नभ तीरथ सुडगज मारज पौहकर वाण,
आवृत नभ असुकाददै (जुगती अवर जाण) ।।—५१

### सवर, कंवल नाम

जळ आमु गिर गाठ (जप) सगना सवर (साख),
गोगळ तनजळ वाहगत ऊनीकावळ (आख) ।।—५२

### नग, नाग नाम

गिरतर जवहर नगर (नग विव-नग धाम वखाण),
काकोदर गज पत्र कुलट (नाग नांम निरवाण) ।।—५३

### करन, अज नाम

श्रवण पोत रवसुत (सदा करन नाम प्रकास),
विध्र सिव वोक अनत वय जोवनादि (अज जास) ।।—५४

### सिव, दुज नाम

मुख कल्याण हर श्रेष्टतर सलिल (नाम सिवसार),
पखी रद ब्रामण (पढौ ए दुज नाम उचार) ।।—५५

### विरोचन, बल नाम

सिखाभाण सस देत (सुण नाम विरोचन नेम),
हरि गुजरी असनहद (पढ) बळराजा (प्रेम) ।।—५६

### वृख, तरक नाम

पावकवृडहा देत (पुन) वलष्टक (नाम वताय),
न्याय विचार जुदा (निरख एता तरक उपाय) ।।—५७

### रज नाम

रज रजवट आरत्त (रज रज) वामातनरीत,
रजरेणा मन दीन-रज (पढ रज) पाप अनीत ।।—५८

### कंबु, भुवन नाम

सख रतन खोडसावरत (कबु नाम कहाय),
गगन नीर मुरभुवण (गण भुवण नाम मन भाय) ।।—५९

### कुस, कूट नाम

दनु सीता-सुत जलदरभ (ए कुस नाम उजास),
कपट अहर गिर (वोहत कहि पढै ए कूट प्रकास) ।।—६०

### खर, हरनी नांम

गरधभ राकस सान (गण) तीखण खर (कहि तोल),
उमा भृगी जूथी (एता) खित मन हरणी (खोल) ।।—६१

### कुज जम नांम

मगल भोमासर (ममभ्र) तरकुज (नाम बताय),
जुगऋतत (अरु) राह (जप) जम (का नाम जणाय) ।।—६२

### धात्री, सिवा नाम

धाय आवळा (कहि) धरा धात्री (नाम धराय),
हरडै फौही (वळ) हरा (सिवा नाम सभळाय) ।।—६३

### रस, रभा नाम

काची जिभ्या दाम (कहि) रसन (नाम रचाय),
उसा कदळी उरवसी (दळ रंभा दरसाय) ।।—६४

### माया, यला नाम

दया नेह छळ (दाखजै) द्रव साया (हर दाख),
यळ वुध तिय मनहर यळा (भेद यळा गुण भाख) ।।—६५

### सुमना, जोत नाम

मदती तिय (वळ) मालती सुमना कुसुम सहेत,
दीपकरण रिख अगन दुत व्रमजोत (जगवेत) ।।—६६

### यडा, विध नांम

यळ सुर मनहर अवका पिंड यज्ञ परताप,
धाता देव विधान (कहि) आविध करता (आप) ।।—६७

### निसा, अजा नाम

निसा रात हळदी (निसा निसा) पकी (निरधार),
अजा अज्या माया (अजा) ब्रह्मह्ू'तविसतार ।।—६८

### जिह्न, हस्त नाम

कपट मूठ आळस (कहै) जिह्न (नाम धण जाण),
करीसूंड (कही) नखत्र (कहि विदवत हस्त वखाण) ।।—६९

### ऋतत, मित्र नाम

सास्त्रागम सिधत (कहि) जम (ऋतत ज्यूं ग्यान),
सवता सजन गुण सिखा (नर जग मित्र निधान) ।।—७०

### सारग नांम

गज हय केहर गिगन गिर कज प्रदीप कुरग,
दादर चातुक सस दिनद सिखी अळ, सुर (सारग) ।।—७१

### हरि नाम

कपी केहर केकाण (कहि) अळियद अरविंद,
वाघ गयद कुरग वन (चव) नभ कचण चंद ।—७२
पावक पाणी पय पवन नाग गयद नरद,
गिर हरि गिरधर(सिमर गुण नित-नित वृज आनद) ॥—७३

### ध्रुव, सुमन नाम

(पढ) निसचय ध्रू ताल पद जोगादिक (ध्रू जाण),
मन वसत कुसमावळी (वळ) रिख सुमन (वखाण) ॥—७४

### विटप, दान नाम

पलव शृंग विसतार पुन तर वृख (नाम वताय,
दान देत) गजदाण (दख दान) दाण (दरसाय) ॥—७५

### रस नाम

नवरस घ्रत जळ नूतरस अम्रत विख (रस) ईख,
रस-विद्या वर प्रेम-रस (सदा रांम गुण सीख) ॥—७६

### स्नेह नाम

तेल घिरत मन प्रीत (तव सो सनेह तत सार,
'उदा' धर लै ध्यान उर करलै नदकुमार) ॥—७७

### गउरी नाम

सुभ्र उदय कुळ चसवती उभ अप्रसतुत (आख),
दल गोरोचन देवकी (सग) नागौरी (साख) ॥—७८

### हार नाम

उपवन रूपा ढिग अजय मुगता कुसम (मिळाय),
खेत (हार) खगत खड़ी (जुगती हार जणाय) ॥—७९

### क्षुद्रा नाम

नटी क्षेत्र उतपत निठुर असि वैस्यादि (अेह),
मदमाखी खळजन (मुणै क्षुद्रा) खरकीखेह ॥—८०

### वाह नांम

पवन खेत अस सिस (पढौ) वरण मेघ परवाह,
(वाहण) रथ-इत्यादि (वळै विध वखाण मुण वाह) ॥—८१

### कुथ नाम

केथा कवळ कीट (क हि) प्रातसथाईप्रीत,
कूथोकारज (कुथ कहौ रचौ यता कुथ रीत) ।।—८२

### भाव नाम

पूज्य मनुज रस उतपती प्रीत पदारथ (पेख),
मनहुलास पूरणमया (विवधा भाव विसेख) ।।—८३

### कुतप नाम

तिल कवळ खग पात्र (तव) सलल वर कुस छाग,
दोहित अगनी काळ (दग्व यता कुतप कर) आग ।।—८४

### भग नाम

श्री सूरज दिनकर सुखद महिमा (ज) ससि अगंक,
क्रांती सग्या सुभकळा सुभग जोन (सग सक) ।।—८५

### कीलाल नाम

नीर खीर घ्रत मेघ नद मद रव पुष्प (प्रमाण,
कव यतरा कीलल कहि जाणै गुणी सुजाण) ।।—८६

### देव नाम

वाळक कुलटी नृप विविध वरखा गुण विवहार,
पत सुगती जीवत प्रथी (वाळक देख विचार) ।।—८७

### ललाम नाम

पुरख गुणी कोमळ (पढौ) सवर स्निग्ध सेल,
भूखातमा विदग्ध (भण नाम ललाम) नवेल ।।—७८

### श्री नाम

(रट) करता भरता रमा श्री अच्छर सुख सार,
(विवध आद ज्यू रगण विध श्री श्री श्री ततसार) ।।—८९

• • • •

# एकाक्षरी नांम-माला

वीरभाण रतनू विरचित

श्री गणेसाय नम

# अथः एकाक्षरी नांम - माला लिख्यते

---

दूहा

कहत अकार ज विस्नु कू, पुनि महेस मत मान ।
आ ब्रह्मा कू कहत है, इ—ई जुग मार जान ।।—१

लघु उकार सकर कह्यो, दीरघ विस्नु स देख ।
देव—मात लघु री कहै, दीरघ दनुज विसेख ।।—२

लघु लृ—लॄ कार सुर मात पुनि, नागमात गुरु होय ।
ए जु कहत है विस्नु कू, ऐ जु महेसुर सोय ।।—३

ओ ब्रह्मा जु अनत औ, परब्रह्म अभिमान ।
कविकुळ सब ही कहत यू, अ महेसुर आन ।।—४

क ब्रह्मा कू कहत कवि, वाय सूर पुनि लेख ।
कहत आतमा सुख कू, क प्रकास अरु लेख ।।—५

क सिर क जळ कजु सुख, कूं धरती धर चित्र ।
कु ''' कूं जाणियौ, वजु विवेक धरि चित्र ।।—६

ख इंद्रीय नभ ख कह्यो, ख जु सरग पुनि सोय ।
कहै सुपुन्य से ख सबै, ख ' यू होय ।।—७

---

अ विस्णु, महेस । आ : ब्रह्मा ।
इ ई मार । उ सकर । ऊ : विष्णु ।
रि (ऋ) : देवमाता । री (ॠ) : दनुजमाता ।
लृ (ऌ) सुरमाता । लॄ (ॡ) नागमाता ।
ए विस्नु । ऐ : महेसुर ।
ओ ब्रह्मा, अनत शेषनाग । औ परब्रह्म, अभिमान ।
क ब्रह्मा, विस्णु, वायु, सूर्य, प्रकास, आत्मा, सुख ।
क : मस्तक, जल, कमल, सुख, पृथ्वी । कु विवेक, वजु ।
खं इन्द्रिय, नभ, स्वर्ग, पुन्य ।

घटा किंकणी मेघ सू, कह खकार सब कोय।
पुनि ध्रुनि सू घूक है, दक्ष गुणीजण लोय ।।—८

कहत ङकार जू भैरव वह, अरु जि विसन जिय जान।
पुनि ङकार स्वर सू कहैं, चतुर चोर कहुमान ।।—९

चद ही कहत चकोर सब, अरु ज चोर कह मान।
सोभा सू सव कहत है, पक्ष सवद सू जान ।।—१०

छ निरमळ सव ही कहै, वहुरी विजुरी देख।
छेदन कू कहत है कवि, पुनि जु सवर लेख ।।—११

कहत जकार जु वेग सू, अरु जु तेज सू कोय।
पूजा हू सू सब कहै, जेता जय न होय ।।—१२

कहत झकार जु झर रह, वहुरि नस्ट कहु सोय।
पुनि झकार वचक कह्यो, घर-घर स्वर ही होय ।।—१३

रुप विषयातमा, अरु जु गायन ही गाय।
जर जर सवद सू कहत है, सवे लकार वनाय ।।—१४

ञ प्रथवी मू कहत कवि, ट वायस वजु आन।
कहत टकार जु इस्वरी, बरहू जु स्वस्त न मानि ।।—१५

कहत वकार विसाळ सू, पुनि घन सू सव कोय।
चद म उलहू कहत कवि, भ सकर ध्वनि सोय ।।—१६

ढक्का कू ढ कहत कवि, ध्वनि निगूढ कह जान।
पुनि णकार कहि जान सू अरु ज स्तुसि तकार स आन ।।—१७

---

ख घंटा, किंकणी, मेघ, घुनि, घूक।
ङ भैरव। जि विस्नु, जिय, स्वर, चतुर, चोर।
च चकोर चद चोर, सोभा, पक्ष।
छ . निर्मल, विजुरी, छेदन, सवर।
ज वेग, तेज, पूजा, जय।
झ भार, नष्ट, वचक, स्वर, रूप, विषयात्मा, गायन। ल : जर-जर।
ञ पृथ्वी। ट · वायस। ट · ईश्वरी, मोर (वरपू), स्वस्ति।
व विशाल, घन।
म चद, उलहू (उल्लू)। भ सकर ध्वनि।
ढ . ढक्का (बड़ा ढोल), ध्वनि, निगूढ। ण - जाण।

चोर क्रोध पुनि पुछि कहू, कहू तकार दे चित्त।
भय रक्षण जु घकार कहू, सिला समूहि मित्त ॥—१८

वेद दान दातान सू, अरु कलित्र द मानि।
धान धात धन वधन हि, कहत धकार सुजु आनि ॥—१९

कहत जान विसवास पुनि, अरु ज निखेध नकार,
नो नावक कू कहत है, पंडित समझ निहार ॥—२०

प वन पातरी पवन कहू कहू पुकार नित मित।
रग रव सु सुप्त फकार कहू, प्रगट जु तिन कहू नित ॥—२१

झंझा वाय झकार कहू, कहू फकार भय रक्ष।
निस्ट जला सु फकार कहू, अरु फकार ही दक्ष ॥—२२

फूकारै फू कहत कवि, अफळ वचन फू आदि।
पुनि बकार संग्राम कहि, अरु प्रवेस कहू माहि ॥—२३

भ नक्षत्र पुनि भ्रमर भ, दीपत भानु भूप।
भय का भीक सब, ता कहू चित न भूप ॥—२४

चंद्र रुद्र सिर मा कहत, मा लछी परमान।
माल मात अस्ना भी, पुनि बधन मूजी नि ॥—२५

सजमकाळ पकार कहि, सूर श्रेष्ट मन मान।
जान जात अरु त्याग कहू, बुधजन कहत सुजान ॥—२६

काम अनुज अस्तु वज्र पुनि, सबद रूप धरि चित।
कहु रकार जल स्व वन की, रटन भय कहू मित ॥—२७

---

त : स्तुति, चोर, क्रोध, पुछि (पूछ)। घ : भय, रक्षण, सिला, समूही, मित्र।
दा : वेद, दान, तान। द : कलित्र। ध : ध्यान, धातु, धन, बधन।
न : जान, विस्वास, निखेध। नौ : नाव।
प : पवन, पातुरी, वन, नित।
फ : फकार (ध्वनि) भय, रक्षा, निस्ट (खराब)।
झ : झंझावाय फूं : फूक। फू : अफळ वचन।
ब : संग्राम, प्रवेस। भ : नक्षत्र, भ्रमर, दीपत, (दीप्ती) भानु भूप।
मा : चंद, रुद्र, सिर, लछी, माल, मात, अस्ना, बधन, मूजी।
य : सजम, काळ, सूर, श्रेष्ट, मन, जान, जाति, त्याग।
र : काम, आग (अनल) अस्तु, शब्द, रूप, जल, वन, ध्वनि।

इद्र लवन दत्त व्वाज पुनि, रहि लकार पर सिद्ध।
ली स्लेख मलप सू कहै, ल निस्तक कहू विृध ।।—२८

सात्वन वर उर वीत कहू वकार समरत्थ।
गति नय नर अरु श्रेष्ट पुनि, कहू वकार के अर्थ ।।—२९

कहत सकार परोख कू, पुनि सोभा अति श्रेष्ट।
ई कल्यान ह कहत है, सजुकति पुनि प्रेस्ट ।।—३०

सयनकाज सी कहत कवी, वी दोउ सामांन।
कहत खकार परोख कू, ल खरीक हूं ठान ।।—३१

कहत खकार जु स्नेह कू, अरु सूलाक हू मान।
हर हकार विचित्र है, हे सबधन ठान ।।—३२

कहत क्षकार जु क्षीम कु, क्षमा क्षम का जान।
आद अकार लकार लौं, यह विध वरतन मान ।।—३३

विहु-स्वन मुख सूं नित रक खट अस्टादस ही पुरान।
नाम-माळ एकाक्षरी, भाखी रतनू "भान" ।।—३४

• • •

---

ल · इन्द्र, लवन(लगन), दत्त, व्याज। ली श्लेख, मलप। ल निस्तक, विृध।
व · सात्वन, वर, उर, वीत (वित) समरत्थ, गति, नय (नीति या नगर) नर, श्रेष्ट।
स · शोभा परोक्ष, अति श्रेष्ट। ई - कल्याण, सजुकति प्रेष्ट। सी सयन(रति)।
वी दोउ, समान। ख परोक्ष, स्नेह, सूला, ह हर विचित्र।
हे सम्बोधन। क्ष क्षीम, क्षमा, क्षम।

# एकाक्षरी नांम-माला

कवि उदयराम विरचित

# अथ एकाक्षरी नाम-माळा लिख्यते

## दूहा

सार सार विद्या सकळ, समझै गुण ततसार।
कीरत सार उदार कर, देसळ जगदातार ॥—१

श्री गणपत सरसुत सुमत, उकत वृवत अणपार।
अनेकारथ एकाक्षरी, "उदा" करो उचार ॥—२

सुर अच्छर मात्रा सहित, एकै अरथ अनेक।
जूदो जुदो वरणो जुगत, वरणो नाम विवेक ॥—३

## ॐकार नाम

ॐ ईस्वर सुगनी (उचर) केवळरूप (कहाय),
मंत्र बीज वाचक (मुणो) पूरणग्यान (पढाय)।—४

अवय सरवारथ अवच (ॐ) प्रणवधुनअग,
सरववीज (घट-घट सदा सोहं सात प्रसंग) ॥—५

## अ नाम

मकर ब्रंमा श्री असन अरक सिखा ससियद,
पवन प्राण सुखया प्रजा काळप्रमाण कवद।—६

आदंछर जरऊपनो (गण न्यारा गुण नाम,
अ अछर यतरा अरथ सरभ जोत घणस्याम) ॥—७

## आ नाम

सिव सुरतर श्रम सरब गुण असतूत हय गय यद,
चणकरिखी शुभ धाम चख (वद आ नाम विलद) ॥—८

## इ नाम

सिव रव सेनानी सुची अज अहि मनमथ यद,
वरण विक्ष धनवान विध व्याळ ससी (इ विद) ॥—९

## ई नाम

ईसुर कमला (वळ) अरुण वभ्र मुकर (वताय),
श्रीवभया सुतवानत्रिय सक सबकस (सुणाय)।—१०

दयावाननर (दाखजै वदै नम) विदवान,
(दीरघ ई के नान दख गरणौ एक) व्रमग्यान ॥—११

उ नाम

नारदरिख आधीन रव सकर गवरी (सार),
स्वामीकारत तडत सम आशीवाद (उचार)।—१२
रावन (नाम) अकाळ (रट) अगुण काळ ततरग,
(उदैराम धुर विहू उकत उ लघु नाम) उतग ॥—१३

ऊ नाम

पवन चद रव हर पनंग पूरण दळद्री प्रेत,
विध अगन मूरख व्रवण (दीरघ ऊ कहि देत) ॥—१४

ऋ नाम

उमा रमा सर गर अनत व्रक्ष साळ नळ वास,
गुर फूफी सुत नीचगुण (गहि) अदती (ऋ ग्यान) ॥—१५

ॠ नाम

सकर विध सुरपत ऋसन यम व्रखमान वयद,
वरण अघी नरवर (जपौ ॠ दीरघ परसंद) ॥—१६

लृ नाम

अदती हर पकज अरूण पापी अतक निपुंस,
नर हार्‌यो पाखड (नित कहि) मलेछ (लृ) कस ॥—१७

ॡ नाम

महापुरुख नृप मुंढनर देविपुरुख चिह्न देव,
(कथा) कथा नवेख (ईकथौ भाख) पुज कच भेव।—१८
पापीनर अपद्वार (पढ) वुधविना नरवाळ,
(ॡ दीरघ के नाम लख विध माळ विसाळ) ॥—१९

ए नाम

मेख जीव सूरज विमनु वाळक दुज दनु वाण,
नाती सकळी वुधनर उद्धत द्वेखी (आण)।—२०

(ग्याता गथा भेद गण एक नाम यत पाद,
ए अई के भाखू अवै निपुण सुणौ निनाद) ।।—२१

ऐ नाम

वचनवीज व्यापक विसव लोक सरूप (लखाय,
मुण) वछ्या सुरसुत मुकत (अई के नाम उपाय) ।।—२२

ऐ नाम [ग्रन्थान्तरे]

नृप सिव विखम (रु) पूज्यनर क्रूर विविध कुलाळ,
उण्ट मूढ कप असुर (कहि) विखमायुद्ध (अई) वाळ ।।—२३

उ नाम

असुर जक्ष अज उतकष्ट अगस्तरिख ध्रू (आख),
जख कव मुखक मजार (जप भेद) गुरड (ए भाख) ।।—२४

ऊ नाम

सेख विधाता मुन ससी सुखी जार लघु (साख),
स्वान दळद अभ (प्राय सुण ऊ) थळ (कव आख) ।।—२५

अं नाम

पकज पूरण व्रमपर दुर वरक्त दुख (दाख,
श्रेष्ट भुजन श्रीकृष्ण री अ अवधा जग आख) ।।—२६

अ नाम

वीतराग विसरगविधी ठौड यती ठहराय,
सुध चाकर (फिर) विसन सुत (अध अहन्याय उपाय ।।—२७

क नाम

अगन विधाता आतमा वरही रव वनवास,
जम किंकर (कहि) रूपजग (पुन) गणक परकास ।।—२८

का नाम

यळा सेस दिव (गण) अलप कायर रथ परकास,
(कहत) निरादर, (कू कवि यौ का नाम उजास) ।।—२९

### कि नाम

रमा क्रसण मघवान रव करख्य सिकारी (काज),
कदुख अगन वालम (कहौ तव लघू कि सिरताज) ।—३०

प्रसन तुच्छ गुण जुगपसा निंदा (की वर नाम,
वळ) विचार ग्रांजग ग्रथा (रट 'उदा' श्री राम) ॥—३१

### की नाम

यळ कमळा हय गय ग्रही व्रखभ गुलावी रंग,
चारपुरख चीटी जिभ्या पुरख रसत्र (प्रसंग) ।—३२

वास कुवध कुळ रोख (वळ दीरघ की गुण दाख,
उदैराम नव तज ग्रवै राम भजन मन राख) ॥—३३

### कु नाम

तनक तळाई उरज तट सरस सवद भू (सोय,
लघू कु नाम कुग्रार लख जुगत ग्ररथ गुण जोय) ॥—३४

### कू नाम

कूप भूप गभीर (कहि) मध पटाभ्रर (मंड),
कुंभ (न) कुंजत सवद (कहि) खित (कू नाम ग्रखख) ।—३५

कारण द्रव भू ग्राद (कहि) कारज (ग्रौर) प्रकास,
(दीरघ कूं के नाम दख जुगती यती उजास) ॥—३६

### के नाम

रतन खाण केकी (रटौ) ग्रनुगिन प्राण (उपाय),
कुण (कें के यत्यादि कहि गोवद रा गुण गाय) ॥—३७

### कैं नाम

क्लीव मद (क) वळवत (कैं) मरसत पवन सुणाय,
पुन्न ग्रगत कदप (पद) भारथी पवित्र (भणाय) ॥—३८

### को नाम

मोर कनक मञवाक (नृण) वाळक कोप (ह) वाज,
(न्यान जिती को नग विसव रथै नह हर गुण काज) ॥—३९

### कौ नाम

आप वृखभ नर धिष्ट (अव) कद्रप जम जम काज,
(कौ कव अवधा गुण कही श्रोता सुणै समाज) ।।—४०

### क नाम

काम सीस सुख जळ कनक कज अनळ (कहि नाम),
पय सुभ दुख (रु) जहर (पढ क के नाम सकाम) ।।—४१

### ख, खा नाम

खाई धर पकज खिती कमळा (खा कहि नाम,
चरणा चत्र भज चाह भू सो नित करै सलाम) ।।—४२

### खि नाम

गवण नासकाछिद्र (गण) रतन रता क्षयरोग,
कवनिवास (वळ नाम कहि सुण खि नांम सजोग) ।।—४३

### खी नाम

विघ श्रगाळ गुद मदन (वळ ओर) मळणगण (आख),
कुसळखेम (कु खी कहै भेद यता खी भाख) ।।—४४

### खु नाम

मदन विकळ गूघू मुखक सिखावांन सख धांम,
विध खद्योत (के नाम वळ लघु खु वरण लख नाम) ।।—४५

### खू नाम

कवजन सुरगर सूर (कहि) जीव नखी (खू जांण,
घू) कगर जीवादि खित (विण हर नाम वखाण) ।।—४६

### खे नाम

कव खेद सभौद्वार (कहि खे) खेचर (सहि) खग,
प्राण (नाम खे वळ पढो रिव भुज जात सरग) ।।—४७

### खै नाम

सिव नदी गन भ्रात सुत (मुणौ मान खै नाम,
खै ए नाम वखणिये रटो 'उदा,' श्री रांम) ।।—४८

### खो नाम

खज अरुण अवराखबौ पुन्य खेड (कहि पात),
मानसहत भय मडमन (विध खो नाम विख्यात) ।।—५०

### खौ नाम

ईस्वर मघवा भूगनी जुगळ मोर भू (जाण,
कव यतरा खो नाम कहि वळ ख नाम बखाण) ।।—५१

### ख नाम

सिव नभ यद्री रिख सरग ग्रह नृप सुख सुन्य ग्यान,
खज (रु) खजन छिद्र खलु (विध ख नाम विधान) ।।—५२

### ग नाम

ऋसन गजानन राग कर पची पवन प्रधान,
प्राण गध जळ प्रीत (पढ वद ग नाम विदवान) ।।—५३

### गा नाम

उमा रमा गगा यळा गिरा सकत वुध गयान,
चौज ग्यान नाभ (गा चढो वळै) धनी वुधवान ।।—५४

### गि नाम

प्रढ वाक्य सारद (पढौ वळै) धनी वुधवान,
गिरा राम (गावै गुणा जै वुधवान जिहान) ।—५५
गुजा रव पुर वरण गण सुर (गीणि नाम सुणाय,
वृथा नाट गि हरि विना गोवद रा गुण गाय) ।।—५६

### गी नाम

सोभा श्री मदरा सुधा वाणी सकत (वताय),
वृम एक समता विधि (गी वाणी गुण गाय) ।।—५७

### गु नाम

आसवका अतीगुण अरक प्राण मनोज (रु) पाज,
कूकर खर भय जुगत नर मुर गुण पय समाज ।।—५८

### गू नाम

(कहिया गुण) मळ नदकूल(कू) लघू वृद्ध त्रिय(लेख),
सतथि वस्तु ग्लाणि सदा दुनी तमक (गू देख) ।।—५८

### गे नाम

राग जमक पाप सट (रट मुण) छद गीत मलार,
(गेय कमत के नाम गण एता किया उचार) ।।—५९

### गै नाम

सिव रव सोक पळास गत (ग्रत गै नांम उचार),
छटा सरव (ग्रत छोड नै सिव गै नाम सभार) ।।—६०

### गो नाम

तर घर वाणी सरग (तव) यद्री खग जळ (ग्राख),
छद वचन दिव वज्र छिव सुरतर सुरभी साख ।—६१

ग्लाळ वाण द्रप दर (गणी) हसती ब्रखभ (कहाय),
किरण (वळै) रव सबद (कहि गो के नाम गणाय) ।।—६२

### गौ नाम

झाती गणपत कुळ सद्रग (लख्य) लाज भू लाल,
देवलोक दिस वाण (दख) मसक जुगपती माळ ।।—६३

### ग्र नाम

मलयाचळ हेमाद्री (मुण) गीत श्रष्ट गभीर,
वाजा-राग-छतीसविध सरण तन्नवत सीर ।।—६४

### घ नाम

सुधरम गज सिव सिख सबद रव दधसुत घणराट,
ग्रह (तज भुज ग्रनत कर घ के नळ कर घाट) ।।—६५

### घा नांम

विध देवी धुन वसुमती ग्रसुरी सची (उचार),
निरग किंकणी थापना घार घातकी मार ।।—६६

### घि नाम

अगत्रसना (अर) च वर (मुण) वडरु धरम विसतार,
(कव घि नाम पछु कहि 'उदा' दीरघ उचार) ॥—६७

### घी, घु नाम

द्रव घ्रत वाळ कुमार दळ सुरगुर (घी के) मार,
अहि सठ घूक दयाळ (कहि तव घु नाम विसतार) ॥—६८

### घू नाम

गज सुर घण मदरा गुदा यळ अग्यार अलूक,
नीलवर (घू नाम लख 'उदा' पढी अचूक) ॥—६९

### घे, घै नाम

कव स्वान चौकी करा खीली (घे कर ख्यात),
रव धरमी पापी समर (सुन सुत घै दरसात) ॥—७०

### घो नाम

यज घर गोह अहीर घर लोह अस्ववळ (लेख,
सवद वळे घो नाम सुण दुत घो भाखू देख) ॥—७१

### घौ नाम

अरूख ताळ देता अगी रव विवाण रट (नाम,
कहिवळ) वासकलाल (को सो तज भज घणस्याम) ॥—७२

### घ नाम

गत मलीन (घा) चित (गण) पापी नर पुन ग्रान,
(उचर नाम घ के यता विध भाखै विदवान) ॥—७३

### ङ् (ङ) नाम

विखय प्राण वळ भैरव (रु) अस चचळ कुटवाळ,
(चवरादिक ङ'ङ'नाम चव घद ङा'ङा'नाम विसाल) ॥—७४

### ङा (ङा) नाम

यळ अधरादिक यदरा (पढ वळ लोक) पताळ,
(मुण) सुक्ष्मगत सुखमण (गुणियण भज गोपाळ) ॥—७५

### डि (डि) नाम

भय जुत अग सुछम (भणौ) द्रग दुगधा सुर (दाख) ,
दखण दुज (कू दीजिए भेद डि पछ्यू भाख) ।।—७६

### डी (डी) नाम

(कव दीरघ डी नाम कहि भेद हरि गुण भाख) ,
देवभूम यळ ऋकळ (दख) अहिनूप ठीवर (आख) ।।—७७

### ड़ु (ड़ु) नाम

गिडव पवन पावन अगन (लघु ड़ु नाम लखाय) ,
व्याधी अवधा अग वचन उखर धर (ड़ू आय) ।।—७८

### डे (डे) नाम

गज कपोल पारद (गणौ) लाज स्याम (कूं लेख) ,
अजन कठण अमोल (कहि सो डे नाम सपेख) ।।—७९

### डैं नाम

पारामुर रिख (नाम पढ) गधक (नाम गणाय ,
उदयराम तीनू यसा सो डैं नाम सुणाय) ।।—८०

### डो नाम

असतर पाडौ आरणौ (तव वळ) खचर तुरंग ,
गवा-वघ सवदागती सिहत दादुर सग ।—८१

प्राचत (व पुठै) स्यार (पर) सीह रुपहर (सार ,
को) नाकढ मत (डौ कहौ यतरा नाम उचार) ।।—८२

### डौ नाम

सस रव अगनी स्वारथी वैद भजन जंबाळ ,
कद-मूळ (अरथ कहि पढौ) अजव (डौ) पाळ ।।—८३

### ड नाम

जळ पय घ्रत सुख भग जहर चिहूर (वळे) चमूह ,
अग (वळै ड नाम सुण) सगना माळ समूह ।।—८४

### च नाम

आलगन ज्वाळा अगन सस गण वदन (मुणाय),
ओक मनोहर पुन अरथ (रु) अवुध चोर (रचाय)।।—८५

### चा नाम

(कहू) विप्रकनौजिया कन्या ऋसना काज,
(कवियण चा कै नाम कहि रटौ राम महाराज)।—८६

### चि नाम

रव दिवाल चित्र माख (रट) अजा पिंड भय (आख,
लघू चि नांम एता लखो राम नाम चित राख)।।—८७

### ची नाम

स्याही कगसी हस्तणी (वळ) हरजटा (वखाण,
कवियण फिर) माया (कहै जुगत दीरघ ची जाण)।।—८८

### चु नाम

काळ वज्र सरद (कहै) घर भय जुत उपधान,
(अवै नाम) नाडीयडा (वद चु नांम विदवान)।।—८९

### चू नाम

सुरतर खग रव पवन सर ताळा गणिकव (तोल,
वळै) लोद पळ (नांम वण) वक (दीरघ चू वोल।।—९०

### चे नाम

रव समूह सस ऋसन (रट) मन अस कीर (मिळाय),
सुपरण कपत भैरी ससि (सो चे नाम सुणाय)।।—९१

### चै, चौ नाम

दूत चोर प्रेरक दुष्ट जुध (चौ नाम जणाय),
उद्यत नर गउ व्रखभ अस मावत रस चौमाय।।—९२

### च नाम

चदन तिय पिय सुख चिरत द्रष्ट रुष्ट दुखदाय,
भ्रमण जहर कव (च भणो एता नाम उपाय)।।—९३

### छ, छा नांम

केकी रव सस कुज कर छिव पूरण (छ नाम),
क्राती छाया हर ढकण रक्षक रछ्या (राम) ।।—६४

### छि नाम

कानि कुलाल सिकारी (कहि) काळ (रु) नीव कुठार,
(एक) विवुध ग्रवधा (यता तव छि लघु ततसार) ।।—६५

### छी नाम

अगत्रसना कटमेखळा सीव जीव मदसार,
(दाखो) काती छछुदरी (ए छी दीरघ उचार) ।।—६६

### छु नाम

मसक जुगपसा कीर (मुण) त्रसना (सवद वताय,
कहिया छु नाम लघु कर कवि जुगती वडै जणाय) ।।—६७

### छू नाम

थाट सवद गज मुरज थित खुधावत त्रिय स्यात,
भिछा (गण छू नाम मुण भुज हर सज प्रभात) ।।—६८

### छे नाम

ऊखर फासी यद्रिया वेणी वसुधा स्याल,
(कव यकमत छे के कहो दुमता नाम दिखाय) ।।—६६

### छै नाम

देवलोक मदपात्र (दख) तीखीवस्तु (तोल,
कव) सेन्या (वरणण करो वरणी छै कव वोल ।।—१००

### छो नाम

पवन अग पूरण पुणछ रोर श्रंगार (रचाय,
काना कडमत छो कहो सुध छोह मैं सुणाय) ।।—१०१

### छौ नाम

केती वरक्त दकूळ (कहि) परवत वानर (पेख,
जाण) नार कव परम (जप) लटा पवन (छो लेख) ।।—१०२

छ नाम

भू निरमळ घन ज्वाळ (भण) कुळ तट सिखर आकास,
मुख जळ (छ के नाम मुण 'उदा' करो उजास) ।।—१०३

ज नाम

जनम सचारी जीव जड जैतवार नरजार,
(गण) ससारी जोगयौ (अहि निस राम उचार) ।।—१०४

जा, जि नाम

(चवाँ) व्रद्ध फासी चतुर जोन (नाम जा जाण),
भडग जितद्रिय रस भभक जीत (जि नाम जताय) ।।—१०५

जी नाम

वादकरण मिठासवचन जवा जीव जग (जाण),
हरसेवा (गण) राग हित ('उदा' लघु जि आण) ।।—१०६

जू नाम

प्रभुजन मित्र पिसाच नभ वावय गनज सिघ्र व्याळ,
जीरण (दीरघ जू जिकै सुण कव नाम विसाळ) ।।—१०७

जे, जै नाम

सुन समूह केहर सजय (जे को नाम जणाय),
सुरगुर पुख रव विघ सरभ अगन (नाम जै आय) ।।—१०८

जो, जौ नाम

आसण सहि सिंगार अज रसण कमळ जो रीत,
जो) वचि चिनी जारसुत (वळ) जवान (जौ) वीत ।।—१०९

ज नाम

कज जनम प्रापत कनक मछ (भयौ) रजमड,
जत्र मत्र (तज) जगतपत ('उदा' भजौ अखड) ।।—११०

झ नाम

मैथुन कर कुरकट (रु) मछ निरझर अव निदान,
नम पयांन पिय नष्ट (गण विघ झ नाम विधान) ।।—१११

### झा, झि नाम

रजत जात नागर रटौ झालर घड़िया झाल,
पल सुर मावत कपहरणू (लघु झि नाम त्रिघ लाल) ।।—११२

### झी, झु नाम

गज हथणी घन वेत (गण) काम (पढौ झी काज),
जोन नमत वीरज जरा सास्त्र (झु कहि सिर ताज) ।।—११३

### झू नाम

सौंघ अघू अरव स्वारथी देव झूठ समदाय,
वाव (नाम झू वडौ गोविंद रा गुण, गाय) ।।—११४

### झे नाम

राम लखमण (झे रटौ) मरजादा सममड,
वन चमार (झे वळ) वनी (एता नाम अखड) ।।—११५

### झैं नाम

सुरगुर क्रति आतम सरव करभ-झैंकता-काज,
गुर(वळ)मईथुनकेगुणी(सो)सरग धाण समत क्रिया ।
(पग झौ पाठ पुराण ऊ झैं नाम समाज)* ।।—११६

### झो नाम

क्राति नृप गोकळ करन प्रात श्रवण (झो) पांण ।।—११७

### झ नाम

अगत्रसना मईथुन (मुणौ) भैरू झप (भणाय),
झणतकार सुर झझकै (औ झ नाम उपाय) ।।—११८

### ञ नाम

घरम अगन भय धारणा दान पुन्य (दरसाय),
घरघरधुन (सो) ग्यान घण (सो ञ नाम सुणाय) ।।—११९

### ना नाम

नाग निवारण रासभणी जरा पुज श्रम (जाण,
वळ) निखेद नानावचन वाममुख (वाखाण) ।।—१२०

---

* स्पष्ट नहीं है ।

### ञि, ञी नाम

अक्षा व्रध राजा अगन प्रापत (सो नि प्रकास),
भयजुतदेवळ वलभ मद पाखडी (ञी) पास ॥—१२१

### ञु, ञू नाम

त्रियमुख दादुर मदतनु (वळ सुवेख वाखाण),
तव) सुथान मदमस्ततिय जवा सोर (ञू जांण) ॥—१२२

### ञे, ञै नाम

सोनो (रु) प्रिय वरक्त तुल्य सध (ञे नाम सुणाय),
मा पचाळी असत महि पिपरी (ञै परठाय) ॥—१२३

### ञो, ञौ नाम

सीमा प्रोढा देतसुत पळास (ञो) परमाय,
वचन कीर पयजाळ व्रख दोभ (नाम ञौ दाय) ॥—१२४

### ञ नाम

ग्यान कमळ परिव्रम (गण) द्रग घ्रत (ञ गुण दाख,
पाचव रण च छ झ ञ पढ सुण ट ठ ड ढ ण साथ) ॥—१२५

### ट नाम

देवदार पीपळ (दखौ) जातरूपक (जाण),
रागफिरै (वळ) मुभट (रट) मूत्र ऋछप (ट आण) ॥—१२६

### टा नाम

वाडवानळ पाठी वसत्र सुक रटगण सुर सिध,
(कवियण यता टा कहो प्रभता नाम प्रसिध) ॥—१२७

### टि नाम

पुतळी गिरतळ मुर विपुल हथणी हटी (कहाय),
भू खम्य (ए सात भण लघु टि नाम लखाय) ॥—१२८

### टी, टु नाम

गोम ग्रीव क्षति मेघ गिर वेपाला (टी नाम),
कर टकन कुरकट मुकट सिखा (टु) चक्रघणस्याम ॥—१२९

### टू, टे नाम

दौड वहन रिध नद मरु, भय छाया (टू) भार,
जान नान खग जोखता मकत (नाम टे सार) ।।—१३०

### टै, टो नाम

भतीज नभ धन अध भख अरि पोता (टै आख),
श्रीफळ धुन चपक सिखा रद गुर (अै टो राख) ।।—१३१

### टौ, टं नाम

दावानळ छत वृख दध नीत पुरख (टौ नांम),
अकुस द्रग मुत भ्रू ह यळ अ्रत (रु) गहड (ट नाम) ।।—१३२

### ठ, ठा नाम

ससि गुर ग्यानी मिव कसन वेग मेघ वाचाळ,
पूठ धनी सुन (नाम पळ) मेद रख्यक (ठहमाळ) ।।—१३३

### ठि, ठी नाम

वेद छद निस्चे कुवर सुर (ठि नाम) सिखराळ,
छदी सुतजा छुध छय कुळ कुटुव कुटवाळ ।।—१३४

### ठु नाम

रोगी माखी कदम (रट) दळद्री रज जमदूत,
त्वग (लघु ठु नाम तव भाख वडै अदभूत) ।।—१३५

### ठू, ठे नाम

रमा मुकद वुव प्रीत (रट) वरज धरम (ठू धार),
सस्यप मन वामण सिखा सेम थान (ठे सार) ।।—१३६

### ठै ठो नाम

सास्त्र व्यास नभ मूढ मिख भग्न घट्ट (ठै भाव),
रक्त पीड सिर मूरखता नखतुल्य (ठो) निरभाव ।।—१३७

### ठौ नाम

गोतम रिख दध वेल (गण गणौं) जीवका ग्यान,
धार मरजादा कुळधरम (सुण ठौ नाम सुग्यान) ।।—१३८

### ठ नाम

सरद नीर मदरा सुधा सुन्यर निमल वसत,
छिद्र (नाम ठं कहि छय दूजा नाम वदत) ।।—१३९

### ड नाम

गोधन सिव गन डमरु पारथ धुन (जप सार),
ताडवृख वृधपण (तवौ ए ड नाम उचार) ।।—१४०

### डा, डि नाम

रव भू भूत उमा रमा डाकन वैतरी डार,
(पुरख उमापदक्रीत पढ तव डि नाम विसतार) ।।—१४१

### डी नाम

आसण हरडै आवळा साकळ नभ (दरसाय),
समद फीण (डी नाम सुण लघु र वडै लखाय) ।।—१४२

### डु नाम

सिवा रक्त चख थभ सकति (कहि) दधवेळ कपोत,
(लोडे डु के नाम लख 'उदा' वडै डू वोत) ।।—१४३

### डू, डे नाम

मोर कळावत विध मदन वाळक (वडे डू वास),
धरमराज जिह अग धरम (वद टे नाम विसेस) ।।—१४४

### डै, डो नाम

कोयल कास मित(रु)वृख करन श्रुत(वै नाम सुणाय),
प्रौढत्रिया पापी मुगव पाप (नाम डो पाय) ।।—१४५

### डौ, ड नाम

नर हर पत गऊ जारनर (कर डौ नाम कहाय),
पय जळ अत रद द्रग चपक(ल कर डी फिर ड लाय) ।।—१४६

### ढ नाम

ढोल भैरवा जत्र ढकण अग दस खर मजार,
स्वाद सवद निरगुण (सदा ए ढ नाम उचार) ।।—१४७

### ढा, ढि नाम

गी पलास नाभी गदा अज मेरु (ढा आख),
गुडी ढेल निंदा गदा भूख लिंग (ढि भाख) ॥—१४८

### ढा, ढु नाम

मत वीलो ब्रमचार सिख कु खर वृछ (ढी काम),
करम दुष्ट गज सूर कप जिभग (ढु लघु जप) ॥—१४९

### ढू, ढे नाम

पाज अधरम (नकु) वप थर हथनी (ढू) हरताळ,
हीग खाल पुरवर महर मन अग गढ (ढे माळ) ॥—१५०

### ढं, ढो नाम

मेघ छटा वगवत मदन वुढण आस (ढै वूद),
सुख प्रधान साधन धनी रोम पत (ढो) रद ॥—१५१

### ढौ नाम

चपक पकत सुगध (चव) जमो सजन सुर (जाण),
मेवासी मानी दुष्ट (विध ढौ नाम बखाण) ॥—१५२

### ण नाम

कृप घ्राण बंबूळ (कहि) क्षाम जैत मछगात,
मेधा निरफळ वक्रमग (सो ण नाम सुणात) ॥—१५३

### णा, णि नाम

हरख नाभ विघ वहनी रुच अजा (नाम णा आख),
हरि करी(र) नद भोम अहि ससि(प्रकार णि साख) ॥—१५४

### णी, णु नाम

अेणी चख जळ ईश्वरी सुरगत्रिया (णी सार),
हथणी धर अहि पाम कर वाणी वस (णु) वार ॥—१५५

### णू, णे नाम

जम रव करद सिव जछा जरा अगन (णू जाण),
मोजा कगुरा विडग मिनी अस लपट (णे आण) ॥—१५६

णौ, णो नाम

लाभ सिवा हर राम दळ जवू (णौ के जाण),
सर खर प्रमाण (सुण वळ) रक्षक (णो वाण) ।।—१५७

णौ ण नाम

मीन भार माया (मुणौ णौ के नाम सुणत),
नभ सुगध लक्षमण दरस वन जभाय (वणत) ।।—१५८

त नाम

सुख तीरथ अघ सूगना चोर मोक्ष भव चित्त,
तत छिब रूप (र) आतमा (त्यू) हिय थान तवित) ।।—१५६

ता नाम

तान ताळ मा ऊच त्रिय (त) छठौ विसतार,
सिवा ईस मईथुन वस्त्र तरण पुरख तिलतार ।।—१६०

ती, तु नाम

नट जट बेली दध नदी सकळ पात (तो सार),
रमा कमळ सुरपुर रक्त कण्ट (तु वाक्य उचार) ।।—१६१

तू, ते नाम

असुध्र जुध कर अगूरी तुछ कटाछ (ते क्षत्र),
यमुजळ नासा सुर असुर मुत ग्यान (ते सत्र) ।।—१६२

तै, तो नाम

मोह हेत प्रक धनि समर काति (तै परकास),
वरण स्याम (र) वमन विघन (ए तो नाम उजास) ।।—१६३

तौ, त नाम

आचारज यळ (मान) अज सरळागर (तौ) सग,
(पुन) वळ जुग सुर अपल चरण भ्रमण (त) चग ।।—१६४

थ, था नाम

गिर गणपत (र) वद (र) गुरड अधर छाक(थ आख),
दुत धर मुरज मदाकनी (भेद नाम था भाख) ।।—१६५

### थि, थी नाम

वृखभ जमा गोदावरी नीद गळाण (थि नाम),
दघ रेवा वृण नीद की (वे विचार थी) वाम ।।—१६६

### थु, थू नाम

अविद्या कूचील पिक उचष्ट विसन भूठ (थु) त्याग,
दामी मुतफिर दास (कहि) पारासर (थू) पाग ।।—१६७

### थे, थै नाम

सवोधन वरलळ सुगध नाल वास (थे तोल),
ताळ कील सुर उरध (तव) वृद पूरण (थै वोल ।।—१६८

### थो, थौ नाम

तर मन सुत नरसिघ चतुर (ए थो नाम उचार),
सग गमण मन अष्टसिघ (सुणौ) मोह (थौ सार) ।।—१६९

### द, दा नाम

दवण देवगण खग दया साधु अपल (द) सार,
रीछ दता घर मुभ रमा दियर हार (दा धार) ।।—१७०

### दि दी नाम

दाता पाळग दसदिसा द्रग पाळग (दि दाख),
स्वामी दानी सस मुधा, आसागत (दी आख) ।।—१७१

### दु, दू नाम

दळद्री कर गज सूंड दुख प्रधान दुरत प्रचड,
दुख विकार सताप दिल मोहनी (दु दू मड) ।।—१७२

### दे नाम

सिवा पुराण अढार (सुण) रूपारेल (रचाय),
सुकव तिया (के नाम सुण) दाम (वळै दे जास) ।।—१७३

### दो, दौ नाम

वृखभ दैत लट सिधवन जाण दान (दे जास),
नावस लिंग कर पाय निस दोख (नाम दो रास) ।।—१७४

दौ, द नाम

समरथभ दळद्री समर प्राण काज (दौ पेख),
दनुत्रिय सुरनर करभ दभ अघ जुग दड (दं देख) ।।—१७५

ध नाम

विध कवध गणपत विष्णु नाथ वचन धनवान,
(वळै) कूलाल कुमेर (वद) खटमुख (ध) व्याखान ।।—१७६

धा, धि नाम

यळ कमला सारद उमा धारण (धा के धार),
धरम धिकार सतोख वर (सुण) आश्रय (धि सार) ।।—१७७

धी, धु नाम

चित्रक मेधा थरज चित दीपक (कृ धी दाख),
तन धोवी कपत पवन यधक दौड (धू आख) ।।—१७८

धू नाम

धूरत कपण अगन धुज सिव गज कर (कहिसार),
चिता भार विचार चित (ए धू नाम उचार) ।।—१७९

धे, धै नाम

पारसनाथ वृख धरम पिव कृष्ण धरण (धे) काज,
रावण ग्रीव सुग्रीव रट पठ आश्रय (धै) पाज ।।—१८०

धो नाम

सुखद धरम सागर सकट अरथ रूपनद (आण),
वृखभ (नाम धो को वळै जुगत यसी विध जाण) ।।—१८१

धौ, ध नाम

धर वाणी देवळ धरम तट (धौं नाम वताय),
दान सुखासण मान द्रव धूण तक्षन (ध) धाय ।।—१८२

न नाम

प्रफुळत तरु पडत प्रभू अन्य बधन अहमेव,
नत प्रमान नौका (मुणै भणनकार गुण भेव) ।।—१८३

### ना नाम

वनता मुख किरपणवचन निपुण वाद नाकार,
प्रनखेधर अव्यय (पढ़ौ ए ना नाम उचार) ॥—१८४

### नि, नी नाम

दळद्री निस्चय दुरगती नरत स्याम (नि धार),
प्रेम अगद नृप प्रपति अतिसय (नी उचार) ॥—१८५

### नु, नू नाम

वन विदेह वप वाळ वळ न्यू नस्कति (नु नाम),
नूपर दपति कठ नित त्रिया वांण (नू ठाम) ॥—१८६

### ने, नै नाम

स्वान अयन चख समवृत्ती वैत छडी (ने वाच),
सिख म्रग श्रव मित सुध वरक्त(रटौ)न्याय(नै नाम) ॥—१८७

### नो, नौ नाम

(रट) प्रतखेध नम थरगण खटमुख मौल विख्यात,
(पढ) दळद्री सुर जुगपुरख (ए नौ नाम उदात) ॥—१८८

### न नाम

सुख द्रग जग सिंगार श्रव हरख नाम गज (होय),
कत स्याम (मिळसी कदै जुगत नाम न जाण ॥—१८९

### प नाम

पापी रत्र रक्षक पवन वूख गुर भूप (वखाण),
सिंघ काम पीवन (सुणौ पढ प नाम प्रमाण) ॥—१९०

### पा, पि नाम

सिवा पान खग रज सुधा पीवन (औ पा नाम),
विसम जोन भीम्म पवत्र सिख (पि नाम) सुरधाम ॥—१९१

### पी, पु नाम

पीड हेम अय हळद (पढ) सम्रत पपीलक साख,
पुत्र पारह प्रापत पुरख दोभ (नाम पु दाख) ॥—१९२

### पू, पे नाम

पूरण नभ पूरब नगर गंगा वपु (पू ग्यान),
पेटी पीवन भोग पख श्रड नीर (पे श्रान) ।।—१९३

### पैं, पो नाम

श्राध नीरज टका सगा सुंदर (पैं दरसाय),
पिंड सुत वृध समास प्रभू (ए पो नाम उपाय) ।।—१९४

### पौ, प नाम

पान पुरख गिरजळ प्रभू (पौ के नाम पढत),
पय पवन रण जळपुष्ट कीच (नाम प) कत ।।—१९५

### फ नाम

पाप फीण वरखा पवन माघ मास मा पुन्य,
(कहि) वुध वानन (रु) माघ (कव पढ फ नाम) प्रसन्न ।।—१९६

### फा, फि नाम

गरळ तीरथ वैठक गुदा भरथ डगा (फा भाख),
काळचक्र वृध राकसी दाह जठुर (फि दाख) ।।—१९७

### फी, फु नाम

गयौ कारल सुर पवन गज (ले फी नाम लखाय),
काती (लो) काती ऋतग गुण विलब (फु गाय) ।।—१९८

### फू, फे नाम

सरव फूक रिण भू सरण वृथावचन (फु वाच),
श्रधकागण कीहो भ्रमण रटै राम फे राच) ।।—१९९

### फै फो नाम

साख लाल श्रनखुलि कुसम रित वसत (फै रीत),
फो फळ वैधूत काळ फळ वाभ स्याम (फौ) वीत ।।—२००

### फौ नाम

मेम द्रोण मरत्रन मपती गगा चारज (गणाय),
मेर गुफा रणमड (तू मो फौ नाम सुणाय) ।।—२०१

### फ नाम

सुन्य भुजन सभारबौ स्वाद मनोहर सार,
छिद्र (और) फालगुनी छटा भगनी (फं सभार) ।।—२०२

### व नाम

बोल निबोली ववकरन प्रतबिंब्रत (कहि पात),
कळस पुलत सुर (फिर कहै वद ब नाम विख्यात) ।।—२०३

### बा, बि नाम

बाळक वहनी नरवदा (कही) बात (बा किव),
विख ससी नभ धर फल वयण पूरण (वि परसिध) ।।—२०४

### बी, बु नाम

विरह वेल निस नृप विनय श्रव खिजूर (वी) साल,
कुस त्रुस अग जळ छत्र (कहि) चक्र बाळध(बु चाल) ।।—२०५

### बू नाम

अरक तूल बवूल (अख) वूख अरजुन गुरवाच,
साद सूर (बू गुर सुणो रैणव पढ गुण राच) ।।—२०६

### बे, बै नाम

जिग क्रम पोहित नीचजन साखी (वे) ससार,
करण अरुण वालक श्रवन वच सत (बै विसतार) ।।—२०७

### बो नाम

वकरो दाढी जाबुफळ (यु) पग स्वास उसास,
प्राणादिक (वो नाम पढ 'उदै' कियो उजास) ।।—२०८

### बौ, व नाम

गौडा धातु गग (गण) सिघासन (वौ सार),
वळ (बळ) देव सभारबौ असत (व नाम उचार) ।।—२०९

### भ, भा नाम

भारगव अलि जळ नभ ससि सेवा रिख भय (साख),
जस मद निस दुत श्री उजळ (भा) मरजादा (भाख) ।।—२१०

### भि, भी नाम

तीर प्रेम रोहणतिया भैरव मेरु (भि भाख),
भीम वभीखण अहि(र) भय (सो) दीवाळ(भी साख) ।।—२११

### भु, भू नाम

कग भख वेसक अहि करग (ए भु नाम उपाय),
(ज्यू) नृप भूखण सतजन (भयो भू नाम सभाय) ।।—२१२

### भे भैं नाम

भेर कप भैरव गुरड भेद छेद भय (भाय),
राग वरन ब्रह्मा रमा जम (भैं नाम जणाय) ।।—२१३

### भो, भौ नाम

सवोधन नवग्रह सरप मिंदर घर (भो मड),
तन मगळ प्रातर भस्म (ए भौ नाम अखड) ।।—२१४

### भ नाम

अलि जळ रव उडवन रचति सिख (भ नाम सभार),
(भभ अच्छर के नाम भण) वयळ कळा (विसतार) ।।—२१५

### म, मा नाम

सिव समूह नभ गयद सिर ससि रण राम (म सार),
गिर जाळंधर मान गत पीडथकौ (मा पार) ।।—२१६

### मि, मी नाम

मील दया (रु) प्रमाण भू विसनतर विमेक,
रमा जती मदवौ करग पढ प्रमाण मी (पेख) ।।—२१७

### मु, मू नाम

पायौ उप-सम मुष्ट रिख वहुत्रीजा (मु वोल),
वधण प्रक घण चक्र बळी सठ (मू नाम सतोल) ।।—२१८

### मे, मैं नाम

वृखभ मेघ उपमेय (वळ) चातक (मे कहिचाव),
रमण स्वारथी रव प्रणत मित्री (मैं समभाव) ।।—२१९

### मो, मौ नाम

मोती तिय पारद मुगत मोह अछ्या (मो मग),
नभ कलाळ वडवानळा (पढ मौ) मुगत (प्रसग) ।।—२२०

### मं नाम

मगळग्रह खल गुड मिलण सु दर रूप (सुणाय),
मगळगीत डछव (मुदै ए म नाम उपाय) ।।—२२१

### य, या नाम

सिवा सुतन ईमुर पुरख खवन (नाम यह ख्यात),
जोत रमा कुलजा प्राप्त तिय नर जाळ (या) तात ।।—२२२

### यि, यी नाम

जळ जुध दोहण कमळ जय (यि पिछु नाम उचार),
गज कुठार ग्रतुडड (गण) तरसारथी (यी तार) ।।—२२३

### यु, यू नाम

सरप जोख जिग ग्रळमिया मिश्र (नाम यु मड),
जिग ग्रस्रत नर डरत जूय थभ (बोल यू) थड ।।—२२४

### ये, यै नाम

साय जोग नर रव सजन (ये के नाम उजास),
जळ पल सिसियद धनद जुग (पढि यै नाम प्रकास) ।।—२२५

### यो, यौ नाम

जोत जोजना जोग पग सुण सयोग (यो साख),
सिख प्राचीदिस कण स्वरग भेद सुपुत्र (यौ भाख) ।।—२२६

### य नाम

क्लीव वसत एकादसा रामकरण पसु रेस,
(वळै) जत्र (य नाम वद एकाक्षर उपदेस) ।।—२२७

### र, रा नाम

दध धुनि रव रक्षक मदन सिख कपाट रस (र) सग,
राह हेम घन क्रुध रमा पाट श्री द* (रा) पग ।।—२२८

---

* मूल प्रति मे स्पष्ट नही है ।

### रि, री नाम

रावन कळम कपूर रिध भवरि (नाम भणाय),
सिख नवोढा कामी कृष्ण भ्रांति भृगी री (भाय) ।।—२२९

### रु, रू नाम

रव भ्रग रूई डर रुदन भाजनमवद (रु) भास,
विघ्र नृप काम गजो वयल कुलाल (रू) प्रकास ।।—२३०

### रे, रैं नाम

नीच काम मुख खेद नभ वायम (रे विख्यात),
राजा सुख वर स्याम रग (रैं) मनोज (दरसात) ।।—२३१

### रो, रौ नाम

उदर-रोम रिख गद असह त्रमना (रो कहि ताम),
क्रोध रौद्ररस ईस (कहि) जटा मरग (रौ जाम) ।।—२३२

### र नाम

मीस रुदन रत रंग सुख घन (रं अवधा धार,
र रकार एता रटै 'उदा' नाम उचार) ।।—२३३

### ल, ला नाम

चिह्न काळ सार सचवर यद चलण (ल आख),
रक्त रग तियवाळ रत (भणी) रमा (ला भाख) ।।—२३४

### लि, ली नाम

सरप त्रिछि दामी सखी मुखक (पिछ लि माप),
अलि लीलावर मिलण यळ(त्यू) सखी(ली परताप) ।।—२३५

### लु लू नाम

भ्रू माळी छेदन भखी लोक (लु नाम लखाय),
लोप काळ छेदन प्रलै गुदा रुद्र (लू गाय) ।।—२३६

### ले, लै नाम

दान तार सुत राम दख (ले) गी वस्तु मलीण,
रांम प्रलय उमया रमा करुणा (लै नाम कहीण) ।।—२३७

### लो, लौ नाम

सिला मीन सिकार (तव) प्रभू मोह (लो) प्रीत,
विघपथ भूखण चोर (वल) मारुत (लौ कहि) मीत ।।—२३८

### ल नाम

लोक वचन सुख सोय लय (नाम चिन्ह के नाम,
लख यव ले ल नाम लख सिमर सदा घणस्याम) ।।—२३९

### व नाम

वरण मुखी उपमा सिव (ही)अव्यय अरथ (उचार),
पवन (बळै व नाम पढ सुकव सुणौ तत सार) ।।—२४०

### वा, वि नाम

अबा विकलय हेत अति (अवय म वण वा आण),
रव सिस दध पछी गुरड (वळ वि) लवौ (वखाण) ।।—२४१

### वी, वु नाम

सास्त्र वेल गगा विसनु सुभट (वी सार),
प्रात प्रदोख (रु)घणपटल (वळ वु नाम विसतार) ।।—२४२

### वू, वे नाम

अरक तूल वहु सरब यभु कबूतर (वू) काज,
वेद पलव सुरतर पिपर (सुणौ) वेग (वे साज) । —२४३

### वै, वो नाम

(अव्यय निश्चय बळ अरथ) कृष्ण सरग (वै किध),
विनय सप्तसुर काल वृख सारथि (वो परसिध) ।।—२४४

### वौ, व नाम

वडवा उडवा पान (बळ) खग सुत (वौ त्रिख्यात),
अरुण वस्त्र चख दही उरज सुख(व नाम सुणात) ।।—२४५

### श नाम

अपरख भोजन सिव उमा हिमगिर शक (कहि होय),
रग गौर सिख्या रमा सागो गी (कहि मोय) ।।—२४६

### शि, शी नाम

सूरज नाट्य सेवक कमल (लघु शि नाम लखाय),
सिया भाग सीतल वस्तु सिसु प्रवीण (शी भाय) ॥—२४७

### शु, शू नाम

पल पलास ससि सुक उपल (शु) कैलास (सुणाय),
खेत्र सोक मिव खड नर (वळ) सुद्र (शू कहवाय) ॥—२४८

### शे नाम

सेस सिखर गिर सरस तर पढत कीर (शे पाठ,
उकत नाम एकाक्षरी 'ऊदै' कथी उदात) ॥—२४९

### शैं नाम

सीतल वरक्त सिव धरम ध्रु धमार नृप (धार),
गैद (वळै) वैसध (गण विध शै नाम विचार) ॥—२५०

### शो, शौ नाम

शोक दोख थिर पवत्र सुण मड त्रभुजा (शो मड),
सख उपासन जप मनि वाळक (शौ) वळवड ॥—२५१

### श नाम

सुख सरीर सुभ सणी सुमर रक्षक रोग रचाय,
('ऊदैराम' एकाक्षरी सो श नाम सुणाय) ॥—२५२

### ष, षा नाम

सिपख खजर नभ श्रेष्ट (सब्द नाम ष सार),
गधी तीड रेखा (षा) गुफा मावू (नाम पा सार) ॥—२५३

### षि, षी नाम

पवन घूक सुरमुख कपट प्रवल (षि नाम प्रकाम),
जम म्रतग हसतु वली (ए षी नाम लखाय) ॥—२५४

### षु षू नाम

हय नख खर पु ज कौतूक हय (लघु षु नाम लखाय),
विधू निसचरा मलेछ बुव (नाम) केत (षू न्याय) ॥—२५५

**षे, षै नाम**

सक खेद नभ, साथ (सुण ए षे नाम उपाय,
कठणवस्तु षर बाळ (कहि) वट (षै नाम बताय) ।।—२५६

**षो, षौ नाम**

तन मलोण नर पज (तव) विचार (षो विदवान,
भू बुध रव(गण) भूख(वळ) मित्र (षौ) सगना(मान) ।।—२५७

**(ष) नाम**

(ए) मधु धार यद्रिया नभ (गण ष के नाम,
'उदैराम' हर नाम उर सिमर सदा घणस्याम ।।—२५८

**स नाम**

पद तळाव अद्रष्ट (पढ) सरिसनित रव (साख,
वळ नाराच (वणाणियै भेद दती स भाख) ।।—२५९

**सा, सि नाम**

तिय साळी रज माल (तव) रमा (नाम सा राख),
सिख असीस हितु सुर खडग (भेद लघु सि भाख) ।।—२६०

**सी, सु नाम**

सुख विवाद वदवा (मुणौ) निरफळ (सी) निरधार,
रव कुठार छेदन फरस (सु लघु नाम) सुथार ।।—२६१

**सू, से नाम**

रसा सगर भा विध (रटौ) पारासुर (सू पेख),
वकरी नभ मिधलोक (वळ दुरस नाम से देख) ।।—२६२

**सै, सो नाम**

स्याळ वाळ अहि धरम (सुण) कीर (नाम सै किध),
सुक्रवार पडत ससि (सो) मंत्र (नाम प्रसिद्ध) ।।—२६३

**सौ, सं नाम**

श्रेष्टवाक्य भ्राता (सुणौ पढ) पुनीत (सौ पाय),
सकर सुख कारण सरण (यु स नाम उपाय) ।।—२६४

ह नाम

हरख चोर कुटबाळ हर काष्ट निखेधा (क्रोध ,
पुन अगाक्ष (ह नाॅम पढ दळ एकाक्षर दीध) ॥—२६५

हा हिं नाम

सत्यारथ गध्रुव सदा हरनद (हा के) हाण ,
हरा खेद टीटूहरी पनग मोर (हि) प्राण ॥—२६६

ही ह्री नाम

अगछोना पछी मनि हरख पुरख (ही होय) ,
वसीकरण व्रीडा अजा मंत्र वीज (ह्री मोह) ॥—२६७

हु, हू नाम

नृप निंद्या निस्चय (कर) सभारण (हु व सार) ,
सुर दीरघ निस्चय सुरद विप्र रूढ (हू वार) ॥—२६८

हे, है नाम

सवोधन कृत अस्व सिव (कहि) प्रसाद (हे काज) ,
पाथ परीक्षक (हय पढौ) हामी (है कहि साद) ॥—२६९

है, व, हो नाम

ताळ सवद वायस तिया गाथ सिवा (हैं ग्यान) ,
जिग उछाह अरजन अति (हो सवोधन ह्यान) ॥—२७०

हौ नाम

सस्त्र पक्ष जय ऋतु मकध ब्रह्मा (हौ वाखाण ,
भगती कर भगवत की जगनाथ गुण जाण) ॥—२७१

हं नाम

पूरण हस समूह (पढ) दीपत जीव उदार ,
गार चोर हरवौ (गणौ) मिव (हं नाम मभार) ॥—२७२

ल नाम

कमळ रमा परिवृम कवि निरमळ (ळ) निरधार ,
प्रथम नाम स्नका (पढै लग्व) गुरु (नाम लकार) ॥—२७३

क्ष, क्षा नाम

दनु खेत मिंदर गवरण क्षमावत (क्ष ख्यात),
जमना यल सीता जरा दुरबळ (क्षा कहि दात) ।।—२७४

क्षि क्षी नाम

जोत यद्रिय चख गोख (जप कानो क्षि कहवाय),
मदरा पखी अगन (मुरण) क्षीरणपुरख (क्षी भाय) ।।—२७५

क्षु क्षू नाम

रव दध यद (रु) रुद्र (के) क्षय (क्षु नाम लखाय),
मुखक नष्ट पापीमुखा (विध क्षू नाम वताय) ।।—२७६

क्षे, क्षैं नाम

सकल मगळ कुरखेत (सुरण) खेडू खेत (क्षे ख्यात),
मुगध जुवारी ठग मिनी क्षय लपट (क्षैं) रात ।।—२७७

क्षो क्षौ नाम

क्षुरक वृराय (लखि कहि) मत्र क्रोध (क्षो मड),
मगळग्रह नूप खज (मुरण) जख मद (क्षौ ज मड) ।।—२७८

क्षं नाम

सुव कमळ पय खेत सुख (नाम) भखरण आरणद,
प्रागतीरथ मकरद (पढ वळ क्ष नाम विलद) ।।—२७९

श्री नाम

कीरत द्रव (सो) कुसळ क्राति रमा प्रकास,
सार वरक्त सित सपदा पीत पत वृतादास ।।—२८०

रतन भूम बुधवान (रट) लाज अजाद (लखाय,
एकाक्षर 'उदा' एता सो श्री नाम सुरणाय) ।।—२८१

'उदा' यरण एकाक्षरी अरथ अनेक उपाव,
कवकुळबोध प्रकास मे देसल जळ दरियाव) ।।—२८२

इति श्री महाराव राजद्र श्री देसलजी राजसमुद्र मध्ये
त्रिविध नाम-माळा निरूपरण नाम अवधा
अनेकारथी एकाक्षरी वर्णन नाम
दसमी लहर या तरग ।

# अथ अव्यय—नांमावली

पहँ नाम-माळा परै अव्यय नांम अपार ,
मेघा सुण व्याकरण मत उदै कियो उचार ।।—१

### प्र नाम

रुद्र गवरा प्रथमारथ (रट) देखण (छा) दरसाय ,
कव सतोख साति (कहौ प्र के नाम उपाय) ।।—२

### अ, इ, ई नाम

अचरज प्रतखेद (रु) अभय.अनेक (नाम उजास) ,
संबोधन (लघु इ सुणौ ई) दुख सम्रती उदास ।।—३

### उ, ऊ, ऋ, ॠ नाम

रोख बचन निसचय प्रसन्न (ऊ ज) निवारण (आख) ,
दोख क्षोभ वृद्ध (ऋ दखो ॠ) विश्राम गुण (राख) ।।—४

### ऌ, ॡ नाम

क्षोभी वृद्ध (रु) दोख कहि ऌ लघु नाम लखाय ,
ॡ) निखेध (दीरघ लखौ अव्यय नाम उपाय) ।।—५

### ए, ऐ, ओ, औ नाम

संबोधन (ए लघु सुणौ ऐ) आचारज (आख ,
ओ) दिखायवो (आखिये भण अहोतहै भाख) ।।—६

### अ, आ नाम

(अ) संबोधन (आखिये) मान विधान म्रजाद ,
आगम (आ अ) पाच (अख ईहग कहत अनाद) ।।—७

### पु, र, डु नांम

(आख) समुचय (पुन) अरथ (अव्यय के व अेह) ,
दुख दुरजन कष्टो दुष्ट (डु वळ अव्यय दाख) ।।—८

### नि नाम

अतिसय निरणय जम (यता) निसचय गवरा निखेध ,
(नि अव्यय के नांम ए वर के डु चत वेघ) ।।—९

(नो मा कहि) प्रत खेदना वा विकलप उपमान ,
(अथ) सुवाय त्यदादि (कहि विदवत्त पढ़ौ विधान) ॥—१०

**वि नाम**

विखम विजोग विजोग (व्है अरथ जुदा भिन आय ,
ए वि नाम उचारियै स के नाम सुणाय) ॥—११

**सं, सु नाम**

(सुण)उतपत भव वरक्त(स) भव्य वरक्त जस (भाख ,
पूजा सुख सू पाइयै राम कृष्ण चित राख) ॥—१२

**स्व ह नाम**

(स्व कहियै सबे) स्वरग (कूं ह अव नाम हलाय) ,
वरजण पदपूरण* (वळै) मारबो त्रिधी मिलाय ॥—१३

अव्यय भेद अपार है, वरण अरथ विसतार ।
चवि श्री फकीरचद, उर्द कियौ उचार ॥

इति अव्यय सपूर्ण ।

---

*पद-रचना मे मात्राओ की पूर्ति के लिए या तुक के आग्रह से 'ह' का प्रयोग प्राय बहुत से शब्दो के अत मे होता है । यथा—

सोने री साजाह, नग कण सू जडिया जिके ।
कीन्हो कवराजाह, राजा मालम राजिया ॥

# अनुक्रम

[ पर्यायवाची शब्दों के शीर्षकों का अनुक्रम ]

## अनेकार्थी शब्दों के शीर्षकों का अनुक्रम

## एकाक्षरी शब्दो का अनुक्रम

० ० ० ०

डिंगल कोष अत्यत महत्त्वपूर्ण है। इसकी थारोनेस मुझे वहुत पसन्द है।

—राहुल साकृत्यायन

डिंगल कोष मिला। देख कर वडी प्रसन्नता हुई। इस उपयोगी प्रकाशन के लिए हार्दिक बधाई स्वीकार करें।

—डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

भाषा-विज्ञान के विद्यार्थियो के लिए ही नही, राजस्थानी ग्रन्थो का अध्ययन तथा सपादन करने वाले विद्वानो के लिए भी यह ग्रन्थ बहुत ही उपयोगी प्रमाणित होगा। आपने इस प्रकार वहुत ही उपयोगी परन्तु अव तक प्राय अप्राप्य सामग्री प्रस्तुत कर राजस्थानी साहित्य की ही नही भारतीय साहित्य तथा इतिहास के विद्यार्थियो और विद्वानो की अमूल्य सेवा की है।

—डॉ० रघुवीरसिंह

कोष को देख कर वडी प्रसन्नता हुई। इसने प्रदेश का गौरव बढाया है।

—डॉ० कन्हैयालाल सहल

कोष की आवश्यकताओ के अलावा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह कार्य महत्त्वपूर्ण है और राजस्थानी भाषा का अध्ययन अथवा भारतीय भाषाओ का अध्ययन करने वालो को इसमे वहुत-सी आवश्यक सामग्री मिलेगी।

—डॉ० रामविलास शर्मा

डिंगल कोष अत्यत सुन्दर, उपादेय तथा महत्वपूर्ण है।

—चन्द्रगुप्त विद्यालंकार